IUC ACADEMY

INCLUSIVE UNIVERSAL CAREERS ACADEMY

Learn. Prepare. Progress. • www.iucacademy.com

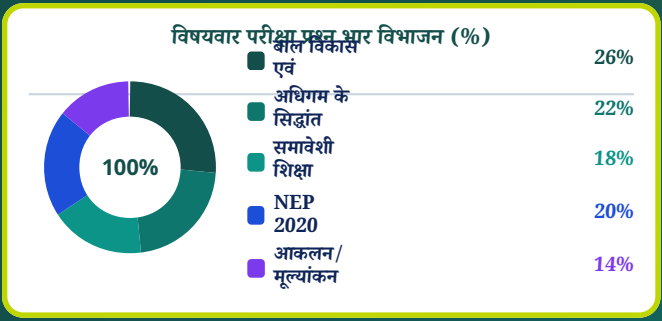
IUC अकादमी नोट्स

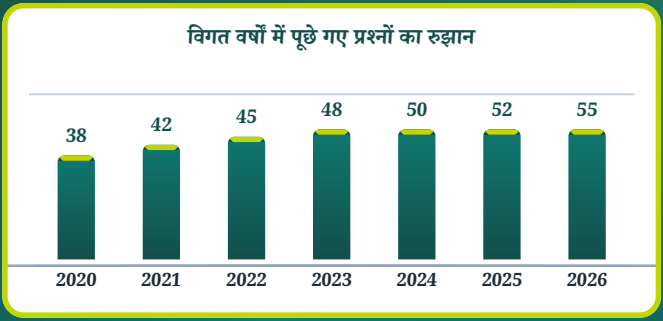
संपूर्ण
पाठ्यक्रम • विस्तृत व्याख्या • तुलनात्मक सारणियाँ • अभ्यास प्रश्न

संपूर्ण बाल विकास, शिक्षाशास्त्र (Pedagogy), NEP 2020 एवं शिक्षण अभिरुचि

COMPLETE CHILD DEVELOPMENT, PEDAGOGY, NEP 2020 & TEACHING APTITUDE

CTET (Paper 1 & 2), UPTET, Super TET, KVS, NVS, DSSSB, BPSC TRE, UGC-NET Paper-1 एवं B.Ed प्रवेश परीक्षाओं के लिए
पियाजे, वायगोत्स्की, कोहलबर्ग, अधिगम सिद्धांत, समावेशी शिक्षा, NEP 2020, NCF 2023 एवं शोध अभिवृत्ति





लक्षित प्रतियोगी, प्रवेश एवं विभागीय परीक्षाएँ (Target Exams Coverage)

CTET Paper 1 & 2 • UPTET/STET • KVS/NVS • DSSSB • BPSC TRE • REET/MPTET • UGC-NET Paper-1 • B.Ed Entrance

इस पुस्तक के प्रमुख खंड एवं परीक्षा प्रश्न भार (%)

- बाल विकास एवं मनोवैज्ञानिक सिद्धांत (पियाजे, वायगोत्स्की, कोहलबर्ग, एरिक्सन) (26%)
- अधिगम के सिद्धांत (थॉर्नडाइक, पावलॉव, स्किनर, कोहलर, बंडूरा) व अभिप्रेरणा (22%)
- समावेशी शिक्षा, RPwD Act 2016 (21 दिव्यांगताएँ) एवं अधिगम अक्षमता (18%)
- NEP 2020 (5+3+3+4, PARAKH, NIPUN), NCF 2005/2023 एवं RTE Act 2009 (20%)
- आकलन/मूल्यांकन (CCE), शिक्षण विधियाँ, सूक्ष्म शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति (NET) (14%)

संपूर्ण पाठ्यक्रम
NCERT एवं मानक स्रोत

तुलनात्मक सारणियाँ
प्रवाह आरेख व चार्ट

स्मृति सूत्र
त्वरित रिवीजन बिंदु

अभ्यास प्रश्न
व्याख्या सहित हल

आमुख, परीक्षा भार विश्लेषण एवं अध्ययन रणनीति — संपूर्ण बाल विकास, शिक्षाशास्त्र (Pedagogy), NEP 2020 एवं शिक्षण अभिरुचि

IUC Academy (Inclusive Universal Careers Academy | www.iucacademy.com) • आधिकारिक अध्ययन नोट्स

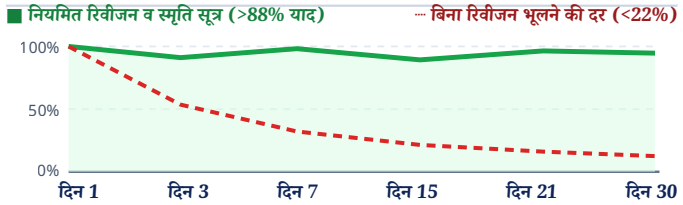
प्रिय अभ्यर्थियों,

अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं एवं विभागीय पदोन्नति परीक्षाओं के नवीनतम पैटर्न में अवधारणात्मक स्पष्टता और सटीक तथ्यों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से **IUC Academy (www.iucacademy.com)** द्वारा इन विस्तृत अध्ययन नोट्स का संकलन किया गया है। इसमें प्रत्येक अध्याय के साथ **तुलनात्मक सारणियाँ, प्रवाह आरेख, महत्वपूर्ण सूत्र, 'क्या आप जानते हैं?' बॉक्स, 'परीक्षा सतर्कता (सामान्य गलतियाँ)', स्मृति सूत्र (Memory Tricks)** और **व्याख्या सहित हल प्रश्न** दिए गए हैं ताकि आपको पढ़ने और याद रखने में पूर्ण सुगमता रहे।

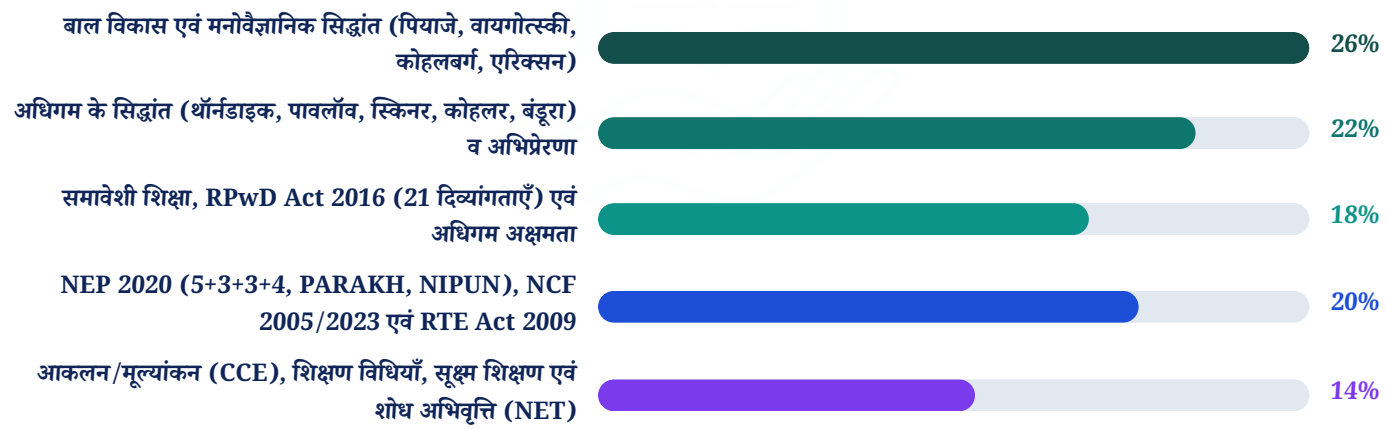
कठिनाई स्तर के अनुसार लक्ष्य सटीकता एवं कट-ऑफ (%)



नियमित रिवीजन (1-3-7-21 दिन नियम) एवं स्मृति धारण ग्राफ



अध्यायवार एवं खंडवार प्रश्न भार सूचकांक (Topic-wise Weightage %)



प्रामाणिक पाठ्यक्रम एवं आधिकारिक संदर्भ स्रोत (Verified Official Sources)

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (Official PDF) (https://static.pib.gov.in/WriteReadData/userfiles/NEP_Final_English_0.pdf)
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा NCF-SE 2023 (NCERT) (https://ncert.nic.in/pdf/NCFSE-2023-August_2023.pdf)
- CTET Official Syllabus & Pattern (https://ctet.nic.in/)
- NCERT Psychology & Education (https://ncert.nic.in/textbook.php)

विस्तृत विषय-सूची एवं अध्याय संरचना (Table of Contents)

संपूर्ण बाल विकास, शिक्षाशास्त्र (Pedagogy), NEP 2020 एवं शिक्षण अभिरुचि • संपूर्ण अध्याय, तुलनात्मक सारणियाँ, अभ्यास प्रश्न एवं त्वरित रिवीजन

1. मॉड्यूल 1: बाल विकास की अवधारणा, वृद्धि एवं विकास के सिद्धांत, अवस्थाएँ, आनुवंशिकता एवं वातावरण तथा समाजीकरण की एजेंसियाँ

- 1.1 बाल विकास की अवधारणा तथा वृद्धि एवं विकास में अंतर
- 1.2 बाल विकास के प्रमुख सिद्धांत (Principles of Child Development)
- 1.3 विकास की अवस्थाएँ (Stages of Development)
- 1.4 आनुवंशिकता एवं वातावरण का प्रभाव (Heredity and Environment)
- 1.5 समाजीकरण की एजेंसियाँ (Agencies of Socialization)
- 1.6 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 1)

2. मॉड्यूल 2: संज्ञानात्मक एवं नैतिक विकास के सिद्धांत (पियाजे, वाइगोत्स्की, ब्रूनर एवं कोहलबर्ग)

- 2.1 जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)
- 2.2 लेव वाइगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (Lev Vygotsky's Socio-Cultural Theory)
- 2.3 जेरोम ब्रूनर का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jerome Bruner's Theory)
- 2.4 लॉरेंस कोहलबर्ग का नैतिक विकास सिद्धांत (Lawrence Kohlberg's Moral Development Theory)
- 2.5 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 2)

3. मॉड्यूल 3: अधिगम (Learning) के सिद्धांत एवं अभिप्रेरणा

- 3.1 अधिगम की अवधारणा एवं प्रमुख सिद्धांत
- 3.2 अधिगम वक्र, पठार एवं अधिगम स्थानांतरण (Learning Curves, Plateau & Transfer)
- 3.3 अभिप्रेरणा एवं अब्राहम मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत (Maslow's Hierarchy of Needs)
- 3.4 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 3)

4. मॉड्यूल 4: बुद्धि (Intelligence), व्यक्तित्व एवं वैयक्तिक विभिन्नताएँ

- 4.1 बुद्धि के प्रमुख सिद्धांत (Theories of Intelligence)
- 4.2 बुद्धि लब्धि (IQ) का सूत्र एवं टर्मन की वर्गीकरण सारणी
- 4.3 व्यक्तित्व मापन की प्रक्षेपी विधियाँ (Projective Techniques of Personality Assessment)

5. मॉड्यूल 5: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चे

- 5.1 समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं RPwD अधिनियम 2016
- 5.2 प्रमुख अधिगम अक्षमताएँ एवं विकासात्मक विकार (Learning Disabilities & Disorders)
- 5.3 प्रतिभाशाली, सृजनात्मक एवं वंचित वर्ग के बालक
- 5.4 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 5)

6. मॉड्यूल 6: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020), NCF 2005, NCF-FS 2022, NCF-SE 2023 एवं RTE अधिनियम 2009

- 6.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)
- 6.2 NCF 2005, NCF-FS 2022 एवं NCF-SE 2023 के मुख्य बिंदु
- 6.3 शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (RTE Act, 2009)
- 6.4 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 6)

7. मॉड्यूल 7: शिक्षण विधियाँ, शिक्षण सूत्र, ब्लूम का वर्गीकरण, सूक्ष्म शिक्षण एवं मूल्यांकन

- 7.1 प्रमुख शिक्षण विधियाँ (Teaching Methods) एवं शिक्षण सूत्र (Maxims of Teaching)
- 7.2 ब्लूम का शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy of Educational Objectives)
- 7.3 सूक्ष्म शिक्षण (Micro-Teaching) एवं भारतीय मॉडल (36 मिनट चक्र)
- 7.4 शिक्षण सहायक सामग्री (TLM), CCE एवं निदानात्मक-उपचारात्मक शिक्षण
- 7.5 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 7)

8. मॉड्यूल 8: शोध अभिरुचि एवं उच्च शिक्षा शिक्षण (UGC NET / KVS / DSSSB विशेष)

- 8.1 शिक्षण के तीन स्तर (Levels of Teaching: Memory, Understanding & Reflective)
- 8.2 प्रभावशाली शिक्षण के मुख्य व्यवहार (Gary Borich's 5 Key & 5 Helping Behaviors)
- 8.3 क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) के चरण
- 8.4 कक्षा-कक्ष संप्रेषण (Classroom Communication) एवं अवरोध
- 8.5 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 8)

9. परिशिष्ट: संपूर्ण 15 स्मृति ट्रिक्स (Master Revision Table)

10. मॉड्यूल 1: अभिवृद्धि एवं विकास (Growth & Development) के सिद्धांत, अवस्थाएं एवं आनुवंशिकता बनाम वातावरण की अंतःक्रिया

11. मॉड्यूल 2: संज्ञानात्मक एवं सामाजिक-सांस्कृतिक विकास — जीन पियाजे (Piaget) बनाम लेव वायगोत्स्की (Vygotsky) एवं ब्रूनर

12. मॉड्यूल 3: नैतिक एवं मनोसामाजिक विकास — लॉरेंस कोहलबर्ग (Kohlberg), कैरल गिलिगन (Gilligan) एवं एरिक एरिक्सन (Erikson)

13. मॉड्यूल 4: अधिगम के व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक एवं सामाजिक सिद्धांत — थॉर्नडाइक, पावलॉव, स्किनर, कोहलर एवं बंडूरा

14. मॉड्यूल 5: बुद्धि (Intelligence) के बहुआयामी सिद्धांत, हॉवर्ड गार्डनर की बहु-बुद्धि, बुद्धि लब्धि (IQ) एवं व्यक्तित्व मापन

15. मॉड्यूल 6: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education), दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act 2016) एवं अधिगम अक्षमताएं (Learning Disabilities)

16. मॉड्यूल 7: अभिप्रेरणा (Motivation), संवेग एवं संज्ञान (Emotion & Cognition), मैस्लो का पदानुक्रम एवं बाल-केंद्रित शिक्षा

17. मॉड्यूल 8: आकलन एवं मूल्यांकन (Assessment & Evaluation) — CCE, ब्लूम का वर्गीकरण, PARAKH एवं 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (HPC)

18. मॉड्यूल 9: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) की 5+3+3+4 संरचना, NCF-FS 2022 (पंचकोश विकास), NCF-SE 2023 एवं निपुण भारत (FLN)

19. मॉड्यूल 10: शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act 2009), शिक्षण अभिरुचि (Teaching Aptitude), सूक्ष्म-शिक्षण एवं डिजिटल पहल

- पूरक विजुअल रेफरेंस: बाल विकास, शिक्षाशास्त्र, शिक्षण विधियां एवं आयोगों की 50-बिंदु मास्टर संदर्भ सारणी

20. अंतिम समय त्वरित वन-लाइनर रिवीजन कैप्सूल (100 महत्वपूर्ण परीक्षा बिंदु)

- बुक 21 एवं बुक 22 — परीक्षा-कक्ष परिस्थितिजन्य अभ्यास (Situational Case Studies), विधिक बनाम शैक्षणिक अभिरुचि निर्णय-मैट्रिक्स एवं त्वरित मिलान सारणियां

21. अध्याय 1: बाल विकास की अवधारणा, सिद्धांत एवं समाजीकरण

- 1.1 वृद्धि (Growth) बनाम विकास (Development)
- 1.2 बाल विकास के प्रमुख मनोवैज्ञानिक सिद्धांत

22. अध्याय 2: संज्ञानात्मक, सामाजिक-सांस्कृतिक, नैतिक एवं मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत

- 2.1 जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)
- 2.2 लेव वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक विकास सिद्धांत (Lev Vygotsky's Sociocultural Theory)

• 2.3 लॉरेंस कोहलबर्ग का नैतिक विकास सिद्धांत (Lawrence Kohlberg's Theory of Moral Development)

लक्षित परीक्षाएँ: केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET), उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET), सुपर टेट (Super TET), बिहार शिक्षक भर्ती (BPSC TRE), केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS), नवोदय विद्यालय समिति (NVS), दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (DSSSB), राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET), मध्य प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (MPTET), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (UGC NET Paper-1) एवं बी.एड. प्रवेश परीक्षा (B.Ed Entrance)।

मॉड्यूल 1: बाल विकास की अवधारणा, वृद्धि एवं विकास के सिद्धांत, अवस्थाएँ, आनुवंशिकता एवं वातावरण तथा समाजीकरण की एजेंसियाँ

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 1: बाल विकास की अवधारणा, वृद्धि एवं विकास के सिद्धांत, अवस्थाएँ, आनुवंशिकता एवं वातावरण तथा समाजीकरण की एजेंसियाँ

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
बाल विकास की अवधारणा तथा वृद्धि एवं विकास में अंतर	**बाल विकास के प्रमुख सिद्धांत (Principles of Child Development)**	**विकास की अवस्थाएँ (Stages of Development)**	**आनुवंशिकता एवं वातावरण का प्रभाव (Heredity and Environment)**

1.1 बाल विकास की अवधारणा तथा वृद्धि एवं विकास में अंतर

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के मानव विकास अध्याय तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS) के प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा पाठ्यक्रम के अनुसार विकास एक जीवनपर्यंत चलने वाली सतत प्रक्रिया है जो गर्भाधान (Conception) से प्रारंभ होकर मृत्यु पर्यंत चलती रहती है। इसमें परिमाणात्मक (Quantitative) और गुणात्मक (Qualitative) दोनों प्रकार के परिवर्तन सम्मिलित होते हैं, जबकि 'वृद्धि' (Growth) केवल शारीरिक एवं कोशिकीय आकार में होने वाले मात्रात्मक परिवर्तनों को दर्शाती है।

तुलनात्मक सारणी 1.1: वृद्धि (Growth) बनाम विकास (Development)

तुलना का आधार	वृद्धि (Growth)	विकास (Development)	प्रामाणिक संदर्भ
प्रकृति एवं स्वरूप	यह केवल परिमाणात्मक (मात्रात्मक) परिवर्तन है, जैसे—लंबाई, भार और आकार में बढ़ोतरी।	यह परिमाणात्मक के साथ-साथ गुणात्मक परिवर्तन (कार्यक्षमता, परिपक्वता, कौशल) भी है।	NCERT मानव विकास
अवधि एवं निरंतरता	यह एक निश्चित आयु (परिपक्वता प्राप्ति, लगभग 18–20 वर्ष) के पश्चात रुक जाती है।	यह गर्भाधान से लेकर जीवनपर्यंत (गर्भ से कब्र तक - Womb to Tomb) सतत चलती रहती है।	NCERT मानव विकास
क्षेत्र एवं व्यापकता	इसका क्षेत्र संकुचित है; यह विकास की प्रक्रिया का ही एक आंशिक भाग (शारीरिक पक्ष) है।	इसका क्षेत्र अत्यंत व्यापक है; इसमें शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं नैतिक पक्ष शामिल हैं।	NIOS विकास के आयाम
मापन की विधि	इसे मानक इकाइयों (किलोग्राम, सेंटीमीटर, इंच) में सीधे मापा जा सकता है।	इसका प्रत्यक्ष रेखीय मापन कठिन है; इसे व्यवहार अवलोकन एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षणों से आंका जाता है।	NCERT मनोविज्ञान परिचय
दिशा एवं क्रम	इसकी कोई निश्चित सार्वभौमिक दिशा नहीं होती, यद्यपि शारीरिक अनुपात बदलते हैं।	यह निश्चित दिशात्मक सिद्धांतों (शीर्षाभिमुख एवं समीपदूराभिमुख) का अनुसरण करता है।	NCERT मानव विकास

1.2 बाल विकास के प्रमुख सिद्धांत (Principles of Child Development)

NCERT के विकासात्मक मनोविज्ञान सिद्धांतों तथा विकासात्मक मनोविज्ञान के मानक विश्लेषण के अनुसार बाल विकास निम्नलिखित वैज्ञानिक नियमों का पालन करता है:

1. **निरंतरता का सिद्धांत (Principle of Continuity):** विकास कभी न रुकने वाली प्रक्रिया है; यह माँ के गर्भ से प्रारंभ होकर जीवन भर चलता है (NCERT मानव विकास)।
2. **विकास की दिशा का सिद्धांत (Principle of Direction):** इसके दो प्रमुख उप-सिद्धांत हैं (NCERT मानव विकास):

• **शीर्षाभिमुख या मस्तकाधोमुखी सिद्धांत (Cephalocaudal Principle):** विकास सिर से पैर की दिशा में होता है। शिशु सबसे पहले अपने सिर पर, फिर धड़ पर और अंत में पैरों पर नियंत्रण पाता है।

• **समीपदूराभिमुख या केंद्र से परिधि की ओर सिद्धांत (Proximodistal Principle):** विकास शरीर के मध्य भाग (रीढ़ की हड्डी/केंद्र) से प्रारंभ होकर बाहरी अंगों (भुजाओं, हथेलियों और उंगलियों) की ओर बढ़ता है।

3. **सामान्य से विशिष्ट क्रियाओं का सिद्धांत (General to Specific Responses):** प्रारंभ में शिशु किसी वस्तु को पकड़ने के लिए पूरे शरीर या पूरे हाथ को हिलाता है, किंतु बाद में केवल उंगलियों का सूक्ष्म प्रयोग (Fine Motor Skills) करना सीख लेता है (NIOS विकास के आयाम)।

4. **वैयक्तिक भिन्नता का सिद्धांत (Principle of Individual Differences):** प्रत्येक बालक की विकास दर और गति भिन्न होती है, यद्यपि विकास का क्रम समान रहता है (NCERT व्यक्तिगत भिन्नताएँ)।

5. **एकीकरण का सिद्धांत (Principle of Integration):** बालक पहले संपूर्ण अंग को और फिर अंग के भागों को चलाना सीखता है तथा अंत में उन दोनों के बीच समन्वय (जैसे—आँख और हाथ का समन्वय) स्थापित करता है (NIOS विकास के आयाम)।

6. **वर्तुलाकार बनाम रेखीय प्रगति का सिद्धांत (Spiral vs. Linear Advancement):** विकास कभी भी सीधी रेखा (Linear) में नहीं होता, बल्कि वर्तुलाकार या सर्पिलाकार (Spiral) होता है—बालक एक चरण में तेजी से आगे बढ़ता है और फिर प्राप्त विकास को स्थायी बनाने के लिए थोड़ा विश्राम लेकर आगे बढ़ता है (NCERT मानव विकास)।

7. **अंतःसंबंध का सिद्धांत (Principle of Interrelation):** शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक और सामाजिक विकास एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े होते हैं (NIOS विकास के आयाम)।

1.3 विकास की अवस्थाएँ (Stages of Development)

NCERT मानव विकास पाठ्यक्रम तथा राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था रूपरेखा (NCF-FS 2022) के अनुसार जन्म के पश्चात बाल विकास को तीन मुख्य अवस्थाओं में विभाजित किया जाता है:

तुलनात्मक सारणी 1.2: शैशवावस्था, बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था का विस्तृत विश्लेषण

विकास की अवस्था	आयु वर्ग	प्रमुख विकासात्मक विशेषताएँ	शैक्षिक निहितार्थ एवं उपनाम	प्रामाणिक संदर्भ
1. शैशवावस्था (Infancy)	जन्म से 2 वर्ष (व्यापक रूप में 0–5/6 वर्ष)	तीव्रतम शारीरिक एवं मानसिक वृद्धि, इंद्रियजनित अधिगम, परनिर्भरता, अनुकरण द्वारा सीखना, मूलप्रवृत्त्यात्मक व्यवहार, आत्म-प्रेम (नार्सिसिज्म)।	खिलौनों की आयु (Toy Age), भावी जीवन की आधारशिला; संवेदी एवं खेल आधारित शिक्षण आवश्यक।	NCERT मानव विकास
2. पूर्व बाल्यावस्था (Early Childhood)	2 से 6 वर्ष	भाषा विकास का सबसे संवेदनशील काल, जिज्ञासा की प्रबलता ('क्या, क्यों, कैसे' प्रश्न), प्रतीकात्मक खेल, समाजीकरण का प्रारंभ।	पूर्व-विद्यालयी आयु (Pre-gang Age), खोज की आयु; कहानी, चित्र एवं बालवाटिका गतिविधियाँ।	NCF-FS 2022
3. उत्तर बाल्यावस्था (Later Childhood)	6 से 12 वर्ष	शारीरिक वृद्धि में स्थिरता एवं मजबूती, तार्किक चिंतन की शुरुआत, समूह के प्रति निष्ठा, रचनात्मक कार्यों में रुचि, संवेगात्मक नियंत्रण।	विद्यालयी आयु, टोली या समूह की आयु (Gang Age), मिथ्या परिपक्वता का काल (रॉस), अनोखा काल (कोल एवं ब्रूस)।	NCERT मानव विकास
4. किशोरावस्था (Adolescence)	12 से 18/19 वर्ष	तीव्र शारीरिक एवं हार्मोनल परिवर्तन (यौवनारंभ), अमूर्त एवं अपसारी चिंतन, पहचान का संकट (एरिक्सन), वीर पूजा, संवेगात्मक अस्थिरता।	संघर्ष, तनाव, तूफान एवं विरोध की अवस्था (स्टेनली हॉल), जीवन का बसंत काल, स्वर्ण काल, संक्रमण काल।	NCERT मानव विकास

1.4 आनुवंशिकता एवं वातावरण का प्रभाव (Heredity and Environment)

NCERT मनोविज्ञान (अध्याय 1 एवं 3) के अनुसार बालक का विकास न तो केवल आनुवंशिकता (प्रकृति / Nature) और न ही केवल वातावरण (पोषण / Nurture) का परिणाम है, बल्कि दोनों की **गुणात्मक अंतःक्रिया** का प्रतिफल है:

$विकास (Development) = आनुवंशिकता (Heredity) × वातावरण (Environment)$

• **आनुवंशिकता (Heredity):** माता-पिता से संतान में जीन (Genes) तथा गुणसूत्रों (23 जोड़े = 46 गुणसूत्र; 22 जोड़े ऑटोसोम्स + 1 जोड़ा लिंग गुणसूत्र XX/XY) के माध्यम से शारीरिक संरचना, आँखों/बालों का रंग और बौद्धिक क्षमता की ऊपरी सीमा निर्धारित होती है (NCERT मानव विकास)। आनुवंशिकता विकास के लिए एक **स्थिर (Static)** आधार प्रदान करती है।

• **वातावरण (Environment):** गर्भ के भीतर के पोषण से लेकर परिवार, समाज, विद्यालय, संस्कृति और भौतिक परिवेश वे सभी बाह्य कारक हैं जो आनुवंशिक क्षमताओं को विकसित होने का अवसर देते हैं (NCERT मानव विकास)। वातावरण **गत्यात्मक (Dynamic)** होता है।

1.5 समाजीकरण की एजेंसियाँ (Agencies of Socialization)

NCERT मानव विकास तथा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF 2005) के अनुसार समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बालक अपने समाज के मानदंडों, मूल्यों, भाषा और व्यवहार प्रतिमानों को आत्मसात करता है:

• **प्राथमिक समाजीकरण अभिकरण (Primary Agencies): परिवार (Family)** और निकटतम पड़ोस। परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है जहाँ से विश्वास, मातृभाषा और प्रारंभिक संस्कार विकसित होते हैं (NCERT मानव विकास)।

• **द्वितीयक या गौण समाजीकरण अभिकरण (Secondary Agencies): विद्यालय (School)**, समवयस्क समूह (Peer Group), जनसंचार माध्यम (Media), धार्मिक संस्थाएँ और समुदाय (NCERT मानव विकास)।

• **यूरी ब्रोनफेनब्रेनर का पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत (Bronfenbrenner's Ecological Systems Theory):** इसमें 5 पर्यावरणीय मंडल हैं—लघुमंडल (Microsystem - परिवार, विद्यालय), मध्यमंडल (Mesosystem - परिवार व विद्यालय का संबंध), बाह्यमंडल (Exosystem - माता-पिता का कार्यस्थल), वृहत्तमंडल (Macrosystem - सांस्कृतिक मूल्य व कानून) और घटकमंडल (Chronosystem - ऐतिहासिक व समयगत परिवर्तन) (NCERT मानव विकास)।

1.6 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 1)

NCF-FS 2022 के मस्तिष्क विकास आँकड़ों तथा NCERT मानव विकास के अनुसार मानव मस्तिष्क के संचयी विकास और विभिन्न अवस्थाओं में समाजीकरण एजेंसियों के सापेक्षिक प्रभाव का प्रतिशत वितरण:

विकासात्मक मापदंड / आयु चरण	संचयी मस्तिष्क विकास (%)	परिवार का समाजीकरण प्रभाव (%)	विद्यालय व मित्र समूह का प्रभाव (%)	मीडिया व बाह्य समाज का प्रभाव (%)	संदर्भ स्रोत
:---	:---:	:---: :---:	:---:	:---:	:---
शैशवावस्था (0–2 वर्ष)	70%–75%	90%	5%	5%	NCF-FS 2022
पूर्व बाल्यावस्था (3–6 वर्ष)	85% (6 वर्ष से पूर्व)	65%	25%	10%	NCF-FS 2022
उत्तर बाल्यावस्था (6–12 वर्ष)	95%	40%	45%	15%	NCERT मानव विकास
किशोरावस्था (12–18 वर्ष)	100%	25%	50%	25%	NCERT मानव विकास

★ **स्मृति ट्रिक 1 (विकास की दिशा याद रखने का सूत्र): "शीश-सिर (Cephalo = सिर से पैर) और समीप-सीना (Proximo = सीने/केंद्र से बाहर)"** — जहाँ 'शीर्षाभिमुख' आए वहाँ **सिर से पैर** टिक करें, और जहाँ 'समीपदूराभिमुख' आए वहाँ **केंद्र (हृदय/रीढ़) से परिधि (हाथ की उंगलियों)** की ओर टिक करें।

स्मृति ट्रिक 2 (ब्रोनफेनब्रेनर के 5 मंडल का क्रम): "माई-मेसो-एक्सो-मैक्रो-क्रोनो (MMEMC = मेरा मित्र एक महान कलाकार)" — Micro (परिवार/स्कूल) → Meso (दोनों का संबंध) → Exo (अप्रत्यक्ष कार्यस्थल) → Macro (संस्कृति) → Chrono (समय काल)।

मॉड्यूल 2: संज्ञानात्मक एवं नैतिक विकास के सिद्धांत (पियाजे, वाइगोत्स्की, ब्रूनर एवं कोहलबर्ग)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 2: संज्ञानात्मक एवं नैतिक विकास के सिद्धांत (पियाजे, वाइगोत्स्की, ब्रूनर एवं कोहलबर्ग)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)	**लेव वाइगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (Lev Vygotsky's Socio-Cultural Theory)**	**जेरोम ब्रूनर का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jerome Bruner's Theory)**	**लॉरेंस कोहलबर्ग का नैतिक विकास सिद्धांत (Lawrence Kohlberg's Moral Development Theory)**

2.1 जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)

स्विस मनोवैज्ञानिक जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत में बच्चों को **"नन्हे वैज्ञानिक" (Little Scientists)** कहा गया है जो सक्रिय रूप से अपने ज्ञान का निर्माण (Constructivism) स्वयं करते हैं। पियाजे के मुख्य संप्रत्यय हैं (Simply Psychology - Piaget):

- **स्कीमा (Schema):** मस्तिष्क में सूचनाओं के संगठित पैकेट या मानसिक संरचनाएँ।
- **अनुकूलन (Adaptation):** वातावरण के साथ सामंजस्य बैठाने की प्रक्रिया, जिसके दो उप-भाग हैं:

1. **आत्मसात्करण (Assimilation):** पूर्व ज्ञान (मौजूदा स्कीमा) में नई जानकारी को बिना किसी बदलाव के जोड़ लेना (जैसे—चार पैर वाले कुत्ते को देखकर बिल्ली को भी कुत्ता कहना)।
2. **समायोजन या समंजन (Accommodation):** नई जानकारी के अनुसार अपने पुराने स्कीमा में संशोधन या परिवर्तन करना (आवाज और आकार के अंतर को समझकर बिल्ली के लिए नया स्कीमा बनाना)।

- **साम्याधारण या संतुलन (Equilibration):** आत्मसात्करण और समायोजन के बीच मानसिक संतुलन स्थापित करने की प्रक्रिया।

तुलनात्मक सारणी 2.1: जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास की 4 अवस्थाएँ

क्रम व अवस्था का नाम	आयु सीमा	प्रमुख संज्ञानात्मक विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ	अवस्था की सीमाएँ (कमियाँ)	प्रामाणिक संदर्भ
1. संवेदी-पेशीय अवस्था (Sensorimotor Stage)	जन्म से 2 वर्ष	इंद्रियों (आँख, कान, त्वचा) व गामक क्रियाओं से सीखना; **वस्तु स्थायित्व (Object Permanence)** का विकास (18–24 माह में); लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार (Goal-directed behavior) एवं अनुकरण।	प्रतीकात्मक चिंतन का अभाव, भाषा का सीमित विकास।	पियाजे की 4 अवस्थाएँ
2. पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational Stage)	2 से 7 वर्ष	प्रतीकात्मक विचार (Symbolic Thought), भाषा का तीव्र विकास, **जीववाद (Animism)**—निर्जीव खिलौनों को सजीव समझना। (उप-अवस्थाएँ: प्राक्-संप्रत्यात्मक 2–4 वर्ष व अंत:प्रज्ञ 4–7 वर्ष)।	**अहमकेंद्रितता (Egocentrism)**, **अपरिवर्तनीयता / अनुत्क्रमणीयता (Irreversibility)**, **केंद्रीकरण (Centration)** और संरक्षण का अभाव।	पियाजे की 4 अवस्थाएँ
3. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage)	7 से 11 वर्ष	मूर्त वस्तुओं के संबंध में तार्किक चिंतन; **संरक्षण (Conservation)**, **उत्क्रमणीयता / पलटावी गुण (Reversibility)**, **वर्गीकरण (Classification)**, **क्रमबद्धता (Seriation)** एवं विकेंद्रीकरण (Decentration) की प्राप्ति; आगमन तर्क।	अमूर्त (Abstract) या काल्पनिक अवधारणाओं पर तर्क करने में असमर्थता।	पियाजे की 4 अवस्थाएँ
4. औपचारिक / अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operational Stage)	11 से 15 वर्ष (एवं आगे)	**अमूर्त चिंतन (Abstract Thinking)**, **परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्क (Hypothetico-Deductive Reasoning)**, अपसारी एवं वैज्ञानिक समस्या-समाधान क्षमता का पूर्ण विकास।	किशोर आत्मकेंद्रितता (Adolescent Egocentrism - काल्पनिक श्रोता व व्यक्तिगत मिथक)।	पियाजे की 4 अवस्थाएँ

2.2 लेव वाइगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (Lev Vygotsky's Socio-Cultural Theory)

रूसी मनोवैज्ञानिक लेव वाइगोत्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत के अनुसार बालक का संज्ञानात्मक विकास अकेले नहीं, बल्कि **समाज (Society), संस्कृति (Culture) और भाषा (Language)** की परस्पर अंतःक्रिया से होता है। इसके तीन आधारभूत स्तंभ हैं:

1. **समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD):** बालक द्वारा बिना किसी सहायता के स्वयं हल किए जा सकने वाले कार्य के स्तर और किसी अधिक जानकार व्यक्ति की सहायता से हल किए जा सकने वाले संभावित स्तर के **बीच का अंतर** ZPD कहलाता है (Vygotsky vs Piaget)।
2. **पाड़ या ढाँचा निर्माण (Scaffolding):** सीखने के प्रारंभिक चरण में वयस्क या शिक्षक द्वारा बालक को दी जाने वाली **अस्थायी सहायता (Temporary Support)**, संकेत या मार्गदर्शन। जैसे-जैसे बालक सक्षम होता जाता है, यह सहायता धीरे-धीरे हटा ली जाती है (Vygotsky vs Piaget)।
3. **अधिक जानकार अन्य (More Knowledgeable Other - MKO):** वह कोई भी व्यक्ति (शिक्षक, माता-पिता, बड़ा भाई, छोटा मित्र या कंप्यूटर) जिसके पास सीखने वाले की तुलना में उस विषय की अधिक समझ या कौशल हो (Vygotsky vs Piaget)।

• **वाइगोत्स्की के अनुसार भाषा के 3 रूप:**

1. **सामाजिक वाक् (Social Speech - 2 वर्ष से):** दूसरों से बात करने के लिए।
2. **निजी वाक् (Private Speech - 3 वर्ष से):** बालक का स्वयं से बोल-बोलकर बात करना ताकि वह अपने व्यवहार और कार्य को दिशा (Self-regulation) दे सके। (पियाजे ने इसे 'अहमकेंद्रित वाक्' कहकर अनुपयोगी माना था, जबकि वाइगोत्स्की ने इसे संज्ञानात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया) (Vygotsky vs Piaget)।
3. **मौन आंतरिक वाक् (Silent Inner Speech - 7 वर्ष से):** मन ही मन चिंतन करना।

2.3 जेरोम ब्रूनर का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jerome Bruner's Theory)

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक जेरोम ब्रूनर के संज्ञानात्मक विकास एवं सर्पिल पाठ्यचर्या सिद्धांत ने **अन्वेषण अधिगम (Discovery Learning)** तथा **सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum)** की अवधारणा दी और संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व की **3 अवस्थाएँ** बताईं (Bruner Theory):

1. **क्रियात्मक अवस्था (Enactive Stage - 0 से 1 वर्ष):** बालक शारीरिक क्रियाओं और गामक गतिविधियों (Action-based) के माध्यम से सीखता है व ज्ञान को पेशीय स्मृति में रखता है।
2. **प्रतिबिंबात्मक या दृश्य-प्रतिमा अवस्था (Iconic Stage - 1 से 6 वर्ष):** बालक मानसिक चित्रों, दृश्यों और प्रतिमाओं (Image-based) के माध्यम से सीखता है।
3. **संकेतात्मक अवस्था (Symbolic Stage - 7 वर्ष से आगे):** बालक भाषा, गणितीय चिह्नों, तर्क और अमूर्त संकेतों (Language/Symbol-based) के माध्यम से ज्ञान को व्यक्त करता है।

2.4 लॉरेंस कोहलबर्ग का नैतिक विकास सिद्धांत (Lawrence Kohlberg's Moral Development Theory)

ब्रिटानिका के कोहलबर्ग नैतिक विकास विश्लेषण तथा सिम्पली साइकोलॉजी के कोहलबर्ग अध्ययन के अनुसार लॉरेंस कोहलबर्ग ने पियाजे के नैतिक विकास (Piaget Moral Development) को विस्तारित करते हुए **'हाइंज की दुविधा' (Heinz Dilemma)** के आधार पर नैतिक विकास के **3 स्तर (Levels)** और **6 चरण (Stages)** प्रस्तुत किए:

तुलनात्मक सारणी 2.2: कोहलबर्ग के नैतिक विकास के 3 स्तर एवं 6 चरण

नैतिक स्तर (Level)	आयु वर्ग	चरण (Stage) का नाम	नैतिक तर्क का आधार एवं बालक की सोच	प्रामाणिक संदर्भ
स्तर 1: पूर्व-परंपरागत स्तर (Pre-Conventional Level)	4 से 10 वर्ष	**चरण 1:** दंड एवं आज्ञापालन अभिविन्यास (Punishment & Obedience Orientation)	नैतिकता बाहरी परिणामों पर निर्भर है। दंड से बचने के लिए नियमों का पालन किया जाता है।	Britannica Kohlberg
स्तर 1: पूर्व-परंपरागत स्तर (Pre-Conventional Level)	4 से 10 वर्ष	**चरण 2:** साधनात्मक सापेक्षता या 'जैसे को तैसा' अभिविन्यास (Instrumental Purpose / Tit-for-Tat)	व्यक्तिगत स्वार्थ एवं पारस्परिक लेन-देन ("तुम मेरी पीठ खुजाओ, मैं तुम्हारी खुजाऊँगा") के आधार पर सही-गलत का निर्णय।	SimplyPsychology Kohlberg
स्तर 2: परंपरागत स्तर (Conventional Level)	10 से 13 वर्ष	**चरण 3:** 'अच्छा लड़का - अच्छी लड़की' अभिविन्यास (Good Boy - Nice Girl Orientation)	दूसरों की स्वीकृति, प्रशंसा पाने और समाज में अच्छा दिखने के लिए नैतिक व्यवहार करना।	Britannica Kohlberg
स्तर 2: परंपरागत स्तर (Conventional Level)	10 से 13 वर्ष	**चरण 4:** कानून एवं व्यवस्था अभिविन्यास (Law and Order Orientation)	सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमों और कानूनों का बिना शर्त सम्मान करना कर्तव्य माना जाता है।	Britannica Kohlberg
स्तर 3: उत्तर-परंपरागत स्तर (Post-Conventional Level)	13 वर्ष से ऊपर	**चरण 5:** सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास (Social Contract Orientation)	कानून समाज के कल्याण के लिए हैं; यदि कोई कानून मानव अधिकारों या जनहित के विरुद्ध हो, तो उसे लोकतांत्रिक ढंग से बदला जा सकता है।	SimplyPsychology Kohlberg
स्तर 3: उत्तर-परंपरागत स्तर (Post-Conventional Level)	13 वर्ष से ऊपर	**चरण 6:** सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास (Universal Ethical Principle Orientation)	अंतरात्मा की आवाज, मानवीय गरिमा, न्याय और समानता सर्वोच्च हैं, भले ही इसके लिए कानून तोड़ना पड़े (जैसे—महात्मा गांधी का सत्याग्रह)।	Britannica Kohlberg

★ **कैरोल गिलिगन की आलोचना (Carol Gilligan's Critique):** कोहलबर्ग की ही शिष्या कैरोल गिलिगन ने अपनी पुस्तक *In a Different Voice* में आलोचना की कि कोहलबर्ग का नमूना केवल पुरुषों पर आधारित था, जिसमें पुरुषों के 'न्याय के नैतिक दृष्टिकोण' (Ethics of Justice) को प्राथमिकता दी गई और महिलाओं के **'देखभाल एवं करुणा के नैतिक दृष्टिकोण' (Ethics of Care)** की उपेक्षा की गई (SimplyPsychology Kohlberg)।

2.5 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 2)

शिक्षक पात्रता परीक्षाओं (CTET/TET/KVS) में संज्ञानात्मक एवं नैतिक विकास मॉड्यूल से पूछे जाने वाले प्रश्नों का भार (Weightage %) और कोहलबर्ग के नैतिक स्तरों में सामान्य जनसंख्या वितरण (SimplyPsychology Kohlberg):

सिद्धांतकार / संप्रत्यय	परीक्षा प्रश्न भार (%)	मुख्य फोकस बिंदु (सर्वाधिक पूछे जाने वाले)	कोहलबर्ग स्तर जनसंख्या वितरण (%)	संदर्भ स्रोत
जीन पियाजे (4 अवस्थाएँ व स्कीमा)	40%	वस्तु स्थायित्व, संरक्षण, जीववाद, आत्मसात्करण बनाम समायोजन	पूर्व-परंपरागत (बच्चे): ~15%–20%	SimplyPsychology Piaget
लेव वाइगोत्स्की (ZPD, पाड़, निजी वाक्)	35%	ZPD, Scaffolding, निजी वाक् बनाम अहमकेंद्रित वाक्	परंपरागत (अधिकांश वयस्क): ~70%	Vygotsky vs Piaget
लॉरेंस कोहलबर्ग (3 स्तर, 6 चरण)	18%	हाइंज दुविधा, अच्छा लड़का-अच्छी लड़की, सामाजिक अनुबंध	उत्तर-परंपरागत (उच्च नैतिक): ~10%–15%	SimplyPsychology Kohlberg
जेरोम ब्रूनर (3 अवस्थाएँ व सर्पिल)	7%	क्रियात्मक → प्रतिबिंबात्मक → संकेतात्मक क्रम	—	SimplyPsychology Bruner

संकल्पनात्मक प्रवाह आरेख (Step-by-Step Process Flow)

चरण 1
स्मृति ट्रिक 3 (पियाजे की 4 अवस्थाएँ और ब्रूनर की 3 अवस्थाएँ): - पियाजे का सूत्र: "स-पू-मू-अ (SPCF = सबके पूज्य महात्मा अमर)"

चरण 2
संवेदी-पेशीय (0–2), पूर्व-संक्रियात्मक (2–7), मूर्त संक्रियात्मक (7–11), अमूर्त संक्रियात्मक (11–15)। - ब्रूनर का सूत्र: "E-I-S (एक्टिव इमेज सिंबल = क्रिया-चित्र-संकेत)"

चरण 3
Enactive (क्रियात्मक), Iconic (प्रतिबिंबात्मक), Symbolic (संकेतात्मक)। स्मृति ट्रिक 4 (कोहलबर्ग के 6 चरण क्रम से याद रखने की ट्रिक): "दंड और लालच से बचा, अच्छा बनकर कानून रचा, अनुबंध किया फिर अंतरात्मा को चुना" * * — (1) दंड-आज्ञा, (2) लालच/लेन-देन, (3) अच्छा लड़का/लड़की, (4) कानून-व्यवस्था, (5) सामाजिक अनुबंध, (6) सार्वभौमिक अंतरात्मा।

मॉड्यूल 3: अधिगम (Learning) के सिद्धांत एवं अभिप्रेरणा

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 3: अधिगम (Learning) के सिद्धांत एवं अभिप्रेरणा

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1
अधिगम की अवधारणा एवं प्रमुख सिद्धांत

प्रमुख अध्ययन बिंदु 2
अधिगम वक्र, पठार एवं अधिगम स्थानांतरण (Learning Curves, Plateau & Transfer)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
अभिप्रेरणा एवं अब्राहम मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत (Maslow's Hierarchy of Needs)

3.1 अधिगम की अवधारणा एवं प्रमुख सिद्धांत

NCERT मनोविज्ञान (अध्याय 5 - अधिगम) के अनुसार अनुभव और प्रशिक्षण के फलस्वरूप व्यवहार में होने वाला अपेक्षाकृत **स्थायी परिवर्तन (Relatively Permanent Change in Behavior)** अधिगम कहलाता है। थकान, बीमारी या दवाओं से होने वाले क्षणिक परिवर्तन अधिगम नहीं हैं।

1. एडवर्ड एल. थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि सिद्धांत (Trial and Error Theory)

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ई. एल. थार्नडाइक (शिक्षा मनोविज्ञान के जनक) ने **भूखी बिल्ली** और पहेली पेटी (Puzzle Box) पर प्रयोग कर **उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धांत (S-R Bond Theory / संबंधवाद - Connectionism)** प्रतिपादित किया (अधिगम अध्याय - NCERT):

• **थार्नडाइक के 3 मुख्य नियम (Primary Laws of Learning):**

1. **तत्परता का नियम (Law of Readiness):** जब बालक मानसिक रूप से सीखने के लिए तैयार होता है, तो वह शीघ्र सीखता है ("घोड़े को तालाब तक ले जाया जा सकता है, पर पानी पीने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता")।

2. **अभ्यास का नियम (Law of Exercise):** किसी क्रिया को बार-बार दोहराने से उद्दीपक-अनुक्रिया बंध मजबूत होता है (उपयोग का नियम - Law of Use) और अभ्यास छोड़ देने पर कमजोर पड़ जाता है (अनुपयोग का नियम - Law of Disuse)।

3. **प्रभाव या संतोष का नियम (Law of Effect):** जिस कार्य को करने से सुखद परिणाम या संतोष मिलता है, प्राणी उसे दोहराता है, और जिससे दुख या असंतोष मिलता है, उसे छोड़ देता है। (यही नियम आगे चलकर स्किनर के पुनर्बलन का आधार बना)।

• **थार्नडाइक के 5 गौण नियम (Secondary Laws of Learning):** (i) बहु-अनुक्रिया का नियम (Law of Multiple Response), (ii) मानसिक विन्यास या मनोवृत्ति का नियम (Law of Mental Set/Attitude), (iii) आंशिक क्रिया का नियम (Law of Partial Activity), (iv) सादृश्यता या आत्मीकरण का नियम (Law of Analogy/Assimilation), तथा (v) साहचर्य परिवर्तन का नियम (Law of Associative Shifting) (अधिगम सिद्धांत विश्लेषण)।

2. इवान पेट्रोविच पावलव का शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत (Classical Conditioning Theory)

रूसी शरीर-क्रिया वैज्ञानिक इवान पावलव (1904 नोबेल पुरस्कार विजेता) ने **कुत्ते की लार ग्रंथि** पर प्रयोग कर **S-Type अनुबंधन** प्रस्तुत किया (NCERT अधिगम):

- **अननुबंधित उद्दीपक (UCS):** भोजन (स्वाभाविक उद्दीपक)।
- **अननुबंधित अनुक्रिया (UCR):** भोजन देखकर लार आना (स्वाभाविक अनुक्रिया)।
- **अनुबंधित उद्दीपक (CS):** घंटी की आवाज (कृत्रिम/तटस्थ उद्दीपक)।
- **अनुबंधित अनुक्रिया (CR):** केवल घंटी बजने पर ही लार आना।
- **महत्वपूर्ण संप्रत्यय:** विलोपन (Extinction - लंबे समय तक भोजन न मिलने पर घंटी से लार आना बंद होना), स्वतः पुनर्लाभ (Spontaneous Recovery), उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization - मिलती-जुलती आवाज से भी डरना या लार आना) और उद्दीपक विभेदन (Discrimination) (NCERT अधिगम)।

3. बी. एफ. स्किनर का क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांत (Operant / Instrumental Conditioning)

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक बी. एफ. स्किनर ने **सफेद चूहे (1938)** और **कबूतर (1943)** पर स्किनर बॉक्स में प्रयोग कर **R-Type अनुबंधन** दिया (NCERT अधिगम)। इसमें उद्दीपक से पहले **अनुक्रिया (Response)** होती है और अनुक्रिया के बाद मिलने वाला **पुनर्बलन (Reinforcement)** व्यवहार को मजबूत करता है:

- **सकारात्मक पुनर्बलन (Positive Reinforcement):** वांछित व्यवहार के बाद पुरस्कार, प्रशंसा या भोजन देना जिससे व्यवहार की आवृत्ति बढ़े।
- **नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement):** किसी अप्रिय या कष्टकारी उद्दीपक को हटाकर वांछित व्यवहार को बढ़ाना (जैसे—ठंड से बचने के लिए स्वेटर पहनना या सिरदर्द हटाने के लिए दवा लेना)। **ध्यान दें:** नकारात्मक पुनर्बलन और दंड (Punishment) एक नहीं हैं; पुनर्बलन सदैव व्यवहार को बढ़ाता है जबकि दंड व्यवहार को दबाता या घटाता है (NCERT अधिगम)।

4. गेस्टाल्टवाद एवं वोल्फगैंग कोहलर का अंतर्दृष्टि / सूझ का सिद्धांत (Insight Learning Theory)

जर्मन मनोवैज्ञानिक **मैक्स वर्दीमर (संस्थापक), कर्ट कोफ्का, वोल्फगैंग कोहलर और कर्ट लेविन** ने गेस्टाल्टवाद (Gestalt = समग्र आकृति या संपूर्ण रूप) की स्थापना की (NCERT अधिगम)। कोहलर ने कैनरी द्वीप पर **'सुल्तान' नामक चिंपांजी (वनमानुष)** पर छड़ी और बक्सों का प्रयोग किया। गेस्टाल्टवाद के अनुसार बालक किसी समस्या के टुकड़ों को नहीं, बल्कि **'संपूर्ण परिस्थिति' (Whole Situation)** को समझता है और अचानक मस्तिष्क में **'आहा अनुभव' (Aha! Experience / सूझ)** उत्पन्न होने से समस्या का समाधान हो जाता है। शिक्षण सूत्र **"पूर्ण से अंश की ओर" (Whole to Part)** इसी सिद्धांत की देन है।

5. अल्बर्ट बंडूरा का सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social / Observational Learning Theory)

कनाडाई-अमेरिकी मनोवैज्ञानिक अल्बर्ट बंडूरा ने **'बोबो डॉल' (Bobo Doll)** और जीवित जोकर पर प्रयोग कर सिद्ध किया कि बच्चे दूसरों के व्यवहार का **अवलोकन (Observation), अनुकरण (Imitation) और मॉडलिंग (Modeling)** करके सीखते हैं (NCERT अधिगम)। बंडूरा ने सामाजिक अधिगम के **4 क्रमिक सोपान** बताए:

1. **अवधान (Attention):** मॉडल के व्यवहार पर ध्यान देना।
2. **धारण (Retention):** उस व्यवहार को स्मृति में संजोकर रखना।
3. **पुनरुत्पादन (Reproduction):** स्मृति को वास्तविक क्रिया/व्यवहार में बदलना।
4. **अभिप्रेरणा (Motivation):** सकारात्मक पुनर्बलन मिलने पर उस व्यवहार को अपनाना।

तुलनात्मक सारणी 3.1: अधिगम के प्रमुख सिद्धांतों का तुलनात्मक सारांश

सिद्धांत का नाम	प्रतिपादक	प्रयोग किस पर किया	मुख्य आधार एवं शैक्षिक उपयोगिता	प्रामाणिक संदर्भ
प्रयास एवं त्रुटि (S-R Theory)	ई. एल. थार्नडाइक (अमेरिका)	भूखी बिल्ली एवं मछली	अभ्यास से त्रुटियाँ कम होती हैं; गणित व कौशल सीखने में उपयोगी।	NCERT अधिगम
शास्त्रीय अनुबंधन (S-Type)	इवान पावलव (रूस)	कुत्ता (लार ग्रंथि)	आदत निर्माण, भय निवारण और भाषा के प्रारंभिक साहचर्य में उपयोगी।	NCERT अधिगम
क्रियाप्रसूत अनुबंधन (R-Type)	बी. एफ. स्किनर (अमेरिका)	सफेद चूहा एवं कबूतर	अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Learning), व्यवहार परिमार्जन एवं पुनर्बलन।	NCERT अधिगम
अंतर्दृष्टि / सूझ सिद्धांत (Gestalt)	वोल्फगैंग कोहलर व वर्दीमर (जर्मनी)	'सुल्तान' नामक चिंपांजी	रटने के बजाय समस्या को समग्र रूप से समझने और उच्च स्तरीय शोध में उपयोगी।	NCERT अधिगम
सामाजिक-संज्ञानात्मक अधिगम	अल्बर्ट बंडूरा (कनाडा/ अमेरिका)	बोबो डॉल (Bobo Doll)	शिक्षक के आदर्श व्यवहार (Role Modeling) और स्व-प्रभावकारिता (Self-efficacy) का विकास।	NCERT अधिगम

3.2 अधिगम वक्र, पठार एवं अधिगम स्थानांतरण (Learning Curves, Plateau & Transfer)

अधिगम मनोविज्ञान अध्ययन सामग्री तथा NCERT अधिगम के अनुसार:

• **अधिगम वक्र के 4 प्रकार (Types of Learning Curves):**

1. **सरल रेखीय वक्र (Straight Line Curve):** प्रत्येक प्रयास में सीखने की गति समान रहती है (व्यावहारिक रूप में अत्यंत दुर्लभ)।

2. **उन्नतोदर या ऋणात्मक त्वरित वक्र (Convex / Negatively Accelerated Curve):** प्रारंभ में सीखने की गति तेज होती है और बाद में धीमी पड़ जाती है।

3. **नतोदर या धनात्मक त्वरित वक्र (Concave / Positively Accelerated Curve):** प्रारंभ में सीखने की गति धीमी होती है, पर अभ्यास बढ़ने के साथ तीव्र हो जाती है।

4. **मिश्रित या S-आकार का वक्र (S-Shaped / Concavo-Convex Curve):** यह सबसे स्वाभाविक वक्र है—शुरू में धीमा, मध्य में तीव्र और अंत में उच्चतम सीमा पर पहुँचकर स्थिर।

• **अधिगम का पठार (Learning Plateau):** जब अभ्यास करने के बावजूद सीखने की प्रगति कुछ समय के लिए बिल्कुल रुक जाती है (वक्र में समतल क्षैतिज रेखा बनती है), तो उसे अधिगम का पठार कहते हैं। इसके मुख्य कारण थकान, रुचि का अभाव, गलत शिक्षण विधि या प्रेरणा की कमी हैं (अधिगम अध्याय)।

• **अधिगम का स्थानांतरण (Transfer of Learning):**

• **सकारात्मक (धनात्मक) स्थानांतरण:** पूर्व ज्ञान नए ज्ञान में सहायक हो (जैसे—साइकिल चलाने के बाद स्कूटी सीखना या संस्कृत के बाद हिंदी सीखना)।

• **नकारात्मक (ऋणात्मक) स्थानांतरण:** पूर्व ज्ञान नए ज्ञान में बाधा बने (जैसे—अमेरिका में दाईं ओर कार चलाने के बाद भारत में बाईं ओर चलाने में कठिनाई)।

• **शून्य स्थानांतरण:** पूर्व ज्ञान का नए ज्ञान पर कोई प्रभाव न पड़े (जैसे—कबीर के दोहे याद करने का क्रिकेट की गेंदबाजी पर कोई प्रभाव न पड़ना)।

• **द्विपार्श्विक (Bilateral) स्थानांतरण:** शरीर के एक अंग (दाएँ हाथ) से सीखे कौशल का दूसरे अंग (बाएँ हाथ) में स्थानांतरित होना (NCERT अधिगम)।

3.3 अभिप्रेरणा एवं अब्राहम मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत (Maslow's Hierarchy of Needs)

ब्रिटानिका के अब्राहम मैस्लो विश्लेषण के अनुसार मानवतावादी मनोवैज्ञानिक अब्राहम मैस्लो ने अपनी पुस्तक *Motivation and Personality* (1954) (Motivation and Personality - Britannica) में मानवीय आवश्यकताओं को **5 क्रमिक स्तरों (नीचे से ऊपर पिरामिड रूप में)** में बाँटा है:

1. **शारीरिक या दैहिक आवश्यकताएँ (Physiological Needs - स्तर 1, निम्नतम):** भूख, प्यास, नींद, हवा, आश्रय (विद्यालयों में मध्याह्न भोजन / PM POSHAN योजना इसी स्तर की पूर्ति करती है)।

2. **सुरक्षा की आवश्यकता (Safety Needs - स्तर 2):** शारीरिक, आर्थिक और भावनात्मक सुरक्षा (भयरहित व दंडरहित कक्षा वातावरण)।

3. **प्रेम एवं संबद्धता की आवश्यकता (Love and Belongingness Needs - स्तर 3):** परिवार, मित्र और शिक्षक से स्नेह व अपनत्व पाना।

4. **सम्मान की आवश्यकता (Esteem Needs - स्तर 4):** आत्म-सम्मान, उपलब्धि, पहचान और दूसरों से प्रतिष्ठा पाना।

5. **आत्म-सिद्धि की आवश्यकता (Self-Actualization Needs - स्तर 5, सर्वोच्च):** व्यक्ति की अपनी अंतर्निहित क्षमताओं का सर्वोच्च विकास करना (जो वह बन सकता है, वह बनना) (Britannica Maslow)।

(नोट: प्रथम 4 स्तरों को **अभाव-जन्य आवश्यकताएँ / *D-Needs (Deficiency Needs)*** और 5वें स्तर को **वृद्धि आवश्यकता / *B-Need (Being/ Growth Need)*** कहा जाता है)।

3.4 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 3)

ब्रिटानिका के मैस्लो विश्लेषण तथा शैक्षिक मनोविज्ञान के मानक अनुमानों के अनुसार सामान्य जनसंख्या में मैस्लो की आवश्यकताओं की संतुष्टि दर एवं कक्षा में आंतरिक बनाम बाह्य अभिप्रेरणा का प्रतिधारण प्रभाव:

मैस्लो का आवश्यकता स्तर	वर्ग प्रकार	औसत संतुष्टि दर (%)	कक्षा में प्रतिधारण प्रभाव (%)	शैक्षिक उदाहरण	संदर्भ स्रोत
1. शारीरिक आवश्यकताएँ	अभाव-जन्य (D-Need)	85%	90% (आधारभूत उपस्थिति)	प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मिड-डे मील)	Britannica Maslow
2. सुरक्षा की आवश्यकताएँ	अभाव-जन्य (D-Need)	70%	80% (भयरहित सहभागिता)	दंड-मुक्त एवं समावेशी विद्यालयी वातावरण	Britannica Maslow
3. प्रेम एवं संबद्धता	अभाव-जन्य (D-Need)	50%	75% (सहयोगी अधिगम)	सहपाठी समूह कार्य एवं शिक्षक-छात्र आत्मीयता	Britannica Maslow
4. सम्मान की आवश्यकता	अभाव-जन्य (D-Need)	40%	85% (आत्मविश्वास वृद्धि)	छात्र उपलब्धियों की सराहना एवं नेतृत्व भूमिका	Britannica Maslow
5. आत्म-सिद्धि (सर्वोच्च)	वृद्धि-जन्य (B-Need)	10% (अत्यंत विरल)	95% (आंतरिक सृजनात्मकता)	स्व-निर्देशित शोध एवं सर्वोच्च सृजनात्मक कार्य	Britannica Maslow

संकल्पनात्मक प्रवाह आरेख (Step-by-Step Process Flow)

चरण 1
स्मृति ट्रिक 5 (प्रयोगकर्ता और जीव याद रखने की ट्रिक): "थार्नडाइक की बिल्ली ने प्रयास किया, पावलव के कुत्ते ने घंटी सुनी, स्किनर के चूहे-कबूतर ने क्रिया की, और कोहलर के सुल्तान चिंपांजी को सूझ आई!" स्मृति ट्रिक 6 (बंडूरा के 4 चरण और थार्नडाइक के 3 मुख्य नियम): - बंडूरा का सूत्र: "ARRM (अव-धा-पु-अ)"

चरण 2
Attention (अवधान)**

चरण 3
Retention (धारण)**

चरण 4
Reproduction (पुनरुत्पादन)**

चरण 5
Motivation (अभिप्रेरणा)। - थार्नडाइक का सूत्र: "त-अ-प्र (REA = तत्पर रहकर अभ्यास करोगे तो प्रभाव पड़ेगा)"

चरण 6
तत्परता (Readiness), अभ्यास (Exercise), प्रभाव (Effect)।**

मॉड्यूल 4: बुद्धि (Intelligence), व्यक्तित्व एवं वैयक्तिक विभिन्नताएँ

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 4: बुद्धि (Intelligence), व्यक्तित्व एवं वैयक्तिक विभिन्नताएँ

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
बुद्धि के प्रमुख सिद्धांत (Theories of Intelligence)	बुद्धि लब्धि (IQ) का सूत्र एवं टर्मन की वर्गीकरण सारणी	व्यक्तित्व मापन की प्रक्षेपी विधियाँ (Projective Techniques of Personality Assessment)

4.1 बुद्धि के प्रमुख सिद्धांत (Theories of Intelligence)

NCERT कक्षा 12 मनोविज्ञान (अध्याय 1 - मनोवैज्ञानिक गुणों में विभिन्नताएँ) तथा UGC MOOCs बुद्धि सिद्धांत विश्लेषण के अनुसार बुद्धि पर्यावरण के साथ अनुकूलन करने, अमूर्त चिंतन करने और समस्या समाधान करने की समग्र क्षमता है:

1. **अल्फ्रेड बिने का एक-कारक सिद्धांत (Uni-factor Theory, 1905):** बुद्धि एक अविभाज्य इकाई है (NCERT बुद्धि अध्याय)।

2. **चार्ल्स स्पीयरमैन का द्वि-कारक सिद्धांत (Two-Factor Theory, 1904/1927):** ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक स्पीयरमैन ने बताया कि बुद्धि के दो कारक होते हैं (SimplyPsychology Intelligence):

• **सामान्य कारक (General Factor / g-factor):** यह जन्मजात होता है और जीवन के सभी कार्यों में समान रूप से काम आता है।

• **विशिष्ट कारक (Specific Factor / s-factor):** यह अर्जित एवं प्रशिक्षण योग्य होता है तथा प्रत्येक विशिष्ट कला या कौशल (संगीत, चित्रकला, गणित) के लिए अलग-अलग होता है।

3. **लुईस एल. थर्स्टन का समूह कारक सिद्धांत (Group Factor / Primary Mental Abilities Theory, 1938):** थर्स्टन ने स्पीयरमैन के 'g' कारक को अस्वीकार करते हुए 7 **प्राथमिक मानसिक योग्यताएँ (7 PMAs)** बताईं (थर्स्टन का समूह कारक सिद्धांत):

1. शाब्दिक बोध (Verbal Comprehension - V)
2. शब्द प्रवाह (Word Fluency - W)
3. संख्यात्मक योग्यता (Numerical Ability - N)
4. स्थानिक योग्यता (Spatial Visualization - S)
5. साहचर्य स्मृति (Associative Memory - M)
6. प्रत्यक्षीकरण गति (Perceptual Speed - P)
7. आगमनात्मक/तार्किक चिंतन (Inductive Reasoning - R)

4. **जे. पी. गिलफोर्ड का त्रि-आयामी / बुद्धि संरचना सिद्धांत (Structure of Intellect / 3D Model, 1967):** गिलफोर्ड ने बुद्धि को तीन आयामों (घन / Cube रूप) में व्यवस्थित किया (NCERT बुद्धि अध्याय):

• **संक्रिया (Operations):** मूल्यांकन, अभिसारी चिंतन, अपसारी चिंतन, स्मृति धारण, स्मृति अभिलेखन और संज्ञान (प्रारंभ में 5, बाद में 6)।

• **विषय-वस्तु (Contents):** आकृतिक (दृश्य व श्रव्य), प्रतीकात्मक, शाब्दिक और व्यावहारिक (प्रारंभ में 4, बाद में 5)।

• **उत्पाद (Products):** इकाई, वर्ग, संबंध, प्रणाली, रूपांतरण और अनुप्रयोग (6 प्रकार)।

• **कुल कोष्ठ (Cells):** प्रारंभ में 5 × 4 × 6 = 120, संशोधित (1977) 5 × 5 × 6 = 150, तथा अंतिम संशोधित (1988) 6 × 5 × 6 = 180 कोष्ठ (NCERT बुद्धि अध्याय)।

5. **हॉवर्ड गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत (Theory of Multiple Intelligences, 1983):** हार्वर्ड विश्वविद्यालय के हॉवर्ड गार्डनर ने अपनी पुस्तक *Frames of Mind* में कहा कि बुद्धि कोई एक तत्व नहीं है, बल्कि **8 स्वतंत्र प्रकार की बुद्धियाँ** होती हैं (NCERT बुद्धि अध्याय):

तुलनात्मक सारणी 4.1: हॉवर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत के 8 प्रकार

क्रम व बुद्धि का प्रकार	मुख्य विशेषता एवं क्षमता	किन व्यक्तियों में उच्च होती है	प्रामाणिक संदर्भ
1. भाषाई-शाब्दिक बुद्धि (Linguistic)	शब्दों, भाषा के प्रवाह और लेखन-वाचन में दक्षता।	कवि, लेखक, पत्रकार, वकील, वक्ता।	NCERT बुद्धि अध्याय
2. तार्किक-गणितीय बुद्धि (Logical-Mathematical)	अमूर्त तर्क, वैज्ञानिक चिंतन और संख्यात्मक गणना की क्षमता।	वैज्ञानिक, गणितज्ञ, कंप्यूटर प्रोग्रामर, नोबेल विचारक।	NCERT बुद्धि अध्याय
3. स्थानिक-दृश्य बुद्धि (Spatial)	मानसिक छवियों, स्थान, दिशा और त्रि-आयामी आकृतियों की समझ।	मूर्तिकार, वास्तुकार (Architect), चित्रकार, पायलट, नाविक।	NCERT बुद्धि अध्याय
4. संगीतात्मक बुद्धि (Musical)	सुर, लय, ताल और ध्वनि पैटर्न को पहचानने व रचने की क्षमता।	संगीतकार, गायक, वाद्ययंत्र वादक।	NCERT बुद्धि अध्याय
5. शारीरिक-गतिक बुद्धि (Bodily-Kinesthetic)	पूरे शरीर या अंगों का लचीले एवं समन्वित ढंग से उपयोग करना।	धावक, खिलाड़ी, नर्तक, अभिनेता, शल्य-चिकित्सक (Surgeon)।	NCERT बुद्धि अध्याय
6. अंतर-वैयक्तिक बुद्धि (Interpersonal)	**दूसरे व्यक्तियों** की भावनाओं, उद्देश्यों और व्यवहार को समझने की क्षमता।	मनोवैज्ञानिक, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, परामर्शदाता, शिक्षक।	NCERT बुद्धि अध्याय
7. अंतरा-वैयक्तिक बुद्धि (Intrapersonal)	**स्वयं की** भावनाओं, शक्तियों, कमियों और जीवन के उद्देश्य को समझने की क्षमता।	दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु, योगी, चिंतक।	NCERT बुद्धि अध्याय
8. प्रकृतिवादी बुद्धि (Naturalistic - 1998 में जोड़ी गई)	प्रकृति, वनस्पति, जीव-जंतुओं और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता।	किसान, वनस्पतिशास्त्री, प्राणीशास्त्री, पर्यटक, शिकारी।	NCERT बुद्धि अध्याय

6. **रॉबर्ट स्टर्नबर्ग का त्रितंत्र / त्रिचापीय सिद्धांत (Triarchic Theory of Intelligence, 1985):** स्टर्नबर्ग ने अपनी पुस्तक *Beyond IQ* में बुद्धि को **3 घटकों** में बाँटा (NCERT बुद्धि अध्याय):

• **घटकीय या विश्लेषणात्मक बुद्धि (Componential / Analytical Intelligence):** समस्या का विश्लेषण करने और अकादमिक सफलता पाने की क्षमता (इसके 3 उप-घटक हैं: मेटा-घटक, निष्पादन घटक और ज्ञान-अधिग्रहण घटक)।

• **आनुभविक या सृजनात्मक बुद्धि (Experiential / Creative Intelligence):** पूर्व अनुभवों का सृजनात्मक उपयोग कर नई समस्याओं का मौलिक समाधान खोजना।

• **संदर्भात्मक या व्यावहारिक बुद्धि (Contextual / Practical Intelligence):** दैनिक जीवन की परिस्थितियों के साथ ढलना या वातावरण को अपने अनुकूल बनाना ('Street Smartness')।

4.2 बुद्धि लब्धि (IQ) का सूत्र एवं टर्मन की वर्गीकरण सारणी

NCERT मनोविज्ञान (अध्याय 1) के अनुसार:

• **1908:** अल्फ्रेड बिने ने **'मानसिक आयु' (Mental Age - MA)** का संप्रत्यय दिया।

• **1912:** जर्मन मनोवैज्ञानिक **विलियम स्टर्न (William Stern)** ने बुद्धि लब्धि का मूल सूत्र **MA / CA** दिया।

• **1916:** स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के **लुईस टर्मन (Lewis Terman)** ने इसमें 100 से गुणा कर अंतिम मानक सूत्र दिया:

$$बुद्धि लब्धि (IQ) = ((मानसिक आयु (MA) / वास्तविक / कालानुक्रमिक आयु (CA))) × 100$$

(उदाहरण: यदि 10 वर्ष ($CA = 10$) के बालक की मानसिक आयु 12 वर्ष ($MA = 12$) है, तो उसका $IQ = (12 / 10) × 100 = 120$ होगा)।

तुलनात्मक सारणी 4.2: बुद्धि लब्धि (IQ) वर्गीकरण एवं सामान्य जनसंख्या प्रतिशत वितरण (चार्ट डेटा %)

NCERT मनोविज्ञान के IQ वितरण आँकड़ों के अनुसार सामान्य संभाव्यता वक्र (Bell-Shaped Normal Probability Curve) पर बुद्धि लब्धि का वितरण:

बुद्धि लब्धि (IQ) परास	बौद्धिक वर्ग (हिन्दी एवं अंग्रेजी नाम)	जनसंख्या में प्रतिशत (चार्ट डेटा %)	शैक्षिक आवश्यकता एवं विशेषता	प्रामाणिक संदर्भ
130 से अधिक (140+ प्रतिभाशाली)	अति श्रेष्ठ / प्रतिभाशाली (Very Superior / Gifted)	**2.2%**	संवर्धित पाठ्यक्रम (Enrichment Program) व उच्च चुनौतीपूर्ण कार्य।	NCERT बुद्धि अध्याय
120 – 129	श्रेष्ठ बुद्धि (Superior)	**6.7%**	नेतृत्व एवं विश्लेषणात्मक परियोजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन।	NCERT बुद्धि अध्याय
110 – 119	सामान्य से उच्च बुद्धि (High Average)	**16.1%**	सामान्य कक्षा में त्वरित अधिगम क्षमता।	NCERT बुद्धि अध्याय
90 – 109	सामान्य या औसत बुद्धि (Average)	**50.0%**	सर्वाधिक जनसंख्या इसी वर्ग में आती है; मानक पाठ्यचर्या उपयुक्त।	NCERT बुद्धि अध्याय
80 – 89	मंद या सामान्य से निम्न बुद्धि (Low Average)	**16.1%**	अतिरिक्त अभ्यास और उपचारात्मक शिक्षण की आवश्यकता।	NCERT बुद्धि अध्याय
70 – 79	सीमांत मंदबुद्धि (Borderline)	**6.7%**	मूर्त शिक्षण सहायक सामग्री (TLM) और व्यक्तिगत ध्यान आवश्यक।	NCERT बुद्धि अध्याय
70 से कम	बौद्धिक अक्षमता (Intellectually Disabled)	**2.2%**	विशेष शिक्षा एवं जीवन-कौशल प्रशिक्षण (हल्का: 55–69, मध्यम: 40–54, गंभीर: 25–39, अति गंभीर: 25 से कम)।	NCERT बुद्धि अध्याय

4.3 व्यक्तित्व मापन की प्रक्षेपी विधियाँ (Projective Techniques of Personality Assessment)

इग्नू (eGyanKosh) व्यक्तित्व मापन इकाई तथा प्रक्षेपी परीक्षण शोध पत्र के अनुसार प्रक्षेपी विधियाँ व्यक्ति के **अचेतन मन (Unconscious Mind)** की दमित इच्छाओं, भावनाओं और अंतर्द्वंद्वों को अस्पष्ट उद्दीपकों के माध्यम से बाहर निकालती हैं:

तुलनात्मक सारणी 4.3: व्यक्तित्व मापन की प्रमुख प्रक्षेपी विधियाँ (Rorschach, TAT, CAT)

परीक्षण का नाम	प्रतिपादक एवं वर्ष	कार्डों की कुल संख्या एवं संरचना	प्रयोज्य आयु वर्ग व कार्यप्रणाली	प्रामाणिक संदर्भ
1. रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण (Rorschach Inkblot Test - IBT)	हरमन रोर्शा (स्विट्ज़रलैंड, 1921)	**कुल 10 सममित कार्ड:** 5 काले व सफेद, 2 काले-सफेद व लाल, तथा 3 बहुरंगी (Pastel colors) कार्ड।	वयस्क एवं किशोर; कार्ड पर बने स्याही के धब्बों में क्या आकृति दिखाई देती है (स्थान, निर्धारक, विषयवस्तु और मौलिकता के आधार पर विश्लेषण)।	प्रक्षेपी परीक्षण शोध
2. प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण (Thematic Apperception Test - TAT)	हेनरी ए. मरे एवं क्रिस्टियाना डी. मॉर्गन (1935)	**कुल 31 कार्ड (30 चित्र कार्ड + 1 सादा कार्ड):** पुरुष, महिला, बालक व बालिका के अनुसार 19+1=20 कार्ड एक व्यक्ति पर प्रयुक्त होते हैं।	14 वर्ष से अधिक आयु; अस्पष्ट सामाजिक चित्रों को देखकर 5 मिनट में कहानी लिखना (भूत, वर्तमान, भविष्य व नायक की भावनाएँ)।	eGyanKosh व्यक्तित्व मापन
3. बाल अंतर्बोध परीक्षण (Children's Apperception Test - CAT)	लियोपोल्ड बैलक (Leopold Bellak, 1948/1949)	**कुल 10 कार्ड:** जिन पर मनुष्यों के स्थान पर **जानवरों (Animals)** के चित्र बने होते हैं जो मानवीय क्रियाएँ कर रहे होते हैं।	**3 से 10/11 वर्ष के बालक;** भारत में इसका अनुकूलन डॉ. उमा चौधरी ने किया। बच्चे जानवरों के चित्रों से सहजता से अपनी भावनाएँ प्रकट करते हैं।	बैलक अंतर्बोध परीक्षण
4. वाक्य पूर्ति परीक्षण (Sentence Completion Test - SCT)	पाइन एवं टेंडलर (1930) / रौटर	अधूरे वाक्यों की सूची (जैसे—"मेरे पिताजी प्रायः....", "मुझे सबसे अधिक डर.....")।	किशोर एवं वयस्क; प्रथम विचार से अधूरे वाक्य को पूरा करना।	eGyanKosh व्यक्तित्व मापन

★ **स्मृति ट्रिक 7 (Interpersonal बनाम Intrapersonal में कभी कन्फ्यूजन न होने की ट्रिक): "इंटर (Inter-state = दो राज्यों/दूसरों के बीच) और इंट्रा (Intra = आत्मा/स्वयं के भीतर)"** — जहाँ दूसरों को समझना हो (नेता/शिक्षक) वहाँ **Interpersonal**, और जहाँ स्वयं का आत्मचिंतन हो (योगी/दार्शनिक) वहाँ **Intrapersonal**।

स्मृति ट्रिक 8 (स्टर्नबर्ग का त्रितंत्र और थर्स्टन की 7 योग्यताएँ):
• स्टर्नबर्ग का सूत्र: **"CAP (कैप पहनकर स्टर्नबर्ग ने तीन तंत्र बनाए)"** → **C**omponential (घटकीय/विश्लेषणात्मक), **A**daptive/Contextual (संदर्भात्मक/व्यावहारिक), **P**ractical/Experiential (आनुभविक/सृजनात्मक)।
• थर्स्टन की 7 प्राथमिक योग्यताएँ: **"N-V-W-S-M-P-R"** (Number, Verbal, Word fluency, Spatial, Memory, Perceptual speed, Reasoning)।

मॉड्यूल 5: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चे

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 5: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चे

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं RPwD अधिनियम 2016	**प्रमुख अधिगम अक्षमताएँ एवं विकासात्मक विकार (Learning Disabilities & Disorders)**	**प्रतिभाशाली, सृजनात्मक एवं वंचित वर्ग के बालक**

5.1 समावेशी शिक्षा की अवधारणा एवं RPwD अधिनियम 2016

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act, 2016) के आधिकारिक गजट तथा विधायी विभाग भारत सरकार के अनुसार समावेशी शिक्षा वह व्यवस्था है जिसमें **सामान्य बच्चों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) को बिना किसी भेदभाव के एक ही सामान्य विद्यालय की एक ही छत के नीचे** उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रणाली में बदलाव करके शिक्षा दी जाती है ("बच्चा व्यवस्था के अनुसार नहीं बदलेगा, बल्कि व्यवस्था बच्चे के अनुसार बदलेगी")।

- **RPwD अधिनियम 2016 (Rights of Persons with Disabilities Act, 2016) के मुख्य बिंदु:**
- इसने पुराने **PwD अधिनियम 1995** का स्थान लिया और यह **15 अप्रैल 2017** से पूरे देश में लागू हुआ (RPwD Act 2016 PDF)।
- इसमें दिव्यांगता की श्रेणियों को 7 **से बढ़ाकर 21** कर दिया गया है (RPwD 21 श्रेणियाँ)।
- **बेंचमार्क दिव्यांगता (Benchmark Disability):** कम से कम **40% या उससे अधिक** प्रमाणित दिव्यांगता वाले व्यक्ति को विशेष सुविधाएँ मिलती हैं: **6 से 18 वर्ष** तक निःशुल्क शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा संस्थानों में **5% आरक्षण**, और सरकारी नौकरियों में **4% आरक्षण** (RPwD मैनुअल)।
- **21 सूचीबद्ध दिव्यांगताएँ:** (1) दृष्टिहीनता (Blindness), (2) अल्प दृष्टि (Low-vision), (3) कुष्ठ रोग से मुक्त व्यक्ति, (4) श्रवण बाधित (बधिर व ऊँचा सुनने वाले), (5) चलन दिव्यांगता (Locomotor Disability), (6) बौनापन (Dwarfism), (7) बौद्धिक दिव्यांगता (Intellectual Disability), (8) मानसिक रुग्णता (Mental Illness), (9) स्वलीनता स्पेक्ट्रम विकार (Autism Spectrum Disorder), (10) प्रमस्तिष्क पक्षाघात (Cerebral Palsy), (11) मांसपेशीय दुर्विकास (Muscular Dystrophy), (12) चिरकालिक तंत्रिका संबंधी स्थितियाँ, (13) विशिष्ट अधिगम अक्षमताएँ (Specific Learning Disabilities - जैसे डिस्लेक्सिया), (14) मल्टीपल स्क्लेरोसिस, (15) वाक् एवं भाषा दिव्यांगता, (16) थैलेसीमिया, (17) हीमोफीलिया, (18) सिकल सेल रोग, (19) बहु-दिव्यांगता (अंधापन-बधिरता सहित), (20) एसिड अटैक पीड़ित, और (21) पार्किंसंस रोग (RPwD Act 2016 PDF)।

5.2 प्रमुख अधिगम अक्षमताएँ एवं विकासात्मक विकार (Learning Disabilities & Disorders)

NCERT मनोविज्ञान तथा RPwD अधिनियम 2016 के अनुसार परीक्षाओं में सर्वाधिक पूछी जाने वाली अधिगम अक्षमताएँ निम्नलिखित हैं:

तुलनात्मक सारणी 5.1: अधिगम अक्षमताएँ एवं न्यूरो-विकासात्मक विकार

अक्षमता / विकार का नाम	प्रभावित क्षेत्र	प्रमुख लक्षण एवं पहचान	शैक्षिक उपचार एवं हस्तक्षेप	प्रामाणिक संदर्भ
1. डिस्लेक्सिया (Dyslexia)	**पठन विकार (Reading Disorder)**	अक्षरों को उल्टा पढ़ना ('b' को 'd', 'saw' को 'was', 'कमल' को 'लमक' पढ़ना), ध्वनि और अक्षर के संबंध में कठिनाई।	बहु-संवेदी शिक्षण (Multi-sensory approach), फोनेमिक जागरूकता और बड़े रंगीन फ्लैशकार्ड।	NCERT अधिगम
2. डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)	**लेखन विकार (Writing Disorder)**	अपठनीय हस्तलेखन, कलम पकड़ने में कठिनाई, शब्दों के बीच असमान दूरी और वर्तनी अशुद्धियाँ।	मौखिक परीक्षा का विकल्प, मोटे ग्रिप वाले पेन, बिंदु-मिलान लेखन अभ्यास।	RPwD Act 2016
3. डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia)	**गणितीय गणना विकार (Math Disorder)**	अंकों, गणितीय चिह्नों (+, -, ×, ÷), स्थानीय मान और समय/मुद्रा की गणना समझने में कठिनाई।	अबेकस (Abacus), गिनतारा, मूर्त कंकड़-मोती और वास्तविक जीवन के उदाहरणों का प्रयोग।	RPwD Act 2016
4. डिस्फेजिया / अफेजिया (Dysphasia / Aphasia)	**भाषा एवं संप्रेषण विकार (Language Comprehension)**	मौखिक भाषा को समझने या अपने विचारों को शब्दों में पिरोकर बोलने में गंभीर कठिनाई।	वाक् चिकित्सा (Speech Therapy), चित्र-संकेत कार्ड और धैर्यपूर्ण संवाद।	RPwD Act 2016
5. डिस्प्रैक्सिया (Dyspraxia)	**गामक समन्वय विकार (Motor Coordination Disorder)**	सूक्ष्म एवं स्थूल पेशीय नियंत्रण में कमी—जूते के फीते बाँधने, बटन लगाने या गेंद पकड़ने में कठिनाई।	व्यावसायिक चिकित्सा (Occupational Therapy), खेलकूद और मिट्टी के खिलौने बनाना।	NCERT अधिगम
6. एडीएचडी (ADHD - Attention Deficit Hyperactivity Disorder)	**अवधान न्यूनता अतिक्रियाशीलता विकार**	एक जगह शांत न बैठ पाना, ध्यान जल्दी भटकना, अपनी बारी की प्रतीक्षा न कर पाना और आवेगशीलता।	छोटे-छोटे खंडों में कार्य देना (Chunking), पहली पंक्ति में बैठाना और गतिविधि-आधारित शिक्षण।	NCERT मनोविज्ञान
7. ऑटिज्म (Autism Spectrum Disorder - ASD)	**स्वलीनता (सामाजिक व संप्रेषण विकार)**	नजरें न मिलाना (Lack of eye contact), सामाजिक संवाद में कठिनाई, एक ही व्यवहार या शब्दों को बार-बार दोहराना (Repetitive behavior)।	संरचित दिनचर्या (Structured Routine), दृश्य समय-सारणी (Visual Schedule) और संवेदी अनुकूलन।	RPwD Act 2016

5.3 प्रतिभाशाली, सृजनात्मक एवं वंचित वर्ग के बालक

NCERT मनोविज्ञान (अध्याय 1) के अनुसार:

- **प्रतिभाशाली बालक (Gifted Children):** जोसेफ रेंजली (Joseph Renzulli) के **'त्रि-वृत्तीय मॉडल' (Three-Ring Model)** के अनुसार प्रतिभाशालिता तीन गुणों के संगम से बनती है: (1) **उच्च सामान्य योग्यता (Above Average Ability)**, (2) **उच्च सृजनात्मकता (High Creativity)**, और (3) **उच्च कार्य प्रतिबद्धता (High Task Commitment)** (NCERT बुद्धि अध्याय)।
- **सृजनात्मक बालक (Creative Children):** सृजनात्मकता का सीधा संबंध **जे. पी. गिलफोर्ड के 'अपसारी चिंतन' (Divergent Thinking / Out-of-the-box thinking)** से है (NCERT बुद्धि अध्याय)। ई. पॉल टोरेंस (सृजनात्मकता परीक्षण के जनक) के अनुसार सृजनात्मकता के **4 मुख्य तत्व** हैं: **प्रवाह (Fluency)**, **लचीलापन (Flexibility)**, **मौलिकता (Originality)** और **विस्तारण (Elaboration)**।
- **वंचित एवं अलाभान्वित वर्ग के बालक (Disadvantaged & Deprived Learners):** सामाजिक, आर्थिक या सांस्कृतिक रूप से पिछड़े बच्चों के लिए शिक्षक को **सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील शिक्षाशास्त्र (Culturally Responsive Pedagogy)** और बहुभाषिकता को संसाधन के रूप में अपनाना चाहिए (NCF 2005)।

5.4 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 5)

RPwD अधिनियम 2016 के सांख्यिकीय प्रावधानों का चार्ट डेटा % सारांश:

वैधानिक प्रावधान / मानदंड	निर्धारित प्रतिशत / मानक	लागू होने का क्षेत्र	संदर्भ स्रोत
बेंचमार्क दिव्यांगता की न्यूनतम सीमा	40%	चिकित्सा बोर्ड द्वारा प्रमाणित दिव्यांगता प्रतिशत	RPwD मैनुअल
उच्च शिक्षण संस्थानों में सीटों का आरक्षण	5%	सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थान	RPwD Act 2016 PDF
सरकारी नौकरियों में पदों का आरक्षण	4%	केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रतिष्ठानों में सीधी भर्ती	RPwD Act 2016 PDF
गरीबी उन्मूलन योजनाओं में प्राथमिकता	5%	दिव्यांग महिलाओं एवं बच्चों को विशेष वरीयता के साथ आवंटन	RPwD Act 2016 PDF

★ स्मृति ट्रिक 9 (अधिगम अक्षमताओं को 5 सेकंड में पहचानने की ट्रिक): "लेक्स (Lexia) से पढ़ो, ग्राफ (Graphia) पर लिखो, कैलकुलेटर (Calculia) से गिनो, फेजिया (Phasia) से बोलो और प्रैक्सिया (Praxia) से हाथ-पैर चलाओ!"

स्मृति ट्रिक 10 (रेंजली का त्रि-वृत्तीय मॉडल और सृजनात्मकता के 4 तत्व):
- रेंजली के 3 वृत्त: **"A-C-T (Ability, Creativity, Task Commitment)"**।
- सृजनात्मकता के 4 तत्व: **"FFOE (प्रवाह, लचीलापन, मौलिकता, विस्तारण = Fluency, Flexibility, Originality, Elaboration)"**।

मॉड्यूल 6: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020), NCF 2005, NCF-FS 2022, NCF-SE 2023 एवं RTE अधिनियम 2009

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 6: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020), NCF 2005, NCF-FS 2022, NCF-SE 2023 एवं RTE अधिनियम 2009

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)	**NCF 2005, NCF-FS 2022 एवं NCF-SE 2023 के मुख्य बिंदु**	**शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (RTE Act, 2009)**

6.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, इसरो के पूर्व प्रमुख **डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति** की सिफारिश पर 29 जुलाई 2020 को 34 वर्षों बाद नई शिक्षा नीति को मंजूरी मिली। इसने पुरानी `10+2` संरचना के स्थान पर **नई** `5+3+3+4` **शैक्षणिक एवं पाठ्यचर्या संरचना** लागू की है (NEP 2020 Official PDF):

तुलनात्मक सारणी 6.1: NEP 2020 की `5+3+3+4` संरचना का संपूर्ण विवरण

चरण का नाम (Stage)	अवधि (वर्ष)	आयु वर्ग	सम्मिलित कक्षाएँ	मुख्य शैक्षणिक दृष्टिकोण एवं विशेषताएँ	प्रामाणिक संदर्भ
1. फाउंडेशनल स्टेज (Foundational Stage / आधारभूत चरण)	**5 वर्ष**	3 से 8 वर्ष	3 वर्ष आँगनवाड़ी/बालवाटिका (ECCE) + कक्षा 1 और 2 (2 वर्ष)	100% खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और बहु-स्तरीय लचीला अधिगम; कोई औपचारिक पाठ्यपुस्तक या परीक्षा का बोझ नहीं।	NEP 2020 Official PDF
2. प्रिपरेटरी स्टेज (Preparatory Stage / प्रारंभिक चरण)	**3 वर्ष**	8 से 11 वर्ष	कक्षा 3 से कक्षा 5	खोज-आधारित, संवादात्मक कक्षा शिक्षण; हल्की पाठ्यपुस्तकों के साथ भाषा, विज्ञान, गणित व कला की नींव; मातृभाषा में शिक्षण।	NEP 2020 Official PDF
3. मिडिल स्टेज (Middle Stage / मध्य चरण)	**3 वर्ष**	11 से 14 वर्ष	कक्षा 6 से कक्षा 8	विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा अमूर्त अवधारणाओं का शिक्षण; **कक्षा 6 से कोडिंग (Coding) एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण (10 Bagless Days इंटर्नशिप)** का प्रारंभ।	NEP 2020 Official PDF
4. सेकेंडरी स्टेज (Secondary Stage / माध्यमिक चरण)	**4 वर्ष**	14 से 18 वर्ष	कक्षा 9 से 12 (दो उप-चरण: 9–10 और 11–12)	बहु-विषयक अध्ययन (कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच कठोर विभाजन समाप्त), गहन आलोचनात्मक चिंतन और सेमेस्टर/मॉड्यूलर बोर्ड परीक्षाएँ।	NEP 2020 Official PDF

• **निपुण भारत मिशन (NIPUN Bharat - FLN):** शिक्षा मंत्रालय की FLN मार्गदर्शिका के अनुसार **5 जुलाई 2021** को शुरू किए गए **NIPUN** (*National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy*) का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा **कक्षा 3 के अंत तक (आयु 3 से 9 वर्ष के भीतर)** बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ले।

• **परख (PARAKH):** NEP 2020 के आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार छात्रों के आकलन और सभी स्कूल बोर्डों के मानक निर्धारित करने के लिए एक नया राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र **PARAKH** (*Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development*) स्थापित किया गया है। इसमें **360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC)** में स्व-मूल्यांकन, सहपाठी मूल्यांकन और शिक्षक मूल्यांकन तीनों शामिल हैं।

6.2 NCF *2005*, NCF-FS *2022* एवं NCF-SE *2023* के मुख्य बिंदु

1. **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 (NCF 2005):** NCERT के NCF 2005 आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार **प्रो. यशपाल की अध्यक्षता** में तैयार यह रूपरेखा रवींद्रनाथ टैगोर के निबंध **'सभ्यता और प्रगति' (Civilization and Progress)** से प्रेरित है और इसका मूल सूत्र **"शिक्षा बिना बोझ के" (Learning Without Burden)** है। इसके **5 मार्गदर्शक सिद्धांत** हैं (NCF 2005 PDF):

• ज्ञान को स्कूल के बाहरी जीवन से जोड़ना।

• पढ़ाई को रटंत प्रणाली (Rote Method) से मुक्त करना।

• पाठ्यचर्या का इस प्रकार संवर्धन करना कि वह बच्चों का चौमुखी विकास करे, न कि केवल पाठ्यपुस्तक-केंद्रित बनकर रह जाए।

• परीक्षाओं को अधिक लचीला बनाना और कक्षा की गतिविधियों से जोड़ना।

• एक ऐसी अधिभावी पहचान का विकास करना जिसमें लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय चिंताएँ समाहित हों।

2. **NCF-FS 2022 (फाउंडेशनल स्टेज) एवं NCF-SE 2023 (स्कूली शिक्षा):** NCERT के NCF-FS 2022 दस्तावेज (20 अक्टूबर 2022 को जारी) और NCF-SE 2023 आधिकारिक दस्तावेज (अगस्त 2023 में जारी) के मुख्य नवाचार:

• **पंचकोश विकास (Panchakosha Vikas):** तैत्तिरीय उपनिषद से प्रेरित बाल विकास के 5 आयाम—(1) अन्नमय कोश (शारीरिक विकास), (2) प्राणमय कोश (प्राणिक ऊर्जा विकास), (3) मनोमय कोश (मानसिक व संवेगात्मक विकास), (4) विज्ञानमय कोश (बौद्धिक व संज्ञानात्मक विकास), और (5) आनंदमय कोश (आंतरिक व सौंदर्यबोधात्मक विकास) (NCF-FS 2022)।

• **पंचपदी (Panchapadi - 5-चरणीय शिक्षण प्रक्रिया):** (1) **अदिति** (भूमिका/पूर्व ज्ञान जोड़ना), (2) **बोध** (अवधारणा की समझ), (3) **अभ्यास** (प्रैक्टिस), (4) **प्रयोग** (वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग), और (5) **प्रसार** (ज्ञान को साझा व विस्तारित करना) (NCF-FS 2022)।

• **कक्षा 9–10 और 11–12 सुधार:** वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा का विकल्प ताकि छात्र अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर रख सकें; कक्षा 11 और 12 में कम से कम **2 भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य**, जिनमें से कम से कम **1 भारतीय भाषा** होनी चाहिए (NCF-SE 2023)।

*6.3 शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (*RTE Act*, 2009)*

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के आधिकारिक गजट के अनुसार **86वें संविधान संशोधन (2002)** द्वारा संविधान के **अनुच्छेद 21A** में 6 से 14 वर्ष के बच्चों (दिव्यांग बच्चों हेतु 6 से 18 वर्ष) की निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया गया। यह अधिनियम **1 अप्रैल 2010** से लागू हुआ (RTE Act 2009 Official PDF):

तुलनात्मक सारणी 6.2: RTE *अधिनियम 2009 की महत्वपूर्ण धाराएँ एवं शिक्षक-छात्र अनुपात मानक*

धारा / अनुसूची मानक	वैधानिक प्रावधान का विवरण	परीक्षा हेतु मुख्य तथ्य	प्रामाणिक संदर्भ
धारा 12 (Section 12)	निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में कमजोर वर्ग एवं अलाभान्वित समूह के बच्चों के लिए **प्रवेश स्तर (कक्षा 1 या पूर्व-प्राथमिक) में 25% सीटों का आरक्षण**।	25% निःशुल्क सीटें (प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा धारा 12(2) के तहत)।	RTE Act 2009 PDF

धारा / अनुसूची मानक	वैधानिक प्रावधान का विवरण	परीक्षा हेतु मुख्य तथ्य	प्रामाणिक संदर्भ
धारा 16 (Section 16)	किसी भी बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी कक्षा में रोका (फेल) नहीं जाएगा और न ही विद्यालय से निष्कासित किया जाएगा।	(2019 के संशोधन के अनुसार कक्षा 5 व 8 में परीक्षा व 2 माह में उपचारात्मक पुनः परीक्षा का प्रावधान)।	RTE Act 2009 PDF
धारा 17 (Section 17)	बच्चों को किसी भी प्रकार का **शारीरिक दंड (Physical Punishment) या मानसिक प्रताड़ना (Mental Harassment) देना पूर्णतः प्रतिबंधित** और दंडनीय अपराध है।	दंड-मुक्त शिक्षा की कानूनी गारंटी।	RTE Act 2009 PDF
धारा 24 (Section 24)	**शिक्षकों के कर्तव्य एवं शिकायत निवारण:** नियमित उपस्थिति, निर्धारित समय में पाठ्यक्रम पूर्ण करना, प्रत्येक बच्चे की अधिगम क्षमता का आकलन और माता-पिता के साथ नियमित बैठक।	(धारा 28 के तहत शिक्षकों द्वारा **प्राइवेट ट्यूशन** पढ़ाना पूर्णतः वर्जित है)।	RTE Act 2009 PDF
प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5) PTR	**30 : 1** (60 बच्चों तक 2 शिक्षक; 61–90 पर 3; 91–120 पर 4; 121–200 पर 5 + 1 प्रधानाध्यापक यदि छात्र संख्या **150 से अधिक** हो; **200 से अधिक** बच्चों पर अनुपात **40 : 1** से अधिक नहीं होगा)।	न्यूनतम कार्यदिवस: **200 दिन** (800 शिक्षण घंटे); शिक्षक हेतु प्रति सप्ताह **45 कार्य घंटे** (तैयारी सहित)।	लोकसभा RTE PTR रिकॉर्ड
उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8) PTR	**35 : 1** (विज्ञान-गणित, सामाजिक अध्ययन और भाषा के लिए कम से कम 1-1 शिक्षक अनिवार्य; **100 से अधिक** छात्रों पर पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक व कला, स्वास्थ्य और कार्य शिक्षा हेतु अंशकालिक अनुदेशक)।	न्यूनतम कार्यदिवस: **220 दिन** (1000 शिक्षण घंटे)।	लोकसभा RTE PTR रिकॉर्ड

6.4 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 6)

NEP 2020 आधिकारिक नीति एवं RTE अधिनियम 2009 के प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्य और बजट प्रतिशत आँकड़े:

राष्ट्रीय शैक्षिक लक्ष्य / संकेतक	निर्धारित प्रतिशत / संख्यात्मक मानक	लक्षित वर्ष / दायरा	संदर्भ स्रोत
शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय (GDP का %)	**6%**	केंद्र एवं राज्य सरकारों का संयुक्त लक्ष्य	NEP 2020 Official PDF
स्कूली शिक्षा (प्री-स्कूल से कक्षा 12) में सकल नामांकन अनुपात (GER)	**100%**	**वर्ष 2030 तक** शत-प्रतिशत नामांकन लक्ष्य	NEP 2020 Official PDF
उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (GER)	**50%**	**वर्ष 2035 तक** (व्यावसायिक शिक्षा सहित)	NEP 2020 Official PDF
व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ने वाले शिक्षार्थी	**50%**	**वर्ष 2025–2030** के मध्य स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर पर	NEP 2020 Official PDF
निजी विद्यालयों में कमजोर वर्ग (EWS/DG) हेतु आरक्षित सीटें	**25%**	RTE धारा 12(1)(c) के अंतर्गत कक्षा 1 या प्रवेश स्तर पर	RTE Act 2009 PDF

संकल्पनात्मक प्रवाह आरेख (Step-by-Step Process Flow)

चरण 1
स्मृति ट्रिक 11 (NEP 2020 की 5+3+3+4 संरचना और पंचपदी का सूत्र): - 5+3+3+4 के चरण: "F-P-M-S (फाउंडेशन-प्रिपरेटरी-मिडिल-सेकेंडरी)"

चरण 2
आयु 3 से शुरू करें: (3–8 = 5 वर्ष), (8–11 = 3 वर्ष), (11–14 = 3 वर्ष), (14–18 = 4 वर्ष)। - NCF की पंचपदी (5 चरण): **"अ-बो-अ-प्र-प्र"

चरण 3
अदिति (परिचय)**

चरण 4
बोध (समझ)**

चरण 5
अभ्यास**

चरण 6
प्रयोग**

मॉड्यूल 7: शिक्षण विधियाँ, शिक्षण सूत्र, ब्लूम का वर्गीकरण, सूक्ष्म शिक्षण एवं मूल्यांकन

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 7: शिक्षण विधियाँ, शिक्षण सूत्र, ब्लूम का वर्गीकरण, सूक्ष्म शिक्षण एवं मूल्यांकन

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
प्रमुख शिक्षण विधियाँ (Teaching Methods) एवं शिक्षण सूत्र (Maxims of Teaching)	ब्लूम का शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy of Educational Objectives)	सूक्ष्म शिक्षण (Micro-Teaching) एवं भारतीय मॉडल (36 मिनट चक्र)	शिक्षण सहायक सामग्री (TLM), CCE एवं निदानात्मक-उपचारात्मक शिक्षण

7.1 प्रमुख शिक्षण विधियाँ (Teaching Methods) एवं शिक्षण सूत्र (Maxims of Teaching)

हरबर्ट स्पेंसर एवं कॉमेनियस के शिक्षण सूत्रों तथा प्रगतिशील शिक्षण विधियों के अनुसार एक सफल शिक्षक को निम्नलिखित शिक्षण विधियों और सूत्रों का प्रयोग करना चाहिए:

तुलनात्मक सारणी 7.1: प्रमुख शिक्षण विधियों का तुलनात्मक विश्लेषण

शिक्षण विधि का नाम	प्रतिपादक / जनक	मुख्य कार्यप्रणाली एवं सिद्धांत	किस स्तर व विषय के लिए सर्वोत्तम	प्रामाणिक संदर्भ
1. आगमन विधि (Inductive Method)	अरस्तू / फ्रांसिस बेकन	**उदाहरण से नियम की ओर**, विशिष्ट से सामान्य की ओर, मूर्त से अमूर्त की ओर। छात्र स्वयं उदाहरणों का निरीक्षण कर सूत्र निकालते हैं।	प्राथमिक स्तर; व्याकरण और प्रारंभिक गणित के नियम सिखाने हेतु सर्वोत्तम मनोवैज्ञानिक विधि।	NCF 2005 शिक्षणशास्त्र
2. निगमन विधि (Deductive Method)	अरस्तू (Aristotle)	**नियम/सूत्र से उदाहरण की ओर**, सामान्य से विशिष्ट की ओर, अमूर्त से मूर्त की ओर। पहले तैयार सूत्र बताया जाता है, फिर प्रश्न हल कराए जाते हैं।	उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर; समय की बचत और त्वरित गणितीय अभ्यास हेतु उपयोगी।	NCF 2005 शिक्षणशास्त्र
3. विश्लेषण विधि (Analytic Method)	—	**अज्ञात से ज्ञात की ओर**; किसी जटिल समस्या को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर उसका कारण खोजते हुए हल तक पहुँचना।	रेखागणित के प्रमेय सिद्ध करने और रसायन/जाँच कार्यों में।	NCF 2005 शिक्षणशास्त्र
4. संश्लेषण विधि (Synthetic Method)	—	**ज्ञात से अज्ञात की ओर**; छोटे-छोटे ज्ञात तथ्यों और टुकड़ों को जोड़कर निष्कर्ष या संपूर्ण समाधान प्रस्तुत करना।	विश्लेषण के बाद प्रमाण को व्यवस्थित रूप में लिखने हेतु।	NCF 2005 शिक्षणशास्त्र
5. प्रोजेक्ट / प्रायोजना विधि (Project Method)	डब्ल्यू. एच. किलपैट्रिक (1918, जॉन डीवी के प्रयोजनवाद पर आधारित)	सामाजिक वातावरण में पूर्ण संलग्नता के साथ किया जाने वाला उद्देश्यपूर्ण कार्य (**"करके सीखना" - Learning by Doing**)। इसके 6 सोपान हैं: परिस्थिति निर्माण, चयन, योजना, क्रियान्वयन, मूल्यांकन और आलेखन।	सभी स्तरों पर व्यावहारिक, प्रयोगात्मक एवं सामूहिक कौशल विकास हेतु।	किलपैट्रिक प्रोजेक्ट विधि 1918
6. ह्यूरिस्टिक / अन्वेषण विधि (Heuristic Method)	एच. ई. आर्मस्ट्रांग (H. E. Armstrong)	ग्रीक शब्द 'Heurisko' से निर्मित जिसका अर्थ है **"मैं स्वयं खोजता हूँ"**। छात्र को एक अन्वेषक या वैज्ञानिक की स्थिति में रखा जाता है।	विज्ञान एवं गणित प्रयोगशाला शिक्षण।	आर्मस्ट्रांग ह्यूरिस्टिक विधि
7. खेल विधि एवं किंडरगार्टन (Play-Way & Kindergarten)	हेनरी कॉल्डवेल कुक (खेल विधि) व फ्रेडरिक फ्रोबेल (किंडरगार्टन)	खेल की स्वाभाविक प्रवृत्ति के माध्यम से आनंददायी शिक्षा। फ्रोबेल ने विद्यालय को 'बगीचा', बालक को 'पौधा' और शिक्षक को 'माली' कहा।	फाउंडेशनल स्टेज (3–8 वर्ष) एवं पूर्व-प्राथमिक स्तर।	NCF-FS 2022
8. डाल्टन योजना (Dalton Plan / ठेका प्रणाली)	कुमारी हेलेन पार्कहर्स्ट (Helen Parkhurst, 1920)	समय-सारणी और पारंपरिक कक्षाओं के बंधन से मुक्त; प्रत्येक विषय की प्रयोगशाला (प्रोयोगशाला/Assignment) होती है और छात्र अपनी गति से निर्धारित कार्य (Contract) पूरा करते हैं।	माध्यमिक स्तर पर स्व-गति अधिगम (Self-paced learning) हेतु।	द डाल्टन प्लान - आधिकारिक

• **प्रमुख शिक्षण सूत्र (Maxims of Teaching):** (1) ज्ञात से अज्ञात की ओर, (2) सरल से जटिल की ओर, (3) मूर्त से अमूर्त की ओर, (4) स्थूल से सूक्ष्म की ओर, (5) पूर्ण से अंश की ओर, (6) अनिश्चित से निश्चित की ओर, (7) प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष की ओर, (8) विशिष्ट से सामान्य की ओर, (9) विश्लेषण से संश्लेषण की ओर, (10) मनोवैज्ञानिक से तार्किक क्रम की ओर, तथा (11) प्रकृति का अनुसरण (NCF 2005)।

7.2 ब्लूम का शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy of Educational Objectives)

वाटरलू विश्वविद्यालय के ब्लूम वर्गीकरण मार्गदर्शिका तथा इलिनोइस विश्वविद्यालय शिक्षण गाइड के अनुसार बेंजामिन ब्लूम (1956) और उनके सहयोगियों ने शैक्षिक उद्देश्यों को **3 पक्षों (3H: Head, Heart, Hand)** में विभाजित किया:

तुलनात्मक सारणी 7.2: ब्लूम के वर्गीकरण के तीनों पक्ष (निम्न से उच्च स्तर के क्रम में)

स्तर क्रम	1. संज्ञानात्मक पक्ष (Cognitive - Head) : ब्लूम (1956) → एंडरसन व क्रथवोहल संशोधित (2001)	2. भावात्मक पक्ष (Affective - Heart) : क्रथवोहल, ब्लूम व मसीह (1964)	3. मनोगत्यात्मक / क्रियात्मक पक्ष (Psychomotor - Hand) : सिम्पसन (1972) / दवे (1970)	प्रामाणिक संदर्भ
स्तर 1 (निम्नतम)	ज्ञान (Knowledge) → **स्मरण करना (Remembering)**	**आग्रहण या ध्यान देना (Receiving)**	अनुकरण (Imitation) / प्रत्यक्षीकरण	Bloom's Taxonomy Guide
स्तर 2	बोध (Comprehension) → **समझना (Understanding)**	**अनुक्रिया करना (Responding)**	कार्य करना या हस्तकौशल (Manipulation) / तत्परता	Bloom's Taxonomy Guide
स्तर 3	अनुप्रयोग (Application) → **लागू करना (Applying)**	**अनमूल्यन या मूल्य आँकना (Valuing)**	परिशुद्धता (Precision) / निर्देशित अनुक्रिया	Bloom's Taxonomy Guide
स्तर 4	विश्लेषण (Analysis) → **विश्लेषण करना (Analyzing)**	**संगठन या व्यवस्थापन (Organization)**	स्पष्ट अभिव्यक्ति या समन्वय (Articulation) / कार्यप्रणाली	UIC Bloom's Taxonomy
स्तर 5	संश्लेषण (Synthesis - 1956) → **मूल्यांकन करना (Evaluating - 2001)**	**मूल्यों का चारित्रीकरण या स्वभावीकरण (Characterization by Value)**	**प्रकृतीकरण या आदत पड़ना (Naturalization)**	UIC Bloom's Taxonomy
स्तर 6 (सर्वोच्च)	मूल्यांकन (Evaluation - 1956) → **सृजन या रचना करना (Creating - 2001)**	(भावात्मक पक्ष में 5 स्तर ही हैं)	(दवे मॉडल में 5 स्तर हैं; सिम्पसन में अनुकूलन व मौलिक उत्पत्ति सहित 7 स्तर हैं)	Bloom's Activities & Assessment

7.3 सूक्ष्म शिक्षण (Micro-Teaching) एवं भारतीय मॉडल (36 मिनट चक्र)

स्टेला मटुतिना कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सूक्ष्म शिक्षण दस्तावेज के अनुसार सूक्ष्म शिक्षण का विकास 1961–63 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में **ड्वाइट डब्ल्यू. एलन (D. W. Allen)** और कीथ एचीसन ने किया तथा भारत में इसका मानकीकरण **डी. डी. तिवारी (1967, इलाहाबाद)**, बी. के. पासी और **NCERT** ने किया। यह छात्राध्यापकों में एक समय में एक शिक्षण कौशल विकसित करने की 'न्यूनीकृत कक्षा शिक्षण तकनीक' (Scaled-down teaching encounter) है, जिसमें **5 से 10 छात्र** होते हैं।

• **NCERT का 36 मिनट का सूक्ष्म शिक्षण चक्र (Indian Model of Micro-Teaching Cycle):**

1. **पाठ योजना निर्माण (Plan):** कक्षा से पूर्व तैयार (चक्र के समय में शामिल नहीं)।
2. **शिक्षण (Teach): 6 मिनट**
3. **प्रतिपुष्टि (Feedback): 6 मिनट**
4. **पुनः पाठ योजना निर्माण (Re-plan): 12 मिनट**
5. **पुनः शिक्षण (Re-teach): 6 मिनट**

6. **पुनः प्रतिपुष्टि (Re-feedback): 6 मिनट**

• **कुल समय:** 6 + 6 + 12 + 6 + 6 = 36\text{ मिनट} (Micro-Teaching NCERT PDF)।

7.4 शिक्षण सहायक सामग्री (TLM), CCE एवं निदानात्मक-उपचारात्मक शिक्षण

• **शिक्षण सहायक सामग्री (TLM) और एडगर डेल का अनुभव शंकु (Edgar Dale's Cone of Experience):** TLM तीन प्रकार के होते हैं—(1) **श्रव्य (Audio):** रेडियो, ग्रामोफोन, टेपरिकॉर्डर, लिंग्वाफोन; (2) **दृश्य (Visual):** श्यामपट्ट, चार्ट, मानचित्र, ग्लोब, फ्लैनेल बोर्ड, ओवरहेड प्रोजेक्टर, एपिडियास्कोप; तथा (3) **श्रव्य-दृश्य (Audio-Visual):** टेलीविजन, कंप्यूटर, चलचित्र, नाटक, कठपुतली।

• **सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE - Continuous and Comprehensive Evaluation):** NCF 2005 और RTE 2009 की धारा 29(2)(h) के तहत लागू CCE में 'सतत' का अर्थ है शिक्षण के साथ-साथ नियमित आकलन, और 'व्यापक' का अर्थ है **शैक्षिक (Scholastic) और सह-शैक्षिक (Co-scholastic - खेल, कला, जीवन कौशल, अभिवृत्ति)** दोनों पक्षों का समग्र मूल्यांकन:

• **रचनात्मक आकलन (Formative Assessment - FA / अधिगम के लिए आकलन - Assessment for Learning):** शिक्षण की प्रक्रिया के दौरान कमियों को सुधारने के लिए किया जाने वाला निदानात्मक आकलन (UCF Formative & Summative Assessment)।

• **योगात्मक आकलन (Summative Assessment - SA / अधिगम का आकलन - Assessment of Learning):** सत्र या वर्ष के अंत में उपलब्धि का प्रमाणपत्र/ग्रेड देने हेतु किया जाने वाला आकलन (UCF Formative & Summative Assessment)।

• **अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning):** जब छात्र स्वयं अपने कार्य का **स्व-मूल्यांकन (Self-assessment)** या सहपाठी मूल्यांकन करता है (जैसे—खाना बनाते समय बावर्ची द्वारा नमक चखना 'Assessment for Learning' है, परोसने के बाद मेहमान द्वारा स्वाद बताना 'Assessment of Learning' है, और छात्र द्वारा अपनी प्रगति डायरी खुद जांचना 'Assessment as Learning' है)।

• **निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण (Diagnostic & Remedial Teaching):** जिस प्रकार चिकित्सक पहले रोग के कारणों की जाँच (Diagnosis) करता है और फिर दवा (Remedy) देता है, उसी प्रकार शिक्षक पहले **निदानात्मक परीक्षण** द्वारा छात्र की अधिगम कठिनाइयों और त्रुटियों के **मूल कारणों (Gaps/Weaknesses)** का पता लगाता है और उसके पश्चात **उपचारात्मक शिक्षण** द्वारा उन कमियों को दूर करता है (NCF 2005)।

7.5 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 7)

एडगर डेल के अनुभव शंकु के अनुसार विभिन्न शिक्षण माध्यमों से इंद्रियों के उपयोग एवं स्मृति धारण (Retention %) तथा NCERT सूक्ष्म शिक्षण चक्र (36 मिनट) का समय-प्रतिशत वितरण:

शिक्षण गतिविधि / सूक्ष्म शिक्षण चरण	स्मृति धारण / समय भार (%)	अवधि / संवेदी भागीदारी	शैक्षणिक निष्कर्ष	संदर्भ स्रोत
केवल पढ़ना व सुनना (निष्क्रिय श्रव्य/पाठन)	10% – 20%	एकल इंद्रिय (आँख या कान)	व्याख्यान विधि में सबसे कम धारण क्षमता	NCF 2005 शिक्षणशास्त्र
देखना और सुनना (श्रव्य-दृश्य TLM व प्रदर्शन)	50%	द्वंद्व इंद्रिय (आँख + कान)	प्रदर्शन एवं मल्टीमीडिया शिक्षण की प्रभावशीलता	NCF 2005 शिक्षणशास्त्र
चर्चा करना और संवाद (समूह परिचर्चा)	70%	सक्रिय संज्ञानात्मक सहभागिता	संवादात्मक एवं रचनावादी कक्षा	NCF 2005 शिक्षणशास्त्र
स्वयं करके सीखना व दूसरों को सिखाना (प्रोजेक्ट विधि)	90%	बहु-संवेदी एवं क्रियात्मक (Head+Heart+Hand)	प्रोजेक्ट व अन्वेषण विधि सर्वाधिक स्थायी	किलपैट्रिक प्रोजेक्ट विधि
सूक्ष्म शिक्षण: पुनः योजना निर्माण (Re-plan = 12 मिनट)	33.33% (36 मिनट का 1/3)	12 मिनट (सर्वाधिक समय वाला चरण)	प्रतिपुष्टि के आधार पर पाठ में सुधार	Micro-Teaching NCERT PDF
सूक्ष्म शिक्षण: शिक्षण, प्रतिपुष्टि, पुनः शिक्षण, पुनः प्रतिपुष्टि	16.67% प्रत्येक (कुल 66.67%)	6 + 6 + 6 + 6 = 24 मिनट	कौशल अभ्यास एवं पर्यवेक्षक प्रतिपुष्टि	Micro-Teaching NCERT PDF

★ **स्मृति ट्रिक 13 (आगमन बनाम निगमन विधि में कभी गलती न होने की ट्रिक): "नि-ग-म-न = नि से नियम पहले, और आ-ग-म-न = आ से आम (उदाहरण) पहले!"** — निगमन में पहले नियम बताकर उदाहरण दिए जाते हैं, जबकि आगमन में पहले उदाहरण देकर बच्चों से नियम निकलवाया जाता है।

स्मृति ट्रिक 14 (ब्लूम का संशोधित संज्ञानात्मक वर्गीकरण 2001 और सूक्ष्म शिक्षण चक्र):
• ब्लूम 2001 का क्रम: **"R-U-A-A-E-C (रुक आ एक = Remember, Understand, Apply, Analyze, Evaluate, Create)"** — याद रखें कि 1956 में 'मूल्यांकन' सबसे ऊपर था, पर 2001 में **'सृजन करना (Creating)'** सर्वोच्च शिखर पर आ गया है!
• सूक्ष्म शिक्षण 36 मिनट: **"केवल Re-plan (पुनः योजना) को 12 मिनट दो, बाकी चारों (Teach, Feedback, Re-teach, Re-feedback) को 6-6 मिनट दो = 36 मिनट!"**

मॉड्यूल 8: शोध अभिरुचि एवं उच्च शिक्षा शिक्षण (UGC NET / KVS / DSSSB विशेष)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 8: शोध अभिरुचि एवं उच्च शिक्षा शिक्षण (UGC NET / KVS / DSSSB विशेष)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
शिक्षण के तीन स्तर (Levels of Teaching: Memory, Understanding & Reflective)	**प्रभावशाली शिक्षण के मुख्य व्यवहार (Gary Borich's 5 Key & 5 Helping Behaviors)**	**क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) के चरण**	**कक्षा-कक्ष संप्रेषण (Classroom Communication) एवं अवरोध**

8.1 शिक्षण के तीन स्तर (Levels of Teaching: Memory, Understanding & Reflective)

UGC NET पेपर-1 शिक्षण अभिरुचि के मानक विश्लेषण के अनुसार शिक्षण एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है जो सरल से जटिल चिंतन की ओर **3 क्रमिक स्तरों** पर संपन्न होती है:

तुलनात्मक सारणी 8.1: शिक्षण के तीनों स्तरों (स्मृति, बोध एवं चिंतन स्तर) की विस्तृत तुलना

तुलना का आधार	1. स्मृति स्तर (Memory Level of Teaching - MLT)	2. बोध / समझ स्तर (Understanding Level of Teaching - ULT)	3. चिंतन / विमर्शी स्तर (Reflective Level of Teaching - RLT)	प्रामाणिक संदर्भ
मुख्य प्रतिपादक	**जोहान फ्रेडरिक हरबर्ट (J. F. Herbart)**	**एच. सी. मॉरिसन (H. C. Morrison)**	**मौरिस पी. हंट (Maurice P. Hunt)**	Levels of Teaching - UGC NET
विचारशीलता की प्रकृति	**विचारहीन शिक्षण (Thoughtless Teaching):** तथ्यों को रटने और स्मरण करने पर बल।	**विचारपूर्ण शिक्षण (Thoughtful Teaching):** अवधारणाओं के अर्थ, संबंध और नियमों को समझने पर बल।	**उच्चतम विचारपूर्ण शिक्षण (Upper Thoughtful / Introspective Teaching):** आलोचनात्मक व मौलिक समस्या-समाधान पर बल।	Levels of Teaching - UGC NET
शिक्षक एवं छात्र की भूमिका	**शिक्षक-केंद्रित एवं सत्तावादी;** शिक्षक सक्रिय रहता है और छात्र निष्क्रिय श्रोता।	**शिक्षक व छात्र दोनों सक्रिय;** शिक्षक अवधारणा को सकारात्मक व नकारात्मक उदाहरणों से स्पष्ट करता है।	**पूर्णतः छात्र-केंद्रित एवं लोकतांत्रिक;** छात्र स्वयं समस्या चुनकर परिकल्पना का परीक्षण करता है, शिक्षक केवल मार्गदर्शक।	Levels of Teaching - UGC NET
प्रमुख सोपान (Steps)	**हरबर्ट की पंचपदी प्रणाली:** (1) प्रस्तावना/तैयारी, (2) प्रस्तुतीकरण, (3) तुलना व साहचर्य, (4) सामान्यीकरण, (5) अनुप्रयोग।	**मॉरिसन के 5 सोपान:** (1) अन्वेषण (Exploration), (2) प्रस्तुतीकरण (Presentation), (3) आत्मीकरण (Assimilation), (4) संगठन (Organization), (5) अभिव्यक्ति/वाचन (Recitation)।	**हंट के 4 सोपान:** (1) छात्रों के सामने समस्यात्मक स्थिति उत्पन्न करना, (2) परिकल्पना निर्माण (Hypothesis), (3) आँकड़ों का संकलन व परीक्षण, (4) निष्कर्ष व समाधान।	Levels of Teaching - UGC NET

तुलना का आधार	1. स्मृति स्तर (Memory Level of Teaching - MLT)	2. बोध / समझ स्तर (Understanding Level of Teaching - ULT)	3. चिंतन / विमर्शी स्तर (Reflective Level of Teaching - RLT)	प्रामाणिक संदर्भ
मूल्यांकन की प्रणाली	मौखिक परीक्षा, वस्तुनिष्ठ (MCQ) और रटंत प्रत्यास्मरण प्रश्न।	लघु उत्तरीय, व्याख्यात्मक एवं उदाहरण आधारित बोध प्रश्न।	निबंधात्मक, शोध प्रबंध (Dissertation), सेमिनार और खुली पुस्तक परीक्षा।	Levels of Teaching - UGC NET

8.2 प्रभावशाली शिक्षण के मुख्य व्यवहार (Gary Borich's 5 Key & 5 Helping Behaviors)

उच्च शिक्षा और शिक्षक भर्ती परीक्षाओं (UGC NET Paper-1 / KVS / DSSSB) में गैरी बोरिच (Gary Borich) के **प्रभावशाली शिक्षण व्यवहार मॉडल** से सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं (Levels of Teaching - UGC NET):

• 5 मुख्य व्यवहार (5 Key Behaviors - जो प्रत्येक शिक्षक के लिए अनिवार्य हैं):

1. **पाठ की स्पष्टता (Lesson Clarity):** विचारों को तार्किक और सरल भाषा में बिना भटकाव के प्रस्तुत करना।

2. **अनुदेशात्मक विविधता (Instructional Variety):** शिक्षण के दौरान प्रश्न पूछने, TLM, तकनीक और स्वर के उतार-चढ़ाव में लचीली विविधता लाना।

3. **शिक्षक कार्य उन्मुखीकरण (Teacher Task Orientation):** प्रशासनिक कार्यों में समय गंवाने के बजाय अधिकतम समय वास्तविक शिक्षण और शैक्षणिक लक्ष्यों पर लगाना।

4. **अधिगम प्रक्रिया में छात्रों की संलग्नता (Engagement in the Learning Process):** छात्रों को सक्रिय रूप से सोचने, कार्य करने और अभ्यास करने में व्यस्त रखना।

5. **छात्र सफलता दर (Student Success Rate):** छात्र द्वारा विषयवस्तु को सही ढंग से समझने और हल करने की उच्च दर सुनिश्चित करना।

• 5 सहायक व्यवहार (5 Helping Behaviors): (1) छात्र के विचारों और योगदान का उपयोग करना, (2) संरचना निर्माण (Structuring), (3) प्रश्न पूछना (Questioning), (4) खोजी प्रश्न करना (Probing), और (5) शिक्षक प्रभाव/उत्साह (Teacher Affect/Warmth)।

8.3 क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) के चरण

अल्बर्टा विश्वविद्यालय के क्रियात्मक अनुसंधान दस्तावेज तथा कर्ट लेविन एवं स्टीफन कोरे के क्रियात्मक अनुसंधान विश्लेषण के अनुसार:

• उत्पत्ति एवं जनक: सामाजिक मनोविज्ञान में 'Action Research' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग **कर्ट लेविन (Kurt Lewin, 1946)** ने किया, किंतु *शिक्षा के क्षेत्र में क्रियात्मक अनुसंधान का जनक स्टीफन एम. कोरे (*Stephen M. Corey*, 1953 - पुस्तक: Action Research to Improve School Practices)* को माना जाता है (Action Research - Corey & Lewin)।

• उद्देश्य: यह किसी नए सार्वभौमिक सिद्धांत का निर्माण करने (Fundamental Research) के लिए नहीं, बल्कि **विद्यालय या कक्षा की किसी तात्कालिक एवं स्थानीय समस्या (Immediate Local Classroom Problem)**—जैसे छात्रों की अनुपस्थिति, वर्तनी की अशुद्धियाँ या गृहकार्य न करना—का स्वयं शिक्षक/प्राचार्य द्वारा त्वरित एवं वैज्ञानिक समाधान खोजने के लिए किया जाता है (Teacher as Researcher)।

• क्रियात्मक अनुसंधान का चक्रीय प्रक्रम (4 मुख्य चरण - PAOR Cycle):

1. **योजना बनाना (Plan):** समस्या की पहचान करना, कारणों का विश्लेषण करना और क्रियात्मक परिकल्पना (Action Hypothesis) व कार्ययोजना तैयार करना।

2. **क्रियान्वयन करना (Act):** बनाई गई योजना को कक्षा में व्यवहार में लागू करना।

3. **अवलोकन करना (Observe):** हस्तक्षेप के प्रभावों और आँकड़ों का वस्तुनिष्ठ निरीक्षण व संकलन करना।

4. **चिंतन / प्रतिबिंबन करना (Reflect):** परिणामों का मूल्यांकन करना और आवश्यकता पड़ने पर अगले चक्र के लिए योजना में सुधार करना (Educational Action Research)।

8.4 कक्षा-कक्ष संप्रेषण (Classroom Communication) एवं अवरोध

शैक्षिक संप्रेषण एवं प्रौद्योगिकी शोध के अनुसार संप्रेषण ('Communis' = साझा करना) एक द्विमार्गी गत्यात्मक प्रक्रिया है जिसका मूल सूत्र **SMCR मॉडल (डेविड बर्लो)** है: **स्रोत (Source - शिक्षक) → संदेश (Message - पाठ्यवस्तु) → माध्यम (Channel - शिक्षण विधि/TLM) → प्राप्तकर्ता (Receiver - छात्र) → प्रतिपुष्टि (Feedback)**। बिना प्रतिपुष्टि (Feedback) के कक्षा संप्रेषण अधूरा माना जाता है।

• **संप्रेषण के 4 प्रमुख अवरोध (Barriers to Classroom Communication):**

1. **भाषाई या अर्थगत अवरोध (Semantic Barriers):** कठिन शब्दावली, द्विअर्थी शब्द, या शिक्षक व छात्र की भाषा/बोली में अंतर।

2. **मनोवैज्ञानिक अवरोध (Psychological Barriers):** पूर्वाग्रह, भय, चिंता, रुचि का अभाव, दिवास्वप्न (Daydreaming) और चयनात्मक अवधान।

3. **भौतिक या पर्यावरणीय अवरोध (Physical Barriers):** कक्षा के बाहर का शोर (Noise), अत्यधिक गर्मी/अँधेरा, दोषपूर्ण माइक या अनुपयुक्त बैठने की व्यवस्था।

4. **सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक अवरोध (Cultural & Organizational Barriers):** सांस्कृतिक प्रतीकों का भिन्न अर्थ और कठोर एकतरफा अनुशासन।

8.5 चार्ट डेटा % विश्लेषण (मॉड्यूल 8)

UGC NET पेपर-1 शिक्षण अभिरुचि एवं कक्षा संप्रेषण विश्लेषण के अनुसार तीनों शिक्षण स्तरों में संज्ञानात्मक स्वायत्तता तथा अल्बर्ट मेहराबियन के संप्रेषण प्रभाव नियम का डेटा वितरण:

शिक्षण / संप्रेषण आयाम	शिक्षक नियंत्रण (%)	छात्र स्वायत्तता व चिंतन (%)	कक्षा संप्रेषण प्रभाव भार (%)	मुख्य शैक्षणिक निष्कर्ष	संदर्भ स्रोत
1. स्मृति स्तर (हरबर्ट मॉडल)	*85%*	*15%*	—	तथ्यों का केंद्रीकृत संप्रेषण एवं रटंत प्रत्यास्मरण	Levels of Teaching - UGC NET
2. बोध स्तर (मॉरिसन मॉडल)	*50%*	*50%*	—	शिक्षक और छात्र की समान सहभागिता से संप्रत्यय बोध	Levels of Teaching - UGC NET
3. चिंतन स्तर (हंट मॉडल)	*15%*	*85%*	—	स्व-निर्देशित शोध एवं आलोचनात्मक समस्या समाधान	Levels of Teaching - UGC NET
अशाब्दिक संप्रेषण (हाव-भाव, नेत्र संपर्क व बॉडी लैंग्वेज)	—	—	**55%**	कक्षा में शिक्षक के हाव-भाव और उत्साह का सर्वाधिक प्रभाव	शैक्षिक संप्रेषण शोध
परा-भाषाई संप्रेषण (स्वर का उतार-चढ़ाव, गति व लहजा)	—	—	**38%**	एकरस आवाज से बचने हेतु स्वर-परिवर्तन (Modulation) आवश्यक	शैक्षिक संप्रेषण शोध
केवल शाब्दिक संप्रेषण (शब्द मात्र)	—	—	**7%**	बिना हाव-भाव और स्वर-लय के केवल शब्द कम प्रभावी होते हैं	शैक्षिक संप्रेषण शोध

संकल्पनात्मक प्रवाह आरेख (Step-by-Step Process Flow)

चरण 1	चरण 2	चरण 3	चरण 4	चरण 5	चरण 6
स्मृति ट्रिक 15 (शिक्षण के 3 स्तरों के जनक और क्रियात्मक अनुसंधान के 4 चरण): - शिक्षण के 3 स्तर और जनक: "हम हैं (H-M-H = Herbart, Morrison, Hunt)"	स्मृति स्तर = हरबर्ट (Herbart), बोध स्तर = मॉरिसन (Morrison), चिंतन स्तर = हंट (Hunt)। - क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) का चक्र: "PAOR (पॉवर = Plan	Act	Observe	Reflect)" यानी योजना	क्रिया

परिशिष्ट: संपूर्ण 15 स्मृति ट्रिक्स (Master Revision Table)

ट्रिक संख्या	विषय / मॉड्यूल	परीक्षा-उन्मुख स्मृति सूत्र (Memory Trick)
ट्रिक 1	विकास की दिशा (मॉड्यूल 1)	**शीश-सिर** (Cephalocaudal = सिर से पैर) और **समीप-सीना** (Proximodistal = सीने/केंद्र से उंगलियों तक)।
ट्रिक 2	ब्रोनफेनब्रेनर के 5 मंडल (मॉड्यूल 1)	**MMEMC** = Micro (परिवार) → Meso (संबंध) → Exo (कार्यस्थल) → Macro (संस्कृति) → Chrono (समय)।
ट्रिक 3	पियाजे व ब्रूनर की अवस्थाएँ (मॉड्यूल 2)	पियाजे: **स-पू-मू-अ** (संवेदी, पूर्व, मूर्त, अमूर्त); ब्रूनर: **E-I-S** (Enactive क्रियात्मक, Iconic प्रतिबिंबात्मक, Symbolic संकेतात्मक)।
ट्रिक 4	कोहलबर्ग के 6 चरण (मॉड्यूल 2)	**"दंड और लालच से बचा (1–2), अच्छा बनकर कानून रचा (3–4), अनुबंध किया फिर अंतरात्मा को चुना (5–6)"**।
ट्रिक 5	अधिगम प्रयोग व जीव (मॉड्यूल 3)	**थार्नडाइक** = **बिल्ली**, **पावलव** = **कुत्ता**, **स्किनर** = **चूहा/कबूतर**, **कोहलर** = **सुल्तान चिंपांजी**, **बंडूरा** = **बोबो डॉल**।
ट्रिक 6	बंडूरा व थार्नडाइक के नियम (मॉड्यूल 3)	बंडूरा के 4 चरण: **ARRM** (अवधान, धारण, पुनरुत्पादन, अभिप्रेरणा); थार्नडाइक के 3 मुख्य नियम: **त-अ-प्र** (तत्परता, अभ्यास, प्रभाव)।
ट्रिक 7	गार्डनर की व्यक्तिगत बुद्धियाँ (मॉड्यूल 4)	**Interpersonal** = Inter-state (दूसरों के मन को समझना); **Intrapersonal** = आत्मा/स्वयं के भीतर झाँकना।
ट्रिक 8	स्टर्नबर्ग व थर्स्टन की बुद्धि (मॉड्यूल 4)	स्टर्नबर्ग का त्रितंत्र: **CAP** (Componential, Adaptive/Contextual, Practical/Experiential); थर्स्टन के 7 कारक: **N-V-W-S-M-P-R**।
ट्रिक 9	अधिगम अक्षमताएँ (मॉड्यूल 5)	**लेक्सिया** = पढ़ना, **ग्राफिया** = लिखना, **कैलकुलिया** = गणित, **फेजिया** = भाषा/बोलना, **प्रैक्सिया** = गामक समन्वय।
ट्रिक 10	प्रतिभाशालिता व सृजनात्मकता (मॉड्यूल 5)	रेंजली का त्रि-वृत्तीय मॉडल: **ACT** (Ability, Creativity, Task Commitment); सृजनात्मकता के 4 तत्व: **FFOE** (प्रवाह, लचीलापन, मौलिकता, विस्तारण)।
ट्रिक 11	NEP 2020 संरचना व पंचपदी (मॉड्यूल 6)	`5+3+3+4` = **F-P-M-S** (3–8, 8–11, 11–14, 14–18 वर्ष); पंचपदी = **अदिति → बोध → अभ्यास → प्रयोग → प्रसार**।
ट्रिक 12	RTE 2009 की मुख्य धाराएँ (मॉड्यूल 6)	**धारा 12** (25% सीट), **धारा 16** (फेल निषेध), **धारा 17** (दंड निषेध), **धारा 24** (शिक्षक कर्तव्य), **धारा 28** (प्राइवेट ट्यूशन निषेध)।
ट्रिक 13	आगमन बनाम निगमन विधि (मॉड्यूल 7)	**निगमन** = **'नि' से नियम पहले** (नियम से उदाहरण); **आगमन** = **'आ' से आम/उदाहरण पहले** (उदाहरण से नियम)।
ट्रिक 14	ब्लूम 2001 व सूक्ष्म शिक्षण (मॉड्यूल 7)	ब्लूम 2001: **R-U-A-A-E-C** (Remember → Understand → Apply → Analyze → Evaluate → Create); सूक्ष्म शिक्षण 36 मिनट: **Re-plan 12 मिनट + शेष 4 चरण 6-6 मिनट**।

ट्रिक संख्या	विषय / मॉड्यूल	परीक्षा-उन्मुख स्मृति सूत्र (Memory Trick)
ट्रिक 15	शिक्षण के स्तर व Action Research (मॉड्यूल 8)	शिक्षण के 3 स्तर: **H-M-H** (Herbart स्मृति, Morrison बोध, Hunt चिंतन); क्रियात्मक अनुसंधान: **PAOR** (Plan → Act → Observe → Reflect)।

पुस्तक संदर्भ: 22_Sampoorna_Bal_Vikas_Shikshashastra_NEP2020_Masterbook.pdf (IUC Academy)

आधिकारिक शैक्षणिक स्रोत: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय | NEP 2020 आधिकारिक दस्तावेज - NCERT | राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा NCF-SE 2023 - NCERT | NCF-FS 2022 फाउंडेशनल स्टेज - NCERT | निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 - India Code | दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code

मॉड्यूल 1: अभिवृद्धि एवं विकास (Growth & Development) के सिद्धांत, अवस्थाएं एवं आनुवंशिकता बनाम वातावरण की अंतःक्रिया

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 गर्भावस्था एवं शैशवावस्था (Prenatal & Infancy: जन्म से 2 वर्ष):

• गर्भावस्था के 3 चरण — डिम्बावस्था (Germinal: 0–2 सप्ताह), पिण्डावस्था (Embryonic: 2–8 सप्ताह) और भ्रूणावस्था (Fetal: 9 सप्ताह से जन्म तक) (NCF-FS 2022 - NCERT)।

• शैशवावस्था (0–2 वर्ष) में तीव्रतम शारीरिक वृद्धि, इंद्रिय-जनित गामक क्रियाएं (Sensory-motor actions), परनिर्भरता और मूल संवेगात्मक जुड़ाव (Attachment) का विकास।

चरण 2 प्रारंभिक बाल्यावस्था (Early Childhood: 2 से 6 वर्ष — 'खिलौनों व प्रश्नों की आयु'):

• भाषा विकास का सबसे संवेदनशील (क्रांतिक) काल; जिज्ञासा की प्रबलता, प्रतीकात्मक खेल (Make-believe play) और पूर्व-विद्यालयी समाजीकरण (NCF-FS 2022 - NCERT)।

• NEP 2020 के अनुसार 85% से अधिक संचयी मस्तिष्क विकास (Cumulative Brain Development) 6 वर्ष की आयु से पूर्व ही पूर्ण हो जाता है (NEP 2020 - NCERT)।

चरण 3 उत्तर बाल्यावस्था (Later Childhood: 6 से 12 वर्ष — 'टोली/गैंग एवं विद्यालयी आयु'):

• शारीरिक विकास की गति में सापेक्षिक स्थिरता (मिथ्या परिपक्वता का काल — रॉस के अनुसार), तार्किक चिंतन का आरंभ, समवयस्क समूह (Peer Group) के प्रति निष्ठा और उद्योग बनाम हीनता का मनोसामाजिक चरण (NCF-SE 2023 - NCERT)।

• स्थूल गामक कौशलों (Gross Motor Skills) से सूक्ष्म गामक कौशलों (Fine Motor Skills) में निपुणता का विकास।

चरण 4 किशोरावस्था (Adolescence: 12 से 18 वर्ष — 'अमूर्त चिंतन एवं पहचान निर्माण का काल'):

• स्टेनले हॉल के अनुसार 'तनाव और तूफान की अवस्था' (Period of Storm and Stress); अमूर्त एवं परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक चिंतन (Hypothetico-Deductive Reasoning), स्व-पहचान का संकट (Identity Crisis) और वीर पूजा (Hero Worship) (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: अभिवृद्धि (Growth) बनाम विकास (Development) एवं विकासात्मक दिशा के नियम

तुलना का आयाम	अभिवृद्धि (Growth / वृद्धि)	विकास (Development)	शैक्षणिक निहितार्थ एवं उदाहरण	आधिकारिक संदर्भ
प्रकृति एवं स्वरूप	केवल **मात्रात्मक / परिमाणात्मक (Quantitative)** परिवर्तन	**मात्रात्मक एवं गुणात्मक (Quantitative & Qualitative)** दोनों परिवर्तन	लंबाई/वजन बढ़ना वृद्धि है, जबकि कार्यक्षमता और तर्कशक्ति बढ़ना विकास है	NCF-FS 2022 - NCERT

तुलना का आयाम	अभिवृद्धि (Growth / वृद्धि)	विकास (Development)	शैक्षणिक निहितार्थ एवं उदाहरण	आधिकारिक संदर्भ
क्षेत्र (Scope)	संकुचित अवधारणा — केवल शारीरिक पक्ष (कोशिकीय वृद्धि) तक सीमित	व्यापक एवं समग्र अवधारणा — शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं नैतिक पक्ष शामिल	अभिवृद्धि विकास का ही एक उप-भाग (Subset) है	NCF-SE 2023 - NCERT
अवधि एवं निरंतरता	एक निश्चित आयु (परिपक्वता / Maturity) प्राप्त करने के बाद रुक जाती है	गर्भाधान से मृत्यु पर्यंत (**Womb to Tomb**) निरंतर चलने वाली प्रक्रिया	सीखना और मनोसामाजिक अनुकूलन जीवनभर चलता है	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
मापन (Measurement)	इसे सीधे इंच, सेंटीमीटर, किलोग्राम आदि में सटीक मापा जा सकता है	इसका सीधा भौतिक मापन कठिन है; इसे व्यवहार के अवलोकन एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षणों से आंका जाता है	समग्र प्रगति कार्ड (HPC) द्वारा बहुआयामी आकलन	NEP 2020 - NCERT
शीर्षगामी नियम (Cephalocaudal Principle)	सिर से पैर (लंबवत / Head to Toe) की ओर विकास का क्रम	शिशु पहले सिर संभालना सीखता है, फिर धड़ (बैठना) और अंत में पैरों पर चलना सीखता है	गामक विकास की प्रथम सार्वभौमिक दिशा	NCF-FS 2022 - NCERT
समीप-दूराभिमुख नियम (Proximodistal Principle)	केंद्र (रीढ़/हृदय) से बाहर परिधि (Center to Periphery) की ओर विकास	शिशु पहले पूरी बांह (कंधे) का उपयोग करता है, फिर कलाई और अंत में उंगलियों (Pincer Grasp) से पेंसिल पकड़ता है	प्राथमिक कक्षाओं में पहले मोटे क्रेयॉन और बाद में पतली पेंसिल दी जाती है	NCF-FS 2022 - NCERT
आनुवंशिकता एवं वातावरण का संबंध	वुडवर्थ का सूत्र: `D = H × E` (विकास = आनुवंशिकता × वातावरण का गुणनफल)	आनुवंशिकता विकास की सीमा (Limit) तय करती है और वातावरण उस क्षमता के प्रकटीकरण का अवसर देता है	दोनों का योगदान योगात्मक (`H + E`) न होकर **गुणात्मक (`H × E`)** होता है	IUC Academy

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और NCF-FS 2022 (NCERT) के वैज्ञानिक साक्ष्यों के अनुसार, मानव शिशु के मस्तिष्क का **85% से अधिक संचयी विकास 6 वर्ष की आयु से पहले** ही हो जाता है! इसी कारण NEP 2020 ने 3 से 6 वर्ष के बच्चों की प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE - आंगनवाड़ी/बालवाटिका) को औपचारिक स्कूली संरचना (`5+3+3+4` के प्रथम 5 वर्षीय फाउंडेशनल स्टेज) में शामिल किया है। इसके अलावा, बालक का विकास कभी भी एक सीधी रेखा (Linear) में नहीं होता, बल्कि **वर्तुलाकार / सर्पिलाकार (Spiral)** होता है — अर्थात् बालक एक चरण में आगे बढ़ने के बाद अपने विकास को सुदृढ़ (Consolidate) करने के लिए थोड़ा पीछे मुड़कर विश्राम लेता है और फिर आगे बढ़ता है (NCF-SE 2023 - NCERT)।

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
CTET, UPTET, KVS और DSSSB परीक्षाओं में अभ्यर्थी निम्नलिखित तीन जालों में सबसे अधिक फंसते हैं:
1. **शीर्षगामी (Cephalocaudal) बनाम समीप-दूराभिमुख (Proximodistal):** यदि प्रश्न में लिखा हो कि "बच्चा पहले गेंद को दोनों हाथों और सीने से पकड़ता है और बाद में उंगलियों की चुटकी से मटर का दाना उठाता है", तो यह **समीप-दूराभिमुख (Proximodistal — केंद्र से बाहर)** है, न कि शीर्षगामी!
2. **खिलौनों की आयु (Toy Age) बनाम खेल की आयु (Play/Gang Age):** मनोवैज्ञानिक दृष्टि से **प्रारंभिक बाल्यावस्था (2–6 वर्ष)** को **'खिलौनों की आयु' (Toy Age)** और **'पूर्व-टोली आयु' (Pre-gang Age)** कहा जाता है, जबकि **उत्तर बाल्यावस्था (6–12 वर्ष)** को **'खेल की आयु' (Smart/Play Age)** और **'टोली आयु' (Gang Age)** कहा जाता है।
3. **विकास की भविष्यवाणी:** विकास का **क्रम (Sequence/Pattern)** सभी बच्चों में एक समान और निश्चित होता है, किंतु विकास की **दर/गति (Rate/Pace)** प्रत्येक बच्चे में भिन्न होती है (IUC Academy)।

★ IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):
ट्रिक: "सिर से पैर तक सेफेलो (Cephalo), केंद्र से उंगली तक प्रॉक्सिमो (Proximo); H गुणा E का खेल, वर्तुलाकार विकास का मेल!"
- **Cephalocaudal (शीर्षगामी):** `Cephalo` = सिर पैर (Head to Toe)।
- **Proximodistal (समीप-दूराभिमुख):** `Proximo` = केंद्र/रीढ़ भुजा हथेली उंगलियां (Gross से Fine Motor)।
- `D = H × E` **(वुडवर्थ):** विकास आनुवंशिकता और वातावरण का **गुणनफल (Product)** है, योगफल नहीं।
- **Spiral (सर्पिलाकार):** विकास रेखीय (Linear) नहीं, बल्कि **सर्पिलाकार (Spiral)** होता है।

मॉड्यूल 2: संज्ञानात्मक एवं सामाजिक-सांस्कृतिक विकास — जीन पियाजे (Piaget) बनाम लेव वायगोत्स्की (Vygotsky) एवं ब्रूनर

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 जीन पियाजे का संज्ञानात्मक अनुकूलन चक्र (Adaptation Cycle):

• स्कीमा (Schema - मानसिक संरचना) आत्मसात्करण (Assimilation - पूर्व ज्ञान में नया ज्ञान जोड़ना) असंतुलन (Disequilibrium) समायोजन (Accommodation - पूर्व स्कीमा में संशोधन/परिवर्तन करना) साम्यधारण (Equilibration - मानसिक संतुलन) (NCF-FS 2022 - NCERT)।

चरण 2 पियाजे की 4 संज्ञानात्मक अवस्थाएं (SPCF):

• (1) संवेदी-गामक (0–2 वर्ष: वस्तु स्थायित्व / Object Permanence) (2) पूर्व-संक्रियात्मक (2–7 वर्ष: जीववाद, अहं-केंद्रितता, अपलटावी चिंतन, केंद्रीकरण) (3) मूर्त संक्रियात्मक (7–11 वर्ष: संरक्षण/Conservation, पलटावी गुण, वर्गीकरण, क्रमबद्धता) (4) औपचारिक/अमूर्त संक्रियात्मक (11–15+ वर्ष: अमूर्त एवं परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्क) (NCF-FS 2022 - NCERT)।

चरण 3 लेव वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (SCL - Social, Culture, Language):

• समाज व संस्कृति के साथ अंत:क्रिया अधिक जानकार अन्य (MKO - More Knowledgeable Other) का मार्गदर्शन समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD - Zone of Proximal Development) पाड़/ढांचा (Scaffolding - अस्थायी सहायता) निजी वाक् (Private Speech - स्व-नियमन हेतु भाषा) (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

चरण 4 जेरोम ब्रूनर का संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व एवं सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum):

• क्रियात्मक अवस्था (Enactive: 0–1 वर्ष — करके सीखना) प्रतिबिंबात्मक अवस्था (Iconic: 1–6 वर्ष — चित्रों/दृश्यों से सीखना) प्रतीकात्मक अवस्था (Symbolic: 7+ वर्ष — भाषा, गणितीय चिह्नों व अमूर्त प्रतीकों से सीखना) (NCF-SE 2023 - NCERT)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: जीन पियाजे (मौलिक रचनावाद) बनाम लेव वायगोत्स्की (सामाजिक रचनावाद)

तुलना का आधार	जीन पियाजे (Jean Piaget - स्विट्ज़रलैंड)	लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky - रूस)	कक्षा-कक्ष में शैक्षणिक अनुप्रयोग	आधिकारिक संदर्भ
रचनावाद का प्रकार	संज्ञानात्मक / मौलिक रचनावाद (Cognitive Constructivism)	सामाजिक-सांस्कृतिक रचनावाद (Social Constructivism)	दोनों ही बच्चे को ज्ञान का सक्रिय निर्माता मानते हैं; पियाजे ने बच्चे को 'नन्हा वैज्ञानिक' (Little Scientist) कहा	NCF-FS 2022 - NCERT
विकास का मुख्य आधार	जैविक परिपक्वता (Biological Maturation) एवं भौतिक वातावरण से खोज	सामाजिक अंत:क्रिया (Social Interaction), सांस्कृतिक उपकरण और भाषा	समूह अधिगम, सहकर्मी शिक्षण (Peer Tutoring) और सहयोगी प्रोजेक्ट वायगोत्स्की की देन हैं	NCF-SE 2023 - NCERT
अधिगम बनाम विकास का क्रम	पहले विकास (परिपक्वता) होता है, फिर अधिगम होता है (Development precedes Learning)	पहले सामाजिक अधिगम होता है, जिससे विकास अग्रसर होता है (Learning precedes Development)	पियाजे आयु-आधारित अवस्थाओं (Stages) में विश्वास करते हैं, जबकि वायगोत्स्की ने कोई आयु-अवस्था नहीं बांटी	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
विचार और भाषा का संबंध	पहले विचार (Thought) आता है, फिर भाषा (Language) आती है	प्रारंभ में (2 वर्ष तक) विचार और भाषा अलग होते हैं, फिर 3 वर्ष के आसपास दोनों एकीकृत हो जाते हैं	भाषा केवल विचार व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि चिंतन का सबसे बड़ा उपकरण (Tool of Thought) है	NCF-FS 2022 - NCERT

तुलना का आधार	जीन पियाजे (Jean Piaget - स्विट्ज़रलैंड)	लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky - रूस)	कक्षा-कक्ष में शैक्षणिक अनुप्रयोग	आधिकारिक संदर्भ
बच्चे का स्वतः से बोलना (Self-Talk)	इसे **'अहं-केंद्रित वाक्' (Egocentric Speech)** कहा और अपरिपक्व व अनुपयोगी माना	इसे **'निजी वाक्' (Private Speech)** कहा जो बच्चे को अपने कार्यों को **स्व-नियंत्रित व निर्देशित (Self-Regulate)** करने में मदद करता है	7 वर्ष के बाद यही निजी वाक् 'आंतरिक/मौन वाक्' (Inner Speech) बन जाता है	IUC Academy
प्रमुख शब्दावली (Key Terms)	स्कीमा, आत्मसात्करण, समायोजन, साम्यधारण, वस्तु स्थायित्व, जीववाद, संरक्षण, विकेंद्रीकरण	**ZPD (समीपस्थ विकास का क्षेत्र), Scaffolding (पाड़/मचान), MKO,** पारस्परिक शिक्षण (Reciprocal Teaching)	यदि प्रश्न में *ZPD*, पाड़, संस्कृति, सहयोग दिखे तो उत्तर वायगोत्स्की; यदि स्कीमा, संरक्षण, अवस्थाएं दिखे तो उत्तर पियाजे	IUC Academy

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
मनोविज्ञान में **'Scaffolding' (पाड़/मचान)** शब्द का प्रयोग भले ही लेव वायगोत्स्की के ZPD सिद्धांत के संदर्भ में सबसे अधिक किया जाता है, किंतु इस शब्द को औपचारिक रूप से **जेरोम ब्रूनर (Jerome Bruner), डेविड वुड और गेल रॉस ने 1976 में** वायगोत्स्की के ZPD को समझाने के लिए गढ़ा था! इसके अतिरिक्त, पियाजे के **मूर्त संक्रियात्मक चरण (7–11 वर्ष)** में बच्चा **'संरक्षण' (Conservation)** तीन अलग-अलग आयु पड़ावों पर सीखता है, जिसे पियाजे ने **'क्षैतिज डेकालाज' (Horizontal Décalage)** कहा है: सबसे पहले **संख्या संरक्षण (6–7 वर्ष)**, फिर **द्रव्यमान/लंबाई संरक्षण (7–8 वर्ष)**, फिर **भार संरक्षण (9–10 वर्ष)** और सबसे अंत में **आयतन संरक्षण (Volume Conservation: 11–12 वर्ष)** (NCF-SE 2023 - NCERT)।

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
CTET में हर वर्ष **आत्मसात्करण (Assimilation)** और **समायोजन (Accommodation)** पर एक व्यावहारिक प्रश्न आता है:
• **आत्मसात्करण (Assimilation):** बच्चे ने चार पैरों वाले सफेद कुत्ते को देखा था; अब उसने चार पैरों वाली काली बिल्ली या भूरे कुत्ते को देखकर उसे भी अपने पुराने 'कुत्ते के स्कीमा' में फिट कर लिया — यहां स्कीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ, केवल नया अनुभव जुड़ा।
• **समायोजन (Accommodation):** जब मां ने बताया कि "यह म्याऊं बोलती है, यह कुत्ता नहीं बल्कि बिल्ली है", तब बच्चे ने अपने पुराने स्कीमा में **संशोधन/परिवर्तन (Modify/Change)** किया और 'बिल्ली' का नया स्कीमा बनाया — जहां भी प्रश्न में **'संशोधन करना', 'बदलाव करना' या 'नया स्कीमा बनाना'** लिखा हो, वहां हमेशा **समायोजन (Accommodation)** टिक करें (IUC Academy)!

★ IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):
ट्रिक: "पियाजे के 4 कदम — S-P-C-F (संवेदी, पूर्व, मूर्त, औपचारिक); वायगोत्स्की की त्रिमूर्ति — S-C-L (समाज, संस्कृति, भाषा) और ZPD-MKO-पाड़!"
• **पियाजे (SPCF):** **S**ensorimotor (0–2: वस्तु स्थायित्व) **P**re-operational (2–7: जीववाद, अहं-केंद्रितता, अपलटावी) **C**oncrete Operational (7–11: संरक्षण, वर्गीकरण, पलटावी, आगमन तर्क) **F**ormal Operational (11–15: अमूर्त व निगमन तर्क)।
• **Assimilation बनाम Accommodation:** **A**ssimilation = **S**ame Schema (वही स्कीमा); **A**ccommodation = **C**hange/Create Schema (स्कीमा में बदलाव)।

मॉड्यूल 3: नैतिक एवं मनोसामाजिक विकास — लॉरेंस कोहलबर्ग (Kohlberg), कैरल गिलिगन (Gilligan) एवं एरिक एरिक्सन (Erikson)

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 **कोहलबर्ग का पूर्व-परंपरागत स्तर (Pre-Conventional Level: 4 से 10 वर्ष — बाह्य नियंत्रण):**

• **चरण 1 (आज्ञापालन एवं दंड अभिविन्यास):** "मैं चोरी नहीं करूंगा क्योंकि मुझे सजा मिलेगी।"
• **चरण 2 (यांत्रिक सापेक्षता / साधनात्मक विनिमय — 'Tit for Tat'):** "तुम मेरी पेंसिल दो, मैं तुम्हें अपना टिफिन दूंगा" (स्व-हित एवं आदान-प्रदान) (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

चरण 2 **कोहलबर्ग का परंपरागत स्तर (Conventional Level: 10 से 13 वर्ष — सामाजिक मानक):**

• **चरण 3 (अच्छा लड़का / अच्छी लड़की अभिविन्यास — Good Boy / Nice Girl):** माता-पिता, शिक्षक व समाज की प्रशंसा और स्वीकृति पाने के लिए नैतिक व्यवहार करना।

• **चरण 4 (कानून एवं व्यवस्था अभिविन्यास — Law and Order Orientation):** "कानून का पालन करना हमारा कर्तव्य है, चाहे परिस्थिति कुछ भी हो; यदि सब कानून तोड़ेंगे तो समाज में अराजकता फैल जाएगी" (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 3 **कोहलबर्ग का उत्तर-परंपरागत स्तर (Post-Conventional Level: 13+ वर्ष — आंतरिक विवेक):**

• **चरण 5 (सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास — Social Contract):** कानून मानव कल्याण के लिए बने हैं; यदि कोई कानून किसी की जान बचाने (जैसे हिंज की पत्नी की जान) के आड़े आता है, तो लोकतांत्रिक रूप से उसे बदला जा सकता है।

• **चरण 6 (सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत — Universal Ethical Principles):** अंतरात्मा की आवाज, मानवाधिकार, न्याय और गरिमा सर्वोच्च हैं (जैसे महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला) (IUC Academy)।

चरण 4 **कैरल गिलिगन की नारीवादी आलोचना एवं एरिक्सन के 8 मनोसामाजिक चरण:**

• कोहलबर्ग की शिष्या **कैरल गिलिगन** ने अपनी पुस्तक '*In a Different Voice*' (1982) में कोहलबर्ग के सिद्धांत को **लैंगिक रूप से पूर्वाग्रहग्रस्त (Gender-Biased)** बताया क्योंकि उनके सभी सैंपल पुरुष थे; गिलिगन ने पुरुषों के 'न्याय आधारित नैतिकता' (Ethics of Justice) के मुकाबले महिलाओं के **'देखभाल और करुणा आधारित नैतिकता' (Ethics of Care)** का सिद्धांत दिया (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: एरिक एरिक्सन (Erik Erikson) के मनोसामाजिक विकास के 8 जीवन-पर्यंत चरण

चरण सं.	विकास की अवस्था एवं आयु	मनोसामाजिक संकट (Psychosocial Crisis)	विकसित होने वाला सद्गुण (Basic Virtue)	मुख्य विकासात्मक घटना एवं शैक्षणिक महत्व
1	शैशवावस्था (जन्म से 1.5 वर्ष)	**विश्वास बनाम अविश्वास** (Trust vs. Mistrust)	**आशा (Hope)**	माता/देखभालकर्ता द्वारा स्नेहपूर्ण पोषण मिलने पर शिशु में दुनिया के प्रति विश्वास जागृत होता है (NCF-FS 2022 - NCERT)।
2	प्रारंभिक बाल्यावस्था (1.5 से 3 वर्ष)	**स्वायत्तता बनाम लज्जा एवं संदेह** (Autonomy vs. Shame & Doubt)	**इच्छाशक्ति (Will)**	शौच प्रशिक्षण (Toilet Training) और स्वयं कपड़े पहनने/खाने की स्वतंत्रता देने से आत्मनिर्भरता बढ़ती है।
3	खेल आयु / पूर्व-विद्यालयी (3 से 6 वर्ष)	**पहल बनाम अपराधबोध** (Initiative vs. Guilt)	**उद्देश्य (Purpose)**	बच्चे नए खेल शुरू करते हैं और प्रश्न पूछते हैं; डांटने पर उनमें अपराधबोध (Guilt) आता है (NCF-FS 2022 - NCERT)।
4	विद्यालयी आयु (6 से 12 वर्ष)	**परिश्रम/उद्योग बनाम हीनता** (Industry vs. Inferiority)	**सामर्थ्य / दक्षता (Competence)**	विद्यालय में शैक्षणिक व खेल कौशल सीखने पर प्रशंसा से आत्मविश्वास और विफलता/तुलना से हीन भावना आती है (NCF-SE 2023 - NCERT)।
5	किशोरावस्था (12 से 18 वर्ष)	**पहचान बनाम भूमिका भ्रम** (Identity vs. Role Confusion)	**निष्ठा / कर्तव्यपरायणता (Fidelity)**	किशोर "मैं कौन हूं?" और अपने करियर/मूल्यों की खोज करता है; सर्वाधिक पूछा जाने वाला चरण (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।
6	युवा प्रौढ़ावस्था (18 से 40 वर्ष)	**घनिष्ठता बनाम अलगाव** (Intimacy vs. Isolation)	**प्रेम (Love)**	सार्थक मित्रता और पारिवारिक/वैवाहिक संबंध स्थापित करना; असफल होने पर अकेलापन।
7	मध्य प्रौढ़ावस्था (40 से 65 वर्ष)	**उत्पादकता/जननात्मकता बनाम स्थिरता** (Generativity vs. Stagnation)	**देखभाल (Care)**	अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन, समाज सेवा और परिवार का भरण-पोषण करना।
8	परिपक्वता / वृद्धावस्था (65+ वर्ष)	**अहं-सत्यनिष्ठा बनाम निराशा** (Ego Integrity vs. Despair)	**प्रज्ञा / बुद्धिमत्ता (Wisdom)**	अपने संपूर्ण जीवन को सार्थक मानकर संतुष्ट होना या पश्चाताप/निराशा का अनुभव करना (IUC Academy)।

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
लॉरेंस कोहलबर्ग ने अपने नैतिक विकास के प्रयोग में प्रसिद्ध **'हिंज की दुविधा' (Heinz Dilemma)** सुनाई थी, जिसमें यूरोप में एक महिला कैंसर के विशेष प्रकार से मर रही थी और एक फार्मासिस्ट ने रेडियम की दवा पर लागत (200) से दस गुना अधिक (2,000) दाम रख दिया था; हिंज ने अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए दुकान तोड़कर दवा चुरा ली। कोहलबर्ग के अनुसार हिंज का निर्णय 'सही था या गलत' यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि **बच्चे ने अपने उत्तर के पीछे क्या 'नैतिक तर्क' (Moral Reasoning) दिया**, इसी से उसका नैतिक चरण निर्धारित होता है (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)!

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
छात्र अक्सर कोहलबर्ग के **चरण 4 (Law & Order)** और **चरण 5 (Social Contract)** के प्रश्नों में भ्रमित हो जाते हैं:
• यदि प्रश्न में बच्चा कहे कि "किसी भी स्थिति में कानून नहीं तोड़ना चाहिए क्योंकि सामाजिक व्यवस्था बनाए रखना हमारा कर्तव्य है", तो यह **चरण 4 (कानून एवं व्यवस्था अभिविन्यास — परंपरागत स्तर)** है।
• यदि प्रश्न में बच्चा कहे कि "कानून लोगों की भलाई के लिए बनाए जाते हैं और यदि कोई कानून मानव जीवन की रक्षा नहीं कर पा रहा है तो उसे बदला जा सकता है", तो यह **चरण 5 (सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास — उत्तर-परंपरागत स्तर)** है (IUC Academy)!

★ IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):
ट्रिक (कोहलबर्ग के 6 चरण): "1 में डर (सजा), 2 में सौदा (अदला-बदली), 3 में तारीफ (अच्छा लड़का/लड़की), 4 में कानून, 5 में समझौता, 6 में अंतरात्मा!"
ट्रिक (एरिक्सन के प्रथम 5 स्कूली चरण): "विश्वास (0-1.5) से स्वायत्तता (1.5-3) मिली, पहल (3-6) से परिश्रम (6-12) जागा, और किशोरावस्था (12-18) में बनी पहचान!"

मॉड्यूल 4: अधिगम के व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक एवं सामाजिक सिद्धांत — थॉर्नडाइक, पावलॉव, स्किनर, कोहलर एवं बंडूरा

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 **एडवर्ड एल. थॉर्नडाइक का संबंधवाद / प्रयास एवं त्रुटि सिद्धांत (Trial & Error - S-R Bond):**

• भूखी बिल्ली और मछली के टुकड़े (पहेली बॉक्स / Puzzle Box) पर प्रयोग उद्दीपक (Stimulus) और अनुक्रिया (Response) के बीच बंधन (**S-R Bond**) **अधिगम के 3 मुख्य नियम (तत्परता, अभ्यास, प्रभाव)** एवं **5 गौण नियम** (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

चरण 2 **इवान पावलॉव का शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) बनाम बी.एफ. स्किनर का क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning):**

• **पावलॉव (S-R Type):** कुत्ते पर लार ग्रंथि का प्रयोग — स्वाभाविक उद्दीपक (भोजन - UCS) के साथ तटस्थ उद्दीपक (घंटी - CS) का साहचर्य (नोबेल पुरस्कार 1904)।

• **स्किनर (R-S Type):** सफेद चूहे (Skinner Box - 1938) और कबूतर पर प्रयोग — पहले प्राणी अनुक्रिया (Response) करता है, फिर उसे **पुनर्बलन (Reinforcement)** मिलता है (IUC Academy)।

चरण 3 **गेस्टाल्टवाद / कोहलर का अंतर्दृष्टि या सूझ का सिद्धांत (Insight Learning Theory):**

• मैक्स वर्दीमर (संस्थापक), कोफ्का, कर्ट लेविन और **वोल्फगैंग कोहलर** कैनरी द्वीप पर **'सुल्तान' नामक चिंपांजी** पर छड़ी और बक्सों का प्रयोग समस्या को टुकड़ों में नहीं बल्कि **'समग्र रूप' (Whole / Gestalt)** में देखने पर अचानक **'आहा अनुभव' (Aha! Experience / अंतर्दृष्टि)** का उदय होना (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 4 **अल्बर्ट बंडूरा का सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social / Observational Learning - Bobo Doll प्रयोग):**

• बच्चे दूसरों के व्यवहार का **अवलोकन और अनुकरण (Modeling / Imitation)** करके सीखते हैं **4 क्रमिक सोपान: (1) अवधान (Attention) (2) धारण (Retention) (3) पुनरुत्पादन (Reproduction) (4) अभिप्रेरणा (Motivation)** (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: अधिगम के प्रमुख मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, प्रवर्तक, प्रयोग एवं शैक्षणिक महत्व

सिद्धांत का नाम	प्रवर्तक एवं देश	प्रयुक्त जीव / प्रयोग सामग्री	मुख्य तकनीकी अवधारणाएं	कक्षा में शैक्षणिक अनुप्रयोग
प्रयास एवं त्रुटि / संबंधवाद (Connectionism)	**ई.एल. थॉर्नडाइक** (अमेरिका — शिक्षा मनोविज्ञान के जनक)	भूखी बिल्ली एवं पहेली बॉक्स (मछली का टुकड़ा)	तत्परता का नियम (Law of Readiness), अभ्यास का नियम (Law of Exercise), प्रभाव का नियम (Law of Effect)	गणित के अभ्यास प्रश्न, पहाड़े, टाइपिंग व गामक कौशल सिखाने में उपयोगी (IUC Academy)।
शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)	**इवान पी. पावलॉव** (रूस — शरीर क्रिया वैज्ञानिक)	कुत्ता (पैरोटिड लार ग्रंथि की शल्य-चिकित्सा व घंटी)	UCS (भोजन), UCR (स्वाभाविक लार), CS (घंटी), CR (अनुबंधित लार), विलोपन (Extinction), उद्दीपक सामान्यीकरण	बच्चों में अच्छी आदतों का निर्माण तथा भय/फोबिया का निवारण (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।
क्रियाप्रसूत / नैमित्तिक अनुबंधन (Operant Conditioning)	**बी.एफ. स्किनर** (अमेरिका — मौलिक व्यवहारवादी)	सफेद चूहा (1938) एवं कबूतर (1943) — स्किनर बॉक्स	सकारात्मक व नकारात्मक पुनर्बलन (Reinforcement), दंड, शेपिंग (Shaping), **अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction)**	वांछित व्यवहार को प्रशंसा/पुनर्बलन से सुदृढ़ करना और कंप्यूटर सहायित अधिगम (CAI) (IUC Academy)।
अंतर्दृष्टि या सूझ का सिद्धांत (Insight Theory)	**वोल्फगैंग कोहलर** (जर्मनी — गेस्टाल्ट स्कूल)	**'सुल्तान'** नामक वनमानुष (चिंपांजी), केले, छड़ियां व बक्से	"पूर्ण से अंश की ओर" (Whole to Part); प्रत्यक्षीकरण का संगठन एवं आकस्मिक समाधान	उच्च कक्षाओं में ज्यामिति के प्रमेय, विज्ञान के प्रयोग और रचनात्मक समस्या-समाधान (NCF-SE 2023 - NCERT)।
सामाजिक-संज्ञानात्मक अधिगम (Social Learning)	**अल्बर्ट बंडूरा** (कनाडा/अमेरिका)	**बोबो डॉल (Bobo Doll)** और फिल्म देख रहे बच्चे	मॉडलिंग (Modeling), परोक्ष पुनर्बलन (Vicarious Reinforcement), **स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy)**	शिक्षक स्वयं आदर्श आचरण प्रस्तुत करें क्योंकि बच्चे देखकर अनुकरण करते हैं (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।
अर्थपूर्ण शाब्दिक अधिगम (Meaningful Verbal Learning)	**डेविड आसुबेल** (अमेरिका)	कक्षा-कक्ष में पाठ्यवस्तु संगठन	रटंत अधिगम, अभिग्रहण अधिगम, खोज अधिगम एवं **अग्रिम संगठक प्रतिमान (Advance Organizer Model)**	नया पाठ शुरू करने से पहले पूर्व-ज्ञान से जोड़ने वाला सारांश/रूपरेखा प्रस्तुत करना (NCF-SE 2023 - NCERT)।
अधिगम सोपानिकी (Hierarchy of Learning)	**रॉबर्ट एम. गैने** (अमेरिका — पुस्तक *Conditions of Learning*)	8 क्रमिक स्तरों का पिरामिड	संकेत अधिगम (निम्नतम स्तर - पावलॉव) से शुरू होकर **समस्या समाधान अधिगम (उच्चतम/8वां स्तर)** तक	सरल से कठिन की ओर पाठ योजना का निर्माण (IUC Academy)।

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
स्किनर का क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांत थॉर्नडाइक के **'प्रभाव के नियम' (Law of Effect)** पर ही आधारित है! इसके अलावा, अधिगम स्थानांतरण (Transfer of Learning) में जब पूर्व सीखा गया ज्ञान नए ज्ञान को सीखने में मदद करता है (जैसे साइकिल चलाने का अनुभव स्कूटी सीखने में मदद करे), तो उसे **धनात्मक स्थानांतरण (Positive Transfer)** कहते हैं; जब बाधा उत्पन्न करे तो **ऋणात्मक स्थानांतरण (Negative Transfer)**; और जब कोई प्रभाव न पड़े (जैसे कबीर के दोहे याद करने का साइकिल चलाने पर कोई प्रभाव न पड़ना) तो उसे **शून्य स्थानांतरण (Zero Transfer)** कहते हैं। यदि कोई व्यक्ति बाएं हाथ से लिखने का कौशल सीखकर दाएं हाथ से भी लिख लेता है, तो इसे **द्विपार्श्विक अंतरण (Bilateral Transfer)** कहा जाता है (IUC Academy)!

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
परीक्षा में सबसे खतरनाक जाल **'नकारात्मक पुनर्बलन' (Negative Reinforcement)** और **'दंड' (Punishment)** के बीच होता है!
• **दंड (Punishment)** किसी अवांछित व्यवहार को **घटाने या रोकने** के लिए दिया जाता है।
• **नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)** किसी वांछित व्यवहार को **बढ़ाने** के लिए किसी **अप्रिय उद्दीपक को हटा लेना** है! उदाहरण: यदि बच्चे के समय पर गृहकार्य पूरा करने पर माता-पिता उसे 'टीवी देखने पर लगी रोक' या 'डांट' से मुक्त कर देते हैं, या कार में सीट बेल्ट लगाने पर 'बीप-बीप की अप्रिय आवाज' बंद हो जाती है, तो यह दंड नहीं बल्कि **नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)** है (IUC Academy)!

★ **IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):**
ट्रिक (बंडूरा के 4 चरण — A-R-R-M): "अवधान (Attention) से देखो, धारण (Retention) से याद रखो, पुनरुत्पादन (Reproduction) से करके दिखाओ, अभिप्रेरणा (Motivation) से दोहराओ!"
ट्रिक (अधिगम प्रवर्तक): "थॉर्नडाइक की बिल्ली ने गलती की, पावलॉव के कुत्ते ने घंटी सुनी, स्किनर के चूहे ने लीवर दबाया, कोहलर के सुल्तान को सूझ आई, और बंडूरा ने बोबो डॉल दिखाई!"

मॉड्यूल 5: बुद्धि (Intelligence) के बहुआयामी सिद्धांत, हॉवर्ड गार्डनर की बहु-बुद्धि, बुद्धि लब्धि (IQ) एवं व्यक्तित्व मापन

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 **कारक-आधारित बुद्धि सिद्धांतों का विकास (Factor Theories of Intelligence):**

• अल्फ्रेड बिने का **एक-कारक सिद्धांत (Uni-factor: 1905)** चार्ल्स स्पीयरमैन का **द्वि-कारक सिद्धांत (`g` सामान्य कारक एवं `s` विशिष्ट कारक: 1904)** लुईस थर्स्टन का **समूह कारक सिद्धांत (7 प्राथमिक मानसिक योग्यताएं — PMA)** जे.पी. गिलफोर्ड का **त्रि-आयामी बुद्धि संरचना मॉडल (SOI: संक्रिया × विषय-वस्तु × उत्पाद = `6 × 5 × 6 = 180` कोष्ठक)** (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

चरण 2 **हॉवर्ड गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत (Multiple Intelligences - 8 प्रकार) एवं स्टर्नबर्ग का त्रितंत्रीय सिद्धांत:**

• गार्डनर (*Frames of Mind*, 1983) ने बुद्धि को एकल (Single Entity) मानने से इनकार कर **8 स्वतंत्र बुद्धियां** बताईं: भाषाई, तार्किक-गणितीय, स्थानिक, संगीतात्मक, शारीरिक-गतिक, अंतर्वैयक्तिक (Interpersonal), अंतरावैयक्तिक (Intrapersonal) और प्रकृतिवादी (NCF-SE 2023 - NCERT)।

• रॉबर्ट स्टर्नबर्ग का **त्रितंत्रीय सिद्धांत (Triarchic Theory — CAP):** घटकीय/विश्लेषणात्मक (Componential), आनुभविक/सृजनात्मक (Experiential) और संदर्भात्मक/व्यावहारिक (Contextual / Street Smart) बुद्धि।

चरण 3 **मानसिक आयु (MA) एवं बुद्धि लब्धि (IQ) का गणितीय सूत्र:**

• **अल्फ्रेड बिने एवं साइमन (1905):** प्रथम सफल बुद्धि परीक्षण; **1908** में बिने ने 'मानसिक आयु' (Mental Age - MA) का संप्रत्यय दिया।

• **विलियम स्टर्न (1912):** `IQ = MA / CA` का मूल विचार; **लुईस टर्मन (1916 - स्टैनफोर्ड-बिने परीक्षण):** सूत्र को 100 से गुणा कर अंतिम रूप दिया — `IQ = (मानसिक आयु MA / वास्तविक आयु CA) × 100` (IUC Academy)।

चरण 4 **सृजनात्मकता (Creativity - अपसारी चिंतन) एवं व्यक्तित्व की प्रक्षेपी विधियां (Projective Techniques):**

• सृजनात्मकता के 4 तत्व (टॉरेंस व गिलफोर्ड — **FFOE**): धाराप्रवाहिता (Fluency), लचीलापन (Flexibility), मौलिकता (Originality) और विस्तारण (Elaboration) (NCF-SE 2023 - NCERT)।

• अचेतन मन के मापन हेतु प्रक्षेपी परीक्षण: हरमन रोर्शा का स्याही धब्बा परीक्षण (IBT - 10 कार्ड), मुरे व मॉर्गन का प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण (TAT - 30+1 कार्ड) और लियोपोल्ड बेलक का बाल अंतर्बोध परीक्षण (CAT - जानवरों के 10 कार्ड)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: हॉवर्ड गार्डनर की 8 बहु-बुद्धि के प्रकार, लक्षण एवं संबंधित व्यावसायिक क्षेत्र

क्र.सं.	बुद्धि का प्रकार (Intelligence Type)	मुख्य संज्ञानात्मक क्षमता एवं विशेषता	प्रमुख उदाहरण एवं व्यावसायिक क्षेत्र	शैक्षणिक रणनीति एवं संदर्भ
1	**भाषाई बुद्धि** (Linguistic Intelligence)	शब्दों, भाषा के अर्थ, वाक्य-विन्यास एवं अभिव्यक्ति में दक्षता	कवि, लेखक, पत्रकार, वक्ता, वकील (जैसे रवींद्रनाथ टैगोर, प्रेमचंद)	वाद-विवाद, कहानी लेखन, कविता पाठ (NCF-SE 2023 - NCERT)।

क्र.सं.	बुद्धि का प्रकार (Intelligence Type)	मुख्य संज्ञानात्मक क्षमता एवं विशेषता	प्रमुख उदाहरण एवं व्यावसायिक क्षेत्र	शैक्षणिक रणनीति एवं संदर्भ
2	**तार्किक-गणितीय बुद्धि** (Logical-Mathematical)	अमूर्त तर्क, वैज्ञानिक गणना, पैटर्न पहचान और कारण-प्रभाव विश्लेषण	वैज्ञानिक, गणितज्ञ, कंप्यूटर प्रोग्रामर, अर्थशास्त्री (जैसे सी.वी. रमन, रामानुजन)	पहेलियां, कोडिंग, वैज्ञानिक प्रयोग एवं डेटा विश्लेषण।
3	**स्थानिक बुद्धि** (Spatial Intelligence)	दृश्य-स्थानिक कल्पना, दिशा-ज्ञान और मन में त्रि-आयामी (3D) चित्रों का हेरफेर	मूर्तिकार, वास्तुकार (Architect), चित्रकार, पायलट, नाविक, इंटीरियर डिजाइनर	मानचित्र पठन, चार्ट, ज्यामितीय मॉडलिंग एवं चित्रकला (NCF-SE 2023 - NCERT)।
4	**शारीरिक-गतिक बुद्धि** (Bodily-Kinesthetic)	संपूर्ण शरीर या अंगों के सूक्ष्म व स्थूल संचालन पर उत्कृष्ट नियंत्रण	धावक, खिलाड़ी, नर्तक, शल्य-चिकित्सक (Surgeon), अभिनेता	रोल-प्ले, खेलकूद, नृत्य, योग एवं हस्तशिल्प (NCF-FS 2022 - NCERT)।
5	**संगीतात्मक बुद्धि** (Musical Intelligence)	सुर, लय, ताल (Pitch, Rhythm, Timbre) और ध्वनि पैटर्न की संवेदनशीलता	संगीतकार, गायक, वाद्ययंत्र वादक (जैसे ए.आर. रहमान, लता मंगेशकर)	लयबद्ध कविताएं, संगीत व ध्वनि पैटर्न आधारित शिक्षण।
6	**अंतर्वैयक्तिक बुद्धि** (Interpersonal — दूसरों को समझना)	**दूसरे व्यक्तियों** की भावनाओं, उद्देश्यों, स्वभाव और इच्छाओं को समझने की क्षमता	राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, परामर्शदाता (Counselor), शिक्षक, विक्रेता	समूह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम एवं सामुदायिक सेवा (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।
7	**अंतरावैयक्तिक बुद्धि** (Intrapersonal — स्वयं को समझना)	**स्वयं की** आंतरिक भावनाओं, शक्तियों, कमजोरियों और जीवन दर्शन का गहरा आत्म-ज्ञान	दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु, मनोवैज्ञानिक, चिंतक (जैसे स्वामी विवेकानंद, गौतम बुद्ध)	आत्म-चिंतन डायरी (Reflective Journal), ध्यान एवं स्व-आकलन।
8	**प्रकृतिवादी बुद्धि** (Naturalistic — 1998 में जोड़ी गई)	प्रकृति, वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, मौसम और पर्यावरण के प्रति गहरी संवेदनशीलता	किसान, वनस्पतिशास्त्री, प्राणीशास्त्री, पर्यावरणविद्, शिकारी	प्रकृति भ्रमण (Nature Walk), बागवानी एवं पर्यावरण अध्ययन (NCF-SE 2023 - NCERT)।

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
रेमंड कैटेल (Raymond Cattell) और जॉन हॉर्न ने बुद्धि को दो भागों में बांटा है: (1) **तरल बुद्धि (Fluid Intelligence - `Gf`)**, जो आनुवंशिक और तंत्रिका-जैविक विकास पर आधारित होती है तथा नई व अमूर्त समस्याओं को सुलझाने में काम आती है (यह किशोरावस्था के अंत तक शिखर पर पहुंचती है), और (2) **ठोस/क्रिस्टलीकृत बुद्धि (Crystallized Intelligence - `Gc`)**, जो शिक्षा, संस्कृति और जीवन के अनुभवों से अर्जित ज्ञान पर आधारित होती है तथा **आयु के साथ निरंतर बढ़ती रहती है** (IUC Academy)!

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
प्रत्येक शिक्षक भर्ती परीक्षा में **'अंतर्वैयक्तिक' (Interpersonal)** और **'अंतरावैयक्तिक' (Intrapersonal)** बुद्धि में भ्रम पैदा करके प्रश्न पूछा जाता है:
• **Inter-personal (अंतर्वैयक्तिक):** जैसे *Inter-state* (दो राज्यों के बीच) या *International* (दो देशों के बीच) होता है, वैसे ही **Interpersonal का अर्थ 'दो या अधिक लोगों के बीच' यानी दूसरों के मन और भावनाओं को समझना** (परामर्शदाता, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता)।
• **Intra-personal (अंतरावैयक्तिक):** *Intra* का अर्थ 'भीतर/स्वयं के अंदर' होता है — अर्थात् **स्वयं की भावनाओं, लक्ष्यों और आत्म-चिंतन को समझना** (दार्शनिक, योगी)।
दूसरा जाल: **सृजनात्मकता (Creativity)** का संबंध हमेशा **अपसारी चिंतन (Divergent Thinking — एक समस्या के अनेक मौलिक समाधान खोजना)** से होता है, जबकि सामान्य बुद्धि परीक्षण (Intelligence Tests) **अभिसारी चिंतन (Convergent Thinking — एक ही निश्चित सही उत्तर पर पहुंचना)** को मापते हैं (IUC Academy)।

★ IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):
ट्रिक: "Inter में दूसरे लोग (नेता/काउंसलर), Intra में अपना मन (दार्शनिक/योगी); अपसारी (Divergent) से बने सृजनशील, अभिसारी (Convergent) से मिले एक उत्तर!"
• **IQ सूत्र:** `IQ = (MA / CA) × 100` (टर्मन, 1916) — यदि `MA = CA` तो `IQ = 100` (सामान्य बुद्धि: 90–109); यदि `IQ >= 140` तो प्रतिभाशाली (Gifted)।
• **थर्स्टन के 7 PMA (समूह कारक): V-W-N-S-M-P-R** (Verbal, Word Fluency, Number, Spatial, Memory, Perceptual Speed, Reasoning)।

मॉड्यूल 6: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education), दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act 2016) एवं अधिगम अक्षमताएं (Learning Disabilities)

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 बहिष्करण से समावेशन तक की यात्रा (Exclusion Segregation Integration Inclusion):

• **पृथक्करण (Segregation):** दिव्यांग बच्चों को अलग विशेष विद्यालय में रखना **एकीकरण (Integration):** बच्चे को सामान्य स्कूल में प्रवेश देना किंतु बच्चे से ही सिस्टम में ढलने की अपेक्षा करना **समावेशन (Inclusion): "बच्चा सिस्टम के लिए नहीं बदलेगा, बल्कि स्कूल का सिस्टम हर बच्चे की जरूरत के अनुसार बदलेगा"** (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 2 दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act, 2016 — अधिनियम सं. 49/2016):

• पुराने PwD Act 1995 (जिसमें केवल 7 दिव्यांगताएं थीं) के स्थान पर 27 दिसंबर 2016 को अधिनियमित; दिव्यांगताओं की श्रेणियां 7 **से बढ़ाकर 21** की गईं (एसिड अटैक पीड़ित, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, ऑटिज्म, विशिष्ट अधिगम अक्षमता और बौनापन शामिल) (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code)।

चरण 3 बेंचमार्क दिव्यांगता (40% या अधिक) के शैक्षणिक एवं रोजगार अधिकार:

• **6 से 18 वर्ष** तक के बेंचमार्क दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का अधिकार (धारा 31), उच्च शिक्षा संस्थानों में **5% आरक्षण** (धारा 32) और सरकारी नौकरियों में **4% क्षैतिज आरक्षण** (धारा 34) (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code)।

चरण 4 विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं (Specific Learning Disabilities - SLD) की पहचान एवं UDL:

• सैमुअल किर्क (1963) द्वारा 'Learning Disability' शब्द का प्रतिपादन; पठन, लेखन, गणना और गामक समन्वय की कठिनाइयों के समाधान हेतु कक्षा में **'अधिगम हेतु सार्वभौमिक डिजाइन' (UDL - Universal Design for Learning)** और बहु-संवेदी शिक्षण (Multi-sensory Teaching) का प्रयोग (NEP 2020 - NCERT)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: प्रमुख अधिगम अक्षमताएं (Learning Disabilities) एवं विकासात्मक विकार

विकार / अक्षमता का नाम	प्रभावित क्षेत्र / कौशल	मुख्य लक्षण एवं कक्षा में पहचान	उपयुक्त शैक्षणिक हस्तक्षेप (Intervention)	आधिकारिक संदर्भ
डिस्लेक्सिया (Dyslexia)	**पठन विकार (Reading Disorder)**	शब्दों को उल्टा पढ़ना (`b` को `d`, `saw` को `was`, `कलम` को `कमल`), ध्वनि-वर्ण संबंध (Phonemic Awareness) में कठिनाई	फोनेटिक अभ्यास, बड़े अक्षर, ऑडियो बुक्स और स्पर्शनीय अक्षर कार्ड (NEP 2020 - NCERT)।	
डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)	**लेखन विकार (Writing Disorder)**	अस्पष्ट व असंगत हस्तलेखन, पेंसिल पकड़ने में दर्द, अक्षरों के आकार व रिक्त स्थान में अनियमितता	मौखिक परीक्षा या अतिरिक्त समय, चौड़ी लाइन वाली कॉपी, ग्रिप पेंसिल (NCF-SE 2023 - NCERT)।	
डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia)	**गणितीय गणना विकार (Arithmetic Disorder)**	संख्याओं, स्थानीय मान, गणितीय चिह्नों (`+`, `-`, `×`, `÷`), समय देखने और पैसे गिनने में भारी कठिनाई	अबेकस, मूर्त वस्तुएं (कंकड़/मोती), ग्राफ पेपर और दैनिक जीवन के उदाहरण (NCF-FS 2022 - NCERT)।	
डिस्प्रेक्सिया (Dyspraxia)	**गामक समन्वय विकार (Motor Coordination Disorder)**	आंख, हाथ और मांसपेशियों के बीच तालमेल की कमी — शर्ट के बटन बंद करने, जूते के फीते बांधने या गेंद पकड़ने में कठिनाई	चरणबद्ध गामक अभ्यास, व्यावसायिक चिकित्सा (Occupational Therapy) व खेल गतिविधियां (IUC Academy)।	

विकार / अक्षमता का नाम	प्रभावित क्षेत्र / कौशल	मुख्य लक्षण एवं कक्षा में पहचान	उपयुक्त शैक्षणिक हस्तक्षेप (Intervention)	आधिकारिक संदर्भ
अफेजिया / डिस्फेजिया (Aphasia / Dysphasia)	**मौखिक भाषा एवं संप्रेषण विकार (Language Comprehension)**	मस्तिष्क के ब्रोका या वर्निके क्षेत्र में क्षति के कारण भाषा समझने या बोलकर विचार व्यक्त करने में असमर्थता	वाक् चिकित्सा (Speech Therapy), चित्र संप्रेषण बोर्ड (AAC) और धैर्यपूर्ण संवाद।	
एडीएचडी (ADHD — Attention Deficit Hyperactivity Disorder)	**अवधान न्यूनता अतिक्रियाशीलता विकार**	एक जगह शांत न बैठ पाना, ध्यान भटकना, अपनी बारी का इंतजार न कर पाना और बिना सोचे-समझे बोल पड़ना (Impulsivity)	बड़े कार्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना, पहली बेंच पर बैठाना और गतिविधि-आधारित शिक्षण (NCF-SE 2023 - NCERT)।	
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (ASD — Autism Spectrum Disorder)	**स्वलीनता (सामाजिक संपर्क एवं संप्रेषण विकार)**	नजरें न मिलाना (Lack of Eye Contact), सामाजिक मित्रता में कठिनाई, एक ही व्यवहार को बार-बार दोहराना (Repetitive behavior) और दिनचर्या में बदलाव से घबराहट	संरचित दिनचर्या, दृश्य समय-सारणी (Visual Schedule) और संवेदी-अनुकूल वातावरण (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code)।	

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act), 2016 के तहत जहां सामान्य बच्चों के लिए RTE Act 2009 में निःशुल्क शिक्षा की आयु **6 से 14 वर्ष** है, वहीं बेंचमार्क दिव्यांग (40% या अधिक दिव्यांगता वाले) बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा का अधिकार **6 से 18 वर्ष** (कक्षा 1 से 12वीं तक) निर्धारित किया गया है! इसके अलावा, NEP 2020 के अध्याय 6 में सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों **(SEDGs - Socio-Economically Disadvantaged Groups)** और दिव्यांग बच्चों (Divyang / CWSN) की शिक्षा के लिए **'समावेशी निधि' (Inclusion Fund)** तथा विशेष शिक्षा क्षेत्र **(SEZ - Special Education Zones)** स्थापित करने का प्रावधान किया गया है (NEP 2020 - NCERT)।

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
प्रतियोगी परीक्षाओं में निम्नलिखित तीन बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरतें:
1. **एकीकृत शिक्षा (Integrated) बनाम समावेशी शिक्षा (Inclusive):** यदि विकल्प में लिखा हो कि "दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालय में अलग सेक्शन में पढ़ाना", तो वह समावेशन नहीं है! समावेशी शिक्षा का अर्थ है **एक ही छत के नीचे, एक ही सामान्य कक्षा में सभी बच्चों (सामान्य, दिव्यांग, प्रतिभाशाली, वंचित) को लचीली पाठ्यचर्या और सहायक उपकरणों (BALD - Building as Learning Aid, ब्रेल, टैक्टाइल मैप) के साथ एक साथ पढ़ाना**।
2. **आरक्षण प्रतिशत:** RPwD Act 2016 में **उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए 5% आरक्षण** है, जबकि **सरकारी नौकरियों में 4% आरक्षण** है (छात्र अक्सर दोनों को उल्टा कर देते हैं)।
3. **डिस्लेक्सिया का संबंध बुद्धि लब्धि (IQ) से नहीं है:** डिस्लेक्सिया या डिस्कैलकुलिया से ग्रस्त बच्चे मंदबुद्धि नहीं होते; उनका IQ सामान्य या औसत से अधिक भी हो सकता है (IUC Academy)।

★ IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):
ट्रिक: "लेक्सिया (Lexia) में पढ़ना रुके, ग्राफिया (Graphia) में लिखना झुके, कैलकुलिया (Calculia) में गणित चूके, और प्रेक्सिया (Praxia) में हाथ-पैर का तालमेल टूटे!"
• **Dys-lexia:** पठन विकार | **Dys-graphia:** लेखन विकार (Graph = लिखना) | **Dys-calculia:** गणना विकार (Calculator = गणित) | **Dys-praxia:** गामक समन्वय विकार | **A-phasia:** भाषा/वाक् विकार | **RPwD 2016:** 21 दिव्यांगताएं, 6–18 वर्ष निःशुल्क शिक्षा, 5% कॉलेज प्रवेश, 4% सरकारी नौकरी।

मॉड्यूल 7: अभिप्रेरणा (Motivation), संवेग एवं संज्ञान (Emotion & Cognition), मैस्लो का पदानुक्रम एवं बाल-केंद्रित शिक्षा

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 **अभिप्रेरणा चक्र (Motivation Cycle — N-D-A-G-A-R):**

• **आवश्यकता (Need - कमी या अति की स्थिति) अंतर्नोद / चालक (Drive - मानसिक तनाव/उत्तेजना) उद्वेलन (Arousal) लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार (Goal-Directed Behavior) उपलब्धि (Achievement) उद्वेलन में कमी (Reduction of Arousal)** (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

चरण 2 **आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic) बनाम बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic):**

• **आंतरिक अभिप्रेरणा (स्वतः स्फूर्त):** जिज्ञासा, आनंद, आत्म-संतुष्टि और रुचि के कारण सीखना (अधिगम का सर्वोत्तम और स्थायी आधार)।

• **बाह्य अभिप्रेरणा:** पुरस्कार, ट्रॉफी, नकद इनाम, ग्रेड, प्रशंसा या दंड से बचने के लिए कार्य करना (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 3 **अब्राहम मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत (Hierarchy of Needs - 1943/1954):**

• निम्न स्तरीय (अभावजन्य आवश्यकताएं / D-Needs): **(1) दैहिक आवश्यकताएं (रोटी, पानी, नींद) (2) सुरक्षा की आवश्यकता (3) स्नेह एवं संबद्धता (प्रेम/परिवार) (4) सम्मान की आवश्यकता (Self-Esteem)**।

• उच्चतम स्तरीय (वृद्धि आवश्यकता / B-Need): **(5) आत्म-सिद्धि की आवश्यकता (Self-Actualization — अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करना)** (IUC Academy)।

चरण 4 **बाल-केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा (Child-Centric & Progressive Education):**

• **जॉन डीवी (John Dewey - प्रगतिशील शिक्षा के जनक):** विद्यालय को 'समाज का लघु रूप' और शिक्षा को **त्रि-ध्रुवीय प्रक्रिया (शिक्षक — बालक — पाठ्यक्रम/समाज)** बताया; 'करके सीखना' (Learning by Doing) और लोकतांत्रिक कक्षा।

• **भारतीय शिक्षाशास्त्री: गिजुभाई बधेका** (दिवास्वप्न पुस्तक — मूंछों वाली मां, बाल मंदिर), रवींद्रनाथ टैगोर (शांतिनिकेतन — प्रकृति में स्वतंत्र शिक्षा) और महात्मा गांधी (नई तालीम / बुनियादी शिक्षा, 1937 — हस्तकौशल आधारित शिक्षा एवं **3H: Head, Heart, Hand**) (NCF-FS 2022 - NCERT)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: संवेग व संज्ञान, अभिप्रेरणा एवं प्रगतिशील शिक्षा के प्रमुख उपागम

मनोवैज्ञानिक / शैक्षणिक संप्रत्यय	प्रवर्तक / मुख्य विचारक	केंद्रीय सिद्धांत एवं मुख्य कथन	कक्षा-कक्ष में व्यावहारिक निहितार्थ	आधिकारिक संदर्भ
अभिप्रेरणा की परिभाषा	**बी.एफ. स्किनर**	"अभिप्रेरणा अधिगम का सर्वोत्कृष्ट राजमार्ग (*Superhighway to Learning*) है।"	पाठ शुरू करने से पहले बच्चों में जिज्ञासा व रुचि जागृत करना	IUC Academy
उपलब्धि अभिप्रेरणा सिद्धांत (Achievement Motivation)	**डेविड मैक्लीलैंड एवं एटकिंसन**	व्यक्ति में सफलता प्राप्त करने की आकांक्षा (**n-Ach**), अधिकार (**n-Pow**) और संबंध (**n-Aff**) की आवश्यकता	छात्रों को यथार्थवादी एवं चुनौतीपूर्ण लक्ष्य निर्धारित करने हेतु प्रेरित करना	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
महारत अभिविन्यास (Mastery Orientation) बनाम प्रदर्शन अभिविन्यास	**कैरल ड्वेक (Carol Dweck — Growth Mindset)**	**महारत लक्ष्य:** अवधारणा को गहराई से समझने के लिए सीखना; **प्रदर्शन लक्ष्य:** केवल दूसरों से ज्यादा अंक लाने या असफलता छिपाने के लिए पढ़ना	शिक्षक को कक्षा में प्रतिस्पर्धा के बजाय **महारत-उन्मुख (Mastery-Oriented)** वातावरण बनाना चाहिए	NCF-SE 2023 - NCERT
संवेग एवं संज्ञान का अंतर्संबंध (Emotion & Cognition)	**बहुमत मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण** (बनाम रॉबर्ट ज़ाजोंक)	संवेग और संज्ञान **एक-दूसरे से सन्निहित और अंतर्संबंधित (Intertwined / Interdependent)** हैं (केवल **रॉबर्ट ज़ाजोंक** ने दोनों को स्वतंत्र माना था)	भय, चिंता या तनाव की स्थिति में बच्चे का ध्यान, स्मृति और समस्या-समाधान क्षमता घट जाती है	NCF-FS 2022 - NCERT
14 मूल प्रवृत्तियां एवं 14 संवेग	**विलियम मैकडूगल** (*Outline of Psychology*)	प्रत्येक मूल प्रवृत्ति (Instinct) के साथ एक विशिष्ट संवेग जुड़ा है — जैसे पलायन के साथ **भय**, युयुत्सा के साथ **क्रोध**, और जिज्ञासा के साथ **आश्चर्य**	बालक की मूल प्रवृत्तियों का दमन करने के बजाय उनका **मार्गान्तरीकरण व उदात्तीकरण (Sublimation)** करना चाहिए	IUC Academy

मनोवैज्ञानिक / शैक्षणिक संप्रत्यय	प्रवर्तक / मुख्य विचारक	केंद्रीय सिद्धांत एवं मुख्य कथन	कक्षा-कक्ष में व्यावहारिक निहितार्थ	आधिकारिक संदर्भ
बाल-केंद्रित शिक्षा (Child-Centric Education)	**रूसो, पेस्टालॉजी, फ्रोबेल (किंडरगार्टन), मारिया मोंटेसरी, गिजुभाई बधेका**	बालक की रुचि, योग्यता, पूर्व-अनुभव और मातृभाषा को शिक्षण के केंद्र में रखना; शिक्षक की भूमिका **'सुगमकर्ता' (Facilitator)** की होती है	रटंत प्रणाली और शारीरिक दंड का पूर्ण निषेध; खोज व खेल आधारित शिक्षण	NEP 2020 - NCERT

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
विद्यालयों में चलाई जाने वाली **'पीएम पोषण योजना' (मिड-डे मील / मध्याह्न भोजन योजना)** तथा NEP 2020 में प्रस्तावित **'प्रातःकालीन पोषक नाश्ता' (Morning Nutritious Breakfast)** का सीधा मनोवैज्ञानिक आधार **अब्राहम मैस्लो के आवश्यकता पदानुक्रम का प्रथम स्तर (दैहिक आवश्यकता — भूख व पोषण)** है (NEP 2020 - NCERT)! मैस्लो के अनुसार जब तक बच्चे की पेट की भूख (Physiological Need) और विद्यालय में भयमुक्त वातावरण (Safety Need) पूरा नहीं होगा, तब तक वह उच्च संज्ञानात्मक अधिगम और आत्म-सिद्धि (Self-Actualization) की ओर नहीं बढ़ सकता।

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
CTET में **संवेग और संज्ञान (Emotion and Cognition)** पर दो तरह के प्रश्न आते हैं:
1. यदि सामान्य प्रश्न आए कि "संवेग और संज्ञान एक-दूसरे से किस प्रकार संबंधित हैं?" तो उत्तर हमेशा **"एक-दूसरे से सन्निहित/अंतर्संबंधित (Intertwined / Woven together)"** होगा।
2. किंतु यदि प्रश्न में विशेष रूप से नाम लेकर पूछा जाए कि "किस मनोवैज्ञानिक का मानना है कि संज्ञान और भाव/संवेग एक-दूसरे से स्वतंत्र (*Independent*) हैं?" तो उत्तर **रॉबर्ट ज़ाजोंक (Robert Zajonc)** होगा!
इसी प्रकार, यदि किसी बच्चे को चित्रकारी करना बहुत पसंद है (आंतरिक अभिप्रेरणा), लेकिन हर बार चित्र बनाने पर उसे नकद पैसे या टॉफी का लालच दिया जाने लगे, तो धीरे-धीरे उसकी **आंतरिक अभिप्रेरणा कम हो जाती है** (इसे मनोविज्ञान में *Overjustification Effect* कहते हैं) (IUC Academy)।

★ IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):
ट्रिक (अभिप्रेरणा चक्र — N-D-A-G-A-R): "N (Need) से जगी D (Drive), A (Arousal) से भागा G (Goal) की ओर, A (Achievement) पाते ही R (Reduction) से मिली शांति!"
ट्रिक (मैस्लो के 5 स्तर — नीचे से ऊपर): "शरीर (1) को मिली सुरक्षा (2), तो समाज/स्नेह (3) से मिला सम्मान (4), और अंत में हुई आत्म-सिद्धि (5)!"

मॉड्यूल 8: आकलन एवं मूल्यांकन (Assessment & Evaluation) — CCE, ब्लूम का वर्गीकरण, PARAKH एवं 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (HPC)

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 **आकलन के तीन आयाम (Assessment OF / FOR / AS Learning):**

- **अधिगम के लिए आकलन (Assessment FOR Learning — रचनात्मक / Formative):** शिक्षण प्रक्रिया के **दौरान** कमियों को पहचानकर शिक्षण में सुधार करना।
- **अधिगम का आकलन (Assessment OF Learning — योगात्मक / Summative):** सत्र या इकाई के **अंत में** उपलब्धि प्रमाणित करना व ग्रेड देना।
- **अधिगम के रूप में आकलन (Assessment AS Learning):** जब छात्र **स्वयं अपने सीखने का स्व-आकलन (Self-Assessment)** और सहकर्मी आकलन (Peer Assessment) करते हैं (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 2 **निदानात्मक परीक्षण (Diagnostic Test) एवं उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching):**

- पहले **निदानात्मक परीक्षण** द्वारा छात्र की अधिगम कठिनाइयों और त्रुटियों के मूल कारणों (**"क्यों और कहां गलती हो रही है?"**) का पता लगाना उसके तुरंत बाद **उपचारात्मक शिक्षण** द्वारा वैकल्पिक शिक्षण विधियों से उन कमियों को दूर करना (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 3 **बेंजामिन ब्लूम का शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (1956 बनाम एंडरसन व क्रथवोहल का संशोधित वर्गीकरण 2001):**

• सीखने के **3 क्षेत्र (3H):** संज्ञानात्मक (Cognitive - Head), भावात्मक (Affective - Heart: करथवोहल) और मनोगत्यात्मक/क्रियात्मक (Psychomotor - Hand: सिम्पसन/हैरो)।

• **2001 का संशोधित संज्ञानात्मक पदानुक्रम (क्रिया रूप में नीचे से ऊपर): स्मरण करना (Remembering) समझना (Understanding) अनुप्रयोग करना (Applying) विश्लेषण करना (Analyzing) मूल्यांकन करना (Evaluating) सृजन करना (Creating — सर्वोच्च स्तर)** (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 4 **NEP 2020 के मूल्यांकन सुधार — PARAKH एवं 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (HPC):**

• राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र **'परख' (PARAKH — Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development)** की स्थापना (NEP 2020 - NCERT)।

• पारंपरिक अंकतालिका के स्थान पर **360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC)** जिसमें शिक्षक आकलन के साथ-साथ छात्र का स्व-आकलन, सहपाठी आकलन और अभिभावक फीडबैक शामिल है।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: रचनात्मक आकलन (Formative) बनाम योगात्मक आकलन (Summative) एवं अच्छे परीक्षण की विशेषताएं

तुलना का आधार / मानदंड	रचनात्मक आकलन (Formative Assessment)	योगात्मक आकलन (Summative Assessment)	शैक्षणिक उदाहरण एवं विशेष बिंदु	आधिकारिक संदर्भ
प्रमुख उद्देश्य	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में **सुधार करना (निदानात्मक एवं उपचारात्मक)**	सत्र के अंत में छात्र की अंतिम **उपलब्धि को मापना एवं प्रमाणित करना**	NEP 2020 योगात्मक से **नियमित और रचनात्मक आकलन** की ओर बदलाव पर बल देती है	NEP 2020 - NCERT
आकलन का प्रतिमान	**अधिगम के लिए आकलन (Assessment FOR Learning)**	**अधिगम का आकलन (Assessment OF Learning)**	बावर्ची द्वारा खाना बनाते समय नमक चखना = *Formative*; मेहमान द्वारा खाना चखना = *Summative*	NCF-SE 2023 - NCERT
समय एवं आवृत्ति	शिक्षण के दौरान निरंतर (दैनिक, साप्ताहिक, पाठ के बीच में)	पाठ्यक्रम या सत्र के अंत में (अर्धवार्षिक या वार्षिक परीक्षा)	पोर्टफोलियो, उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record), प्रश्नोत्तरी व प्रोजेक्ट रचनात्मक उपकरण हैं	NCF-SE 2023 - NCERT
वैधता (Validity)	परीक्षण **उसी गुण या उद्देश्य को मापे जिसके लिए उसे बनाया गया है**	यदि गणित के प्रश्नपत्र में कठिन साहित्यिक भाषा के कारण छात्र प्रश्न न समझ पाए, तो वह परीक्षण वैध नहीं है	अच्छे परीक्षण का सबसे महत्वपूर्ण गुण **वैधता (Validity)** है	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
विश्वसनीयता (Reliability)	परीक्षण को **बार-बार दोहराने पर परिणामों में संगति/स्थिरता (Consistency)** आना	अलग-अलग समय पर मापन करने पर समान अंक प्राप्त होना	वैध परीक्षण हमेशा विश्वसनीय होता है, किंतु विश्वसनीय परीक्षण का वैध होना आवश्यक नहीं है	IUC Academy
वस्तुनिष्ठता (Objectivity)	परीक्षक के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, मूड या रुचि का अंकों पर कोई प्रभाव न पड़ना	बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQs) में सर्वाधिक वस्तुनिष्ठता होती है	रुब्रिक्स (Rubrics) के प्रयोग से वर्णनात्मक उत्तरों में भी वस्तुनिष्ठता लाई जाती है	NCF-SE 2023 - NCERT

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
NEP 2020 (NCERT) के तहत स्कूली बच्चों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए केवल कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं पर निर्भरता को समाप्त कर, **कक्षा 3, कक्षा 5 और कक्षा 8** में उपयुक्त प्राधिकरण द्वारा **'मुख्य चरण आकलन' (Key Stage Assessments - Census/Sample आकलन)** आयोजित करने का प्रावधान किया गया है। इन परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों को पास-फेल करना या रटना नहीं, बल्कि बुनियादी साक्षरता, संख्याज्ञान और उच्च-स्तरीय दक्षताओं (Higher-Order Thinking Skills) की उपलब्धि का परीक्षण करना है।

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में **'पोर्टफोलियो' (Portfolio)**, **'उपाख्यानात्मक अभिलेख' (Anecdotal Record)** और **'संचयी अभिलेख' (Cumulative Record)** के अंतर पर सीधा प्रश्न आता है:

- **पोर्टफोलियो (Portfolio):** एक निश्चित समयावधि में **छात्र द्वारा किए गए कार्यों के उद्देश्यपूर्ण नमूनों का संग्रह** (जैसे चित्रकारी, लेख, प्रोजेक्ट, वर्कशीट) जो उसकी क्रमिक प्रगति दर्शाता है।
- **उपाख्यानात्मक अभिलेख (Anecdotal Record):** शिक्षक द्वारा किसी छात्र के जीवन की किसी **महत्वपूर्ण या विशिष्ट घटना/व्यवहार का तथ्यात्मक और वस्तुनिष्ठ संक्षिप्त विवरण** (बिना किसी निर्णय या लेबलिंग के)।
- **ब्लूम के 1956 बनाम 2001 वर्गीकरण का जाल:** 1956 के मूल वर्गीकरण में सर्वोच्च स्तर **'मूल्यांकन' (Evaluation)** था और उसके नीचे 'संश्लेषण' (Synthesis) था; किंतु **2001 के संशोधित वर्गीकरण (एंडरसन एवं क्रथवोहल)** में संज्ञा शब्दों को क्रिया (Verbs) में बदल दिया गया और **'सृजन करना' (Creating)** को सर्वोच्च (6वां) स्तर तथा 'मूल्यांकन करना' (Evaluating) को 5वां स्तर बना दिया गया (IUC Academy)!

★ **IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):**
ट्रिक (ब्लूम का संशोधित वर्गीकरण 2001 — R-U-A-A-E-C): "Remember (याद करो) Understand (समझो) Apply (लागू करो) Analyze (विश्लेषण करो) Evaluate (मूल्यांकन करो) Create (नया सृजन करो)!"
ट्रिक (PARAKH का पूर्ण रूप): Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development (NEP 2020 - शिक्षा मंत्रालय)।

मॉड्यूल 9: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) की 5+3+3+4 संरचना, NCF-FS 2022 (पंचकोश विकास), NCF-SE 2023 एवं निपुण भारत (FLN)

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 **फाउंडेशनल स्टेज (Foundational Stage — 5 वर्ष: आयु 3 से 8 वर्ष):**

- **प्रथम 3 वर्ष (आयु 3–6 वर्ष):** आंगनवाड़ी / बालवाटिका / प्री-स्कूल (ECCE — प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा)।
- **अगले 2 वर्ष (आयु 6–8 वर्ष):** कक्षा 1 एवं कक्षा 2 — खिलौना-आधारित, खेल-आधारित एवं गतिविधि-आधारित बहुस्तरीय शिक्षण (NCF-FS 2022 - NCERT)।

चरण 2 **प्रिपरेटरी स्टेज (Preparatory Stage — 3 वर्ष: आयु 8 से 11 वर्ष, कक्षा 3 से 5):**

- खेल और गतिविधि से धीरे-धीरे हल्की पाठ्यपुस्तकों एवं संवादात्मक कक्षा शिक्षण की ओर संक्रमण।
- कम से कम **कक्षा 5 तक (और बेहतर हो कि कक्षा 8 व उससे आगे तक) शिक्षा का माध्यम मातृभाषा / घर की भाषा / स्थानीय भाषा** रखना (NEP 2020 - NCERT)।

चरण 3 **मिडिल स्टेज (Middle Stage — 3 वर्ष: आयु 11 से 14 वर्ष, कक्षा 6 से 8):**

- विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक विज्ञान और मानविकी की अमूर्त अवधारणाओं का अनुभवात्मक शिक्षण (Experiential Learning)।
- **कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education), कोडिंग (Coding) और स्थानीय कारीगरों के साथ 10-दिवसीय 'बैगलेस डेज' (10 Bagless Days / इंटर्नशिप)** का आरंभ (NCF-SE 2023 - NCERT)।

चरण 4 **सेकेंडरी स्टेज (Secondary Stage — 4 वर्ष: आयु 14 से 18 वर्ष, कक्षा 9 से 12):**

- दो चरणों में विभाजित — (प्रथम: कक्षा 9–10; द्वितीय: कक्षा 11–12); **कला, विज्ञान और वाणिज्य (Arts, Science, Commerce) के बीच कोई कठोर विभाजन (Hard Separation) नहीं।**

• सेमेस्टर प्रणाली, बहु-विषयक अध्ययन, आलोचनात्मक चिंतन और वर्ष में **2 बार बोर्ड परीक्षा** (एक मुख्य और एक सुधार हेतु) का प्रावधान (NCF-SE 2023 - NCERT)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020), NCF-FS 2022 एवं NCF-SE 2023 के प्रमुख मानक

नीतिगत स्तंभ / कार्यक्रम	आधिकारिक मानक / लक्ष्य वर्ष	मुख्य संरचना एवं शैक्षणिक प्रावधान	कार्यान्वयन निकाय एवं विशेष बिंदु	आधिकारिक स्रोत
NEP 2020 की मसौदा समिति एवं स्वीकृति	**29 जुलाई 2020** (केंद्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति)	अध्यक्ष: **डॉ. के. कस्तूरीरंगन** (पूर्व ISRO प्रमुख); 1986 की शिक्षा नीति (34 वर्ष बाद) का स्थान लिया	मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) का नाम बदलकर **'शिक्षा मंत्रालय' (Ministry of Education)** किया गया	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय
नई शैक्षणिक एवं पाठ्यचर्या संरचना (5+3+3+4)	पुरानी 10+2 संरचना का विस्थापन	कुल **15 वर्ष** की स्कूली शिक्षा (3 से 18 वर्ष): फाउंडेशनल (5) + प्रिपेरेटरी (3) + मिडिल (3) + सेकेंडरी (4)	औपचारिक परीक्षाएं कक्षा 3 से पूर्व नहीं; ECCE का सार्वभौमीकरण **2030** तक	NEP 2020 - NCERT
निपुण भारत मिशन (NIPUN Bharat — FLN)	**5 जुलाई 2021** को प्रारंभ (लक्ष्य: **2026–27**)	**कक्षा 3 के अंत तक** प्रत्येक बच्चे में **बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (Foundational Literacy and Numeracy - FLN)** सुनिश्चित करना	*National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy* (बालवाटिका से कक्षा 3: आयु 3–9 वर्ष)	NEP 2020 - NCERT
पंचकोश विकास (Panchakosha Vikas — NCF-FS 2022)	**20 अक्टूबर 2022** (NCF-FS लॉन्च)	तैत्तिरीय उपनिषद पर आधारित बालक के **5 स्तरों का समग्र विकास**: अन्नमय कोश, प्राणमय कोश, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश और आनंदमय कोश	खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र (Toy-Based Pedagogy) और 'जादुई पिटारा' (Jadui Pitara) शिक्षण सामग्री	NCF-FS 2022 - NCERT
सकल नामांकन अनुपात (GER) एवं वित्तीय व्यय लक्ष्य	स्कूली शिक्षा (100% GER): **2030**; उच्च शिक्षा (50% GER): **2035**	शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय को **GDP के 6%** तक बढ़ाने का लक्ष्य	2030 तक शिक्षण के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता **4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. (ITEP)** होगी	NEP 2020 - NCERT
उच्च शिक्षा सुधार (ABC एवं 4-वर्षीय स्नातक)	बहु-प्रवेश एवं बहु-निकास (Multiple Entry & Exit)	**1 वर्ष पर सर्टिफिकेट, 2 वर्ष पर डिप्लोमा, 3 वर्ष पर बैचलर डिग्री, 4 वर्ष पर शोध सहित डिग्री**; एम.फिल. (M.Phil.) पूर्णतः समाप्त	**अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC)** में छात्रों के डिजिटल क्रेडिट सुरक्षित रहेंगे	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
NCF-FS 2022 (NCERT) और NCF-SE 2023 (NCERT) में फाउंडेशनल स्टेज (3–8 वर्ष) के लिए पारंपरिक तरीके से पढ़ाने के बजाय भारतीय शिक्षण पद्धति के **'पंचपदी' (Panchapadi — 5-Step Learning Process)** मॉडल को अपनाया गया है:
1. **अदिति (Aditi — परिचय/Introduction):** पूर्व ज्ञान से जोड़कर नई अवधारणा का परिचय देना।
2. **बोध (Bodh — वैचारिक समझ/Conceptual Understanding):** खेल, प्रयोग और संवाद के माध्यम से मूल भाव समझना।
3. **अभ्यास (Abhyas — Practice):** रोचक गतिविधियों और कार्यपत्रकों से कौशल को मजबूत करना।
4. **प्रयोग (Prayog — Application):** सीखे गए ज्ञान को बच्चे के दैनिक जीवन में लागू करना।
5. **प्रसार (Prasar — Expansion):** सीखे गए ज्ञान को सहपाठियों के साथ साझा करना, गीत गाना या कहानी सुनाना!

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
KVS, DSSSB, CTET और BPSC TRE परीक्षाओं में NEP 2020 और निपुण भारत पर निम्नलिखित तीन जालों से बचें:
1. **निपुण भारत (NIPUN Bharat) की कक्षा और आयु सीमा:** NEP 2020 के मूल दस्तावेज में प्रारंभिक लक्ष्य 2025 तक कक्षा 3 तक FLN प्राप्त करना था, किंतु जब 5 जुलाई 2021 को शिक्षा मंत्रालय ने **'निपुण भारत मिशन'** लॉन्च किया, तो इसका संशोधित लक्ष्य वर्ष **2026–27** रखा गया और इसमें **3 से 9 वर्ष की आयु (प्री-स्कूल/बालवाटिका से कक्षा 3 के अंत तक)** को कवर किया गया है।
2. **पंचकोश (Panchakosha) का सही मिलान:** (i) **अन्नमय कोश** = शारीरिक विकास (पोषण/व्यायाम), (ii) **प्राणमय कोश** = जीवन शक्ति/श्वसन व इंद्रिय विकास, (iii) **मनोमय कोश** = संवेगात्मक एवं नैतिक विकास, (iv) **विज्ञानमय कोश** = संज्ञानात्मक एवं बौद्धिक विकास, और (v) **आनंदमय कोश** = सौंदर्यबोध, कला एवं आंतरिक आनंद।
3. **त्रि-भाषा सूत्र (Three-Language Formula):** NEP 2020 में त्रि-भाषा सूत्र में यह शर्त है कि तीन भाषाओं में से **कम से कम दो भाषाएं भारत की मूल/देशी भाषाएं (Native to India)** होनी चाहिए और किसी भी राज्य पर कोई भी भाषा थोपी नहीं जाएगी (NEP 2020 - NCERT)।

★ **IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):**
ट्रिक (NEP 2020 के 5 आधारस्तंभ — A-E-Q-A-A): "Access (पहुंच), Equity (समता), Quality (गुणवत्ता), Affordability (वहनीयता), Accountability (जवाबदेही)!"
ट्रिक (पंचपदी के 5 चरण): "अदिति (परिचय) ने बोध (समझ) कराया, अभ्यास से प्रयोग किया और सबमें प्रसार फैलाया!"

मॉड्यूल 10: शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act 2009), शिक्षण अभिरुचि (Teaching Aptitude), सूक्ष्म-शिक्षण एवं डिजिटल पहल

प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह

चरण 1 **संवैधानिक आधार एवं RTE Act 2009 का प्रवर्तन:**

• **86वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2002:** अनुच्छेद **21A** (6–14 वर्ष के बच्चों को नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार), अनुच्छेद 45 (0–6 वर्ष ECCE) और अनुच्छेद 51A(k) (11वां मौलिक कर्तव्य) जोड़ा गया।

• **RTE अधिनियम, 2009 (अधिनियम सं. 35/2009):** कुल **7 अध्याय, 38 धाराएं और 1 अनुसूची; 1 अप्रैल 2010** से लागू (RTE Act 2009 - India Code)।

चरण 2 **RTE Act 2009 के विद्यालय मानक एवं प्रमुख धाराएं:**

• आयु के अनुसार कक्षा में प्रवेश (धारा 4), निजी स्कूलों की कक्षा 1 में दुर्बल वर्ग व वंचित समूह के लिए **25% सीटों का आरक्षण** (धारा 12(1)(c)), प्रवेश हेतु किसी भी प्रतिव्यक्ति शुल्क (Capitation Fee) या साक्षात्कार/स्क्रीनिंग पर पूर्ण रोक (धारा 13), तथा **शारीरिक दंड व मानसिक उत्पीड़न पर पूर्ण प्रतिबंध (धारा 17)** (RTE Act 2009 - India Code)।

चरण 3 **सूक्ष्म-शिक्षण (Micro-Teaching — NCERT का 36-मिनट चक्र) एवं शिक्षण के स्तर:**

• ड्वाइट डब्ल्यू. एलन (1963) एवं भारत में डी.डी. तिवारी द्वारा प्रवर्तित **NCERT सूक्ष्म-शिक्षण चक्र (कुल 36 मिनट): पाठ योजना (Plan) शिक्षण (Teach: 6 मिनट) प्रतिपुष्टि (Feedback: 6 मिनट) पुनः योजना (Re-plan: 12 मिनट) पुनः शिक्षण (Re-teach: 6 मिनट) पुनः प्रतिपुष्टि (Re-feedback: 6 मिनट)** (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

• शिक्षण के 3 स्तर: (1) स्मृति स्तर (हरबर्ट — विचारहीन), (2) बोध स्तर (मॉरिसन — विचारपूर्ण) और (3) चिंतन/विमर्शी स्तर (हंट — उच्चतम विचारपूर्ण एवं समस्या-केंद्रित)।

चरण 4 **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF 2005 बनाम NCF-SE 2023) एवं डिजिटल शिक्षा पहल:**

• NCF 2005 (अध्यक्ष: प्रो. यशपाल — 'शिक्षा बिना बोझ के') के 5 मार्गदर्शक सिद्धांत एवं रचनावादी उपागम।

• डिजिटल प्लेटफॉर्म: **DIKSHA** (*One Nation, One Digital Platform*), **SWAYAM** (4 चतुर्थांश: ई-ट्यूटोरियल, ई-कंटेंट, चर्चा मंच, स्व-मूल्यांकन), **SWAYAM Prabha** (24×7 शैक्षिक टीवी चैनल), **NISHTHA** (शिक्षक प्रशिक्षण) और **PM e-VIDYA** (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय)।

2. विस्तृत तुलनात्मक सारणी: RTE अधिनियम 2009 की अनुसूची के मानक एवं प्रमुख धाराएं

RTE प्रावधान / मानक	संबंधित धारा / अनुसूची	वैधानिक नियम एवं संख्यात्मक मानदंड	शैक्षणिक एवं प्रशासनिक निहितार्थ	आधिकारिक स्रोत
प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) में छात्र-शिक्षक अनुपात (PTR)	धारा 19 एवं 25 (अनुसूची)	**60 छात्रों तक 2 शिक्षक**; 61–90 पर 3; 91–120 पर 4; 121–200 पर 5 शिक्षक (सामान्य अनुपात **30:1**); **150 से अधिक छात्रों पर 5 शिक्षक + 1 प्रधानाध्यापक**; **200 से अधिक छात्रों पर PTR अधिकतम 40:1**	प्रत्येक विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना	RTE Act 2009 - India Code
उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) में छात्र-शिक्षक अनुपात	अनुसूची (Schedule)	प्रति कक्षा कम से कम 1 शिक्षक (1 विज्ञान-गणित, 1 सामाजिक अध्ययन, 1 भाषा); छात्र-शिक्षक अनुपात **35:1**; **100 से अधिक छात्रों पर 1 पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक** व अंशकालिक अनुदेशक (कला, स्वास्थ्य, कार्यानुभव)	विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की अनिवार्यता	RTE Act 2009 - India Code
न्यूनतम कार्यदिवस एवं शैक्षणिक घंटे (प्रति शैक्षणिक वर्ष)	अनुसूची (Schedule)	**कक्षा 1 से 5:** न्यूनतम **200 कार्यदिवस** एवं **800 शैक्षणिक घंटे**; **कक्षा 6 से 8:** न्यूनतम **220 कार्यदिवस** एवं **1000 शैक्षणिक घंटे**	शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह तैयारी सहित न्यूनतम **45 कार्य-घंटे (Working Hours)** अनिवार्य	RTE Act 2009 - India Code
विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC — School Management Committee)	**धारा 21 एवं 22**	कुल सदस्यों में कम से कम **तीन-चौथाई (75%) सदस्य माता-पिता या संरक्षक** होंगे; तथा कुल सदस्यों में **50% महिलाएं** होंगी	SMC विद्यालय विकास योजना (School Development Plan - धारा 22) तैयार करती है	RTE Act 2009 - India Code
रोकने और निष्कासन का प्रतिषेध (No Detention Policy में संशोधन)	**धारा 16** (RTE संशोधन अधिनियम 2019)	2019 के संशोधन द्वारा **कक्षा 5 और कक्षा 8** के अंत में नियमित परीक्षा का प्रावधान; अनुत्तीर्ण होने पर **2 माह में पुनः परीक्षा** का अवसर; फिर भी असफल रहने पर राज्य सरकार स्कूल को छात्र को उसी कक्षा में रोकने की अनुमति दे सकती है	प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को स्कूल से **निष्कासित (Expel)** नहीं किया जा सकता	RTE संशोधन अधिनियम 2019 - India Code
शिक्षकों के गैर-शैक्षणिक कार्यों पर प्रतिबंध एवं निजी ट्यूशन निषेध	**धारा 27** (गैर-शैक्षणिक कार्य) एवं **धारा 28** (निजी ट्यूशन)	धारा 27 के तहत केवल **3 कार्यों (दशकीय जनगणना, आपदा राहत, तथा संसद/विधानमंडल/स्थानीय निकाय चुनाव)** को छोड़कर शिक्षकों को किसी अन्य गैर-शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जाएगा; धारा 28 के तहत शिक्षकों द्वारा **प्राइवेट ट्यूशन पढ़ाना पूर्णतः वर्जित** है	शिक्षण की गुणवत्ता और जवाबदेही बनाए रखना	RTE Act 2009 - India Code

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
RTE (संशोधन) अधिनियम, 2019 (अधिनियम सं. 1/2019 - India Code) द्वारा मूल अधिनियम की **धारा 16** को प्रतिस्थापित करके प्रसिद्ध 'नो डिटेंशन पॉलिसी' (कक्षा 8 तक किसी को फेल न करने की नीति) में बदलाव किया गया है। नए नियम के अनुसार यदि कोई बच्चा कक्षा 5 या कक्षा 8 की वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होता है, तो उसे तत्काल फेल करके नहीं रोका जाएगा, बल्कि उसे **विशेष शिक्षण (उपचारात्मक निर्देश) दिया जाएगा और परिणाम घोषित होने की तिथि से 2 महीने के भीतर पुनः परीक्षा (Re-examination) का अवसर** दिया जाएगा! इसके अलावा, स्कूल की दूरी का मानक कक्षा 1–5 के लिए बसावट से **1 किलोमीटर** के भीतर और कक्षा 6–8 के लिए **3 किलोमीटर** के भीतर निर्धारित है।

परीक्षा जाल सतर्कता (Exam Trap Alert):
RTE अधिनियम 2009 और शिक्षण अभिरुचि के प्रश्नों में ये तीन जाल सबसे ज्यादा पूछे जाते हैं:
1. **धारा 27 में गैर-शैक्षणिक कार्य:** यदि विकल्प में "पल्स पोलियो अभियान", "पशु गणना" या "राशन कार्ड सर्वेक्षण" दिया हो और पूछा जाए कि RTE धारा 27 के तहत शिक्षक को किस कार्य में लगाया जा सकता है, तो ध्यान रखें कि धारा 27 केवल **तीन कार्यों** की अनुमति देती है: **(1) दशकीय जनगणना (Decennial Population Census), (2) आपदा राहत (Disaster Relief), और (3) स्थानीय निकाय/विधानमंडल/संसद के चुनाव** — पल्स पोलियो या पशु गणना इसमें शामिल नहीं हैं!
2. **प्रधानाध्यापक का मानदंड:** प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1–5) में पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक **150 से अधिक बच्चों** के नामांकन पर मिलता है, जबकि उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 6–8) में **100 से अधिक बच्चों** पर ही पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक का प्रावधान है।
3. **आगमन विधि (Inductive) बनाम निगमन विधि (Deductive): आगमन विधि** हमेशा **'उदाहरण से नियम की ओर', 'मूर्त से अमूर्त की ओर'** और **'विशिष्ट से सामान्य की ओर'** चलती है (प्राथमिक कक्षाओं के लिए सर्वोत्तम), जबकि **निगमन विधि 'नियम/सूत्र से उदाहरण की ओर'** चलती है (IUC Academy)।

★ IUC स्मृति ट्रिक (Memory Mnemonic):
ट्रिक (RTE 2009 की मुख्य धाराएं): "4 में उम्र के हिसाब से प्रवेश, 12 में 25% आरक्षण, 13 में नो डोनेशन, 16 में नो एक्सप्लशन, 17 में नो पिटाई, 21 में SMC, 27 में केवल 3 ड्यूटी और 28 में नो प्राइवेट ट्यूशन!"
ट्रिक (NCERT सूक्ष्म-शिक्षण — 36 मिनट): "शिक्षण (6) + फीडबैक (6) + पुनः योजना (12) + पुनः शिक्षण (6) + पुनः फीडबैक (6) = 36 मिनट!"

पूरक विजुअल रेफरेंस: बाल विकास, शिक्षाशास्त्र, शिक्षण विधियां एवं आयोगों की 50-बिंदु मास्टर संदर्भ सारणी

क्र.सं.	सिद्धांत / विधि / आयोग / संप्रत्यय	प्रतिपादक / अध्यक्ष / वर्ष	मुख्य शैक्षणिक सूत्र / विशेषता	आधिकारिक संदर्भ एवं परीक्षा महत्व
1	मनोविज्ञान की प्रथम प्रयोगशाला (1879)	विलियम वुंट (लीपज़िग, जर्मनी)	प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के जनक एवं संरचनावाद	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
2	प्रकार्यवाद (Functionalism) एवं *Principles of Psychology*	विलियम जेम्स (अमेरिका, 1890)	आधुनिक मनोविज्ञान एवं चेतना की धारा (Stream of Consciousness)	IUC Academy
3	व्यवहारवाद के जनक (Father of Behaviorism)	जे.बी. वॉटसन (1913)	छोटे अल्बर्ट (Little Albert) पर खरगोश के भय का अनुबंधन प्रयोग	IUC Academy
4	मनोविश्लेषणवाद (Psychoanalysis)	सिगमंड फ्रायड (वियना, ऑस्ट्रिया)	मन के 3 स्तर (चेतन, अर्धचेतन, अचेतन) व व्यक्तित्व के 3 घटक (Id, Ego, Superego)	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
5	पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत (Ecological Systems Theory)	यूरी ब्रोनफेनब्रेनर (Urie Bronfenbrenner)	5 पर्यावरणीय मंडल: माइक्रोसिस्टम, मेसोसिस्टम, एक्सोसिस्टम, मैक्रोसिस्टम और क्रोनोसिस्टम	NCF-FS 2022 - NCERT
6	भाषा अर्जन यंत्र (LAD) एवं सार्वभौमिक व्याकरण	नोम चोम्स्की (Noam Chomsky)	बच्चों में भाषा सीखने की **जन्मजात क्षमता (Innate Ability)** होती है	NCF-FS 2022 - NCERT
7	संज्ञानात्मक विकास के 4 चरण	जीन पियाजे (स्विट्ज़रलैंड)	संवेदी-गामक (0–2), पूर्व-संक्रियात्मक (2–7), मूर्त (7–11), अमूर्त (11–15)	NCF-FS 2022 - NCERT
8	सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (ZPD, MKO, Private Speech)	लेव वायगोत्स्की (रूस)	सामाजिक अंत:क्रिया और भाषा के माध्यम से संज्ञानात्मक विकास	NCF-SE 2023 - NCERT
9	नैतिक विकास के 3 स्तर एवं 6 चरण	लॉरेंस कोहलबर्ग (अमेरिका)	पूर्व-परंपरागत, परंपरागत एवं उत्तर-परंपरागत नैतिक तर्कणा	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
10	देखभाल की नैतिकता (Ethics of Care)	कैरल गिलिगन (1982)	कोहलबर्ग के न्याय-आधारित मॉडल की नारीवादी आलोचना	IUC Academy
11	मनोसामाजिक विकास के 8 चरण	एरिक एरिक्सन	जन्म से वृद्धावस्था तक 8 मनोसामाजिक संकट और सद्गुण	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
12	प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धांत (S-R Bond)	ई.एल. थॉर्नडाइक	तत्परता, अभ्यास और प्रभाव के 3 मुख्य नियम	IUC Academy
13	शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत (Classical Conditioning)	इवान पावलॉव (1904 नोबेल)	घंटी (CS) और भोजन (UCS) के साहचर्य से लार (CR) का अनुबंधन	IUC Academy
14	क्रियाप्रसूत अनुबंधन एवं अभिक्रमित अनुदेशन	बी.एफ. स्किनर	पुनर्बलन (Reinforcement) द्वारा व्यवहार को आकार देना (Shaping)	IUC Academy
15	अंतर्दृष्टि / सूझ का सिद्धांत (Gestalt Psychology)	मैक्स वर्दीमर, कोहलर, कोफ्का	समग्रता (Whole) का प्रत्यक्षीकरण और आकस्मिक समाधान	NCF-SE 2023 - NCERT
16	सामाजिक / अवलोकनात्मक अधिगम (Bobo Doll)	अल्बर्ट बंडूरा	अवधान धारण पुनरुत्पादन अभिप्रेरणा	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
17	क्षेत्र सिद्धांत (Field Theory of Learning)	कर्ट लेविन (Kurt Lewin)	व्यवहार व्यक्ति और उसके मनोवैज्ञानिक वातावरण (Life Space) का फलन है: `B = f(P, E)`	IUC Academy

क्र.सं.	सिद्धांत / विधि / आयोग / संप्रत्यय	प्रतिपादक / अध्यक्ष / वर्ष	मुख्य शैक्षणिक सूत्र / विशेषता	आधिकारिक संदर्भ एवं परीक्षा महत्व
18	चिह्न अधिगम सिद्धांत (Sign Learning / Cognitive Map)	एडवर्ड टॉलमैन (Edward Tolman)	अव्यक्त अधिगम (Latent Learning) और संज्ञानात्मक मानचित्र (चूहों की भूलभुलैया)	IUC Academy
19	प्रबलन / अंतर्नोद न्यूनता सिद्धांत (Drive Reduction)	क्लार्क एल. हल (Clark Hull)	जैविक आवश्यकता की पूर्ति और चालक (Drive) में कमी ही अधिगम का आधार है	IUC Academy
20	अनुभाविक अधिगम चक्र (Experiential Learning Cycle)	डेविड कोल्ब (David Kolb)	मूर्त अनुभव चिंतनशील अवलोकन अमूर्त संप्रत्ययीकरण सक्रिय प्रयोग	NCF-SE 2023 - NCERT
21	बुद्धि का द्वि-कारक सिद्धांत (g एवं s कारक)	चार्ल्स स्पीयरमैन (1904)	सामान्य मानसिक योग्यता (g जन्मजात) और विशिष्ट योग्यता (s अर्जित)	IUC Academy
22	बहु-बुद्धि सिद्धांत (Multiple Intelligences)	हॉवर्ड गार्डनर (1983)	8 स्वतंत्र प्रकार की बुद्धियां (भाषाई, तार्किक, स्थानिक, गतिक, संगीत, अंतर, अंतरा, प्रकृति)	NCF-SE 2023 - NCERT
23	बुद्धि का त्रितंत्रीय सिद्धांत (Triarchic Theory)	रॉबर्ट स्टर्नबर्ग (1985)	विश्लेषणात्मक (Componential), सृजनात्मक (Experiential) और व्यावहारिक (Contextual)	IUC Academy
24	संवेगात्मक बुद्धि (Emotional Intelligence - EQ)	पीटर सलोवे, जॉन मेयर एवं डेनियल गोलमैन (1995)	स्वयं व दूसरों के संवेगों को पहचानने, समझने और प्रबंधित करने की क्षमता	NCF-SE 2023 - NCERT
25	किंडरगार्टन पद्धति (Kindergarten - 'बाल उद्यान')	फ्रेडरिक फ्रोबेल (जर्मनी)	शिक्षक माली के समान और बालक कोमल पौधे के समान; खेल व गीत से शिक्षा	NCF-FS 2022 - NCERT
26	मोंटेसरी पद्धति (Sensory & Didactic Apparatus)	डॉ. मारिया मोंटेसरी (इटली)	कर्मेंद्रियों और ज्ञानेंद्रियों का प्रशिक्षण एवं स्व-शिक्षा	NCF-FS 2022 - NCERT
27	प्रोजेक्ट विधि (Project Method)	डब्ल्यू.एच. किलपैट्रिक (जॉन डीवी के शिष्य)	सामाजिक वातावरण में पूर्ण संलग्नता से किया जाने वाला सोद्देश्य कार्य	NCF-SE 2023 - NCERT
28	ह्यूरिस्टिक विधि / अन्वेषण विधि (Heuristic Method)	एच.ई. आर्मस्ट्रांग	ग्रीक शब्द '*Heurisco*' (मैं खोजता हूं); छात्र को स्वयं खोजी/वैज्ञानिक की स्थिति में रखना	NCF-SE 2023 - NCERT
29	डाल्टन योजना (Dalton Laboratory Plan)	कुमारी हेलेन पार्कहर्स्ट	समय-सारणी के बंधन से मुक्त होकर ठेका (Contract) प्रणाली से स्व-गति से सीखना	IUC Academy
30	खेल विधि (Play-Way Method)	हेनरी कॉल्डवेल कुक (प्रवर्तक) एवं फ्रोबेल	खेल के माध्यम से स्वाभाविक और आनंददायी अधिगम	NCF-FS 2022 - NCERT
31	प्रश्नोत्तर विधि (Socratic Method)	सुकरात (Socrates)	क्रमबद्ध प्रश्नों के माध्यम से छात्र के भीतर छिपे ज्ञान को बाहर निकालना	IUC Academy
32	मस्तिष्क उद्वेलन विधि (Brainstorming)	एलेक्स ओसबोर्न (Alex Osborn)	सृजनात्मकता और अपसारी चिंतन को बढ़ावा देने हेतु समूह में निसंकोच विचार रखना	NCF-SE 2023 - NCERT
33	समाजमिति विधि (Sociometry Technique)	जे.एल. मोरेनो (J.L. Moreno)	समूह की संरचना, लोकप्रियता (Star) और अलग-थलग पड़े (Isolate) छात्रों की पहचान करना	IUC Academy
34	हरबर्ट की पंचपदी पाठ योजना (Herbartian 5 Steps)	जे.एफ. हरबर्ट एवं शिष्य	प्रस्तावना प्रस्तुतीकरण तुलना/साहचर्य सामान्यीकरण अनुप्रयोग	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम
35	अनुभव शंकु (Cone of Experience)	एडगर डेल (Edgar Dale)	प्रत्यक्ष मूर्त अनुभव (आधार — सर्वाधिक प्रभावी) से शाब्दिक प्रतीक (शीर्ष) तक	NCF-SE 2023 - NCERT

क्र.सं.	सिद्धांत / विधि / आयोग / संप्रत्यय	प्रतिपादक / अध्यक्ष / वर्ष	मुख्य शैक्षणिक सूत्र / विशेषता	आधिकारिक संदर्भ एवं परीक्षा महत्व
36	ब्रेल लिपि (Braille Script — दृष्टिबाधितों हेतु)	लुई ब्रेल (फ्रांस, 1821)	**6 उभरे हुए बिंदुओं (6 Raised Dots)** के पैटर्न पर आधारित स्पर्शनीय पठन-लेखन प्रणाली	दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code
37	विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948–49)	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	स्वतंत्र भारत का प्रथम शिक्षा आयोग; UGC की स्थापना की सिफारिश	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय
38	माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952–53)	डॉ. ए. लक्ष्मणस्वामी मुदालियर	बहुउद्देशीय विद्यालयों (Multipurpose Schools) एवं त्रि-वर्षीय डिग्री कोर्स का सुझाव	IUC Academy
39	भारतीय शिक्षा आयोग / कोठारी आयोग (1964–66)	प्रो. दौलत सिंह कोठारी	रिपोर्ट: *'Education and National Development'*; पड़ोसी स्कूल (Common School System) व त्रि-भाषा सूत्र	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय
40	प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE 1968)	इंदिरा गांधी सरकार (कोठारी आयोग पर आधारित)	`10+2+3` संरचना एवं राष्ट्रीय आय का 6% शिक्षा पर व्यय का प्रथम प्रस्ताव	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय
41	द्वितीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE 1986 एवं POA 1992)	राजीव गांधी सरकार (संशोधन: जनार्दन रेड्डी समिति 1992)	ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड, नवोदय विद्यालय और डाइट (DIET) की स्थापना	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय
42	राष्ट्रीय सलाहकार समिति (1992–93)	प्रो. यशपाल	रिपोर्ट: **'शिक्षा बिना बोझ के' (Learning Without Burden)** — बस्ते के बोझ व रटंत समझ की आलोचना	NCF-SE 2023 - NCERT
43	राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF 2005)	प्रो. यशपाल (NCERT)	रवींद्रनाथ टैगोर के निबंध 'सभ्यता और प्रगति' से प्रारंभ; रचनावाद व ज्ञान को बाहरी जीवन से जोड़ना	NCERT
44	निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (RTE 2009)	अधिनियम सं. 35/2009 (1 अप्रैल 2010 से लागू)	6 से 14 वर्ष के बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा का मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21A)	RTE Act 2009 - India Code
45	दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act 2016)	अधिनियम सं. 49/2016 (27 दिसंबर 2016)	21 प्रकार की दिव्यांगताएं; 6 से 18 वर्ष निःशुल्क शिक्षा एवं समावेशी शिक्षा	दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code
46	तृतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)	डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति (29 जुलाई 2020)	`5+3+3+4` मॉडल, FLN, बहु-विषयक शिक्षा, मातृभाषा माध्यम एवं PARAKH	NEP 2020 - NCERT
47	फाउंडेशनल स्टेज हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF-FS 2022)	डॉ. के. कस्तूरीरंगन (NCERT, 20 अक्टूबर 2022)	3 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए पंचकोश विकास, पंचपदी और जादुई पिटारा	NCF-FS 2022 - NCERT
48	स्कूली शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF-SE 2023)	डॉ. के. कस्तूरीरंगन (NCERT, अगस्त 2023)	कक्षा 3 से 12 तक दक्षता-आधारित शिक्षण, भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) व वर्ष में 2 बोर्ड परीक्षाएं	NCF-SE 2023 - NCERT
49	निपुण भारत मिशन (NIPUN Bharat)	शिक्षा मंत्रालय (5 जुलाई 2021)	2026–27 तक कक्षा 3 के अंत तक बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (FLN) की प्राप्ति	NEP 2020 - NCERT
50	समग्र शिक्षा अभियान (Samagra Shiksha 2.0)	शिक्षा मंत्रालय (2018 में SSA + RMSA + TE का विलय)	प्री-स्कूल से कक्षा 12 तक एकीकृत स्कूली शिक्षा कार्यक्रम	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय

अंतिम समय त्वरित वन-लाइनर रिवीजन कैप्सूल (100 महत्वपूर्ण परीक्षा बिंदु)

1. अभिवृद्धि (Growth) केवल **मात्रात्मक/परिमाणात्मक (Quantitative)** परिवर्तन को दर्शाती है और परिपक्वता के बाद रुक जाती है, जबकि विकास (Development) **मात्रात्मक एवं गुणात्मक (Qualitative)** दोनों है जो गर्भाधान से मृत्यु पर्यंत (*Womb to Tomb*) चलता है (NCF-FS 2022 - NCERT)।

2. विकास के **शीर्षगामी सिद्धांत (Cephalocaudal Principle)** के अनुसार शारीरिक व गामक विकास सिर से पैर (Head to Toe) की दिशा में होता है।

3. विकास के **समीप-दूराभिमुख सिद्धांत (Proximodistal Principle)** के अनुसार विकास शरीर के केंद्र (रीढ़/हृदय) से बाहरी अंगों (भुजाओं से उंगलियों) की ओर होता है (NCF-FS 2022 - NCERT)।

4. मनोवैज्ञानिक वुडवर्थ के अनुसार बालक का विकास आनुवंशिकता (Heredity) और वातावरण (Environment) का योगफल न होकर दोनों का **गुणनफल (D = H × E)** होता है।

5. मानव शिशु में गामक कौशलों का विकास हमेशा **स्थूल गामक कौशल (Gross Motor Skills — जैसे दौड़ना, कूदना)** से **सूक्ष्म गामक कौशल (Fine Motor Skills — जैसे लिखना, चित्र बनाना, सुई में धागा पिरोना)** की ओर होता है।

6. प्रारंभिक बाल्यावस्था (**2 से 6 वर्ष**) को भाषा विकास का **सबसे संवेदनशील (Sensitive/Critical) काल** और 'खिलौनों की आयु' (Toy Age) माना जाता है (NCF-FS 2022 - NCERT)।

7. उत्तर बाल्यावस्था (**6 से 12 वर्ष**) को रॉस ने 'मिथ्या परिपक्वता का काल' (Pseudo-Maturity) कहा है तथा इसे 'टोली आयु' (Gang Age) और 'प्रारंभिक विद्यालयी आयु' भी कहते हैं।

8. स्टेनले हॉल ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक '*Adolescence*' (1904) में किशोरावस्था को **"तनाव, तूफान और संघर्ष की अवस्था" (Period of Storm and Stress)** कहा है (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

9. बालक के समाजीकरण (Socialization) की **प्राथमिक एजेंसी परिवार (Family)** है, जबकि **विद्यालय (School), मीडिया और कानून द्वितीयक एजेंसी** हैं।

10. यूरी ब्रोनफेनब्रेनर के पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत में बच्चे का सीधा दैनिक संपर्क (परिवार, स्कूल, पड़ोसी) **'लघुमंडल' (Microsystem)** में आता है, जबकि माता-पिता और शिक्षकों के बीच का संबंध (PTM) **'मध्यमंडल' (Mesosystem)** कहलाता है।

11. ब्रोनफेनब्रेनर के सिद्धांत में माता-पिता का कार्यस्थल **'बाह्यमंडल' (Exosystem)**, सांस्कृतिक मूल्य व कानून **'वृहदमंडल' (Macrosystem)** और समय के साथ होने वाले ऐतिहासिक व तकनीकी बदलाव **'घटकमंडल' (Chronosystem)** कहलाते हैं (IUC Academy)।

12. स्विट्जरलैंड के मनोवैज्ञानिक **जीन पियाजे** को विकासात्मक मनोविज्ञान का जनक माना जाता है, जिन्होंने बच्चे को सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण करने वाला **'नन्हा वैज्ञानिक' (Little Scientist)** कहा है (NCF-FS 2022 - NCERT)।

13. पियाजे के अनुसार मस्तिष्क में सूचनाओं के संगठित पैकेट या वैचारिक ढांचे को **'स्कीमा' (Schema)** कहा जाता है।

14. पूर्व-विद्यमान स्कीमा में किसी नई जानकारी को सीधे जोड़ लेना **'आत्मसात्करण' (Assimilation)** है, जबकि नई जानकारी के अनुसार पुराने स्कीमा में संशोधन या बदलाव करना **'समायोजन' (Accommodation)** कहलाता है।

15. पियाजे की प्रथम अवस्था **संवेदी-गामक अवस्था (Sensorimotor Stage: 0 से 2 वर्ष)** की सबसे प्रमुख उपलब्धि **'वस्तु स्थायित्व' (Object Permanence)** और लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार है (NCF-FS 2022 - NCERT)।

16. पियाजे की दूसरी अवस्था **पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational Stage: 2 से 7 वर्ष)** में निर्जीव वस्तुओं को सजीव मानने का गुण **'जीववाद' (Animism)** कहलाता है (जैसे गुड़िया को चोट लगने या सूर्य के नाराज होने की बात सोचना)।

17. पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2–7 वर्ष) में बच्चा दूसरे के दृष्टिकोण को नहीं समझ पाता (**अहं-केंद्रितता / Egocentrism**), केवल एक ही आयाम पर ध्यान टिकाता है (**केंद्रीकरण / Centration**) और उसकी सोच में **अपलटावी गुण (Irreversibility)** होता है।

18. पियाजे की तीसरी अवस्था **मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage: 7 से 11 वर्ष)** में बच्चे में **संरक्षण (Conservation), पलटावी गुण (Reversibility), विकेंद्रीकरण (Decentration), वर्गीकरण (Classification)** और **क्रमबद्धता (Seriation)** का विकास हो जाता है (NCF-SE 2023 - NCERT)।

19. पियाजे की चौथी अवस्था **औपचारिक/अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operational Stage: 11 से 15+ वर्ष)** में किशोर **अमूर्त चिंतन** और **परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्कणा (Hypothetico-Deductive Reasoning)** करने में सक्षम हो जाता है।

20. रूसी मनोवैज्ञानिक **लेव वायगोत्स्की** के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत के अनुसार बालक के संज्ञानात्मक विकास के तीन मुख्य आधार **सामाजिक अंतःक्रिया (Social Interaction), संस्कृति (Culture) और भाषा (Language)** हैं (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

21. वायगोत्स्की के अनुसार बच्चा स्वतंत्र रूप से जो कर सकता है और किसी अधिक जानकार व्यक्ति (MKO) की सहायता से जो कर सकता है, उसके बीच के अंतर को **'समीपस्थ विकास का क्षेत्र' (ZPD — Zone of Proximal Development)** कहते हैं।

22. समस्या समाधान के दौरान शिक्षक या वयस्क द्वारा बच्चे को दी जाने वाली अस्थायी सहायता, संकेत (Hints) या मार्गदर्शन को **'पाड़ / मचान' (Scaffolding)** कहा जाता है, जिसे बच्चा आत्मनिर्भर होते ही धीरे-धीरे हटा लिया जाता है।

23. वायगोत्स्की के अनुसार जब छोटा बच्चा कार्य करते समय स्वयं से बोलकर बात करता है, तो वह **'निजी वाक्' (Private Speech)** है जो उसे अपने व्यवहार के **स्व-नियमन (Self-Regulation)** में मदद करता है (जबकि पियाजे ने इसे 'अहं-केंद्रित वाक्' कहा था) (IUC Academy)।

24. जेरोम ब्रूनर ने संज्ञानात्मक विकास की तीन अवस्थाएं बताई हैं: **क्रियात्मक (Enactive: 0–1 वर्ष), प्रतिबिंबात्मक (Iconic: 1–6 वर्ष)** और **प्रतीकात्मक (Symbolic: 7+ वर्ष)**, तथा उन्होंने **'सर्पिल पाठ्यचर्या' (Spiral Curriculum)** का संप्रत्यय दिया।

25. लॉरेंस कोहलबर्ग ने नैतिक दुविधाओं (विशेषकर **'हिंज की दुविधा'**) के आधार पर नैतिक विकास को **3 स्तरों (Levels) और 6 चरणों (Stages)** में विभाजित किया है (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

26. कोहलबर्ग के प्रथम स्तर **पूर्व-परंपरागत नैतिकता (4–10 वर्ष)** में चरण 1 'दंड और आज्ञापालन' तथा चरण 2 'साधनात्मक सापेक्षता / जैसे को तैसा (Tit for Tat)' होता है।

27. कोहलबर्ग के दूसरे स्तर **परंपरागत नैतिकता (10–13 वर्ष)** में चरण 3 **'अच्छा लड़का / अच्छी लड़की' (सामाजिक स्वीकृति)** तथा चरण 4 **'कानून और व्यवस्था अभिविन्यास'** होता है।

28. कोहलबर्ग के तीसरे स्तर **उत्तर-परंपरागत नैतिकता (13+ वर्ष)** में चरण 5 **'सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास'** और सर्वोच्च चरण 6 **'सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास'** (अंतरात्मा की आवाज) होता है।

29. **कैरल गिलिगन** ने कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत को पुरुष-प्रधान व पश्चिमी संस्कृति के प्रति पूर्वाग्रहग्रस्त बताते हुए महिलाओं की **'देखभाल और करुणा की नैतिकता' (Ethics of Care)** का सिद्धांत प्रतिपादित किया (IUC Academy)।

30. **एरिक एरिक्सन** ने मनोसामाजिक विकास के कुल **8 जीवन-पर्यंत चरण** बताए हैं, जिनमें किशोरावस्था (12–18 वर्ष) का प्रमुख संकट **'पहचान बनाम भूमिका भ्रम' (Identity vs. Role Confusion)** है।

31. एरिक्सन के अनुसार प्राथमिक विद्यालयी आयु (6–12 वर्ष) का मनोसामाजिक चरण **'परिश्रम/उद्योग बनाम हीनता' (Industry vs. Inferiority)** है, जिससे बच्चे में 'दक्षता' (Competence) का सद्गुण विकसित होता है (NCF-SE 2023 - NCERT)।

32. भाषाविद् **नोम चोम्स्की** के अनुसार प्रत्येक मानव शिशु में जन्मजात रूप से एक **'भाषा अर्जन यंत्र' (LAD — Language Acquisition Device)** और 'सार्वभौमिक व्याकरण' (Universal Grammar) की क्षमता होती है (NCF-FS 2022 - NCERT)।

33. शिशु के भाषा विकास का सही सार्वभौमिक क्रम है: **रोना (Crying: जन्म से) कूकना (Cooing: 6 सप्ताह) बलबलाना (Babbling: 6 माह) एक-शब्दीय अवस्था (Holophrastic: 1 वर्ष) द्वि-शब्दीय/टेलीग्राफिक वाक् (18–24 माह)**।

34. **ई.एल. थॉर्नडाइक** ने अधिगम के 3 मुख्य नियम दिए हैं: **(1) तत्परता का नियम (Law of Readiness), (2) अभ्यास का नियम (Law of Exercise — उपयोग व अनुपयोग का नियम) और (3) प्रभाव का नियम (Law of Effect)** (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

35. जब सीखने की प्रगति में किसी कारणवश अचानक रुकावट आ जाती है और अधिगम वक्र ऊपर बढ़ने के बजाय समतल (सपाट) हो जाता है, तो उसे **'अधिगम पठार' (Learning Plateau)** कहते हैं।

36. **इवान पावलॉव** के शास्त्रीय अनुबंधन प्रयोग में भोजन **अनानुबंधित उद्दीपक (UCS)** है और घंटी की आवाज **अनुबंधित उद्दीपक (CS)** है।

37. **बी.एफ. स्किनर** के क्रियाप्रसूत अनुबंधन में किसी अप्रिय स्थिति को हटाकर वांछित व्यवहार की संभावना को बढ़ाना **'नकारात्मक पुनर्बलन' (Negative Reinforcement)** कहलाता है, जो दंड (Punishment) से पूर्णतः भिन्न है (IUC Academy)।

38. **गेस्टाल्टवाद** (वर्दीमर, कोहलर, कोफ्का) का शाब्दिक अर्थ **'समग्र रूप' या 'पूर्ण आकार' (Whole Form)** है, जो "पूर्ण से अंश की ओर" (Whole to Part) शिक्षण सूत्र का आधार है।

39. **अल्बर्ट बंडूरा** के सामाजिक अधिगम सिद्धांत के 4 क्रमिक चरण हैं: **अवधान (Attention) धारण (Retention) पुनरुत्पादन (Reproduction) अभिप्रेरणा (Motivation)**।

40. जब छात्र अपने स्वयं के चिंतन, अपनी सीखने की रणनीतियों और अपनी समझ के बारे में जागरूक होकर उनका मूल्यांकन व नियमन करता है ("चिंतन के बारे में चिंतन"), तो इसे **'अधिसंज्ञान / परासंज्ञान' (Metacognition)** कहा जाता है (NCF-SE 2023 - NCERT)।

41. हरमन एबिंगहॉस ने स्मृति और **'विस्मरण वक्र' (Curve of Forgetting)** पर सर्वप्रथम प्रयोगात्मक कार्य किया था।

42. प्रथम सफल बुद्धि परीक्षण **1905 में अल्फ्रेड बिने और थियोडोर साइमन** ने फ्रांस में बनाया था, तथा **1908 में बिने** ने 'मानसिक आयु' (Mental Age) का संप्रत्यय दिया (IUC Academy)।

43. बुद्धि लब्धि (IQ) का अंतिम सूत्र **IQ = (MA / CA) × 100** वर्ष **1916 में लुईस टर्मन** ने दिया था (जबकि 1912 में विलियम स्टर्न ने केवल **MA / CA** दिया था)।

44. यदि एक 10 वर्ष के बच्चे (CA = 10) की मानसिक आयु 12 वर्ष (MA = 12) है, तो उसकी बुद्धि लब्धि **IQ = (12 / 10) × 100 = 120** (प्रखर बुद्धि / Superior) होगी।

45. टर्मन की IQ तालिका के अनुसार **90 से 109** बुद्धि लब्धि को **'सामान्य/औसत बुद्धि'** और **140 या उससे अधिक** को **'प्रतिभाशाली' (Gifted)** माना जाता है।

46. चार्ल्स स्पीयरमैन के द्वि-कारक सिद्धांत में **g कारक (सामान्य कारक)** जन्मजात और सभी कार्यों में अनिवार्य होता है, जबकि **s कारक (विशिष्ट कारक)** प्रशिक्षण से अर्जित किया जाता है।

47. **हॉवर्ड गार्डनर** के बहु-बुद्धि सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में एक नहीं बल्कि **8 स्वतंत्र प्रकार की बुद्धियां** होती हैं, इसलिए सभी बच्चों को एक ही विधि से नहीं पढ़ाया जा सकता (NCF-SE 2023 - NCERT)।

48. गार्डनर के अनुसार दूसरों के मूड, स्वभाव और आशय को समझने की क्षमता **'अंतर्वैयक्तिक बुद्धि' (Interpersonal)** है, जबकि स्वयं के आंतरिक मन को समझने की क्षमता **'अंतरावैयक्तिक बुद्धि' (Intrapersonal)** है।

49. रॉबर्ट स्टर्नबर्ग के त्रितंत्रीय बुद्धि सिद्धांत के तीन घटक **विश्लेषणात्मक (Componential), सृजनात्मक (Experiential) और व्यावहारिक (Contextual)** बुद्धि हैं।

50. **सृजनात्मकता (Creativity)** का मुख्य आधार **अपसारी चिंतन (Divergent Thinking)** है, जिसके चार मुख्य तत्व **धाराप्रवाहिता (Fluency), लचीलापन (Flexibility), मौलिकता (Originality) और विस्तारण (Elaboration)** हैं (NCF-SE 2023 - NCERT)।

51. व्यक्तित्व मापन के **रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण (Rorschach Inkblot Test)** में कुल **10 कार्ड** होते हैं (5 काले-सफेद, 2 काले-सफेद व लाल, और 3 बहुरंगी) जो अचेतन मन का प्रक्षेपी मापन करते हैं।

52. मुरे एवं मॉर्गन के **प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण (TAT — Thematic Apperception Test)** में कुल **30 चित्र कार्ड + 1 सादा कार्ड (कुल 31 कार्ड)** होते हैं।

53. समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) का मूल दर्शन यह है कि किसी भी बच्चे को उसकी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक या आर्थिक भिन्नता के बिना **सामान्य विद्यालय में सामान्य बच्चों के साथ समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** मिले (NEP 2020 - NCERT)।

54. **दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act), 2016** ने पुराने 1995 के अधिनियम का स्थान लिया और दिव्यांगताओं की श्रेणियों को **7 से बढ़ाकर 21** कर दिया (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code)।

55. RPwD Act 2016 के तहत **40% या उससे अधिक** प्रमाणित दिव्यांगता वाले व्यक्ति को **'बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्ति'** कहा जाता है, जिसे **6 से 18 वर्ष** तक निःशुल्क शिक्षा, उच्च शिक्षा में **5% आरक्षण** और सरकारी नौकरियों में **4% आरक्षण** का अधिकार है।

56. **डिस्लेक्सिया (Dyslexia)** एक विशिष्ट पठन विकार है, **डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)** लेखन विकार है, **डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia)** गणितीय गणना विकार है और **डिस्प्रेक्सिया (Dyspraxia)** गामक समन्वय विकार है (NEP 2020 - NCERT)।

57. **एडीएचडी (ADHD)** से प्रभावित बच्चे में ध्यान की कमी (Inattention), अति-सक्रियता (Hyperactivity) और आवेगशीलता (Impulsivity) के लक्षण पाए जाते हैं।

58. **ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (ASD / स्वलीनता)** से प्रभावित बच्चे को सामाजिक संपर्क बनाने, नजरें मिलाने (Eye contact), संप्रेषण करने में कठिनाई होती है और वह बार-बार दोहराव वाला व्यवहार करता है।

59. प्रतिभाशाली (Gifted) बच्चों के लिए कक्षा में **पाठ्यचर्या संवर्धन (Curriculum Enrichment)** और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट दिए जाने चाहिए ताकि वे कक्षा में ऊब न महसूस करें (NCF-SE 2023 - NCERT)।

60. 'जेंडर' (Gender / लिंग) एक **सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना (Social Construct)** है, जबकि 'सेक्स' (Sex) एक **जैविक निर्धारक (Biological Construct)** है।

61. यदि कोई शिक्षक यह कहे कि "लड़कियां गृहविज्ञान व कला में अच्छी होती हैं और लड़के गणित व विज्ञान में अच्छे होते हैं", तो यह **लैंगिक रूढ़िवादिता (Gender Stereotyping)** का प्रत्यक्ष उदाहरण है जिसे शिक्षक को चुनौती देनी चाहिए (NCF-SE 2023 - NCERT)।

62. **आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)** में बालक किसी कार्य को बाहरी इनाम या डर के कारण नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक रुचि, जिज्ञासा और आनंद के लिए करता है।

63. **अब्राहम मैस्लो** के आवश्यकता पदानुक्रम पिरामिड में सबसे निचले स्तर पर **दैहिक आवश्यकताएं (Physiological Needs)** और सबसे सर्वोच्च शिखर पर **आत्म-सिद्धि (Self-Actualization)** होती है (IUC Academy)।

64. जब कोई छात्र बार-बार की असफलता के कारण यह मान बैठता है कि अब वह चाहे कितनी भी मेहनत कर ले, वह सफल नहीं हो सकता, तो इस मनोवैज्ञानिक स्थिति को मार्टिन सेलिगमैन ने **'अर्जित निस्सहायता' (Learned Helplessness)** कहा है।

65. बच्चों द्वारा कक्षा में की जाने वाली **'त्रुटियां' (Errors)** और वैकल्पिक अवधारणाएं (Naive Conceptions) अधिगम प्रक्रिया का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं जो शिक्षक को **बच्चे के चिंतन के तरीके को समझने में अंतर्दृष्टि (Window into child's thinking)** प्रदान करती हैं (NCF-SE 2023 - NCERT)।

66. **जॉन डीवी** द्वारा प्रतिपादित 'प्रगतिशील शिक्षा' (Progressive Education) में विद्यालय को समाज का लघु रूप माना जाता है और रटने के बजाय **'करके सीखने' (Learning by Doing)** व सहयोगी प्रोजेक्ट पर बल दिया जाता है।

67. गुजरात के महान बाल-शिक्षाशास्त्री **गिजुभाई बधेका** ने अपनी पुस्तक **'दिवास्वप्न'** में प्राथमिक शिक्षा में कहानी और खेल पद्धति का सफल प्रयोग प्रस्तुत किया था (NCF-FS 2022 - NCERT)।

68. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान बच्चों की प्रगति की निगरानी और सुधार हेतु किया जाने वाला आकलन **'रचनात्मक आकलन' (Formative Assessment / Assessment FOR Learning)** कहलाता है।

69. सत्र के अंत में बच्चों को ग्रेड या प्रमाणपत्र देने हेतु किया जाने वाला आकलन **'योगात्मक आकलन' (Summative Assessment / Assessment OF Learning)** कहलाता है।

70. जब छात्र स्वयं अपने कार्य का मूल्यांकन करता है या सहपाठी एक-दूसरे का आकलन करते हैं, तो उसे **'अधिगम के रूप में आकलन' (Assessment AS Learning)** कहा जाता है (NCF-SE 2023 - NCERT)।

71. छात्र की सीखने संबंधी कमियों और कठिनाइयों के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए **'निदानात्मक परीक्षण' (Diagnostic Test)** किया जाता है और उन कमियों को दूर करने के लिए **'उपचारात्मक शिक्षण' (Remedial Teaching)** दिया जाता है।

72. **सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE)** में 'सतत' का अर्थ नियमितता से और 'व्यापक' का अर्थ **शैक्षिक (Scholastic) एवं सह-शैक्षिक (Co-Scholastic) दोनों पक्षों** के समग्र आकलन से है।

73. बेंजामिन ब्लूम के संशोधित संज्ञानात्मक वर्गीकरण (2001) के 6 स्तर नीचे से ऊपर क्रमशः हैं: **स्मरण करना समझना अनुप्रयोग करना विश्लेषण करना मूल्यांकन करना सृजन करना** (NCF-SE 2023 - NCERT)।

74. किसी मानकीकृत परीक्षण का वह गुण जिसके द्वारा वह ठीक उसी उद्देश्य को मापता है जिसके लिए उसे बनाया गया है, **'वैधता' (Validity)** कहलाता है, और बार-बार समान परिणाम देना **'विश्वसनीयता' (Reliability)** कहलाता है।

75. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **29 जुलाई 2020** को मंजूरी दी, जिसकी मसौदा समिति के अध्यक्ष पूर्व इसरो प्रमुख **डॉ. के. कस्तूरीरंगन** थे (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय)।

76. NEP 2020 ने पुरानी **10+2** स्कूली संरचना को बदलकर **3 से 18 वर्ष** की आयु के लिए **5+3+3+4** की नई शैक्षणिक और पाठ्यचर्या संरचना लागू की है (NEP 2020 - NCERT)।

77. NEP 2020 के अनुसार **5+3+3+4** में प्रथम 5 वर्ष **फाउंडेशनल स्टेज** (3 वर्ष आंगनवाड़ी/बालवाटिका + 2 वर्ष कक्षा 1 व 2; आयु 3–8 वर्ष) हैं।

78. NEP 2020 में अगले 3 वर्ष **प्रिपरेटरी स्टेज** (कक्षा 3–5; आयु 8–11 वर्ष), उसके बाद के 3 वर्ष **मिडिल स्टेज** (कक्षा 6–8; आयु 11–14 वर्ष) और अंतिम 4 वर्ष **सेकेंडरी स्टेज** (कक्षा 9–12; आयु 14–18 वर्ष) हैं।

79. NEP 2020 के अनुसार कम से कम **कक्षा 5 तक** (और वरीयता के साथ कक्षा 8 और उससे आगे तक) शिक्षा का माध्यम (Medium of Instruction) **मातृभाषा / स्थानीय भाषा / क्षेत्रीय भाषा** होगी (NEP 2020 - NCERT)।

80. NEP 2020 के तहत **कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education), कोडिंग (Coding) और 10 दिनों के 'बैगलेस डेज' (इंटर्नशिप)** शुरू करने का प्रावधान है।

81. NEP 2020 के तहत सभी शिक्षा बोर्डों के मूल्यांकन मानक तय करने के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र **'परख' (PARAKH)** की स्थापना की गई है (NEP 2020 - NCERT)।

82. NEP 2020 में छात्रों के रिपोर्ट कार्ड को **'360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड' (Holistic Progress Card - HPC)** बनाया गया है, जिसमें संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक क्षेत्रों के साथ स्व-आकलन और सहपाठी आकलन शामिल है।

83. शिक्षा मंत्रालय द्वारा **5 जुलाई 2021** को प्रारंभ किए गए **'निपुण भारत मिशन' (NIPUN Bharat)** का लक्ष्य वर्ष **2026–27** तक **कक्षा 3 के अंत तक** प्रत्येक बच्चे में बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान **(FLN)** सुनिश्चित करना है।

84. NCERT द्वारा **20 अक्टूबर 2022** को जारी **NCF-FS 2022** (फाउंडेशनल स्टेज) में भारतीय परंपरा के **'पंचकोश विकास'** (अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय, आनंदमय) और **'पंचपदी'** (अदिति, बोध, अभ्यास, प्रयोग, प्रसार) को अपनाया गया है (NCF-FS 2022 - NCERT)।

85. **NCF-SE 2023** (NCERT द्वारा अगस्त 2023 में जारी) के अनुसार बोर्ड परीक्षाओं के तनाव को कम करने के लिए छात्रों को एक शैक्षणिक वर्ष में **दो बार बोर्ड परीक्षा देने का अवसर** दिया जाएगा और सर्वश्रेष्ठ अंक मान्य होंगे (NCF-SE 2023 - NCERT)।

86. NEP 2020 के अनुसार स्कूली शिक्षा में 100% सकल नामांकन अनुपात **(100% GER)** का लक्ष्य **2030** तक और उच्च शिक्षा में **50% GER** का लक्ष्य **2035** तक निर्धारित किया गया है।

87. NEP 2020 के अनुसार वर्ष **2030** तक शिक्षण व्यवसाय में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता **4-वर्षीय एकीकृत बी.एड. डिग्री (ITEP)** होगी और प्रत्येक शिक्षक/प्रधानाचार्य के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम **50 घंटे का सतत व्यावसायिक विकास (CPD)** प्रशिक्षण अनिवार्य है (NEP 2020 - NCERT)।

88. उच्च शिक्षा में एकल नियामक के रूप में **भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (HECI)** का प्रस्ताव है जिसके 4 स्वतंत्र स्तंभ **NHERC (विनियमन), NAC (प्रत्यायन), HEGC (अनुदान) और GEC (सामान्य शिक्षा परिषद)** हैं (चिकित्सा और विधिक शिक्षा को छोड़कर)।

89. **86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002** द्वारा संविधान में **अनुच्छेद 21A** जोड़कर 6 से 14 वर्ष के बच्चों की निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया गया (RTE Act 2009 - India Code)।

90. **निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act), 2009** में कुल 7 **अध्याय, 38 धाराएं और 1 अनुसूची** है तथा यह **1 अप्रैल 2010** से लागू हुआ।

91. RTE Act 2009 की **धारा 12(1)(c)** के अनुसार सभी गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों को अपनी प्रारंभिक कक्षा (कक्षा 1 या प्री-स्कूल) में दुर्बल वर्ग और वंचित समूह के बच्चों के लिए कम से कम **25% सीटें आरक्षित** रखनी होंगी।

92. RTE Act 2009 की **धारा 13** प्रवेश के समय किसी भी प्रतिव्यक्ति शुल्क (Capitation Fee) या बच्चे/माता-पिता की स्क्रीनिंग परीक्षा लेने को दंडनीय बनाती है और **धारा 17** शारीरिक दंड व मानसिक उत्पीड़न पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है (RTE Act 2009 - India Code)।

93. RTE Act 2009 की **धारा 21** के तहत गठित विद्यालय प्रबंधन समिति **(SMC)** में कम से कम **75% सदस्य माता-पिता/संरक्षक** और कुल सदस्यों में **50% महिलाएं** होनी अनिवार्य हैं।

94. RTE Act 2009 की अनुसूची के अनुसार प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5) पर न्यूनतम **200 कार्यदिवस व 800 शैक्षणिक घंटे** तथा उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8) पर न्यूनतम **220 कार्यदिवस व 1000 शैक्षणिक घंटे** और शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह **45 कार्य-घंटे** निर्धारित हैं।

95. RTE Act 2009 की **धारा 27** शिक्षकों को केवल **तीन गैर-शैक्षणिक कार्यों (दशकीय जनगणना, आपदा राहत और चुनाव)** में लगाने की अनुमति देती है और **धारा 28** शिक्षकों द्वारा प्राइवेट ट्यूशन पढ़ाने पर पूर्ण रोक लगाती है (RTE Act 2009 - India Code)।

96. **NCERT के सूक्ष्म-शिक्षण चक्र (Micro-Teaching Cycle)** की कुल अवधि **36 मिनट** होती है (शिक्षण 6 मि. + प्रतिपुष्टि 6 मि. + पुनः योजना 12 मि. + पुनः शिक्षण 6 मि. + पुनः प्रतिपुष्टि 6 मि.)।

97. शिक्षण के प्रमुख सूत्रों (Maxims of Teaching) में शिक्षा हमेशा **'ज्ञात से अज्ञात की ओर'**, **'सरल से जटिल की ओर'**, **'मूर्त से अमूर्त की ओर'**, **'पूर्ण से अंश की ओर'** और **'आगमन से निगमन की ओर'** चलती है (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

98. जब कोई शिक्षक अपनी खुद की कक्षा की किसी तात्कालिक व्यावहारिक समस्या का वैज्ञानिक तरीके से त्वरित समाधान निकालने के लिए शोध करता है, तो उसे **'क्रियात्मक अनुसंधान' (Action Research — स्टीफन एम. कोरे द्वारा प्रवर्तित)** कहते हैं।

99. कक्षा में जब किसी छात्र की पूर्व उपलब्धियों के आधार पर उसके किसी नए कार्य का मूल्यांकन सकारात्मक या नकारात्मक पूर्वाग्रह से प्रभावित हो जाता है, तो उसे **'परिवेश प्रभाव' (Halo Effect)** कहते हैं, और शिक्षक की अपेक्षाओं के अनुसार छात्र के प्रदर्शन में सुधार होने को **'पिग्मेलियन प्रभाव' (Pygmalion Effect)** कहते हैं (IUC Academy)।

100. भारत सरकार के डिजिटल शिक्षा प्लेटफॉर्म **DIKSHA** का पूर्ण रूप *Digital Infrastructure for Knowledge Sharing* है, **SWAYAM** का पूर्ण रूप *Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds* है और **NISHTHA** का पूर्ण रूप *National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement* है (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय)।

बुक 21 एवं बुक 22 — परीक्षा-कक्ष परिस्थितिजन्य अभ्यास (Situational Case Studies), विधिक बनाम शैक्षणिक अभिरुचि निर्णय-मैट्रिक्स एवं त्वरित मिलान सारणियां

1. पुलिस एवं विधीय अभिरुचि (बुक 21) — 25 परिस्थितिजन्य निर्णय केस-स्टडी (Situational Police Decision Matrix)

केस सं.	फील्ड परिस्थिति / घटना का विवरण	लागू विधिक धारा (BNS / BNSS / BSA 2023)	पुलिस अधिकारी की सही विधिक कार्यवाही	आधिकारिक संदर्भ
1	एक महिला दूसरे जिले के पुलिस थाने में आकर गंभीर संज्ञेय अपराध की रिपोर्ट लिखवाना चाहती है।	**BNSS धारा 173(1)** (Zero FIR)	थाना प्रभारी बिना क्षेत्राधिकार का बहाना बनाए तत्काल **Zero FIR** दर्ज करेगा और संबंधित थाने को भेजेगा।	BNSS 2023 - India Code
2	एक पीड़ित व्यक्ति ई-मेल/पोर्टल के माध्यम से संज्ञेय अपराध की ई-सूचना (e-FIR) भेजता है।	**BNSS धारा 173(1)(ii)** (e-FIR)	सूचनादाता द्वारा **3 दिनों के भीतर** हस्ताक्षर किए जाने पर इसे औपचारिक FIR के रूप में दर्ज किया जाएगा।	BNSS 2023 - India Code
3	एक थाना प्रभारी संज्ञेय अपराध की FIR दर्ज करने से मना कर देता है।	**BNSS धारा 173(4)**	पीड़ित पहले डाक/इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से **SP (पुलिस अधीक्षक)** को सूचना भेजेगा, फिर मजिस्ट्रेट के पास आवेदन करेगा।	BNSS 2023 - India Code
4	5 वर्ष की अधिकतम सजा वाले एक संज्ञेय मामले में प्रथम दृष्टया सत्यता संदिग्ध है।	**BNSS धारा 173(3)** (प्रारंभिक जांच)	पुलिस उपाधीक्षक (**DSP**) की पूर्व अनुमति से **14 दिनों के भीतर** प्रारंभिक जांच (Preliminary Enquiry) की जाएगी।	त्वरित न्याय प्रावधान - गृह मंत्रालय
5	2 वर्ष की सजा वाले अपराध में 65 वर्षीय बुजुर्ग की गिरफ्तारी की आवश्यकता पड़ती है।	**BNSS धारा 35(7)**	3 वर्ष से कम सजा वाले अपराध में 60+ वर्ष या शिथिल व्यक्ति की गिरफ्तारी हेतु **DSP की पूर्व अनुमति** अनिवार्य है।	BNSS 2023 - India Code
6	रात्रि 10 बजे किसी महिला अभियुक्त को अति-आवश्यक परिस्थिति में गिरफ्तार करना है।	**BNSS धारा 43(5)**	महिला पुलिस अधिकारी द्वारा प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट (**JMFC**) की पूर्व लिखित अनुमति लेकर ही गिरफ्तारी होगी।	BNSS 2023 - India Code
7	एक खतरनाक आतंकवादी या संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्य को न्यायालय ले जाते समय भागने की आशंका है।	**BNSS धारा 43(3)**	पुलिस अधिकारी को सुरक्षा हेतु **हथकड़ी (Handcuffs)** का प्रयोग करने का वैधानिक अधिकार है।	BNSS 2023 - India Code
8	हत्या या डकैती (7 वर्ष या अधिक सजा वाले अपराध) की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचती है।	**BNSS धारा 176(3)**	घटनास्थल पर **फॉरेंसिक विशेषज्ञ (Forensic Expert)** को बुलाकर साक्ष्य संकलन और मोबाइल पर वीडियोग्राफी अनिवार्य है।	BNSS 2023 - India Code
9	पुलिस किसी संदिग्ध घर की तलाशी लेती है और अवैध हथियार जब्त करती है।	**BNSS धारा 105**	पूरी तलाशी और जब्ती सूची की **ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग** करना और बिना देरी मजिस्ट्रेट को भेजना अनिवार्य है।	BNSS 2023 - India Code
10	गिरफ्तार अभियुक्त ने शुरुआती 10 दिन अस्पताल में भर्ती रहकर बिता दिए ताकि पुलिस रिमांड न मिल सके।	**BNSS धारा 187(2)**	पुलिस शुरुआती **40 दिन या 60 दिन** की अवधि के भीतर कभी भी कुल **15 दिन का पुलिस रिमांड** मांग सकती है।	BNSS 2023 - India Code
11	बलात्संग या पॉक्सो (POCSO) मामले में FIR दर्ज की गई है।	**BNSS धारा 193(2) एवं 184(6)**	चिकित्सक **7 दिन** में मेडिकल रिपोर्ट देगा और पुलिस **2 महीने (60 दिन)** के भीतर अन्वेषण पूरा करेगी।	त्वरित न्याय प्रावधान - गृह मंत्रालय
12	एक व्यक्ति ने पहली बार ₹3,500 मूल्य की साइकिल चुराई और पकड़े जाने पर साइकिल वापस कर दी।	**BNS धारा 303(2) का परंतुक**	₹5,000 से कम की प्रथम चोरी में संपत्ति लौटाने पर न्यायालय कारावास के स्थान पर **सामुदायिक सेवा** दे सकता है।	BNS 2023 - India Code
13	बाइक सवार बदमाश सड़क पर चलती महिला के गले से सोने की चेन झपटकर भाग गया।	**BNS धारा 304** (Snatching)	इसे साधारण चोरी नहीं बल्कि **'छीना-झपटी' (धारा 304)** के तहत दर्ज किया जाएगा (3 वर्ष तक कारावास)।	BNS PDF - NCRB MHA

केस सं.	फील्ड परिस्थिति / घटना का विवरण	लागू विधिक धारा (BNS / BNSS / BSA 2023)	पुलिस अधिकारी की सही विधिक कार्यवाही	आधिकारिक संदर्भ
14	6 लोगों की भीड़ ने भाषा या जाति के आधार पर एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी।	**BNS धारा 103(2)** (Mob Lynching)	5 या अधिक व्यक्तियों द्वारा मॉब लिंचिंग में समूह के प्रत्येक सदस्य पर मृत्युदंड या आजीवन कारावास की धारा लगेगी।	BNS 2023 - India Code
15	एक गिरोह ने 14 वर्ष के बालक को पैसे का लालच देकर मादक पदार्थ या चोरी के काम में लगाया।	**BNS धारा 95**	अपराध हेतु बालक को नियोजित करने पर **न्यूनतम 7 वर्ष से 10 वर्ष तक के कारावास** की धारा दर्ज होगी।	BNS PDF - NCRB MHA
16	एक व्यक्ति ने सरकारी नौकरी या शादी का झूठा वादा करके महिला का यौन शोषण किया।	**BNS धारा 69**	धोखेपूर्ण साधनों से यौन संबंध बनाने के लिए **10 वर्ष तक के कारावास** का मामला दर्ज होगा।	BNS 2023 - India Code
17	एक व्यक्ति ने सरकारी अतिक्रमण हटाने गई पुलिस टीम को रोकने के लिए आत्मदाह का प्रयास किया।	**BNS धारा 226**	लोक सेवक को कर्तव्य से रोकने हेतु आत्महत्या का प्रयास करने पर **1 वर्ष तक कारावास या सामुदायिक सेवा**।	BNS 2023 - India Code
18	एक संगठित गिरोह ने प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक कर बेचने का प्रयास किया।	**BNS धारा 112**	'छोटे संगठित अपराध' (Petty Organised Crime) के तहत **1 से 7 वर्ष तक के कारावास** का अभियोग चलेगा।	BNS 2023 - India Code
19	आतंकवादी कृत्य की घटना में यह तय करना है कि केस UAPA में दर्ज हो या BNS धारा 113 में।	**BNS धारा 113 (स्पष्टीकरण)**	यह निर्णय केवल **पुलिस अधीक्षक (SP)** या उससे उच्च रैंक का अधिकारी ही लिखित रूप में करेगा।	BNS 2023 - India Code
20	एक 6 वर्ष के बच्चे ने खेल-खेल में माचिस जलाकर पड़ोसी की झोपड़ी जला दी।	**BNS धारा 20** (*Doli Incapax*)	7 वर्ष से कम आयु के शिशु को पूर्ण आपराधिक उन्मुक्ति प्राप्त है; उसके विरुद्ध कोई अपराध नहीं बनता।	BNS PDF - NCRB MHA
21	पुलिस हिरासत में अभियुक्त ने बताया कि उसने हत्या का चाकू कहां छिपाया है और पुलिस ने चाकू बरामद कर लिया।	**BSA धारा 23 का परंतुक**	अपराध की संस्वीकृति अमान्य है, किंतु चाकू छिपाने के स्थान की जानकारी वाला भाग साक्ष्य में पूर्णतः ग्राह्य है।	BSA 2023 - India Code
22	अपराध स्थल के CCTV फुटेज और व्हाट्सएप चैट को न्यायालय में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करना है।	**BSA धारा 57 एवं धारा 63**	अनुसूची के प्रारूप (भाग A व भाग B में हैश वैल्यू सहित) में **धारा 63 का प्रमाणपत्र** संलग्न कर प्रस्तुत किया जाएगा।	BSA 2023 - India Code
23	एक उद्घोषित अपराधी (Proclaimed Offender) विदेश भाग गया और विचारण में उपस्थित नहीं हो रहा है।	**BNSS धारा 356**	आरोप विरचन के **90 दिन** बाद न्यायालय उसकी अनुपस्थिति में ही विचारण (*Trial in Absentia*) पूरा कर सजा सुनाएगा।	BNSS 2023 - India Code
24	एक नागरिक के बैंक खाते से यूपीआई फिशिंग लिंक द्वारा ₹80,000 की साइबर ठगी हो गई।	**IT Act धारा 66C/66D एवं BNS 318**	पीड़ित को तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन **1930** या `cybercrime.gov.in` पर रिपोर्ट कराने में सहायता दी जाएगी।	गृह मंत्रालय
25	शहर में साम्प्रदायिक तनाव या दंगे की प्रबल आशंका के कारण तत्काल भीड़ जुटने पर रोक लगानी है।	**BNSS धारा 163** (पुरानी CrPC 144)	जिला मजिस्ट्रेट या अधिकृत कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की जाएगी।	BNSS संकलन सूचकांक - MHA

2. बाल विकास एवं शिक्षण अभिरुचि (बुक 22) — 25 कक्षा-कक्ष परिस्थितिजन्य पेडागॉजी निर्णय-मैट्रिक्स (Classroom Pedagogy Decision Matrix)

केस सं.	कक्षा-कक्ष की शैक्षणिक परिस्थिति	संबंधित मनोवैज्ञानिक / नीतिगत सिद्धांत	शिक्षक का सर्वोत्तम बाल-केंद्रित निर्णय (Positive Tag)	आधिकारिक संदर्भ
1	कक्षा 2 का एक छात्र गणित का सवाल हल करते समय खुद से धीमी आवाज में बोलकर चरण दोहरा रहा है।	**लेव वायगोत्स्की (निजी वाक् / Private Speech)**	शिक्षक उसे चुप नहीं कराएगा, क्योंकि यह 'निजी वाक्' बच्चे को अपने चिंतन के **स्व-नियमन (Self-Regulation)** में मदद कर रहा है।	NCF-FS 2022 - NCERT
2	5 वर्ष की बच्ची कहती है कि चौड़े गिलास से पतले लंबे गिलास में पानी डालने पर पानी ज्यादा हो गया।	**जीन पियाजे (पूर्व-संक्रियात्मक — केंद्रीकरण / Centration)**	बच्ची अभी संरक्षण (Conservation) नहीं सीख पाई है; शिक्षक उसे स्वयं दोनों गिलासों में पानी पलटकर देखने का मूर्त अनुभव देगा।	NCF-FS 2022 - NCERT

केस सं.	कक्षा-कक्ष की शैक्षणिक परिस्थिति	संबंधित मनोवैज्ञानिक / नीतिगत सिद्धांत	शिक्षक का सर्वोत्तम बाल-केंद्रित निर्णय (Positive Tag)	आधिकारिक संदर्भ
3	एक छात्र पहेली के आधे हिस्से पर अटक गया है और आगे नहीं बढ़ पा रहा है।	**वायगोत्स्की एवं ब्रूनर (ZPD एवं पाड़ / Scaffolding)**	शिक्षक पूरा उत्तर बताने के बजाय उसे **संकेत (Hints) या आधा हल किया उदाहरण** देकर अस्थायी सहायता (Scaffolding) देगा।	NCF-SE 2023 - NCERT
4	एक छात्र बार-बार `b` को `d` और `6` को `9` लिखता है तथा पढ़ने में अटकता है, पर मौखिक उत्तर सही देता है।	**डिस्लेक्सिया (Dyslexia) एवं बहु-संवेदी शिक्षण**	उसे डांटने या आलसी कहने के बजाय फोनेटिक कार्ड, स्पर्शनीय अक्षर और ऑडियो-विजुअल सामग्री का उपयोग किया जाएगा।	NEP 2020 - NCERT
5	एक आदिवासी या ग्रामीण क्षेत्र का बच्चा कक्षा 1 में अपनी मातृभाषा/स्थानीय बोली में बात करता है।	**NEP 2020 एवं NCF 2005 (बहुभाषिकता / Multilingualism)**	उसकी मातृभाषा का सम्मान करते हुए उसे **संसाधन (Resource)** के रूप में प्रयोग किया जाएगा और मातृभाषा से मानक भाषा का पुल बनाया जाएगा।	NEP 2020 - NCERT
6	कक्षा में एक दृष्टिबाधित (Visually Impaired) छात्र प्रवेश लेता है।	**RPwD Act 2016 एवं समावेशी शिक्षा (UDL)**	उसे आगे की पंक्ति में बैठाया जाएगा, **ब्रेल पुस्तकें, स्पर्शनीय मानचित्र (Tactile Maps), ऑडियो रिकॉर्डिंग** उपलब्ध कराई जाएंगी और मौखिक विवरण दिया जाएगा।	दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code
7	कक्षा में एक श्रवणबाधित (Hearing Impaired) छात्र को समझने में कठिनाई हो रही है।	**समावेशी शिक्षा एवं दृश्य-सहायक शिक्षण**	शिक्षक बोलते समय अपना चेहरा छात्र की ओर रखेगा (ताकि वह Lip-reading कर सके) और अधिकाधिक चित्रों, चार्ट व सांकेतिक भाषा का प्रयोग करेगा।	NCF-SE 2023 - NCERT
8	एक छात्र कक्षा में बहुत जल्दी अपना कार्य पूरा कर लेता है और खाली बैठकर शरारत करने लगता है।	**प्रतिभाशाली बालक (Gifted Child — IQ 140+)**	उसे सामान्य कार्य बार-बार कराने के बजाय **उच्च-स्तरीय चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट और संवर्धित पाठ्यचर्या (Enrichment Program)** दी जाएगी।	NCF-SE 2023 - NCERT
9	एक छात्र से जब पूछा गया कि "ईंट का उपयोग क्या है?", तो उसने घर बनाने के अलावा 10 अनोखे उपयोग बताए।	**अपसारी चिंतन (Divergent Thinking) एवं सृजनात्मकता**	शिक्षक उसके मौलिक विचारों को प्रोत्साहित करेगा क्योंकि यह अपसारी चिंतन और सृजनात्मकता का लक्षण है।	NCF-SE 2023 - NCERT
10	गणित के भिन्न (Fractions) के सवालों में अधिकांश बच्चे हर (Denominator) को सीधे जोड़ने की गलती कर रहे हैं।	**निदानात्मक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण**	शिक्षक समझेगा कि बच्चों में वैचारिक त्रुटि है; वह कागज मोड़ने या रोटी के टुकड़ों के मूर्त उदाहरण से उपचारात्मक शिक्षण देगा।	NCF-SE 2023 - NCERT
11	एक निजी स्कूल गरीब वर्ग के बच्चे से प्रवेश के समय डोनेशन मांगता है और माता-पिता का इंटरव्यू लेता है।	**RTE Act 2009 की धारा 12(1)(c) एवं धारा 13**	यह वैधानिक अपराध है; धारा 12(1)(c) के तहत 25% सीटें निःशुल्क हैं और धारा 13 के तहत कैपिटेशन फीस पर 10 गुना जुर्माना है।	RTE Act 2009 - India Code
12	10 वर्ष का एक बालक जिसने कभी स्कूल नहीं देखा, अब विद्यालय में प्रवेश लेने आता है।	**RTE Act 2009 की धारा 4 (आयु के अनुरूप कक्षा)**	उसे कक्षा 1 में नहीं, बल्कि उसकी 10 वर्ष की आयु के अनुसार **कक्षा 5** में प्रवेश दिया जाएगा और विशेष प्रशिक्षण देकर समकक्ष लाया जाएगा।	RTE Act 2009 - India Code
13	एक छात्र कक्षा में प्रश्न पूछते समय हकलाता है और अन्य बच्चे उस पर हंसते हैं।	**संवेदनशील एवं भयमुक्त कक्षा वातावरण**	शिक्षक सहपाठियों को संवेदनशील बनाएगा और उस छात्र को बिना समय के दबाव के अपनी बात पूरी करने का प्रोत्साहन देगा।	NCF-SE 2023 - NCERT
14	शिक्षक बच्चों को 'प्रकाश संश्लेषण' या 'अंकुरण' का पाठ पढ़ाना चाहता है।	**अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning - NEP 2020)**	परिभाषा रटाने के बजाय बच्चों से स्वयं चने के बीज भिगोकर अंकुरित कराने और विद्यालय उद्यान का अवलोकन कराने की गतिविधि कराई जाएगी।	NEP 2020 - NCERT
15	कक्षा में ADHD (अतिक्रियाशील) से प्रभावित छात्र 40 मिनट तक एक जगह बैठकर व्याख्यान नहीं सुन पाता।	**ADHD शैक्षणिक समायोजन**	शिक्षक 40 मिनट के कार्य को **10-10 मिनट के छोटे गतिविधि खंडों** में बांटेगा और उसे ब्लैकबोर्ड साफ करने या कॉपी बांटने जैसी सार्थक गतिविधि से जोड़ेगा।	NCF-SE 2023 - NCERT
16	एक छात्रा कहती है कि "गणित बहुत कठिन है और मैं कभी इसमें पास नहीं हो सकती।"	**अर्जित निस्सहायता (Learned Helplessness) का निवारण**	शिक्षक उसे छोटे-छोटे सरल लक्ष्यों में सफलता दिलाकर उसकी **स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy)** और महारत अभिविन्यास को बढ़ाएगा।	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम

केस सं.	कक्षा-कक्ष की शैक्षणिक परिस्थिति	संबंधित मनोवैज्ञानिक / नीतिगत सिद्धांत	शिक्षक का सर्वोत्तम बाल-केंद्रित निर्णय (Positive Tag)	आधिकारिक संदर्भ
17	विद्यालय के नाटक में शिक्षक हमेशा लड़कों को वीर योद्धा और लड़कियों को नर्स या मां की भूमिका देता है।	**लैंगिक पूर्वाग्रह (Gender Bias) का उन्मूलन**	शिक्षक को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाएं (लड़कियों को पायलट/वैज्ञानिक और लड़कों को पाक-कला/देखभाल) देकर लैंगिक समता स्थापित करनी चाहिए।	NCF-SE 2023 - NCERT
18	कक्षा 5 के बच्चों को व्याकरण के 'संज्ञा' या 'विशेषण' के नियम सिखाने हैं।	**आगमन से निगमन विधि (Inductive to Deductive)**	पहले बच्चों के परिचित नामों व वस्तुओं के **उदाहरण** दिए जाएंगे (आगमन), और फिर बच्चों की सहायता से **नियम/परिभाषा** निकलवाई जाएगी (निगमन)।	NCF-SE 2023 - NCERT
19	सत्र के अंत में केवल एक लिखित परीक्षा के आधार पर छात्रों को 'उत्कृष्ट' और 'फेल' की श्रेणी में बांटा जा रहा है।	**NEP 2020 का 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (HPC)**	मानकीकृत लेबलिंग के स्थान पर पोर्टफोलियो, प्रोजेक्ट, सहपाठी आकलन और स्व-आकलन सहित समग्र प्रगति कार्ड (HPC) अपनाया जाएगा।	NEP 2020 - NCERT
20	प्राथमिक विद्यालय में दोपहर से पहले कई बच्चे भूख और थकान के कारण पढ़ाई में ध्यान नहीं लगा पा रहे हैं।	**मैस्लो का आवश्यकता पदानुक्रम एवं NEP 2020 पोषण**	दैहिक आवश्यकता (पोषण) को पूरा करने के लिए मिड-डे मील (पीएम पोषण) और पौष्टिक नाश्ते की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।	NEP 2020 - NCERT
21	कक्षा 6 के छात्रों को स्थानीय व्यवसायों के प्रति सम्मान और व्यावहारिक कौशल सिखाना है।	**NEP 2020 के 10 बैगलेस डेज (10 Bagless Days)**	छात्रों को स्थानीय बढ़ई, कुम्हार, माली और कलाकारों के साथ 10 दिन की आनंददायी व्यावहारिक इंटर्नशिप कराई जाएगी।	NCF-SE 2023 - NCERT
22	बालवाटिका (3–6 वर्ष) के बच्चों को अक्षर और संख्या ज्ञान से परिचित कराना है।	**NCF-FS 2022 का 'जादुई पिटारा' एवं खेल-आधारित शिक्षाशास्त्र**	औपचारिक रटाई या पेंसिल से कॉपी भरने के बजाय कठपुतली, स्थानीय खिलौने, बाल-गीत और कहानी कार्ड्स (जादुई पिटारा) का उपयोग किया जाएगा।	NCF-FS 2022 - NCERT
23	कक्षा 11 का एक छात्र भौतिक विज्ञान (Physics) के साथ संगीत (Music) और इतिहास (History) पढ़ना चाहता है।	**NEP 2020 की बहु-विषयक लचीली संरचना**	सेकेंडरी स्टेज में कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच कोई कठोर विभाजन नहीं रहेगा; छात्र को अपनी रुचि के विषय चुनने की स्वतंत्रता होगी।	NEP 2020 - NCERT
24	एक छात्र अपनी खुद की सीखने की गति, अपनी कमजोरी और अपनी अध्ययन पद्धति का विश्लेषण करता है।	**अधिसंज्ञान (Metacognition) एवं Assessment AS Learning**	शिक्षक उसे चिंतनशील जर्नल (Reflective Diary) लिखने के लिए प्रोत्साहित करेगा जिससे उसका अधिसंज्ञानात्मक कौशल और सुदृढ़ हो।	NCF-SE 2023 - NCERT
25	शिक्षक अपनी कक्षा में छात्रों की बढ़ती अनुपस्थिति के कारणों को जानने और तुरंत सुधारने के लिए अध्ययन करना चाहता है।	**क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research — स्टीफन एम. कोरे)**	शिक्षक समस्या की पहचान कारणों का विश्लेषण क्रियात्मक परिकल्पना हस्तक्षेप और मूल्यांकन के माध्यम से तात्कालिक समाधान निकालेगा।	NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम

3. CTET / TET / KVS / DSSSB में *100% सटीक उत्तर पहचानने की 'IUC पॉजिटिव बनाम नेगेटिव टैग-वर्ड्स' मास्टर कुंजी*

• **सकारात्मक विकल्प पहचान (Positive Tag Words — जो उत्तर को सही बनाते हैं):**

• **सक्रिय अन्वेषण एवं जिज्ञासा (Active Exploration & Curiosity):** जहां बच्चे को स्वयं खोज करने, प्रश्न पूछने और प्रयोग करने का अवसर मिले (NCF-SE 2023 - NCERT)।

• **बहु-संवेदी एवं संदर्भात्मक अधिगम (Contextual & Multi-Sensory Learning):** पाठ्यपुस्तक के ज्ञान को बच्चे के दैनिक जीवन, घर के अनुभव और स्थानीय परिवेश से जोड़ना।

• **मातृभाषा एवं बहुभाषिकता को संसाधन मानना (Multilingualism as a Resource):** बच्चे की घर की भाषा को कभी बाधा न मानकर उसे सीखने की सीढ़ी बनाना (NEP 2020 - NCERT)।

• **अधिगम हेतु सार्वभौमिक डिजाइन (UDL) एवं विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction):** व्यक्तिगत भिन्नताओं का सम्मान करते हुए हर बच्चे की गति और शैली के अनुसार लचीला शिक्षण।

• **महारत अभिविन्यास (Mastery Orientation) एवं आंतरिक अभिप्रेरणा:** अंकों की होड़ के बजाय वैचारिक समझ (Conceptual Clarity) और सीखने के आनंद को बढ़ावा देना।

• **त्रुटियों को सीखने का हिस्सा मानना (Errors as Windows to Thinking):** बच्चे की गलतियों को उसके चिंतन की प्रक्रिया समझने का माध्यम मानना।

• **लोकतांत्रिक एवं समावेशी कक्षा वातावरण:** जहां प्रत्येक छात्र बिना किसी भय, भेदभाव या लेबलिंग के अपनी बात रख सके (IUC Academy)।

• **नकारात्मक विकल्प पहचान (Negative Tag Words — जिन्हें देखते ही विकल्प को हटाना है):**

• **रटंत स्मरण एवं यंत्रवत अभ्यास (Rote Memorization & Mechanical Drill):** बिना समझे परिभाषाएं या सूत्र याद करना।

• **केवल / मात्र / ही (Only / Merely):** ऐसे विकल्प जो किसी एक संकीर्ण कारण या केवल पाठ्यपुस्तक को ही एकमात्र सत्य बताते हैं।

• **दंड, भय, डांटना एवं कठोर अनुशासन (Punishment, Fear & Rigid Discipline):** RTE Act 2009 की धारा 17 के तहत पूर्णतः निषिद्ध (RTE Act 2009 - India Code)।

• **पृथक्करण एवं नामीकरण / लेबलिंग (Segregation & Labeling):** बच्चों को IQ या अंकों के आधार पर 'मंदबुद्धि', 'पिछड़ा' या 'कमजोर' कहकर अलग सेक्शन में बैठाना।

• **शिक्षक-केंद्रित एवं निष्क्रिय श्रवण (Teacher-Centric & Passive Listening):** जहां केवल शिक्षक बोलता है और छात्र मूक श्रोता बने रहते हैं।

• **मानकीकृत परीक्षण एवं अंकों की प्रतिस्पर्धा (Standardized Testing & Ranking):** सभी बच्चों को एक ही पैमाने से मापकर पास-फेल का ठप्पा लगाना (NEP 2020 - NCERT)।

• **लैंगिक रूढ़िवादिता एवं पूर्वाग्रह (Gender Stereotyping & Bias):** लड़कों और लड़कियों के लिए पारंपरिक भूमिकाएं या विषय तय करना।

4. IUC Academy की 36-पुस्तक श्रृंखला के अंतर्गत पुस्तक 21 एवं पुस्तक 22 की परीक्षा-वार उपयोगिता सारणी

क्र.सं.	लक्षित अखिल भारतीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा	पुस्तक 21 (BNS, BNSS, BSA एवं पुलिस विधि) की भूमिका	पुस्तक 22 (बाल विकास, शिक्षाशास्त्र एवं NEP 2020) की भूमिका	आधिकारिक तैयारी पोर्टल
1	**UP Police SI (उप-निरीक्षक) एवं Constable भर्ती**	मूल विधि (BNS 2023, BNSS 2023, BSA 2023), महिला/बाल संरक्षण, IT Act एवं मानसिक अभिरुचि के 40+ प्रश्नों का सीधा आधार	किशोर मनोविज्ञान, अपराध सुधार एवं सामुदायिक संवेदनशीलता के वैचारिक प्रश्न	IUC Academy
2	**RPF SI / Constable एवं रेलवे विभागीय परीक्षा (Rule 70/72)**	भारतीय न्याय संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता, साक्ष्य विधि एवं संवैधानिक आपराधिक प्रावधान	तार्किक निर्णय क्षमता, मानव व्यवहार एवं प्रशिक्षण मनोविज्ञान	IUC Academy
3	**CTET (Paper 1 एवं Paper 2) तथा सभी राज्यों की TET परीक्षाएं**	RTE Act 2009, RPwD Act 2016, POCSO Act 2012 एवं संवैधानिक बाल अधिकार (अनुच्छेद 21A, 24, 45)	30 अंकों का प्रत्यक्ष CDP खंड + 75 अंकों की विषयगत पेडागॉजी (कुल 105/150 अंक)	IUC Academy
4	**KVS, NVS, EMRS एवं DSSSB (PRT / TGT / PGT)**	बाल सुरक्षा कानून, पॉक्सो अधिनियम, आरटीई अधिनियम एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता	60 से 100 अंकों का शिक्षाशास्त्र, नेतृत्व, NEP 2020, NCF-SE 2023 एवं समावेशी शिक्षा	IUC Academy
5	**BPSC TRE (बिहार शिक्षक भर्ती), SUPER TET एवं REET**	संवैधानिक मूल्य, मौलिक अधिकार/कर्तव्य एवं विधिक जागरूकता	संपूर्ण शिक्षण कौशल, बाल मनोविज्ञान, जीवन कौशल एवं शैक्षिक प्रबंधन	IUC Academy
6	**UGC NET (Paper 1 — Teaching Aptitude) एवं B.Ed. प्रवेश परीक्षा**	उच्च शिक्षा के विधिक व नियामक ढांचे एवं साइबर कानून (IT Act 2000)	शिक्षण के स्तर (स्मृति, बोध, चिंतन), मूल्यांकन प्रणाली, SWAYAM, स्वयंप्रभा एवं NEP 2020	IUC Academy
7	**UPSC, State PCS (UPPSC/ BPSC/MPPSC) एवं न्यायिक सेवा (Judiciary)**	तीनों नए आपराधिक कानूनों (2023) का तुलनात्मक विश्लेषण, पुलिस सुधार व मानवाधिकार	सामाजिक न्याय, शिक्षा नीति (NEP 2020), निपुण भारत एवं मानव संसाधन विकास	IUC Academy

5. आधिकारिक सरकारी पोर्टल एवं संदर्भ निर्देशिका (100% प्रामाणिक स्रोत)

• **भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 — इंडिया कोड आधिकारिक पोर्टल:** https://www.indiacode.nic.in/handle/123456789/20062

• **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 — इंडिया कोड आधिकारिक पोर्टल:** https://www.indiacode.nic.in/handle/123456789/20099

• **भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA), 2023 — इंडिया कोड आधिकारिक पोर्टल:** https://www.indiacode.nic.in/handle/123456789/20063

• **गृह मंत्रालय (MHA) एवं एनसीआरबी संकलन पोर्टल (नए आपराधिक कानून):** https://www.ncrb.mha.gov.in/uploads/SankalanPortal/Index.html

• **गृह मंत्रालय, भारत सरकार (आधिकारिक वेबसाइट):** https://www.mha.gov.in/

• **निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act), 2009 — इंडिया कोड:** https://www.indiacode.nic.in/indiacode/handle/123456789/15938?view_type=browse

• **दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act), 2016 — इंडिया कोड:** https://www.indiacode.nic.in/indiacode/handle/123456789/19406?view_type=browse

• **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 — शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार:** https://www.education.gov.in/en/national-education-policy

• **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-SE 2023) — NCERT आधिकारिक दस्तावेज:** https://ncert.nic.in/pdf/NCFSE-2023-August_2023.pdf

• **फाउंडेशनल स्टेज हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS 2022) — NCERT:** https://ncert.nic.in/pdf/NCF_for_Foundational_Stage_20_October_2022.pdf

• **IUC Academy (Inclusive Universal Careers Academy) — निःशुल्क मॉक टेस्ट, ई-बुक्स एवं करियर पोर्टल:** https://www.iucacademy.com

6. पुस्तक 21 एवं पुस्तक 22 — प्रमुख विधिक सूक्तियां (Legal Maxims), मनोवैज्ञानिक शब्दावली एवं संक्षिप्त रूप (Acronyms) मास्टर कोश

(क) पुस्तक 21: आपराधिक विधि एवं साक्ष्य विधि की 35 अति-महत्वपूर्ण लैटिन विधिक सूक्तियां (Legal Maxims)

1. **Actus non facit reum nisi mens sit rea:** केवल कार्य किसी को अपराधी नहीं बनाता जब तक कि उसका मन भी दोषी (दुराशय / Mens Rea) न हो (BNS 2023 - India Code)।

2. **Ignorantia facti excusat, ignorantia juris non excusat:** तथ्य की भूल क्षम्य है, किंतु विधि (कानून) की भूल क्षम्य नहीं है (BNS धारा 14 एवं 17)।

3. **Doli Incapax:** अपराध करने में अक्षम — 7 वर्ष से कम आयु का शिशु (BNS धारा 20 / पुरानी IPC धारा 82) (BNS PDF - NCRB MHA)।

4. **Malitia supplet aetatem:** द्वेष आयु की कमी की पूर्ति करता है — 7 से 12 वर्ष के परिपक्व समझ वाले बालक के संदर्भ में (BNS धारा 21)।

5. **Furiosi nulla voluntas est:** पागल व्यक्ति की कोई स्वतंत्र इच्छा या दुराशय नहीं होता (BNS धारा 22 — विकृतचित्त व्यक्ति)।

6. **Necessitas non habet legem:** आवश्यकता कोई कानून नहीं जानती — बड़ी हानि को रोकने हेतु सद्भावनापूर्वक छोटी हानि करना (BNS धारा 19)।

7. **Volenti non fit injuria:** जिस क्षति के लिए व्यक्ति ने स्वयं सहमति दी है, उसके लिए वह शिकायत नहीं कर सकता (BNS धारा 25–28)।

8. **De minimis non curat lex:** कानून तुच्छ (छोटी-छोटी) बातों पर ध्यान नहीं देता (BNS धारा 33 / पुरानी IPC धारा 95) (BNS 2023 - India Code)।

9. **Res Gestae:** एक ही संव्यवहार (Same Transaction) का भाग बनने वाले तथ्य सुसंगत होते हैं (BSA धारा 4 / पुरानी IEA धारा 6) (BSA 2023 - India Code)।

10. **Plea of Alibi:** अन्यत्र उपस्थिति का अभिवचन — अपराध के समय अभियुक्त का किसी अन्य स्थान पर होना (BSA धारा 9 / पुरानी IEA धारा 11)।

11. **Nemo moriturus praesumitur mentiri:** मरता हुआ व्यक्ति झूठ नहीं बोलता — मृत्युकालिक कथन का आधार (BSA धारा 26(a) / पुरानी IEA धारा 32(1))।

12. **Nemo debet bis vexari pro una et eadem causa:** किसी भी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए दो बार अभियोजित और दंडित नहीं किया जाएगा (संविधान अनुच्छेद 20(2) एवं BNSS धारा 337) (BNSS 2023 - India Code)।

13. **Nemo tenetur seipsum accusare:** किसी भी व्यक्ति को स्वयं अपने विरुद्ध गवाह बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता (संविधान अनुच्छेद 20(3))।

14. **Nullum crimen, nulla poena sine lege:** बिना कानून के न कोई अपराध होता है और न ही कोई दंड (अनुच्छेद 20(1) — कार्योत्तर विधि से संरक्षण)।

15. **Audi alteram partem:** दूसरे पक्ष को भी सुनो — प्राकृतिक न्याय (Natural Justice) का आधारभूत सिद्धांत।

16. **Nemo judex in causa sua:** कोई भी व्यक्ति अपने स्वयं के मामले में न्यायाधीश नहीं हो सकता (पक्षपात के विरुद्ध नियम)।

17. **Ei incumbit probatio qui dicit, non qui negat:** सबूत का भार उस व्यक्ति पर होता है जो किसी तथ्य का अभिकथन (दावा) करता है, न कि उस पर जो इनकार करता है (BSA धारा 104) (BSA 2023 - India Code)।

18. **Falsus in uno, falsus in omnibus:** एक बात में झूठा, सब बातों में झूठा (भारतीय न्यायालयों में यह सिद्धांत कठोरता से लागू नहीं होता; न्यायालय भूसे से दाने को अलग करता है)।

19. **Habeas Corpus:** बंदी प्रत्यक्षीकरण — अवैध रूप से निरुद्ध व्यक्ति को सदेह न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की रिट (अनुच्छेद 32 एवं 226)।

20. **Mandamus:** परमादेश — हम आदेश देते हैं (लोक प्राधिकारी को अपने वैधानिक कर्तव्य का पालन करने हेतु न्यायालय का आदेश)।

21. **Quo Warranto:** अधिकार-पृच्छा — आपका प्राधिकार क्या है? (अवैध रूप से लोक पद धारण करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध रिट)।

22. **Certiorari:** उत्प्रेषण — कनिष्ठ न्यायालय या अधिकरण के क्षेत्राधिकार-विहीन आदेश को निरस्त करने की रिट।

23. **Prohibition:** प्रतिषेध — कनिष्ठ न्यायालय को अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाने से रोकने की न्यायिक रिट।

24. **Ubi jus ibi remedium:** जहां अधिकार है, वहां उपचार भी है (IUC Academy)।

25. **Injuria sine damno:** बिना किसी आर्थिक हानि के विधिक अधिकार का उल्लंघन (जो स्वयं में वाद-योग्य है — जैसे एशबी बनाम व्हाइट में मतदान से रोकना)।

26. **Damnum sine injuria:** बिना किसी विधिक अधिकार के उल्लंघन के हुई आर्थिक हानि (जिस पर कोई वाद नहीं चलता — जैसे वैध व्यापारिक प्रतिस्पर्धा)।

27. **Respondeat Superior:** वरिष्ठ को उत्तरदायी होने दो — स्वामी का अपने सेवक के कार्यों के लिए प्रतिनिधिक दायित्व (Vicarious Liability)।

28. **Qui facit per alium facit per se:** जो व्यक्ति किसी दूसरे के माध्यम से कार्य करता है, वह मानो स्वयं कार्य करता है (अभिकरण एवं दुष्प्रेरण का सिद्धांत)।

29. **Res Ipsa Loquitur:** परिस्थितियां स्वयं बोलती हैं — उपेक्षा (Negligence) के मामलों में प्रत्यक्ष साक्ष्य का सिद्धांत।

30. **Locus Standi:** न्यायालय के समक्ष वाद लाने का विधिक अधिकार (जनहित याचिका / PIL में इस नियम को उदार बनाया गया है)।

31. **Amicus Curiae:** न्यायमित्र — न्यायालय की सहायता के लिए नियुक्त निष्पक्ष अधिवक्ता।

32. **Suo Motu:** स्वप्रेरणा से — न्यायालय या आयोग (जैसे सुप्रीम कोर्ट या NHRC) द्वारा बिना किसी औपचारिक याचिका के स्वयं संज्ञान लेना (गृह मंत्रालय)।

33. **In Camera Trial:** बंद कमरे में विचारण — बलात्संग और पॉक्सो (POCSO) के मामलों में पीड़िता की गरिमा व गोपनीयता हेतु बंद कमरे में सुनवाई (BNSS धारा 366)।

34. **Sub Judice:** न्यायालय के विचाराधीन मामला।

35. **Sine Die:** अनिश्चित काल के लिए स्थगन (IUC Academy)।

(ख) पुस्तक 22: शिक्षाशास्त्र, NEP 2020 एवं शैक्षिक प्रौद्योगिकी के 35 अति-महत्वपूर्ण संक्षिप्त रूप (Educational Acronyms)

1. **NEP 2020:** National Education Policy 2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 — 29 जुलाई 2020 को स्वीकृत) (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय)।

2. **NCF-FS 2022:** National Curriculum Framework for Foundational Stage 2022 (3 से 8 वर्ष हेतु — 20 अक्टूबर 2022) (NCF-FS 2022 - NCERT)।

3. **NCF-SE 2023:** National Curriculum Framework for School Education 2023 (कक्षा 3 से 12 हेतु — अगस्त 2023) (NCF-SE 2023 - NCERT)।

4. **ECCE:** Early Childhood Care and Education (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा — 3 से 6 वर्ष)।

5. **FLN:** Foundational Literacy and Numeracy (बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान) (NEP 2020 - NCERT)।

6. **NIPUN Bharat:** National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy (5 जुलाई 2021 को प्रारंभ)।

7. **PARAKH:** Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development (राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र)।

8. **HPC:** Holistic Progress Card (360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड)।

9. **UDL:** Universal Design for Learning (अधिगम हेतु सार्वभौमिक डिजाइन — समावेशी कक्षा का आधार)।

10. **IEP:** Individualized Education Program (व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रम — विशेष आवश्यकता वाले प्रत्येक बच्चे के लिए अनुकूलित योजना)।

11. **RPwD Act 2016:** Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 — 21 दिव्यांगताएं) (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 - India Code)।

12. **RTE Act 2009:** Right of Children to Free and Compulsory Education Act, 2009 (निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009) (RTE Act 2009 - India Code)।

13. **CWSN:** Children With Special Needs (विशेष आवश्यकता वाले बच्चे)।

14. **SEDGs:** Socio-Economically Disadvantaged Groups (सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूह — NEP 2020)।

15. **ZPD:** Zone of Proximal Development (समीपस्थ विकास का क्षेत्र — लेव वायगोत्स्की) (NCERT B.Ed. पाठ्यक्रम)।

16. **MKO:** More Knowledgeable Other (अधिक जानकार अन्य — लेव वायगोत्स्की)।

17. **LAD:** Language Acquisition Device (भाषा अर्जन यंत्र — नोम चोम्स्की)।

18. **BICS:** Basic Interpersonal Communicative Skills (बुनियादी अंतर्वैयक्तिक संप्रेषणात्मक कौशल — जिम कमिंस: रोजमर्रा की आम बातचीत की भाषा)।

19. **CALP:** Cognitive Academic Language Proficiency (संज्ञानात्मक अकादमिक भाषा प्रवीणता — जिम कमिंस: कक्षा में विषयगत व अमूर्त अध्ययन की भाषा)।

20. **BALA:** Building as Learning Aid (अधिगम सहायक के रूप में भवन — स्कूल की दीवारों, सीढ़ियों और दरवाजों का शैक्षणिक उपयोग)।

21. **TLM:** Teaching-Learning Material (शिक्षण-अधिगम सामग्री)।

22. **CCE:** Continuous and Comprehensive Evaluation (सतत एवं व्यापक मूल्यांकन)।

23. **SMC:** School Management Committee (विद्यालय प्रबंधन समिति — RTE धारा 21)।

24. **SDP:** School Development Plan (विद्यालय विकास योजना — RTE धारा 22)।

25. **PTR:** Pupil-Teacher Ratio (छात्र-शिक्षक अनुपात — प्राथमिक में 30:1 एवं उच्च प्राथमिक में 35:1) (**RTE Act 2009 - India Code**)।

26. **DIKSHA:** Digital Infrastructure for Knowledge Sharing (दीक्षा — शिक्षकों व छात्रों हेतु राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म)।

27. **SWAYAM:** Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds (स्वयं — ऑनलाइन MOOCs प्लेटफॉर्म)।

28. **MOOC:** Massive Open Online Course (व्यापक ओपन ऑनलाइन कोर्स)।

29. **NISHTHA:** National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement (निष्ठा — एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम)।

30. **SAFAL:** Structured Assessment For Analyzing Learning (सफल — CBSE द्वारा कक्षा 3, 5 और 8 के लिए दक्षता-आधारित आकलन)।

31. **ABC:** Academic Bank of Credits (अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट — उच्च शिक्षा में बहु-प्रवेश एवं बहु-निकास हेतु डिजिटल क्रेडिट बैंक) (**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षा मंत्रालय**)।

32. **HECI:** Higher Education Commission of India (भारतीय उच्च शिक्षा आयोग — 4 वर्टिकल: NHERC, NAC, HEGC, GEC)।

33. **ITEP:** Integrated Teacher Education Programme (4-वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम — बी.ए.-बी.एड. / बी.एससी.-बी.एड.)।

34. **NPST:** National Professional Standards for Teachers (शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक — NCTE द्वारा NEP 2020 के तहत विकसित)।

35. **UDISE+:** Unified District Information System for Education Plus (स्कूली शिक्षा के आंकड़ों की एकीकृत राष्ट्रीय सूचना प्रणाली) (**IUC Academy**)।

अध्याय 1: बाल विकास की अवधारणा, सिद्धांत एवं समाजीकरण

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 1: बाल विकास की अवधारणा, सिद्धांत एवं समाजीकरण

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1
वृद्धि (Growth) बनाम विकास (Development)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 2
बाल विकास के प्रमुख मनोवैज्ञानिक सिद्धांत

1.1 वृद्धि (Growth) बनाम विकास (Development)

बाल मनोविज्ञान और शिक्षाशास्त्र (NCERT NCF-SE 2023) के अंतर्गत 'वृद्धि' और 'विकास' दो भिन्न किंतु परस्पर संबंधित प्रक्रियाएँ हैं:

• **वृद्धि (Growth):** यह केवल शारीरिक एवं कोशिकीय परिवर्तनों (जैसे— लंबाई, भार, आकार और हड्डियों के घनत्व में वृद्धि) को दर्शाती है। इसकी प्रकृति **मात्रात्मक (Quantitative)** होती है और यह परिपक्वता (Maturity — सामान्यतः किशोरावस्था के अंत) के पश्चात् रुक जाती है।

• **विकास (Development):** यह एक व्यापक और सतत प्रक्रिया है जो **गर्भावस्था (गर्भधारण / Conception) से लेकर मृत्यु पर्यंत (Womb to Tomb)** चलती रहती है। इसमें शारीरिक, संज्ञानात्मक (Cognitive), भाषाई, संवेगात्मक (Emotional), सामाजिक और नैतिक परिवर्तन शामिल हैं। विकास **मात्रात्मक और गुणात्मक (Quantitative & Qualitative)** दोनों होता है तथा इसमें होने वाले परिवर्तन **प्रगतिशील, सुव्यवस्थित और पूर्वानुमेय (Predictable)** होते हैं।

1.2 बाल विकास के प्रमुख मनोवैज्ञानिक सिद्धांत

1. **विकास की दिशा का सिद्धांत (Principle of Direction):**

• **शीर्षगामी सिद्धांत (Cephalocaudal Principle):** विकास सिर से पैर (Head to Toe / Longitudinal) की दिशा में होता है। उदाहरणार्थ, शिशु सबसे पहले अपने सिर पर नियंत्रण पाता है, फिर धड़/रीढ़ पर और अंत में पैरों के सहारे चलना सीखता है।

• **अधोगामी / समीपदूराभिमुख सिद्धांत (Proximodistal Principle):** विकास शरीर के केंद्र (रीढ़ की हड्डी / हृदय) से बाहर की ओर (Center to Periphery) होता है। उदाहरणार्थ, बालक पहले अपनी भुजाओं (कंधे और कोहनी) का उपयोग करना सीखता है और बाद में कलाई तथा उंगलियों से पेंसिल पकड़ने (सूक्ष्म गामक कौशल) पर नियंत्रण पाता है।

2. **स्थूल से सूक्ष्म गामक कौशल की ओर विकास (Gross to Fine Motor Skills):**

• **स्थूल गामक कौशल (Gross Motor Skills):** जिनमें शरीर की बड़ी मांसपेशियों का उपयोग होता है, जैसे— घुटनों के बल चलना, दौड़ना, कूदना, तैरना, फुटबॉल को लात मारना।

• **सूक्ष्म गामक कौशल (Fine Motor Skills):** जिनमें हाथ, उंगलियों और आंख के सूक्ष्म समन्वय (Eye-Hand Coordination) का उपयोग होता है, जैसे— सुई में धागा पिरोना, चित्र में रंग भरना, कलम से लिखना, शर्ट के बटन बंद करना, कागज को कैंची से काटना।

3. **निरंतरता एवं वर्तुलाकार प्रगति का सिद्धांत (Continuity & Spiral Advancement):** विकास कभी भी सीधी रेखा (Linear) में नहीं होता, बल्कि **वर्तुलाकार (Spiral)** होता है— बालक किसी चरण में तेजी से आगे बढ़ता है और फिर प्राप्त कौशलों को सुदृढ़ (Consolidate) करने के लिए थोड़ा विश्राम लेता है।

4. **आनुवंशिकता एवं वातावरण की अंतःक्रिया का सिद्धांत (D = H × E):** वुडवर्थ (Woodworth) के अनुसार विकास आनुवंशिकता (Heredity) और वातावरण (Environment) का **योगात्मक परिणाम नहीं बल्कि गुणनफल (Multiplicative Product)** है। आनुवंशिकता विकास की अधिकतम सीमा (Upper Limit / आधार) तय करती है, जबकि वातावरण उन संभावनाओं को साकार करने का अवसर प्रदान करता है।

5. **समाजीकरण की संस्थाएँ (Agencies of Socialization):**

• **प्राथमिक समाजीकरण (Primary Socialization): परिवार (Family)** और माता-पिता बालक के समाजीकरण की सर्वप्रथम और सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिक एजेंसी हैं।

• **द्वितीयक समाजीकरण (Secondary Socialization): विद्यालय (School)**, शिक्षक, समवयस्क समूह (Peers), पड़ोस, मीडिया, पुस्तकें और सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएँ द्वितीयक समाजीकरण के वाहक हैं।

अध्याय 2: संज्ञानात्मक, सामाजिक-सांस्कृतिक, नैतिक एवं मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 2: संज्ञानात्मक, सामाजिक-सांस्कृतिक, नैतिक एवं मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)	**लेव वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक विकास सिद्धांत (Lev Vygotsky's Sociocultural Theory)**	**लॉरेंस कोहलबर्ग का नैतिक विकास सिद्धांत (Lawrence Kohlberg's Theory of Moral Development)**	**एरिक एरिक्सन का मनोसामाजिक विकास सिद्धांत (Erik Erikson's Psychosocial Theory — 8 अवस्थाएँ)**

2.1 जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)

स्विस मनोवैज्ञानिक **जीन पियाजे (1896–1980)** को 'विकासात्मक मनोविज्ञान का जनक' कहा जाता है। उन्होंने बच्चों को **'नन्हे वैज्ञानिक' (Little Scientists)** कहा जो भौतिक संसार के साथ सक्रिय अन्वेषण करके अपने ज्ञान का स्वयं निर्माण करते हैं **(मौलिक संज्ञानात्मक रचनावाद / Radical Constructivism)**।

पियाजे के मूलभूत संप्रत्यय:

1. **स्कीमा (Schema):** मस्तिष्क में सूचनाओं को संगठित और व्याख्यायित करने की मानसिक संरचना या ज्ञान के प्रखंड (Mental Pockets of Information)।

2. **आत्मसातीकरण (Assimilation):** पूर्व-विद्यमान स्कीमा में किसी नई जानकारी को बिना किसी परिवर्तन के जोड़ लेना (जैसे— काले कुत्ते को जानने वाले बच्चे द्वारा सफेद कुत्ते को देखकर उसे भी 'कुत्ता' के स्कीमा में जोड़ना)।

3. **समायोजन / समंजन (Accommodation):** जब नई जानकारी पुराने स्कीमा में फिट नहीं होती, तो पुराने स्कीमा में संशोधन, परिवर्तन या नए स्कीमा का निर्माण करना (जैसे— बिल्ली को देखकर पहले उसे कुत्ता समझना, किंतु उसकी आवाज और आकार के अंतर को समझकर 'बिल्ली' का नया स्कीमा बनाना)।

4. **संतुलन / साम्यधारण (Equilibration):** आत्मसातीकरण और समायोजन के माध्यम से संज्ञानात्मक असंतुलन (Disequilibrium / भ्रम) की स्थिति से संतुलन (Equilibrium / स्पष्टता) की ओर बढ़ने की प्रक्रिया।

पियाजे की संज्ञानात्मक विकास की 4 अवस्थाएँ:

1. **संवेदी-गामक / इंद्रियजनित गामक अवस्था (Sensorimotor Stage — जन्म से 2 वर्ष):**

• शिशु अपनी इंद्रियों (आंख, कान, त्वचा, जीभ) और शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से दुनिया को समझता है।

• **वस्तु स्थायित्व (Object Permanence):** लगभग 18–24 माह के अंत तक शिशु यह समझ विकसित कर लेता है कि जो वस्तुएं आंखों के सामने से हटा दी गई हैं, उनका अस्तित्व समाप्त नहीं हुआ है।

• प्रतिवर्ती क्रियाओं (Reflex Actions) से लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार (Goal-Directed Behaviour) की ओर संक्रमण।

2. **पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational Stage — 2 से 7 वर्ष):**

• **प्रतीकात्मक विचार (Symbolic Thought) एवं भाषा का तीव्र विकास।**

• **जीववाद (Animism):** निर्जीव वस्तुओं (जैसे— गुड़िया, खिलौना, मेज, सूर्य या बादल) को सजीव समझना।

• **अहंकेंद्रितता (Egocentrism):** यह सोचना कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति उसी के दृष्टिकोण से सोचता और देखता है (*Three Mountains Task*)।

• **केंद्रीयकरण (Centration):** किसी वस्तु या घटना के केवल एक ही प्रमुख पहलू (जैसे— केवल गिलास की ऊंचाई) पर ध्यान केंद्रित करना और अन्य पहलुओं (चौड़ाई) की उपेक्षा करना।

• **अपरिवर्तनीयता / अनुत्क्रमणीयता (Irreversibility):** विचारों या क्रियाओं को मानसिक रूप से उलटने में असमर्थता (इसी कारण इस अवस्था में बालक में **संरक्षण / Conservation** का अभाव होता है)।

3. **मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage — 7 से 11 वर्ष):**

• **मूर्त वस्तुओं के संबंध में तार्किक चिंतन (Logical Thinking about Concrete Objects)** का प्रारंभ।

• **संरक्षण (Conservation):** यह समझ कि किसी वस्तु के बाहरी आकार या बर्तन को बदलने से उसकी मात्रा, द्रव्यमान या संख्या नहीं बदलती।

• **उत्क्रमणीयता / पलटावी गुण (Reversibility):** मानसिक रूप से प्रक्रिया को उलट पाने की क्षमता (जैसे— पानी से बर्फ और बर्फ से वापस पानी)।

• **विकेंद्रीकरण (Decentration), क्रमबद्धता (Seriation — वस्तुओं को आकार/लंबाई के आरोही या अवरोही क्रम में लगाना), वर्गीकरण (Classification)** एवं **सकर्मक अनुमान (Transitive Inference — यदि A > B और B > C, तो A > C)**।

• **आगमनात्मक तर्कणा (Inductive Reasoning):** विशिष्ट मूर्त उदाहरणों से सामान्य नियम की ओर बढ़ना।

4. **औपचारिक / अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Formal Operational Stage — 11 से 15 वर्ष एवं उससे आगे):**

• **अमूर्त चिंतन (Abstract Thinking)** और **परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्कणा (Hypothetico-Deductive Reasoning — सामान्य सिद्धांतों से विशिष्ट निष्कर्ष निकालना)** का विकास।

• **अपसारी एवं वैज्ञानिक समस्या-समाधान (Divergent & Scientific Problem Solving):** विभिन्न संभावनाओं का मानसिक परीक्षण करने की क्षमता।

2.2 लेव वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक विकास सिद्धांत (Lev Vygotsky's Sociocultural Theory)

रूसी मनोवैज्ञानिक **लेव वायगोत्स्की (1896–1934)** ने **सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)** की नींव रखी। उनके अनुसार बालक का संज्ञानात्मक विकास किसी निर्वात में नहीं, बल्कि **सामाजिक अंतःक्रिया (Social Interaction), संस्कृति (Culture) और भाषा (Language)** के माध्यम से होता है:

1. **समीपस्थ / निकटस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD):** बालक द्वारा बिना किसी सहायता के स्वतंत्र रूप से किए जा सकने वाले कार्य के स्तर (Actual Development Level) और किसी अधिक जानकार व्यक्ति के मार्गदर्शन में किए जा सकने वाले संभावित विकास स्तर (Potential Development Level) के बीच का अंतर **ZPD** कहलाता है।

2. **पाड़ / ढांचा / मचान (Scaffolding):** सीखने के प्रारंभिक चरण में किसी वयस्क या शिक्षक द्वारा बालक को दी जाने वाली **अस्थायी सहायता, संकेत (Hints), प्रश्न या मार्गदर्शन**, जिसे बालक के सक्षम होने के साथ-साथ धीरे-धीरे हटा लिया जाता है। (नोट: '*Scaffolding*' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम जेरोम ब्रूनर, वुड और रॉस ने वायगोत्स्की के *ZPD* के संदर्भ में किया था)।

3. **अधिक जानकार अन्य (More Knowledgeable Other - MKO):** वह कोई भी व्यक्ति (शिक्षक, माता-पिता, बड़ा भाई-बहन या यहाँ तक कि छोटा सहपाठी या कंप्यूटर भी) जिसके पास किसी विशिष्ट कार्य के संबंध में सीखने वाले से अधिक ज्ञान या कौशल हो।

4. **भाषा और विचार का संबंध (Language and Thought):**

• पियाजे का मानना था कि **विचार पहले आता है और भाषा बाद में**, जबकि वायगोत्स्की के अनुसार प्रारंभिक जीवन (लगभग 2–3 वर्ष की आयु तक) में भाषा और विचार दो स्वतंत्र समानांतर रेखाओं में विकसित होते हैं और लगभग **3 वर्ष की आयु में दोनों का विलय** हो जाता है।

• **निजी वाक् (Private Speech / आत्म-चर्चा):** 3 से 7 वर्ष के बच्चे जब बोल-बोलकर स्वयं से बात करते हुए अपना कार्य करते हैं, तो पियाजे ने इसे 'अहंकेंद्रित वाक्' (Egocentric Speech — अपरिपक्व एवं अनुपयोगी) कहा था, जबकि **वायगोत्स्की ने इसे 'निजी वाक्' (Private Speech)** कहा जो बालक के अपने व्यवहार, ध्यान और चिंतन को **स्व-नियंत्रित एवं निर्देशित (Self-Regulation)** करने का अत्यंत महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक उपकरण है। 7 वर्ष के बाद यही निजी वाक् **आंतरिक या मौन वाक् (Inner / Silent Speech)** में बदल जाता है।

2.3 लॉरेंस कोहलबर्ग का नैतिक विकास सिद्धांत (Lawrence Kohlberg's Theory of Moral Development)

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक **लॉरेंस कोहलबर्ग** ने पियाजे के नैतिक विकास के विचारों का विस्तार करते हुए बच्चों और वयस्कों के समक्ष **नैतिक दुविधाएँ (Moral Dilemmas — जिनमें सबसे प्रसिद्ध 'हिंज की दुविधा / Heinz Dilemma' है)** प्रस्तुत कीं और नैतिक तर्कणा (Moral Reasoning) को **3 स्तरों (Levels) और 6 अवस्थाओं (Stages)** में विभाजित किया:

1. **स्तर 1: पूर्व-परंपरागत / प्राक्-रूढ़िगत नैतिकता (Pre-Conventional Level — 4 से 10 वर्ष):** नैतिकता बाहरी नियंत्रण (दंड या पुरस्कार) से निर्धारित होती है।

• **अवस्था 1 — आज्ञापालन एवं दंड अभिविन्यास (Obedience and Punishment Orientation):** बालक केवल शारीरिक दंड से बचने के लिए नियमों का पालन करता है ("यदि मैं पकड़ा गया तो मुझे मार पड़ेगी")।

• **अवस्था 2 — यांत्रिक सापेक्षता / साधनात्मक उद्देश्य या 'जैसे को तैसा' अभिविन्यास (Instrumental Purpose / Tit-for-Tat / Mutual Exchange):** बालक अपने व्यक्तिगत लाभ और आदान-प्रदान के आधार पर सही-गलत तय करता है ("तुम मेरी पेंसिल दोगे तो मैं तुम्हें अपना टिफिन दूंगा")।

2. **स्तर 2: परंपरागत / रूढ़िगत नैतिकता (Conventional Level — 10 से 13 वर्ष एवं अधिकांश वयस्क):** नैतिकता सामाजिक मानकों, परिवार की अपेक्षाओं और कानून-व्यवस्था पर आधारित होती है।

• **अवस्था 3 — 'अच्छा लड़का - अच्छी लड़की' अभिविन्यास (Good Boy - Nice Girl / Interpersonal Accord Orientation):** दूसरों से प्रशंसा, स्वीकृति और अनुमोदन प्राप्त करने के लिए नैतिक व्यवहार करना ("मैं ऐसा करूंगा तो मम्मी-पापा और शिक्षक मुझे अच्छा बच्चा कहेंगे")।

• **अवस्था 4 — कानून एवं व्यवस्था अभिविन्यास (Law and Order / Social System Orientation):** सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमों और कानूनों का बिना अपवाद के पालन करना अपना कर्तव्य समझना ("कानून तोड़ना किसी भी स्थिति में गलत है, अन्यथा समाज में अराजकता फैल जाएगी")।

3. **स्तर 3: उत्तर-परंपरागत / पश्च-रूढ़िगत नैतिकता (Post-Conventional Level — 13 वर्ष से ऊपर):** नैतिकता आंतरिक विवेक और सार्वभौमिक मानवाधिकारों पर आधारित होती है।

• **अवस्था 5 — सामाजिक अनुबंध एवं व्यक्तिगत अधिकार अभिविन्यास (Social Contract and Individual Rights Orientation):** यह समझ कि कानून मानव कल्याण के लिए बनाए गए सामाजिक समझौते हैं; यदि कोई कानून किसी के जीवन या मूलभूत अधिकार की रक्षा नहीं कर पाता, तो लोकतांत्रिक तरीके से उसमें बदलाव किया जा सकता है।

• **अवस्था 6 — सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास (Universal Ethical Principles Orientation):** अंतरात्मा की आवाज (Conscience), न्याय, समानता और मानव जीवन की सर्वोच्च गरिमा के लिए सामाजिक नियमों या अपनी जान को भी जोखिम में डालना (जैसे— महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग जूनियर)।

• **कैरल गिलिगन (Carol Gilligan) की आलोचना:** कोहलबर्ग की ही शिष्या कैरल गिलिगन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक *In a Different Voice* (1982) में कोहलबर्ग के सिद्धांत को **लिंग-पक्षपाती (Gender-Biased)** बताया क्योंकि कोहलबर्ग का नमूना केवल पुरुषों पर आधारित था। गिलिगन के अनुसार पुरुष **'न्याय और नियमों की नैतिकता' (Ethics of Justice)** को प्राथमिकता देते हैं, जबकि महिलाएँ संबंधों, संवेदनशीलता और **'देखभाल की नैतिकता' (Ethics of Care)** को अधिक महत्व देती हैं।

2.4 एरिक एरिक्सन का मनोसामाजिक विकास सिद्धांत (Erik Erikson's Psychosocial Theory — *8 अवस्थाएँ*)

नव-फ्रायडवादी मनोवैज्ञानिक **एरिक एरिक्सन** ने अपनी पुस्तक *Childhood and Society* में संपूर्ण मानव जीवन-चक्र को **8 मनोसामाजिक संकटों (Psychosocial Crises)** में बांटा है:

1. **विश्वास बनाम अविश्वास (Trust vs. Mistrust — जन्म से 1.5 वर्ष, शैशवावस्था):** माता-पिता के स्नेह से **'आशा' (Hope)** सद्गुण का विकास।

2. **स्वायत्तता बनाम लज्जा एवं संदेह (Autonomy vs. Shame & Doubt — 1.5 से 3 वर्ष, प्रारंभिक बाल्यावस्था):** स्वयं कार्य करने से **'इच्छाशक्ति' (Will)** का विकास।

3. **पहल बनाम अपराधबोध (Initiative vs. Guilt — 3 से 6 वर्ष, पूर्व-विद्यालयी आयु):** नए खेल और प्रश्न पूछने से **'उद्देश्य' (Purpose)** का विकास।

4. **परिश्रम/उद्यम बनाम हीनता (Industry vs. Inferiority — 6 से 12 वर्ष, विद्यालयी आयु):** विद्यालयी कौशलों में दक्षता से **'सामर्थ्य' (Competence)** का विकास।

5. **पहचान बनाम भूमिका संभ्रांति (Identity vs. Role Confusion — 12 से 18 वर्ष, किशोरावस्था):** "मैं कौन हूँ?" की खोज और कैरियर/मूल्यों के निर्धारण से **'निष्ठा/कर्तव्यपरायणता' (Fidelity)** का विकास।

6. **आत्मीयता बनाम अलगाव (Intimacy vs. Isolation — 18 से 40 वर्ष, युवा प्रौढ़ावस्था):** गहरे संबंधों से **'प्रेम' (Love)** का विकास।

7. **उत्पादकता/जननात्मकता बनाम स्थिरता (Generativity vs. Stagnation — 40 से 65 वर्ष, मध्य प्रौढ़ावस्था):** अगली पीढ़ी के मार्गदर्शन से **'देखभाल' (Care)** का विकास।

8. **अहं संपूर्णता बनाम निराशा (Ego Integrity vs. Despair — 65 वर्ष से मृत्यु तक, वृद्धावस्था):** अपने जीवन के मूल्यांकन से **'प्रज्ञा/बुद्धिमत्ता' (Wisdom)** का विकास।

2.5 जेरोम ब्रूनर का संज्ञानात्मक एवं अन्वेषण अधिगम सिद्धांत (Jerome Bruner's Theory)

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक **जेरोम ब्रूनर** ने **अन्वेषण अधिगम (Discovery Learning)** और **सर्पिल पाठ्यचर्या (Spiral Curriculum — किसी विषय को प्रारंभिक कक्षाओं में सरल रूप में और उच्च कक्षाओं में बढ़ती हुई जटिलता के साथ बार-बार पढ़ाना)** का प्रतिपादन किया तथा संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व की **3 अवस्थाएँ** बताईं:

1. **क्रियात्मक अवस्था (Enactive Stage — जन्म से 1 वर्ष):** शारीरिक क्रियाओं और स्पर्श के माध्यम से सीखना।

2. **प्रतिबिंबात्मक / छायात्मक अवस्था (Iconic Stage — 1 से 6 वर्ष):** दृश्य चित्रों, मॉडल और मानसिक प्रतिमाओं (Visual Images) के माध्यम से सीखना।

3. **संकेतात्मक / प्रतीकात्मक अवस्था (Symbolic Stage — 7 वर्ष से आगे):** भाषा, शब्दों, गणितीय चिह्नों और अमूर्त प्रतीकों के माध्यम से चिंतन करना।

अध्याय 3: अधिगम के प्रमुख सिद्धांत एवं बहु-बुद्धि सिद्धांत (Theories of Learning & Intelligence)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 3: अधिगम के प्रमुख सिद्धांत एवं बहु-बुद्धि सिद्धांत (Theories of Learning & Intelligence)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2
व्यवहारवादी, गेस्टाल्ट एवं सामाजिक अधिगम सिद्धांत	**हावर्ड गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत (Howard Gardner's Theory of Multiple Intelligences)**

3.1 व्यवहारवादी, गेस्टाल्ट एवं सामाजिक अधिगम सिद्धांत

1. **एडवर्ड ली थॉर्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि सिद्धांत (Trial and Error / Connectionism / S-R Theory):**

• **प्रयोग:** भूखी बिल्ली और पजल बॉक्स (मछली का टुकड़ा उद्दीपक के रूप में)।

• **सीखने के 3 मुख्य नियम (Primary Laws of Learning):**

1. **तत्परता का नियम (Law of Readiness):** जब बालक मानसिक और शारीरिक रूप से सीखने के लिए तैयार होता है तभी अधिगम प्रभावी होता है।

2. **अभ्यास का नियम (Law of Exercise):** इसके दो उप-नियम हैं— **उपयोग का नियम (Law of Use)** और **अनुपयोग का नियम (Law of Disuse)**।

3. **प्रभाव / संतोष का नियम (Law of Effect):** जिस कार्य के परिणाम से संतोष या आनंद मिलता है, प्राणी उसे दोहराता है (यही नियम आगे चलकर स्किनर के पुनर्बलन सिद्धांत का आधार बना)।

• **5 गौण नियम (Secondary Laws):** बहु-प्रतिक्रिया का नियम, मानसिक वृत्ति/मनोवृत्ति का नियम, तत्व प्रबलता का नियम, सादृश्यता/आत्मीकरण का नियम, और साहचर्य परिवर्तन का नियम।

2. **इवान पेट्रोविच पावलॉव का शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत (Classical Conditioning — S-S / Respondent Theory, 1904 नोबेल पुरस्कार):**

• **प्रयोग:** कुत्ते की लार ग्रंथि का शल्य-क्रिया प्रयोग (भोजन = स्वाभाविक उद्दीपक UCS; भोजन से लार आना = स्वाभाविक अनुक्रिया UCR; घंटी की आवाज = अस्वाभाविक/अनुबंधित उद्दीपक CS; केवल घंटी बजने पर लार आना = अनुबंधित अनुक्रिया CR)।

• **प्रमुख प्रक्रियाएँ:** विलोपन (Extinction — लंबे समय तक घंटी के बाद भोजन न मिलने पर लार का बंद होना), स्वतः पुनर्लाभ (Spontaneous Recovery), उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization — मिलती-जुलती आवाज से भी डरना या प्रतिक्रिया करना) और उद्दीपक विभेदन (Stimulus Discrimination)।

3. **बी.एफ. स्किनर का क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांत (Operant / Instrumental Conditioning — R-S Theory):**

• **प्रयोग:** सफेद चूहे (Skinner Box — लीवर दबाने पर भोजन की गोली मिलना) और कबूतर पर प्रयोग।

• स्किनर ने उद्दीपक के बजाय **अनुक्रिया (Response) के बाद मिलने वाले पुनर्बलन (Reinforcement)** को सर्वोपरि माना:

• **सकारात्मक पुनर्बलन (Positive Reinforcement):** वांछित व्यवहार के बाद कोई सुखद उद्दीपक जोड़ना (जैसे— प्रशंसा, पुरस्कार, टॉफी या अंक देना) जिससे व्यवहार की आवृत्ति बढ़े।

• **नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement):** वांछित व्यवहार को बढ़ाने के लिए किसी **अप्रिय या कष्टकारी उद्दीपक को हटा लेना** (जैसे— समय पर होमवर्क पूरा करने पर अतिरिक्त गृहकार्य या डांट से मुक्ति देना; सिरदर्द से बचने के लिए दवा लेना)। (ध्यान दें: नकारात्मक पुनर्बलन 'दंड' नहीं है; दंड व्यवहार को घटाता है जबकि नकारात्मक पुनर्बलन वांछित व्यवहार को बढ़ाता है)।

4. **वोल्फगैंग कोहलर का अंतर्दृष्टि या सूझ का सिद्धांत (Insight Learning Theory — गेस्टाल्टवाद):**

• **प्रवर्तक:** मैक्स वर्दीमर, कुर्त कोफ्का और वोल्फगैंग कोहलर। 'गेस्टाल्ट' (Gestalt) जर्मन शब्द है जिसका अर्थ है **'समग्र आकृति' या 'संपूर्ण' (Whole is greater than the sum of its parts)**।

• **प्रयोग:** कैनरी द्वीप पर **'सुल्तान' नामक चिंपांजी** पर छत से लटके केलों को बॉक्स के ऊपर बॉक्स रखकर या दो छड़ियों को जोड़कर प्राप्त करने का प्रयोग। सूझ अचानक (Aha! Moment) उत्पन्न होती है और इसमें समस्या का समग्र प्रत्यक्षीकरण आवश्यक है।

5. **अल्बर्ट बंडूरा का सामाजिक-संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत (Social Learning / Observational Theory):**

• **प्रयोग: बोबो डॉल (Bobo Doll) प्रयोग**— बच्चे दूसरों के व्यवहार का **अवलोकन (Observation) और अनुकरण (Imitation / Modeling)** करके सीखते हैं।

• **प्रेक्षणात्मक अधिगम के 4 क्रमिक चरण: (1) अवधान (Attention) → (2) धारण (Retention) → (3) पुनरुत्पादन (Reproduction) → (4) अभिप्रेरणा/पुनर्बलन (Motivation)**।

• बंडूरा ने **'स्व-प्रभावकारिता' (Self-Efficacy — किसी कार्य को सफलतापूर्वक कर सकने की अपनी क्षमता में विश्वास)** का संप्रत्यय भी दिया।

3.2 हावर्ड गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत (Howard Gardner's Theory of Multiple Intelligences)

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के मनोवैज्ञानिक **हावर्ड गार्डनर** ने 1983 में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक ***Frames of Mind: The Theory of Multiple Intelligences*** में पारंपरिक एकल बुद्धि (IQ) के विचार को खारिज करते हुए प्रतिपादित किया कि बुद्धि कोई एकल तत्व नहीं है, बल्कि ***8* स्वतंत्र प्रकार की बुद्धियों** का समूह है:

1. **भाषाई / शाब्दिक बुद्धि (Linguistic Intelligence):** शब्दों और भाषा के प्रभावी प्रयोग की क्षमता (कवि, लेखक, पत्रकार, वकील, वक्ता)।

2. **तार्किक-गणितीय बुद्धि (Logical-Mathematical Intelligence):** अमूर्त तर्क, वैज्ञानिक चिंतन और गणना की क्षमता (वैज्ञानिक, गणितज्ञ, कंप्यूटर प्रोग्रामर, अर्थशास्त्री)।

3. **स्थानिक / दृश्य बुद्धि (Spatial Intelligence):** मानसिक रूप से स्थान, दिशा और त्रि-आयामी (3D) आकृतियों की कल्पना करने की क्षमता (वास्तुकार/Architect, मूर्तिकार, चित्रकार, पायलट, नाविक, इंटीरियर डिजाइनर)।

4. **शारीरिक-गतिक बुद्धि (Bodily-Kinesthetic Intelligence):** पूरे शरीर या शरीर के अंगों के लचीले और सटीक संचालन की क्षमता (एथलीट, नर्तक, शल्य-चिकित्सक/Surgeon, अभिनेता, जिम्नास्ट)।

5. **संगीतात्मक बुद्धि (Musical Intelligence):** लय, सुर, ताल और ध्वनि पैटर्न को पहचानने व रचने की क्षमता (संगीतकार, गायक, वादक)।

6. **अंतर-वैयक्तिक बुद्धि (Interpersonal Intelligence): दूसरे व्यक्तियों** की भावनाओं, उद्देश्यों, स्वभाव और इच्छाओं को समझने तथा उनके साथ प्रभावी संबंध बनाने की क्षमता (शिक्षक, मनोचिकित्सक, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, परामर्शदाता)।

7. **अंत:वैयक्तिक बुद्धि (Intrapersonal Intelligence): स्वयं (Self)** की भावनाओं, शक्तियों, कमजोरियों, लक्ष्यों और आध्यात्मिक प्रश्नों को गहराई से समझने की क्षमता (दार्शनिक, योगी, आध्यात्मिक गुरु, आत्म-चिंतक)।

8. **प्रकृतिवादी बुद्धि (Naturalistic Intelligence — 1998 में जोड़ी गई):** प्रकृति, वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, मौसम और पर्यावरण की बारीकियों को पहचानने व वर्गीकृत करने की क्षमता (किसान, वनस्पतिशास्त्री, जीवविज्ञानी, पर्यावरणविद्)।

अध्याय 4: समावेशी शिक्षा एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPwD Act 2016)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 4: समावेशी शिक्षा एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPwD Act 2016)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2
दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPwD Act, 2016) एवं 21 दिव्यांगताएँ	**प्रमुख अधिगम अक्षमताएँ एवं विकासात्मक विकार (Learning Disabilities)**

4.1 दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPwD Act, 2016) एवं 21 दिव्यांगताएँ

• **ऐतिहासिक संदर्भ:** इस अधिनियम ने पुराने *Persons with Disabilities (PwD) Act, 1995* (जिसमें केवल 7 दिव्यांगताएँ थीं) का स्थान लिया और यह **19 अप्रैल 2017** से लागू हुआ (**PIB India Disability Rights**)।

• **बेंचमार्क दिव्यांगता (Benchmark Disability):** कम से कम **40% या उससे अधिक** की प्रमाणित दिव्यांगता।

• **आरक्षण एवं शैक्षिक अधिकार:** सरकारी नौकरियों में बेंचमार्क दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण को 3% से बढ़ाकर **4%** और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए **5%** कर दिया गया है। **6 से 18 वर्ष** की आयु के बेंचमार्क दिव्यांग बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार दिया गया है।

• **RPwD अधिनियम, 2016 की अनुसूची में शामिल सभी 21 दिव्यांगताएँ (DEPwD Official Portal):**

1. अंधता (Blindness)
2. अल्प दृष्टि (Low-vision)
3. कुष्ठ रोग से मुक्त व्यक्ति (Leprosy Cured persons)
4. श्रवण बाधिता — बधिर और ऊंचा सुनने वाले (Hearing Impairment — Deaf and hard of hearing)
5. चलन दिव्यांगता (Locomotor Disability)
6. बौनापन (Dwarfism)
7. बौद्धिक दिव्यांगता (Intellectual Disability)
8. मानसिक रुग्णता (Mental Illness)
9. स्वलीनता स्पेक्ट्रम विकार (Autism Spectrum Disorder - ASD)
10. प्रमस्तिष्क पक्षाघात (Cerebral Palsy - CP)
11. मांसपेशीय दुर्विकास (Muscular Dystrophy)
12. चिरकालिक तंत्रिका संबंधी स्थितियाँ (Chronic Neurological conditions)
13. विशिष्ट अधिगम दिव्यांगताएँ (Specific Learning Disabilities — जैसे Dyslexia, Dysgraphia, Dyscalculia)
14. मल्टीपल स्क्लेरोसिस (Multiple Sclerosis)

15. वाक् और भाषा दिव्यांगता (Speech and Language disability)
16. थैलेसीमिया (Thalassemia — रक्त विकार)
17. हीमोफीलिया (Haemophilia — रक्त का थक्का न जमने का विकार)
18. सिकल सेल रोग (Sickle Cell disease — लाल रक्त कणिकाओं का हंसियाकार होना)
19. बहु-दिव्यांगता (Multiple Disabilities — अंध-बधिरता सहित दो या अधिक दिव्यांगताएँ)
20. **तेजाब हमला पीड़ित (Acid Attack Victims)**
21. **पार्किंसंस रोग (Parkinson's disease)**

4.2 प्रमुख अधिगम अक्षमताएँ एवं विकासात्मक विकार (Learning Disabilities)

• **डिस्लेक्सिया (Dyslexia):** पठन विकार (Reading Disorder) — अक्षरों को उल्टा पढ़ना (जैसे 'b' को 'd', 'saw' को 'was', 'nuclear' को 'unclear' पढ़ना) और ध्वनि-अक्षर समन्वय में कठिनाई।

• **डिस्ग्राफिया (Dysgraphia):** लेखन विकार (Writing Disorder) — अपठनीय हस्तलेखन, उंगलियों की सूक्ष्म मांसपेशियों के समन्वय में कमी।

• **डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia):** गणितीय गणना एवं संख्याओं को समझने से संबंधित विकार।

• **डिस्प्रैक्सिया (Dyspraxia):** विकासात्मक गामक समन्वय विकार (Developmental Coordination Disorder) — चलने, कूदने, गेंद पकड़ने या चित्र बनाने में शारीरिक संतुलन की कमी।

• **अफेजिया / डिस्फेजिया (Aphasia / Dysphasia):** मौखिक भाषा संप्रेषण एवं भाषा समझने से संबंधित विकार।

• **स्वलीनता (Autism Spectrum Disorder - ASD):** सामाजिक अंतःक्रिया, संप्रेषण (आंख से आंख मिलाकर बात करने में कठिनाई) और दोहराव वाले व्यवहार (Repetitive Behaviour) से जुड़ा विकासात्मक विकार।

• **अवधान न्यूनता अतिक्रियाशीलता विकार (ADHD - Attention Deficit Hyperactivity Disorder):** एक स्थान पर ध्यान केंद्रित न कर पाना, आवेगशीलता (Impulsivity) और अत्यधिक चंचलता।

अध्याय 5: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020), NCF-SE 2023 एवं RTE Act 2009

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 5: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020), NCF-SE 2023 एवं RTE Act 2009

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के मुख्य प्रावधान	**राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — स्कूली शिक्षा 2023 (NCF-SE 2023) एवं फाउंडेशनल स्टेज 2022 (NCF-FS 2022)**	**निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE Act, 2009)**

5.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के मुख्य प्रावधान

• **समिति एवं स्वीकृति:** इसरो (ISRO) के पूर्व प्रमुख **डॉ. के. कस्तूरीरंगन** की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों पर **29 जुलाई 2020** को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत (1968 और 1986 के बाद स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति)।

• **नई 5+3+3+4 शैक्षणिक एवं पाठ्यचर्या संरचना (3 से 18 वर्ष):** पुरानी 10+2 संरचना के स्थान पर स्कूली शिक्षा को 4 चरणों में बांटा गया है (**NEP 2020 Official Document**):

1. **फाउंडेशनल स्टेज (Foundational Stage — 5 वर्ष, आयु 3 से 8 वर्ष):** 3 वर्ष आंगनवाड़ी/बालवाटिका/प्री-स्कूल (3–6 वर्ष) + 2 वर्ष कक्षा 1 एवं 2 (6–8 वर्ष)। खेल और गतिविधि-आधारित शिक्षण।
2. **प्रिपरेटरी स्टेज (Preparatory Stage — 3 वर्ष, आयु 8 से 11 वर्ष):** कक्षा 3 से 5। खोजपरक, संवादात्मक और प्रयोगात्मक शिक्षण।

3. **मिडिल स्टेज (Middle Stage — 3 वर्ष, आयु 11 से 14 वर्ष):** कक्षा 6 से 8। विषय-आधारित अमूर्त अवधारणाएं और **कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education / 10-Day Bagless Period) व कोडिंग** का प्रारंभ।

4. **सेकेंडरी स्टेज (Secondary Stage — 4 वर्ष, आयु 14 से 18 वर्ष):** कक्षा 9 से 12 (दो चरणों 9-10 और 11-12 में)। बहु-विषयक अध्ययन (कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच कठोर विभाजन समाप्त)।

• **मातृभाषा में शिक्षण:** कम से कम **कक्षा 5 तक** (और बेहतर हो कि कक्षा 8 और उससे आगे तक) शिक्षा का माध्यम **मातृभाषा / स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा** होगा।

• **निपुण भारत मिशन (NIPUN Bharat — 5 जुलाई 2021):** *National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy* के तहत 2026-27 तक कक्षा 3 के अंत तक प्रत्येक बच्चे में **बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN)** सुनिश्चित करना।

• **मूल्यांकन में सुधार एवं 'परख' (PARAKH):** रटंत अधिगम (Rote Learning) के बजाय **रचनात्मक, योग्यता-आधारित (Competency-Based)** और **360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC)** को अपनाना जिसमें स्व-मूल्यांकन, सहपाठी मूल्यांकन और शिक्षक मूल्यांकन शामिल हो। राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र **'PARAKH'** (*Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development*) की स्थापना।

• **सकल नामांकन अनुपात (GER) एवं बजट लक्ष्य:** स्कूली शिक्षा में 2030 तक 100% GER, उच्च शिक्षा में 2035 तक 50% GER, और शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय को **GDP के 6%** तक पहुंचाना।

5.2 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — स्कूली शिक्षा 2023 (NCF-SE 2023) एवं फाउंडेशनल स्टेज 2022 (NCF-FS 2022)

प्रो. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय संचालन समिति द्वारा तैयार NCF-FS 2022 और NCF-SE 2023 की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **पंचकोशीय विकास (Panchakosha Vikas — तैत्तिरीय उपनिषद से प्रेरित समग्र विकास के 5 आयाम):**

• **अन्नमय कोश (Physical Development):** शारीरिक स्वास्थ्य, पोषण और गामक विकास।

• **प्राणमय कोश (Development of Life Energy):** श्वास, इंद्रिय संतुलन और प्राण ऊर्जा का विकास।

• **मनोमय कोश (Emotional & Mental Development):** भावनात्मक संतुलन, मूल्य और सौंदर्यबोध।

• **विज्ञानमय कोश (Intellectual Development):** संज्ञानात्मक क्षमता, तार्किक चिंतन और विवेक।

• **आनंदमय कोश (Spiritual / Inner Experience):** आंतरिक शांति, करुणा और सृजनात्मक आनंद।

2. **पंचपदी (Panchapadi — 5-चरणीय शिक्षण प्रक्रिया):**

• **(1) अदिति (Aditi — परिचय/Introduction):** पूर्व ज्ञान को सक्रिय कर नए विषय से जोड़ना।

• **(2) बोध (Bodh — वैचारिक समझ/Conceptual Understanding):** खेल, प्रयोग और चर्चा द्वारा अवधारणा को समझना।

• **(3) अभ्यास (Abhyas — Practice):** सीखी गई अवधारणा का सुदृढ़ीकरण।

• **(4) प्रयोग (Prayog — Application):** वास्तविक जीवन और दैनिक परिस्थितियों में ज्ञान का अनुप्रयोग।

• **(5) प्रसार (Prasar — Expansion):** सहपाठियों के साथ ज्ञान साझा करना, नए प्रश्न बनाना और विस्तार करना।

3. **बोर्ड परीक्षाओं में सुधार (NCF-SE 2023):** विद्यार्थियों पर बोर्ड परीक्षा का तनाव कम करने के लिए वर्ष में **दो बार बोर्ड परीक्षा** आयोजित करने का विकल्प, जिसमें विद्यार्थी अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर (Best Score) को रख सकेंगे।

5.3 निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE Act, 2009)

• **संवैधानिक आधार: 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002** द्वारा जोड़े गए **अनुच्छेद 21A** के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों (और दिव्यांग बच्चों के लिए 6 से 18 वर्ष) को निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा का मौलिक अधिकार; यह अधिनियम **1 अप्रैल 2010** से लागू हुआ।

• **प्रमुख धाराएँ एवं मानक (Schedule Norms):**

• **धारा 12(1)(c):** निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को कक्षा 1 (या पूर्व-प्राथमिक) में कम से कम **25% सीटें** आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग (EWS/DG) के बच्चों के लिए आरक्षित रखनी होंगी।

• **धारा 13:** प्रवेश के समय किसी भी प्रकार की **कैपिटेशन फीस (Capitation Fee)** लेने या बच्चे/माता-पिता की स्क्रीनिंग परीक्षा लेने पर पूर्ण प्रतिबंध।

• **धारा 17:** बच्चे को किसी भी प्रकार का **शारीरिक दंड (Corporal Punishment) या मानसिक उत्पीड़न** देने पर पूर्ण प्रतिबंध।

• **धारा 21:** प्रत्येक विद्यालय में **विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)** का गठन जिसमें **75% सदस्य माता-पिता/अभिभावक** होंगे और कुल सदस्यों में से **50% महिलाएँ** होंगी।

• **धारा 27:** शिक्षकों को दस वर्षीय जनगणना, आपदा राहत और चुनाव ड्यूटी के अतिरिक्त किसी भी गैर-शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जाएगा।

• **धारा 28:** शिक्षकों द्वारा **निजी ट्यूशन (Private Tuition)** पढ़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध।

• **अनुसूची मानक (Schedule Norms):**

• **छात्र-शिक्षक अनुपात (PTR):** प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5) पर **30:1** (200 से अधिक छात्र होने पर 40:1 से अधिक नहीं) और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8) पर **35:1**।

• **न्यूनतम कार्य दिवस एवं शिक्षण घंटे:** कक्षा 1–5 के लिए **200 कार्य दिवस (800 शैक्षणिक घंटे)** और कक्षा 6–8 के लिए **220 कार्य दिवस (1000 शैक्षणिक घंटे)**; एक शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह न्यूनतम **45 कार्य घंटे** (तैयारी के घंटों सहित)।

अध्याय 6: बुक 22 मास्टर तुलनात्मक सारणियाँ (Master Comparative Tables)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 6: बुक 22 मास्टर तुलनात्मक सारणियाँ (Master Comparative Tables)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1
सारणी 2.1: जीन पियाजे बनाम लेव वायगोत्स्की का तुलनात्मक शिक्षाशास्त्रीय विश्लेषण

प्रमुख अध्ययन बिंदु 2
सारणी 2.2: बाल विकास एवं अधिगम के सभी प्रमुख सिद्धांत, प्रवर्तक एवं मुख्य संप्रत्यय

सारणी 2.1: जीन पियाजे बनाम लेव वायगोत्स्की का तुलनात्मक शिक्षाशास्त्रीय विश्लेषण

क्र.सं.	तुलना का आधार	जीन पियाजे (Jean Piaget)	लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky)	शैक्षणिक निहितार्थ एवं आधिकारिक संदर्भ
1	रचनावाद का प्रकार	**संज्ञानात्मक / मौलिक रचनावाद (Cognitive Constructivism)**	**सामाजिक-सांस्कृतिक रचनावाद (Social Constructivism)**	दोनों बालक को ज्ञान का सक्रिय निर्माता मानते हैं (NCERT NCF-SE 2023)।
2	विकास एवं अधिगम का संबंध	**परिपक्वता और विकास पहले** होता है, अधिगम बाद में उसका अनुसरण करता है।	**सामाजिक अधिगम पहले** होता है और वह संज्ञानात्मक विकास को गति देता है।	शिक्षण को बालक के ZPD के स्तर पर केंद्रित होना चाहिए (NCF-FS 2022)।
3	भाषा एवं विचार का संबंध	**विचार (Thought) पहले** आता है और भाषा का निर्धारण करता है।	प्रारंभ में दोनों स्वतंत्र हैं; लगभग **3 वर्ष की आयु में भाषा और विचार मिल जाते हैं**।	भाषा चिंतन का सबसे शक्तिशाली सांस्कृतिक उपकरण है (NCERT)।
4	स्वयं से बोलकर बात करना (Self-Talk)	**अहंकेंद्रित वाक् (Egocentric Speech):** संज्ञानात्मक अपरिपक्वता का प्रतीक।	**निजी वाक् (Private Speech):** व्यवहार और चिंतन के **स्व-नियमन (Self-Regulation)** का साधन।	कक्षा में बच्चों के निजी वाक् को हतोत्साहित नहीं करना चाहिए (NCF-FS 2022)।
5	अवस्थाओं की प्रकृति	विकास **4 सार्वभौमिक एवं असतत (Discontinuous) अवस्थाओं** में होता है।	विकास एक **सतत (Continuous)** सामाजिक-सांस्कृतिक प्रक्रिया है (कोई निश्चित आयु-अवस्थाएं नहीं)।	सहयोगात्मक अधिगम (Peer Tutoring) और पाड़ (Scaffolding) का उपयोग (NCERT NCF-SE 2023)।

सारणी 2.2: बाल विकास एवं अधिगम के सभी प्रमुख सिद्धांत, प्रवर्तक एवं मुख्य संप्रत्यय

क्र.सं.	सिद्धांत का नाम	प्रतिपादक / मनोवैज्ञानिक	प्रयोग / मुख्य आधार	प्रमुख परीक्षापयोगी संप्रत्यय (Key Concepts & Source)
1	संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत	जीन पियाजे (स्विट्ज़रलैंड)	स्विस बच्चों का नैदानिक अवलोकन	स्कीमा, आत्मसातीकरण, समायोजन, वस्तु स्थायित्व, संरक्षण, 4 अवस्थाएँ (NCERT NCF-SE 2023)।
2	सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत	लेव वायगोत्स्की (रूस)	सामाजिक अंतःक्रिया एवं भाषा	ZPD (समीपस्थ विकास क्षेत्र), Scaffolding (पाड़), MKO, निजी वाक् (NCERT NCF-SE 2023)।
3	नैतिक विकास का सिद्धांत	लॉरेंस कोहलबर्ग (अमेरिका)	हिंज की दुविधा (Heinz Dilemma)	3 स्तर (पूर्व-परंपरागत, परंपरागत, उत्तर-परंपरागत) और 6 अवस्थाएँ (NCERT)।
4	मनोसामाजिक विकास सिद्धांत	एरिक एरिक्सन	संपूर्ण जीवन-चक्र (Life-span)	8 मनोसामाजिक अवस्थाएँ; किशोरावस्था में 'पहचान बनाम भूमिका संभ्रांति' (NCERT)।
5	प्रयास एवं त्रुटि सिद्धांत (संबंधवाद)	ई.एल. थॉर्नडाइक	भूखी बिल्ली और पजल बॉक्स	उद्दीपक-अनुक्रिया (S-R) बंध; तत्परता, अभ्यास और प्रभाव के 3 मुख्य नियम (NCERT)।
6	शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत	इवान पावलॉव (रूस)	कुत्ते की लार और घंटी	UCS, UCR, CS, CR; विलोपन, स्वतः पुनर्लाभ, उद्दीपक सामान्यीकरण (NCERT)।
7	क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांत	बी.एफ. स्किनर (अमेरिका)	सफेद चूहा एवं कबूतर	R-S बंध; सकारात्मक एवं नकारात्मक पुनर्बलन, अभिक्रमित अनुदेशन (NCERT)।
8	अंतर्दृष्टि / सूझ का सिद्धांत	वोल्फगैंग कोहलर (गेस्टाल्टवाद)	सुल्तान चिंपांजी (केले व छड़ी)	समग्रता (Whole), आकस्मिक समाधान (Aha! Experience) (NCERT)।
9	सामाजिक अधिगम सिद्धांत	अल्बर्ट बंडूरा	बोबो डॉल और फिल्म प्रयोग	प्रेक्षणात्मक अधिगम, मॉडलिंग, 4 चरण (अवधान, धारण, पुनरुत्पादन, अभिप्रेरणा) (NCERT)।
10	बहु-बुद्धि का सिद्धांत	हावर्ड गार्डनर	*Frames of Mind* (1983)	8 स्वतंत्र प्रकार की बुद्धियाँ (अंतर-वैयक्तिक बनाम अंतःवैयक्तिक आदि) (NCERT NCF-SE 2023)।
11	पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत	यूरी ब्रोनफेनब्रेनर	पर्यावरणीय प्रणालियाँ	5 मंडल: माइक्रोसिस्टम, मेसोसिस्टम, एक्सोसिस्टम, मैक्रोसिस्टम, क्रोनोसिस्टम (NCERT)।
12	आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत	अब्राहम मास्लो	मानवतावादी अभिप्रेरणा	5 स्तर: शारीरिक → सुरक्षा → प्रेम/संबंध → सम्मान → आत्म-सिद्धि (Self-Actualization) (NCERT)।

अध्याय 7: पुस्तक 22 — 60 वास्तविक परीक्षा-स्तरीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न (60 Authentic Exam-Level MCQs)

अभ्यास प्रश्न #1 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 1. [CTET Paper 1 & 2 / KVS 2023–2026] एक 8 महीने की बच्ची पहले अपने पूरे हाथ को हिलाकर किसी खिलौने को पकड़ने का प्रयास करती है और कुछ महीनों बाद वह अपनी उंगलियों और अंगूठे के समन्वय (Pincer Grasp) से छोटी वस्तुओं को उठाना सीख जाती है। विकास का यह क्रम किस सिद्धांत को दर्शाता है?

(A) शीर्षगामी सिद्धांत (Cephalocaudal Principle)

(B) अधोगामी / समीपदूराभिमुख सिद्धांत (Proximodistal Principle)

(C) विकास की असततता का सिद्धांत

(D) विलोमीयता का सिद्धांत

- **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** जब विकास शरीर के केंद्र (रीढ़/कंधे/भुजा) से बाहर के छोरों (कलाई और उंगलियों के सूक्ष्म नियंत्रण) की ओर बढ़ता है, तो इसे **अधोगामी या समीपदूराभिमुख (Proximodistal) सिद्धांत** तथा स्थूल से सूक्ष्म गामक कौशल (Gross to Fine Motor Skills) का विकास कहा जाता है (NCF-FS 2022)।

अभ्यास प्रश्न #2 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 2. [CTET Paper 1 / DSSSB PRT] निम्नलिखित में से कौन-सा 'सूक्ष्म गामक कौशल' (Fine Motor Skill) का एक सटीक उदाहरण है?

(A) मैदान में फुटबॉल को लात मारना

(B) सीढ़ियों पर तेजी से चढ़ना और उतरना

(C) सुई में धागा पिरोना या कागज पर पेंसिल से लिखना

(D) स्विमिंग पूल में तैरना

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या: सुई में धागा पिरोना या पेंसिल से लिखना** हाथ की छोटी मांसपेशियों और आंख-हाथ के समन्वय (Eye-Hand Coordination) पर आधारित **सूक्ष्म गामक कौशल** है, जबकि दौड़ना, तैरना और लात मारना स्थूल गामक कौशल (Gross Motor Skills) हैं (NCF-FS 2022)।

अभ्यास प्रश्न #3 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 3. [CTET Paper 2 / KVS] बालक के समाजीकरण (Socialization) के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही रूप से सुमेलित है?

(A) परिवार और माता-पिता — समाजीकरण की द्वितीयक संस्थाएँ

(B) विद्यालय और जनसंचार माध्यम (Media) — समाजीकरण की प्राथमिक संस्थाएँ

(C) परिवार — प्राथमिक समाजीकरण संस्था; विद्यालय एवं समवयस्क समूह — द्वितीयक समाजीकरण संस्थाएँ

(D) धर्म और कानून — केवल शैशवावस्था की प्राथमिक संस्थाएँ

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या: परिवार** समाजीकरण की सर्वप्रथम और मुख्य **प्राथमिक संस्था** है, जबकि **विद्यालय, समवयस्क समूह (Peers) और मीडिया** द्वितीयक समाजीकरण की संस्थाएँ हैं (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #4 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 4. [CTET Paper 1 & 2 2024] चार वर्षीय रिया ने पहली बार चिड़ियाघर में एक 'जेब्रा' देखा और उसके शरीर पर चार पैर व पूंछ देखकर उसे 'घोड़ा' कहा। जब उसकी माँ ने उसे बताया कि इसके शरीर पर काली-सफेद धारियाँ हैं और यह घोड़ा नहीं बल्कि 'जेब्रा' है, तो रिया ने अपने मस्तिष्क की अवधारणा में संशोधन कर लिया। जीन पियाजे के अनुसार रिया द्वारा अपनी पुरानी मानसिक संरचना में परिवर्तन कर नई जानकारी के अनुरूप ढालना क्या कहलाता है?

(A) आत्मसातीकरण (Assimilation)

(B) समायोजन / समंजन (Accommodation)

(C) केंद्रीयकरण (Centration)

(D) जीववाद (Animism)

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** जेब्रा को देखकर पहले 'घोड़ा' कहना **आत्मसातीकरण (Assimilation)** था, किंतु नई विशेषताओं के आधार पर अपने पूर्व स्कीमा में संशोधन कर 'जेब्रा' का नया स्कीमा बनाना **समायोजन (Accommodation)** कहलाता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #5 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 5. [CTET / UPTET] जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार 'वस्तु स्थायित्व' (Object Permanence) का गुण बालक में किस अवस्था के दौरान विकसित होता है?

(A) संवेदी-गामक अवस्था (जन्म से 2 वर्ष)

(B) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2 से 7 वर्ष)

(C) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7 से 11 वर्ष)

(D) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (11 वर्ष से ऊपर)

- **सही उत्तर: (A)**
- **विस्तृत व्याख्या: संवेदी-गामक अवस्था (Sensorimotor Stage — जन्म से 2 वर्ष)** के अंत तक शिशु यह समझने लगता है कि जो वस्तुएं उसकी नजरों के सामने से छिपा दी गई हैं, उनका अस्तित्व समाप्त नहीं हुआ है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #6 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 6. [CTET Paper 1 / KVS] पाँच वर्ष की मीना कहती है कि "सूरज आज मुझसे नाराज है इसलिए बादलों के पीछे छुप गया है" और वह अपनी गुड़िया को खाना खिलाती है क्योंकि उसे लगता है कि गुड़िया को भूख लगी है। पियाजे के अनुसार मीना का यह चिंतन पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था की किस विशेषता को दर्शाता है?

(A) संरक्षण (Conservation)

(B) जीववाद (Animism)

(C) सकर्मक अनुमान (Transitive Inference)

(D) परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्कणा

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2–7 वर्ष) में जब बालक निर्जीव वस्तुओं (जैसे सूरज, बादल, गुड़िया) में सजीवों जैसी भावनाओं और चेतना का आरोपण करता है, तो पियाजे ने इसे **जीववाद (Animism)** कहा है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #7 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 7. [CTET Paper 2 / DSSSB] एक बच्चे के सामने दो समान चौड़े गिलासों में बराबर मात्रा में जूस रखा जाता है। इसके बाद उसकी आंखों के सामने एक गिलास का जूस एक लंबे और पतले गिलास में पलट दिया जाता है। बच्चा तुरंत कहता है कि लंबे गिलास में जूस अधिक है। पियाजे के अनुसार बच्चे में इस त्रुटि का मुख्य कारण क्या है?

(A) परिकल्पनात्मक चिंतन की अधिकता

(B) केंद्रीयकरण (Centration) और अपरिवर्तनीयता (Irreversibility)

(C) वस्तु स्थायित्व का अभाव

(D) अमूर्त तर्कणा का विकास

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था में बच्चा **केंद्रीयकरण (Centration — केवल गिलास की ऊंचाई पर ध्यान देना और चौड़ाई को अनदेखा करना)** तथा **अपरिवर्तनीयता (Irreversibility)** के कारण संरक्षण (Conservation) नहीं कर पाता (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #8 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 8. [CTET Paper 1 & 2] जीन पियाजे के अनुसार किस अवस्था में बालक में 'संरक्षण' (Conservation), 'क्रमबद्धता' (Seriation) और 'वर्गीकरण' (Classification) जैसी तार्किक संक्रियाएँ विकसित हो जाती हैं?

(A) संवेदी-गामक अवस्था

(B) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था

(C) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7 से 11 वर्ष)

(D) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या: मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage — 7 से 11 वर्ष)** में बालक मूर्त वस्तुओं के संबंध में संरक्षण, विकेंद्रीकरण, पलटावी गुण (Reversibility), क्रमबद्धता और वर्गीकरण करने में सक्षम हो जाता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #9 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 9. [CTET Paper 2 / KVS PGT] पियाजे के अनुसार "यदि A, B से लंबा है और B, C से लंबा है, तो A निश्चित रूप से C से लंबा होगा"— मूर्त वस्तुओं/छड़ियों को देखकर यह निष्कर्ष निकाल पाने की क्षमता क्या कहलाती है?

(A) सकर्मक अनुमान (Transitive Inference / Transitivity)

(B) अहंकेंद्रितता (Egocentrism)

(C) जीववाद (Animism)

(D) संवेदी अनुकूलन

- **सही उत्तर: (A)**
- **विस्तृत व्याख्या:** दो संबंधों के आधार पर तीसरे तार्किक संबंध का निष्कर्ष निकालना **सकर्मक अनुमान (Transitive Inference)** कहलाता है, जो मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7–11 वर्ष) में विकसित होता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #10 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 10. [CTET Paper 1 & 2 2025] लेव वायगोत्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत के अनुसार, छह वर्षीय राहुल जब पहेली (Jigsaw Puzzle) जोड़ते समय स्वयं से बोलकर कहता है— "नहीं, नीला टुकड़ा यहाँ नहीं लगेगा, पहले कोने वाला टुकड़ा ढूँढता हूँ", तो यह वाक् किस प्रकार का है?

(A) पियाजे के अनुसार सामाजिक वाक्

(B) वायगोत्स्की के अनुसार 'निजी वाक्' (Private Speech) जो बालक को अपने कार्य और चिंतन को स्व-नियंत्रित (Self-regulate) करने में मदद करता है

(C) संज्ञानात्मक विकार का लक्षण

(D) आत्मकेंद्रित और अपरिपक्व व्यवहार जिसे शिक्षक द्वारा तुरंत रोका जाना चाहिए

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** वायगोत्स्की ने बच्चों द्वारा स्वयं से बोलकर बात करने को **'निजी वाक्' (Private Speech)** कहा है, जो बालक के अपने व्यवहार और सोच को निर्देशित करने (Self-regulation) का अत्यंत सकारात्मक संज्ञानात्मक साधन है (NCF-FS 2022)।

अभ्यास प्रश्न #11 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 11. [CTET / KVS / DSSSB] लेव वायगोत्स्की के अनुसार, "एक बालक स्वतंत्र रूप से जो कर सकता है और किसी अधिक जानकार व्यक्ति (MKO) की सहायता व मार्गदर्शन से जो कर सकता है"— इन दोनों स्तरों के बीच के क्षेत्र को क्या कहा जाता है?

(A) संरक्षण का क्षेत्र (Zone of Conservation)

(B) समीपस्थ विकास का क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD)

(C) स्कीमा का क्षेत्र

(D) संवेदी परिपक्वता का क्षेत्र

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** वास्तविक विकास स्तर और संभावित विकास स्तर के बीच के अंतर को वायगोत्स्की ने **समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD)** कहा है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #12 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 12. [CTET Paper 1 & 2] जब एक शिक्षिका गणित का एक कठिन प्रश्न हल करने में अटक रहे छात्र को सीधे उत्तर बताने के बजाय कुछ प्रारंभिक संकेत (Cues), उदाहरण और आधे हल किए गए चरण देती है, और छात्र के समझने पर धीरे-धीरे अपनी मदद कम कर देती है, तो यह प्रक्रिया क्या कहलाती है?

(A) शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)

(B) पाड़ / मचान / ढांचा निर्माण (Scaffolding)

(C) नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)

(D) रटंत स्मरण (Rote Memorization)

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** सीखने वाले की आवश्यकता के अनुसार दी जाने वाली अस्थायी शैक्षणिक सहायता **पाड़ या मचान (Scaffolding)** कहलाती है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #13 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 13. [CTET Paper 2 / KVS] लॉरेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत की किस अवस्था में कोई व्यक्ति यह तर्क देता है कि "हिंज को अपनी बीमार पत्नी की जान बचाने के लिए दवाई चुरा लेनी चाहिए क्योंकि किसी भी कानून या संपत्ति के अधिकार से ऊपर मानव जीवन को बचाने का सर्वोच्च सार्वभौमिक मूल्य है, भले ही इसके लिए उसे जेल क्यों न जाना पड़े"?

(A) दंड एवं आज्ञापालन अभिविन्यास (अवस्था 1)

(B) अच्छा लड़का - अच्छी लड़की अभिविन्यास (अवस्था 3)

(C) कानून और व्यवस्था अभिविन्यास (अवस्था 4)

(D) सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास (अवस्था 6 — उत्तर-परंपरागत स्तर)

• **सही उत्तर: (D)**

• **विस्तृत व्याख्या:** जब नैतिक निर्णय बाहरी कानूनों से ऊपर उठकर अंतरात्मा, मानवाधिकार और मानव जीवन की सर्वोच्च गरिमा पर आधारित होता है, तो वह कोहलबर्ग के **उत्तर-परंपरागत स्तर की छठी अवस्था (Universal Ethical Principles Orientation)** को दर्शाता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #14 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 14. [CTET Paper 1 & 2] एक छात्र कक्षा में केवल इसलिए शांत बैठता है और अपना गृहकार्य दिखाता है ताकि उसकी शिक्षिका और माता-पिता उसकी प्रशंसा करें और उसे 'एक आदर्श व अच्छा बच्चा' मानें। कोहलबर्ग के अनुसार वह नैतिक विकास की किस अवस्था में है?

(A) साधनात्मक सापेक्षता अभिविन्यास (अवस्था 2)

(B) 'अच्छा लड़का - अच्छी लड़की' अभिविन्यास (अवस्था 3 — परंपरागत स्तर)

(C) सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास (अवस्था 5)

(D) आज्ञापालन और दंड अभिविन्यास (अवस्था 1)

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** दूसरों की नजरों में अच्छा बनने और सामाजिक प्रशंसा/स्वीकृति पाने के लिए नैतिक आचरण करना **परंपरागत स्तर की अवस्था 3 (Good Boy - Nice Girl Orientation)** की मुख्य विशेषता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #15 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 15. [CTET Paper 2 / DSSSB] मनोवैज्ञानिक कैरल गिलिगन (Carol Gilligan) ने लॉरेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत की आलोचना किस मुख्य आधार पर की थी?

(A) कोहलबर्ग ने बच्चों के संज्ञानात्मक विकास का अध्ययन नहीं किया

(B) कोहलबर्ग का सिद्धांत लिंग-पक्षपाती (Gender-Biased) था जिसने महिलाओं के 'देखभाल और संबंधों के नैतिक दृष्टिकोण' (Ethics of Care) की उपेक्षा कर केवल पुरुषों के 'न्याय के दृष्टिकोण' (Ethics of Justice) को उच्च माना

(C) कोहलबर्ग ने नैतिक विकास में अनुवांशिकी को सर्वोपरि माना

(D) कोहलबर्ग ने प्रयोगात्मक विधि का उपयोग नहीं किया

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** कैरल गिलिगन ने अपनी पुस्तक *In a Different Voice* में स्पष्ट किया कि महिलाओं की नैतिकता **देखभाल, करुणा और संबंधों (Ethics of Care)** पर केंद्रित होती है, जिसे कोहलबर्ग के पुरुष-केंद्रित मापदंड ने कमतर आंका था (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #16 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 16. [KVS / DSSSB / UPTET] एरिक एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास सिद्धांत के अनुसार 'किशोरावस्था' (12 से 18 वर्ष) का प्रमुख मनोसामाजिक द्वंद्व (Crisis) क्या है?

(A) पहल बनाम अपराधबोध (Initiative vs. Guilt)

(B) परिश्रम बनाम हीनता (Industry vs. Inferiority)

(C) पहचान बनाम भूमिका संभ्रांति (Identity vs. Role Confusion)

(D) आत्मीयता बनाम अलगाव (Intimacy vs. Isolation)

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या:** एरिक्सन के अनुसार किशोरावस्था (12–18 वर्ष) में किशोर अपनी स्वयं की **पहचान (Identity)** स्थापित करने का प्रयास करता है और असफल रहने पर **भूमिका संभ्रांति (Role Confusion)** का शिकार होता है, जबकि विद्यालयी आयु (6–12 वर्ष) का संकट 'परिश्रम बनाम हीनता' है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #17 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 17. [KVS / DSSSB] जेरोम ब्रूनर के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार, बालक में ज्ञान के प्रतिनिधित्व की तीनों अवस्थाओं का सही विकासात्मक क्रम क्या है?

(A) संकेतात्मक → प्रतिबिंबात्मक → क्रियात्मक

(B) क्रियात्मक (Enactive) → प्रतिबिंबात्मक (Iconic) → संकेतात्मक (Symbolic)

(C) प्रतिबिंबात्मक → क्रियात्मक → संकेतात्मक

(D) संवेदी → मूर्त → औपचारिक

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** ब्रूनर के अनुसार बच्चा पहले शारीरिक क्रियाओं से **(Enactive)**, फिर चित्रों/प्रतिमाओं से **(Iconic)** और अंत में भाषा व अमूर्त चिह्नों से **(Symbolic)** सीखता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #18 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 18. [UPTET / SuperTET / KVS] एडवर्ड ली थॉर्नडाइक द्वारा प्रतिपादित सीखने के तीन मुख्य नियमों (Primary Laws of Learning) में निम्नलिखित में से कौन-सा नियम शामिल **नहीं** है?

(A) तत्परता का नियम (Law of Readiness)

(B) अभ्यास का नियम (Law of Exercise)

(C) प्रभाव का नियम (Law of Effect)

(D) सादृश्यता / आत्मीकरण का नियम (Law of Analogy / Assimilation)

- **सही उत्तर: (D)**
- **विस्तृत व्याख्या:** तत्परता, अभ्यास और प्रभाव थॉर्नडाइक के **3 मुख्य नियम** हैं, जबकि **सादृश्यता का नियम (Law of Analogy)** उनके 5 गौण नियमों (Secondary Laws) में से एक है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #19 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 19. [CTET / DSSSB / KVS] एक छोटा बच्चा जब पहली बार सफेद कोट पहने डॉक्टर से इंजेक्शन लगवाता है तो दर्द के कारण रोने लगता है। कुछ दिनों बाद वह सफेद कोट पहने किसी भी व्यक्ति (यहाँ तक कि दूधवाले या केमिस्ट) को देखकर भी डरकर रोने लगता है। पावलॉव के शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत के अनुसार यह किस प्रक्रिया का उदाहरण है?

(A) उद्दीपक विभेदन (Stimulus Discrimination)

(B) उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization)

(C) विलोपन (Extinction)

(D) स्वतः पुनर्लाभ (Spontaneous Recovery)

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** जब प्राणी मूल अनुबंधित उद्दीपक (सफेद कोट वाला डॉक्टर) से मिलते-जुलते अन्य सभी समान उद्दीपकों के प्रति भी वही भय या अनुक्रिया प्रदर्शित करने लगता है, तो इसे **उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization)** कहते हैं (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #20 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 20. [KVS / DSSSB PRT & TGT] बी.एफ. स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांत में 'नकारात्मक पुनर्बलन' (Negative Reinforcement) का सही अर्थ क्या है?

(A) बच्चे को गलत व्यवहार करने पर शारीरिक दंड देना

(B) बच्चे से उसका पसंदीदा खिलौना छीन लेना ताकि वह रोना बंद कर दे

(C) किसी अप्रिय या कष्टकारी उद्दीपक को हटा लेना जिससे वांछित व्यवहार के घटित होने की संभावना बढ़ जाए

(D) बच्चे को कक्षा से बाहर निकाल देना

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या: नकारात्मक पुनर्बलन** दंड नहीं है; इसमें किसी अप्रिय स्थिति या कष्टकारी उद्दीपक को हटाकर (जैसे— समय पर प्रोजेक्ट जमा करने पर सप्ताहांत की अतिरिक्त कक्षा से छूट देना) **वांछित व्यवहार की दर को बढ़ाया जाता है** (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #21 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 21. [UPTET / KVS / REET] गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिक वोल्फगैंग कोहलर द्वारा चिंपांजी 'सुल्तान' पर किए गए प्रयोग किस अधिगम सिद्धांत को स्थापित करते हैं?

(A) प्रयास एवं त्रुटि द्वारा क्रमिक अधिगम

(B) अंतर्दृष्टि या सूझ द्वारा अधिगम (Insight Learning) जिसमें समस्या का समग्र प्रत्यक्षीकरण होता है

(C) केवल दंड और पुरस्कार द्वारा अनुबंधन

(D) निष्क्रिय नकल द्वारा सीखना

- **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** कोहलर के अनुसार अधिगम यांत्रिक प्रयास और त्रुटि से नहीं, बल्कि परिस्थिति के **समग्र प्रत्यक्षीकरण (Gestalt)** और अचानक उत्पन्न होने वाली **अंतर्दृष्टि या सूझ (Insight)** से होता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #22 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 22. [CTET / KVS / DSSSB] अल्बर्ट बंडूरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Observational Learning) के अनुसार प्रेक्षणात्मक अधिगम के चार चरणों का सही क्रम क्या है?

(A) धारण → अवधान → अभिप्रेरणा → पुनरुत्पादन

(B) अवधान (Attention) → धारण (Retention) → पुनरुत्पादन (Reproduction) → अभिप्रेरणा (Motivation)

(C) अभिप्रेरणा → अवधान → पुनरुत्पादन → धारण

(D) पुनरुत्पादन → धारण → अवधान → अभिप्रेरणा

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** बंडूरा के अनुसार बालक पहले मॉडल के व्यवहार पर **ध्यान (Attention)** देता है, फिर उसे स्मृति में **धारण (Retention)** करता है, फिर उसे क्रिया में **पुनरुत्पादित (Reproduction)** करता है और अंत में **अभिप्रेरणा/पुनर्बलन (Motivation)** से उसे स्थायी बनाता है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #23 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 23. [CTET Paper 1 & 2 2024] हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत (Multiple Intelligences) के अनुसार, एक सफल मनोचिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता या कुशल राजनेता में जो दूसरे व्यक्तियों के मनोभावों, इच्छाओं और व्यवहार को सटीक रूप से समझने की उच्च क्षमता होती है, वह किस प्रकार की बुद्धि है?

(A) अंत:वैयक्तिक बुद्धि (Intrapersonal Intelligence)

(B) अंतर-वैयक्तिक बुद्धि (Interpersonal Intelligence)

(C) स्थानिक बुद्धि (Spatial Intelligence)

(D) अस्तित्ववादी बुद्धि (Existential Intelligence)

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या: अंतर-वैयक्तिक बुद्धि (Interpersonal Intelligence)** दूसरे लोगों की भावनाओं और इरादों को समझने की क्षमता है, जबकि **अंत:वैयक्तिक बुद्धि (Intrapersonal Intelligence)** स्वयं के आंतरिक मन और भावनाओं को समझने की क्षमता है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #24 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 24. [CTET Paper 1 / KVS] हावर्ड गार्डनर के अनुसार एक कुशल 'मूर्तिकार', 'वास्तुकार (Architect)' और 'विमान पायलट' में मुख्य रूप से किस प्रकार की बुद्धि की प्रबलता होती है?

(A) भाषाई बुद्धि

(B) संगीतात्मक बुद्धि

(C) स्थानिक / दृश्य बुद्धि (Spatial Intelligence)

(D) प्रकृतिवादी बुद्धि

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या:** स्थान, दिशा, आकार और त्रि-आयामी (3D) पैटर्न की मानसिक कल्पना करने और उन्हें रूपांतरित करने की क्षमता **स्थानिक बुद्धि (Spatial Intelligence)** कहलाती है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #25 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 25. [UPTET / DSSSB / SuperTET] यदि किसी 10 वर्ष की वास्तविक आयु (Chronological Age - CA) वाले बालक की मानसिक आयु (Mental Age - MA) 12 वर्ष है, तो टर्मन के बुद्धि लब्धि सूत्र (IQ = (MA / CA) × 100) के अनुसार उसकी बुद्धि लब्धि (IQ) कितनी होगी?

(A) 83.3

(B) 100

(C) 120

(D) 140

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या:** सूत्र IQ = (MA / CA) × 100 = (12 / 10) × 100 = 120 (श्रेष्ठ बुद्धि / Superior Intelligence) (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #26 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 26. [CTET / KVS / DSSSB 2025] दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act), 2016 में दिव्यांगताओं की श्रेणियों की संख्या को पुराने 1995 के अधिनियम की 7 श्रेणियों से बढ़ाकर कितना कर दिया गया है?

(A) 14 श्रेणियाँ

(B) 18 श्रेणियाँ

(C) 21 श्रेणियाँ

(D) 25 श्रेणियाँ

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या: RPwD अधिनियम, 2016** में कुल **21 प्रकार की दिव्यांगताओं** को मान्यता दी गई है, जिनमें पहली बार एसिड अटैक पीड़ित, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, सिकल सेल रोग, पार्किंसंस रोग, बौनापन और विशिष्ट अधिगम दिव्यांगताओं को जोड़ा गया (DEPwD Official Portal)।

अभ्यास प्रश्न #27 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 27. [KVS / DSSSB Special Educator] दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act), 2016 के अनुसार 'बेंचमार्क दिव्यांगता' (Benchmark Disability) वाले व्यक्तियों के लिए सरकारी नौकरियों और सरकारी/सहायता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों में क्रमशः कितने प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है?

(A) नौकरियों में 3% और उच्च शिक्षा में 3%

(B) नौकरियों में 4% और उच्च शिक्षा में 5%

(C) नौकरियों में 5% और उच्च शिक्षा में 4%

(D) नौकरियों में 7% और उच्च शिक्षा में 10%

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** RPwD अधिनियम, 2016 की **धारा 34** के तहत सरकारी नौकरियों में न्यूनतम **4% आरक्षण** और **धारा 32** के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में न्यूनतम **5% आरक्षण** निर्धारित है (RPwD Act 2016)।

अभ्यास प्रश्न #28 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 28. [CTET Paper 1 & 2] कक्षा 3 का एक छात्र पढ़ते समय बार-बार 'saw' को 'was', 'b' को 'd' और '6' को '9' पढ़ता है तथा ध्वनियों को अक्षरों से जोड़ने में कठिनाई महसूस करता है। यह लक्षण किस विशिष्ट अधिगम अक्षमता (Specific Learning Disability) की ओर संकेत करता है?

(A) डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia)

(B) डिस्लेक्सिया (Dyslexia)

(C) डिस्प्रैक्सिया (Dyspraxia)

(D) अफेजिया (Aphasia)

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** पठन और अक्षर-ध्वनि पहचान में होने वाली विशिष्ट कठिनाई **डिस्लेक्सिया (Dyslexia)** कहलाती है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #29 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 29. [CTET Paper 1 / KVS] जिस बालक को संख्याओं के स्थानीय मान, जोड़-घटाव के चिह्नों और गणितीय गणनाओं को समझने में गंभीर और स्थायी कठिनाई होती है, वह किस अधिगम अक्षमता से प्रभावित है?

(A) डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)

(B) डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia)

(C) डिस्लेक्सिया (Dyslexia)

(D) ऑटिज्म (Autism)

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** गणितीय कौशल और गणना संबंधी विकार को **डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia)** कहते हैं (DEPwD)।

अभ्यास प्रश्न #30 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 30. [CTET Paper 1 & 2] 'अवधान न्यूनता अतिक्रियाशीलता विकार' (ADHD) से जूझ रहे छात्र के समावेशन के लिए एक शिक्षक को कक्षा में निम्नलिखित में से कौन-सी रणनीति अपनानी चाहिए?

(A) छात्र को प्रतिदिन 3 घंटे का लंबा और एकसमान लिखित कार्य देना

(B) छात्र को कक्षा के सबसे पिछले कोने में अकेले बैठा देना

(C) लंबे कार्यों को छोटे-छोटे, रोचक और प्रबंधनीय खंडों में विभाजित करना तथा नियमित अंतराल पर संक्षिप्त शारीरिक गतिविधि के अवसर देना

(D) छात्र की चंचलता के लिए उसके अंक काट लेना

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या:** ADHD वाले बच्चों का ध्यान-विस्तार (Attention Span) कम होता है, इसलिए कार्यों को **छोटे-छोटे चरणों (Chunking)** में बांटना और बहु-संवेदी गतिविधियाँ कराना सबसे प्रभावी शैक्षणिक उपाय है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #31 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 31. [CTET / KVS / DSSSB 2024–2026] राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष कौन थे?

(A) प्रो. यशपाल

(B) डॉ. के. कस्तूरीरंगन

(C) टी.एस.आर. सुब्रमण्यम

(D) डॉ. डी.एस. कोठारी

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** पद्म विभूषण **डॉ. के. कस्तूरीरंगन** की अध्यक्षता वाली समिति ने NEP 2020 का मसौदा तैयार किया था और उन्हीं की अध्यक्षता में NCF-SE 2023 का भी निर्माण हुआ (NEP 2020 Official PDF)।

अभ्यास प्रश्न #32 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 32. [CTET Paper 1 & 2 / KVS] राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 द्वारा प्रस्तावित नई 5+3+3+4 स्कूली शिक्षा संरचना में प्रथम 5 वर्षों के 'फाउंडेशनल स्टेज' (Foundational Stage) में किस आयु वर्ग और किन कक्षाओं के बच्चे शामिल हैं?

(A) 6 से 11 वर्ष (कक्षा 1 से 5)

(B) 3 से 8 वर्ष (3 वर्ष आंगनवाड़ी/बालवाटिका + 2 वर्ष कक्षा 1 एवं 2)

(C) 5 से 10 वर्ष (प्री-स्कूल से कक्षा 4)

(D) जन्म से 5 वर्ष (केवल आंगनवाड़ी)

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** NEP 2020 के अनुसार फाउंडेशनल स्टेज **3 से 8 वर्ष** की आयु के बच्चों के लिए 5 वर्ष का चरण है, जिसमें 3 वर्ष की प्री-स्कूल/बालवाटिका (3–6 वर्ष) और कक्षा 1 व 2 (6–8 वर्ष) शामिल हैं (NCF-FS 2022)।

अभ्यास प्रश्न #33 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 33. [CTET / KVS] NEP 2020 के अनुसार स्कूली शिक्षा के किस स्तर से विद्यार्थियों के लिए 'व्यावसायिक शिक्षा' (Vocational Education — स्थानीय कारीगरों के साथ इंटर्नशिप और 10-दिवसीय बैगलेस पीरियड सहित) और 'कोडिंग' (Coding) की शुरुआत की जाएगी?

(A) फाउंडेशनल स्टेज (कक्षा 1 से)

(B) प्रिपरेटरी स्टेज (कक्षा 3 से)

(C) मिडिल स्टेज (कक्षा 6 से)

(D) सेकेंडरी स्टेज (कक्षा 9 से)

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या:** NEP 2020 के अंतर्गत **मिडिल स्टेज (कक्षा 6 से 8)** से ही व्यावसायिक शिक्षा, हस्तशिल्प इंटर्नशिप (10-Day Bagless Period) और कोडिंग का प्रारंभ किया गया है (NEP 2020 Official PDF)।

अभ्यास प्रश्न #34 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 34. [CTET Paper 1 & 2 / DSSSB] NEP 2020 के अंतर्गत स्थापित किए गए राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र 'PARAKH' का पूर्ण रूप (Full Form) क्या है?

(A) Programme for Assessment of Reading and Knowledge in Hindi

(B) Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development

(C) Primary Assessment and Research Agency for Knowledge Hierarchy

(D) Pedagogical Analysis and Review of Academic Knowledge in Higher-education

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या: PARAKH** का पूर्ण रूप *Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development* है, जो देश के सभी स्कूल बोर्डों के लिए मूल्यांकन मानक और दिशानिर्देश तय करने वाला निकाय है (NEP 2020 Official PDF)।

अभ्यास प्रश्न #35 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 35. [CTET / KVS / SuperTET] भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'निपुण भारत' (NIPUN Bharat) मिशन के अंतर्गत 'बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान' (Foundational Literacy and Numeracy - FLN) का लक्ष्य किस कक्षा के अंत तक प्राप्त करने के लिए निर्धारित किया गया है?

(A) बालवाटिका के अंत तक

(B) कक्षा 2 के अंत तक

(C) कक्षा 3 के अंत तक (आयु 9 वर्ष तक)

(D) कक्षा 5 के अंत तक

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या:** निपुण भारत मिशन का मुख्य लक्ष्य **कक्षा 3 के अंत तक** प्रत्येक बच्चे में समझ के साथ पढ़ने (Reading with Comprehension) और बुनियादी संख्यात्मक गणना (Numeracy) की दक्षता सुनिश्चित करना है (NEP 2020 Official PDF)।

अभ्यास प्रश्न #36 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 36. [CTET / KVS / NCF-SE 2023] राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS 2022 एवं NCF-SE 2023) में भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित 'पंचकोशीय विकास' (Panchakosha Vikas) के अंतर्गत 'विज्ञानमय कोश' और 'मनोमय कोश' क्रमशः विकास के किन आयामों से संबंधित हैं?

(A) शारीरिक विकास और प्राण ऊर्जा विकास

(B) बौद्धिक/संज्ञानात्मक विकास (Intellectual) और भावनात्मक/मानसिक विकास (Emotional & Mental)

(C) केवल खेलकूद और केवल पोषण

(D) व्यावसायिक प्रशिक्षण और परीक्षा परिणाम

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** NCF 2022/2023 के अनुसार अन्नमय कोश (शारीरिक), प्राणमय कोश (प्राण/इंद्रिय ऊर्जा), **मनोमय कोश (भावनात्मक एवं मानसिक विकास)**, **विज्ञानमय कोश (बौद्धिक एवं तार्किक विकास)** और आनंदमय कोश (आंतरिक आनंद एवं करुणा) से संबंधित है (NCF-FS 2022)।

अभ्यास प्रश्न #37 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 37. [CTET 2025 / DSSSB] NCF-FS 2022 और NCF-SE 2023 में शिक्षण के लिए प्रस्तावित पाँच-चरणीय प्रक्रिया 'पंचपदी' (Panchapadi) के पाँचों चरणों का सही क्रम क्या है?

(A) बोध → अदिति → प्रयोग → अभ्यास → प्रसार

(B) अदिति (परिचय) → बोध (वैचारिक समझ) → अभ्यास (सुदृढ़ीकरण) → प्रयोग (अनुप्रयोग) → प्रसार (विस्तार)

(C) अभ्यास → बोध → अदिति → प्रसार → प्रयोग

(D) प्रसार → प्रयोग → अभ्यास → बोध → अदिति

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** पंचपदी के 5 क्रमिक चरण हैं: **अदिति (Aditi) → बोध (Bodh) → अभ्यास (Abhyas) → प्रयोग (Prayog) → प्रसार (Prasar)** (NCF-FS 2022)।

अभ्यास प्रश्न #38 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 38. [CTET Paper 1 & 2 / KVS] निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act), 2009 की अनुसूची के अनुसार, प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के लिए एक शैक्षणिक वर्ष में न्यूनतम कितने कार्य दिवस और शैक्षणिक घंटे निर्धारित हैं?

(A) प्राथमिक: 180 दिन (600 घंटे); उच्च प्राथमिक: 200 दिन (800 घंटे)

(B) प्राथमिक: 200 कार्य दिवस (800 शैक्षणिक घंटे); उच्च प्राथमिक: 220 कार्य दिवस (1000 शैक्षणिक घंटे)

(C) प्राथमिक: 220 दिन (1000 घंटे); उच्च प्राथमिक: 250 दिन (1200 घंटे)

(D) दोनों स्तरों के लिए समान रूप से 200 दिन और 900 घंटे

- **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** RTE अधिनियम, 2009 की अनुसूची के अनुसार कक्षा 1–5 के लिए **200 कार्य दिवस (800 घंटे)** और कक्षा 6–8 के लिए **220 कार्य दिवस (1000 घंटे)** अनिवार्य हैं (**RTE Act, India Code**)।

अभ्यास प्रश्न #39 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 39. [CTET / UPTET / SuperTET] RTE अधिनियम, 2009 के अनुसार एक शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह न्यूनतम कितने कार्य घंटे (जिनमें शिक्षण के साथ-साथ तैयारी के घंटे भी शामिल हैं) निर्धारित किए गए हैं?

(A) 35 घंटे

(B) 40 घंटे

(C) 45 घंटे

(D) 48 घंटे

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या:** RTE अधिनियम, 2009 की अनुसूची के अनुसार प्रत्येक शिक्षक के लिए **प्रति सप्ताह न्यूनतम 45 कार्य घंटे** (तैयारी के घंटों सहित) निर्धारित हैं (**RTE Act, India Code**)।

अभ्यास प्रश्न #40 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 40. [CTET / KVS / DSSSB] RTE अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(c) के अंतर्गत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों (Private Unaided Schools) को अपनी प्रारंभिक कक्षा (कक्षा 1 या पूर्व-प्राथमिक) की कुल सीटों का कम से कम कितने प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों (EWS & Disadvantaged Groups) के बच्चों के लिए आरक्षित रखना अनिवार्य है?

(A) 10%

(B) 15%

(C) 25%

(D) 33%

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या: धारा 12(1)(c)** के अनुसार पड़ोस के कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए निजी स्कूलों में न्यूनतम **25% सीटों** पर निःशुल्क प्रवेश अनिवार्य है (**RTE Act Section 12**)।

अभ्यास प्रश्न #41 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 41. [CTET Paper 1 & 2] जब एक रसोइया सूप बनाते समय बीच में उसे चखकर देखता है ताकि यदि नमक या मसाले कम हों तो उन्हें परोसने से पहले ही ठीक किया जा सके, तो शिक्षाशास्त्र में यह उदाहरण किस प्रकार के मूल्यांकन को दर्शाता है?

(A) अधिगम का आकलन (Assessment of Learning / Summative Assessment)

(B) अधिगम के लिए आकलन (Assessment for Learning / Formative Assessment)

(C) मानकीकृत बोर्ड मूल्यांकन

(D) केवल वार्षिक ग्रेडिंग

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के **दौरान** छात्रों की कठिनाइयों की पहचान करने और शिक्षण में तत्काल सुधार (Feedback & Remediation) करने के लिए किया जाने वाला रचनात्मक मूल्यांकन **'अधिगम के लिए आकलन' (Assessment for Learning)** कहलाता है, जबकि जब रसोइया के बजाय मेहमान अंत में सूप चखकर निर्णय देता है तो वह 'अधिगम का आकलन' (Assessment of Learning) है (**NCERT NCF-SE 2023**)।

अभ्यास प्रश्न #42 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 42. [CTET Paper 2 / KVS] जब एक विद्यार्थी अपनी स्वयं की सीखने की रणनीतियों, अपनी प्रगति और अपनी त्रुटियों का स्वयं आत्म-निरीक्षण एवं मूल्यांकन (Metacognition / Self-Assessment) करता है, तो इसे क्या कहा जाता है?

(A) अधिगम का आकलन (Assessment of Learning)

(B) अधिगम के रूप में आकलन (Assessment as Learning)

(C) बाह्य योगात्मक आकलन

(D) मानदंड-संदर्भित परीक्षण

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** स्व-मूल्यांकन (Self-assessment) और सहपाठी मूल्यांकन (Peer-assessment) के माध्यम से अधिसंज्ञान (Metacognition) विकसित करना **'अधिगम के रूप में आकलन' (Assessment as Learning)** कहलाता है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #43 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 43. [CTET / DSSSB] 'निदानात्मक परीक्षण' (Diagnostic Test) आयोजित करने के तुरंत बाद एक शिक्षक को अनिवार्य रूप से कौन-सा कदम उठाना चाहिए?

(A) कम अंक लाने वाले छात्रों को अगली कक्षा में जाने से रोक देना

(B) छात्रों की सूची नोटिस बोर्ड पर लगा देना

(C) पहचाने गए अधिगम अंतराल (Learning Gaps) को दूर करने के लिए 'उपचारात्मक शिक्षण' (Remedial Teaching) की व्यवस्था करना

(D) पूरे पाठ्यक्रम को बिना समझाए दोबारा रटवाना

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या:** निदानात्मक परीक्षण का उद्देश्य ही सीखने में आ रही विशिष्ट कठिनाइयों का कारण जानना है ताकि उसके तुरंत बाद लक्षित **उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)** दिया जा सके (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #44 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 44. [CTET Paper 1 & 2] निम्नलिखित में से कौन-सा लक्षण एक 'सृजनात्मक बालक' (Creative Child) की मुख्य विशेषता है?

(A) केवल एक ही बंधे-बंधाए तरीके से प्रश्न हल करना (अभिसारी चिंतन)

(B) अपसारी चिंतन (Divergent Thinking), मौलिकता (Originality), वैचारिक लचीलापन (Flexibility) और जिज्ञासा

(C) बिना प्रश्न पूछे हर बात को ज्यों का त्यों याद कर लेना

(D) जोखिम लेने से हमेशा बचना

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** जे.पी. गिलफोर्ड और टोरेंस के अनुसार सृजनात्मकता का सीधा संबंध **अपसारी चिंतन (Divergent Thinking)**, प्रवाह (Fluency), लचीलेपन (Flexibility), मौलिकता (Originality) और विस्तारण (Elaboration) से है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #45 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 45. [CTET / KVS] एक छात्रा गणित की परीक्षा की तैयारी इसलिए नहीं करती कि उसे प्रथम आने पर साइकिल मिलेगी, बल्कि इसलिए करती है क्योंकि उसे गणित की पहेलियाँ सुलझाने में आंतरिक आनंद और आत्म-संतुष्टि मिलती है। यह किस प्रकार की अभिप्रेरणा है?

(A) बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation)

(B) आंतरिक / स्वाभाविक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)

(C) नकारात्मक प्रलोभन

(D) कृत्रिम अनुबंधन

- **सही उत्तर: (B)**

- **विस्तृत व्याख्या:** जब कोई कार्य किसी बाहरी पुरस्कार या दंड के भय से नहीं, बल्कि स्वयं की रुचि, जिज्ञासा और आंतरिक संतोष के लिए किया जाता है, तो वह **आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)** कहलाती है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #46 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 46. [CTET Paper 1 & 2] जब एक शिक्षक विद्यालय के वार्षिक उत्सव में कहता है कि "लड़कियाँ केवल स्वागत गीत और रंगोली के कार्यक्रम में भाग लेंगी तथा लड़के मंच संचालन और खेल प्रतियोगिताओं का प्रबंधन करेंगे", तो शिक्षक का यह व्यवहार क्या प्रदर्शित करता है?

(A) लैंगिक समानता (Gender Equality)

(B) लैंगिक क्षमता (Gender Equity)

(C) लैंगिक रूढ़िवादिता और पक्षपात (Gender Stereotyping and Bias)

(D) प्रगतिशील बाल-केंद्रित शिक्षा

- **सही उत्तर: (C)**

- **विस्तृत व्याख्या:** कार्यों और भूमिकाओं को लिंग के आधार पर पारंपरिक खांचों में बांटना **लैंगिक रूढ़िवादिता (Gender Stereotyping)** और लैंगिक पक्षपात का प्रत्यक्ष उदाहरण है (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #47 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 47. [CTET / DSSSB / KVS] 'प्रगतिशील शिक्षा' (Progressive Education) के जनक जॉन डीवी (John Dewey) के अनुसार विद्यालय को किस रूप में देखा जाना चाहिए?

(A) केवल परीक्षा की तैयारी कराने वाले केंद्र के रूप में

(B) एक लघु समाज (Miniature Society) और लोकतांत्रिक प्रयोगशाला के रूप में जहाँ बच्चे 'करके सीखने' (Learning by Doing) और अनुभव के माध्यम से ज्ञान का निर्माण करते हैं

(C) कठोर सैन्य अनुशासन वाले प्रशिक्षण केंद्र के रूप में

(D) वयस्कों के विचारों को बच्चों पर थोपने वाले स्थान के रूप में

- **सही उत्तर: (B)**

- **विस्तृत व्याख्या:** जॉन डीवी ने शिक्षा को **त्रिध्रुवीय प्रक्रिया (शिक्षक, बालक और पाठ्यक्रम/समाज)** माना और विद्यालय को समाज का लघु रूप बताते हुए **'करके सीखने' (Learning by Doing)** पर बल दिया (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #48 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 48. [CTET Paper 1 & 2] भाषा अर्जन (Language Acquisition) के संदर्भ में प्रसिद्ध भाषाविद् **नोम चोम्स्की (Noam Chomsky)** का मानना है कि प्रत्येक मानव शिशु में भाषा के व्याकरणिक नियमों को स्वाभाविक रूप से ग्रहण करने की एक जन्मजात क्षमता होती है, जिसे उन्होंने क्या नाम दिया है?

(A) अनुबंधित अनुक्रिया यंत्र

(B) भाषा अर्जन यंत्र (Language Acquisition Device - LAD) एवं सार्वभौमिक व्याकरण (Universal Grammar)

(C) समीपस्थ भाषा क्षेत्र

(D) व्यवहारवादी नकल तंत्र

- **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** नोम चोम्स्की ने प्रतिपादित किया कि बच्चों के मस्तिष्क में जन्मजात **भाषा अर्जन यंत्र (LAD)** और **सार्वभौमिक व्याकरण (Universal Grammar)** की क्षमता होती है (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #49 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 49. [CTET Paper 2 / KVS] बेंजामिन ब्लूम के संशोधित संज्ञानात्मक वर्गीकरण (Anderson & Krathwohl's Revised Bloom's Taxonomy, 2001) के अनुसार संज्ञानात्मक उद्देश्यों का निम्नतम से उच्चतम स्तर की ओर सही क्रम क्या है?

(A) समझना → याद रखना → लागू करना → मूल्यांकन करना → विश्लेषण करना → सृजन करना

(B) याद रखना (Remembering) → समझना (Understanding) → लागू करना (Applying) → विश्लेषण करना (Analyzing) → मूल्यांकन करना (Evaluating) → सृजन करना (Creating)

(C) याद रखना → समझना → विश्लेषण करना → लागू करना → सृजन करना → मूल्यांकन करना

(D) सृजन करना → मूल्यांकन करना → विश्लेषण करना → लागू करना → समझना → याद रखना

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** 2001 की संशोधित ब्लूम टैक्सोनॉमी में संज्ञा शब्दों को क्रिया रूप में बदलते हुए सर्वोच्च स्तर पर **'सृजन करना' (Creating)** को रखा गया है: **Remembering → Understanding → Applying → Analyzing → Evaluating → Creating** (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #50 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 50. [CTET Paper 1 & 2] जब बच्चे विद्यालय में प्रवेश करते हैं तो वे प्राकृतिक घटनाओं (जैसे— बारिश कैसे होती है या पौधे कैसे बढ़ते हैं) के बारे में अपने दैनिक अनुभवों पर आधारित कुछ सहज धारणाएं लेकर आते हैं, जिन्हें शिक्षाशास्त्र में 'वैकल्पिक अवधारणाएँ' (Alternative Conceptions / Naive Theories) कहा जाता है। एक शिक्षक को इन वैकल्पिक अवधारणाओं के प्रति क्या दृष्टिकोण रखना चाहिए?

(A) बच्चों को डांटकर बताना चाहिए कि उनकी सोच पूरी तरह गलत और मूर्खतापूर्ण है

(B) इन अवधारणाओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर केवल पाठ्यपुस्तक की परिभाषाएं लिखवानी चाहिए

(C) इन्हें बच्चों के अर्थ-निर्माण की स्वाभाविक प्रक्रिया मानते हुए उन पर चर्चा करनी चाहिए और प्रत्यक्ष प्रयोगों व साक्ष्यों के माध्यम से वैज्ञानिक समझ विकसित करने में मदद करनी चाहिए

(D) ऐसे बच्चों को अलग सेक्शन में भेज देना चाहिए

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या:** बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाएँ और त्रुटियाँ उनके चिंतन की खिड़कियाँ (Windows into child's thinking) होती हैं; शिक्षक को इन्हें आधार बनाकर रचनावादी चर्चा और प्रयोग द्वारा वैज्ञानिक संप्रत्यय स्पष्ट करने चाहिए (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #51 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 51. [KVS / DSSSB / CTET] अब्राहम मास्लो (Abraham Maslow) के 'आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत' (Hierarchy of Needs) के अनुसार, यदि कोई बालक सुबह से भूखा और प्यासा है, तो वह कक्षा में पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता। यह किस स्तर की आवश्यकता की अपूर्ति के कारण है?

(A) आत्म-सिद्धि की आवश्यकता (Self-Actualization Needs)

(B) आत्म-सम्मान की आवश्यकता (Esteem Needs)

(C) दैहिक / शारीरिक आवश्यकताएँ (Physiological Needs — प्रथम एवं आधारभूत स्तर)

(D) सामाजिक प्रतिष्ठा की आवश्यकता

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या:** मास्लो के पिरामिड में सबसे निचले और प्रथम आधार पर **शारीरिक आवश्यकताएँ (भूख, प्यास, नींद, हवा)** आती हैं; जब तक ये बुनियादी आवश्यकताएँ पूरी नहीं होतीं, व्यक्ति उच्च स्तरीय संज्ञानात्मक आवश्यकताओं की ओर नहीं बढ़ पाता (इसी सिद्धांत पर विद्यालयों में PM-POSHAN / मिड-डे मील योजना आधारित है) (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #52 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 52. [CTET Paper 2 / KVS] रॉबर्ट स्टर्नबर्ग (Robert Sternberg) के 'बुद्धि के त्रितंत्रीय सिद्धांत' (Triarchic Theory of Intelligence) में निम्नलिखित में से कौन-से तीन घटक शामिल हैं?

(A) सामान्य कारक, विशिष्ट कारक और समूह कारक

(B) विश्लेषणात्मक (घटकीय), सृजनात्मक (अनुभवात्मक) और व्यावहारिक (संदर्भात्मक) बुद्धि

(C) संक्रिया, विषय-वस्तु और उत्पाद

(D) भाषाई, स्थानिक और संगीतात्मक बुद्धि

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** स्टर्नबर्ग की त्रितंत्रीय बुद्धि में **(1) विश्लेषणात्मक/घटकीय (Analytical/Componential), (2) सृजनात्मक/अनुभवात्मक (Creative/Experiential)** और **(3) व्यावहारिक/संदर्भात्मक (Practical/Contextual)** बुद्धि शामिल हैं (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #53 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 53. [CTET Paper 1 & 2] एक बहुभाषी (Multilingual) कक्षा में जहाँ विभिन्न मातृभाषाओं (जैसे— भोजपुरी, अवधी, संथाली, हिंदी) को बोलने वाले बच्चे पढ़ते हैं, वहाँ शिक्षक को बहुभाषिकता को किस रूप में देखना चाहिए?

(A) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में एक बड़ी बाधा और समय की बर्बादी के रूप में

(B) एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन (Asset / Resource) और संज्ञानात्मक लचीलेपन के साधन के रूप में

(C) विद्यालय के अनुशासन के विरुद्ध एक समस्या के रूप में

(D) केवल मानक भाषा न जानने की कमजोरी के रूप में

• **सही उत्तर: (B)**

• **विस्तृत व्याख्या:** NEP 2020 और NCF-SE 2023 दोनों स्पष्ट करते हैं कि बहुभाषिकता (Multilingualism) कक्षा में एक बोझ नहीं बल्कि एक **अमूल्य संसाधन (Resource)** है जो बच्चों के संज्ञानात्मक विकास और सांस्कृतिक सम्मान को बढ़ावा देती है (NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #54 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 54. [CTET / KVS / DSSSB] जब साइकिल चलाना जानने वाला एक छात्र स्कूटर या मोटरसाइकिल चलाना सीखता है, तो साइकिल के संतुलन का उसका पूर्व ज्ञान स्कूटर सीखने में सहायता करता है। यह 'अधिगम के स्थानांतरण' (Transfer of Learning) का कौन-सा प्रकार है?

(A) शून्य स्थानांतरण (Zero Transfer)

(B) नकारात्मक स्थानांतरण (Negative Transfer)

(C) सकारात्मक / धनात्मक स्थानांतरण (Positive Transfer)

(D) प्रतिगामी अवरोध

• **सही उत्तर: (C)**

• **विस्तृत व्याख्या:** जब एक परिस्थिति में अर्जित ज्ञान या कौशल किसी दूसरी परिस्थिति में सीखने में सहायक सिद्ध होता है, तो उसे **धनात्मक या सकारात्मक अधिगम स्थानांतरण (Positive Transfer of Learning)** कहते हैं (NCERT)।

अभ्यास प्रश्न #55 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 55. [CTET Paper 1 & 2] राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 के अनुसार विद्यार्थियों के 'समग्र प्रगति कार्ड' (Holistic Progress Card - HPC) के संबंध में कौन-सा कथन सही है?

(A) इसमें केवल वार्षिक लिखित परीक्षा के प्राप्तांक और रैंक शामिल होंगे

(B) यह एक 360-डिग्री बहु-आयामी रिपोर्ट कार्ड होगा जिसमें संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक क्षेत्रों में विद्यार्थी की प्रगति के साथ-साथ शिक्षक मूल्यांकन, स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment) और सहपाठी मूल्यांकन (Peer Assessment) भी शामिल होगा

(C) इसे केवल कक्षा 10 और 12 के छात्रों के लिए बनाया जाएगा

(D) इसका उद्देश्य छात्रों को 'उत्तीर्ण' और 'अनुत्तीर्ण' की श्रेणियों में बांटना है

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** NEP 2020 के अनुसार **HPC (Holistic Progress Card)** 360-डिग्री मूल्यांकन पर आधारित है जिसमें स्व-मूल्यांकन, सहपाठी मूल्यांकन, प्रोजेक्ट कार्य और अभिभावक फीडबैक को जोड़ा गया है (**NEP 2020 Official PDF**)।

अभ्यास प्रश्न #56 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 56. [KVS / DSSSB / UPTET] यूरी ब्रोनफेनब्रेनर (Urie Bronfenbrenner) के 'पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत' (Ecological Systems Theory) के अनुसार, माता-पिता का कार्यस्थल (जहाँ बच्चा स्वयं प्रत्यक्ष रूप से नहीं जाता, परंतु वहाँ होने वाले तनाव या स्थानांतरण का बच्चे के जीवन पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है) किस मंडल का भाग है?

(A) लघुमंडल (Microsystem)

(B) मध्यमंडल (Mesosystem)

(C) बाह्यमंडल (Exosystem)

(D) वृहत्तमंडल (Macrosystem)

- **सही उत्तर: (C)**
- **विस्तृत व्याख्या: बाह्यमंडल (Exosystem)** में वे सामाजिक परिवेश शामिल होते हैं जिनका बालक स्वयं सक्रिय सदस्य नहीं होता (जैसे माता-पिता का दफ्तर या कार्यस्थल की नीतियाँ), किंतु वे बालक के तत्काल परिवेश को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं (**NCERT**)।

अभ्यास प्रश्न #57 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 57. [CTET Paper 1 & 2] 'अधिसंज्ञान' (Metacognition) से क्या अभिप्राय है?

(A) बिना समझे तथ्यों को तेज गति से रटना

(B) अपने स्वयं के चिंतन और सीखने की प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता, निगरानी और नियमन करना ("Thinking about one's own thinking")

(C) केवल दूसरों के विचारों की नकल करना

(D) संवेदी अंगों की संवेदनशीलता में कमी

- **सही उत्तर: (B)**
- **विस्तृत व्याख्या:** जॉन फ्लेवेल (John Flavell) द्वारा प्रतिपादित **अधिसंज्ञान (Metacognition)** का अर्थ है 'चिंतन के बारे में चिंतन'— अर्थात् यह जानना कि मैं कैसे सीखता हूँ और अपनी सीखने की रणनीतियों को कैसे बेहतर बना सकता हूँ (**NCERT NCF-SE 2023**)।

अभ्यास प्रश्न #58 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 58. [CTET / KVS / DSSSB] विशिष्ट से सामान्य (Specific Examples to General Rule) की ओर बढ़ने वाली शिक्षण विधि कौन-सी है, जो प्राथमिक कक्षाओं में व्याकरण और गणित के नियम सिखाने के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है?

(A) निगमन विधि (Deductive Method)

(B) आगमन विधि (Inductive Method)

(C) व्याख्यान विधि (Lecture Method)

(D) सूत्र रटंत विधि

- **सही उत्तर: (B)**

- **विस्तृत व्याख्या: आगमन विधि (Inductive Method)** में पहले बच्चों के सामने कई मूर्त और परिचित उदाहरण प्रस्तुत किए जाते हैं और फिर बच्चे स्वयं निरीक्षण कर सामान्य नियम या सूत्र (ज्ञात से अज्ञात, मूर्त से अमूर्त, विशिष्ट से सामान्य) निकालते हैं (NCERT NCF-SE 2023)।

अभ्यास प्रश्न #59 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 59. [CTET Paper 1 & 2 2026] राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — स्कूली शिक्षा (NCF-SE), 2023 के अनुसार सेकेंडरी स्टेज (कक्षा 9 से 12) में बोर्ड परीक्षाओं के तनाव को कम करने के लिए कौन-सा प्रमुख सुधार प्रस्तावित किया गया है?

(A) कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं को पूरी तरह समाप्त कर देना

(B) विद्यार्थियों को एक शैक्षणिक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा देने का अवसर प्रदान करना और दोनों में से सर्वश्रेष्ठ स्कोर (Best Score) को बनाए रखने की अनुमति देना

(C) बोर्ड परीक्षा केवल बहुविकल्पीय प्रश्नों (OMR) पर आधारित करना

(D) केवल एक ही विषय की परीक्षा लेना

- **सही उत्तर: (B)**

- **विस्तृत व्याख्या: NCF-SE 2023** के अनुसार बोर्ड परीक्षाओं को उच्च-दांव (High-stakes) वाली एकल परीक्षा के बजाय वर्ष में **दो बार** आयोजित किया जाएगा और छात्र अपना सर्वश्रेष्ठ परिणाम चुन सकेंगे (NCF-SE 2023 Official PDF)।

अभ्यास प्रश्न #60 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 60. [CTET / KVS / DSSSB — शिक्षण अभिरुचि] यदि आपकी कक्षा में एक प्रथम-पीढ़ी का शिक्षार्थी (First-Generation Learner — जिसके परिवार में पहले कोई विद्यालय नहीं गया है) प्रवेश लेता है और वह कक्षा की गतिविधियों में संकोच महसूस करता है, तो एक संवेदनशील शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे?

(A) उसे बता देंगे कि उसके माता-पिता अशिक्षित हैं इसलिए वह पढ़ाई में कभी सफल नहीं हो सकता

(B) उसे कक्षा की गतिविधियों से अलग रखकर केवल नकल लिखने का काम देंगे

(C) उसके पारिवारिक व सांस्कृतिक अनुभवों को कक्षा में सम्मान देते हुए सहयोगात्मक समूह गतिविधियों (Peer Learning) में शामिल करेंगे और आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत पाड़ (Scaffolding) उपलब्ध कराएंगे

(D) उसके माता-पिता को बुलाकर किसी महंगे कोचिंग सेंटर में भेजने को कहेंगे

- **सही उत्तर: (C)**

- **विस्तृत व्याख्या:** समावेशी और रचनावादी शिक्षाशास्त्र (NCF-SE 2023) के अनुसार प्रथम-पीढ़ी के शिक्षार्थियों की घरेलू भाषा और जीवनानुभवों को कक्षा संसाधन के रूप में स्वीकार कर सहपाठी सहयोग एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन देना शिक्षक का प्राथमिक दायित्व है।

यह खंड शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (education.gov.in) की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (ncert.nic.in) के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-FS 2022 एवं NCF-SE 2023), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE 2009), दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD 2016) तथा बाल विकास एवं अधिगम के मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है, जिसे IUC Academy (www.iucacademy.com) के शिक्षक पात्रता व भर्ती परीक्षाओं (CTET, TET, KVS, NVS, DSSSB, UGC-NET) के अभ्यर्थियों हेतु तैयार किया गया है।

22.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 एवं NCF-SE 2023 के मूलभूत स्तंभ

• **अध्यक्ष एवं स्वीकृति:** इसरो के पूर्व अध्यक्ष **डॉ. के. कस्तूरीरंगन** की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा जून 2017 में गठित एवं मई 2019 में प्रस्तुत मसौदे के आधार पर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **29 जुलाई 2020** को स्वतंत्र भारत की तीसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1968 और 1986 के बाद, 34 वर्षों के अंतराल पर) को मंजूरी दी (education.gov.in)।

• **पाँच आधारभूत स्तंभ (5 Foundational Pillars):** पहुँच (Access), समता (Equity), गुणवत्ता (Quality), वहनीयता (Affordability) और जवाबदेही (Accountability)।

• **10+2 के स्थान पर नया 5+3+3+4 शैक्षणिक एवं पाठ्यचर्या ढाँचा (आयु 3 से 18 वर्ष):**

1. **बुनियादी स्तर (Foundational Stage - 5 वर्ष, आयु 3–8 वर्ष):** 3 वर्ष आँगनवाड़ी/बालवाटिका/प्री-स्कूल + 2 वर्ष कक्षा 1 व 2 (खेल एवं गतिविधि आधारित बहुस्तरीय अधिगम)।

2. **प्रारंभिक स्तर (Preparatory Stage - 3 वर्ष, आयु 8–11 वर्ष):** कक्षा 3 से 5 (खोजपरक, संवादात्मक एवं हल्की पाठ्यपुस्तकों के साथ मातृभाषा में शिक्षण)।

3. **मध्य स्तर (Middle Stage - 3 वर्ष, आयु 11–14 वर्ष):** कक्षा 6 से 8 (विषय-आधारित अनुभवात्मक अधिगम, कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा व कोडिंग के साथ 10-दिवसीय 'बैगलेस डेज')।

4. **माध्यमिक स्तर (Secondary Stage - 4 वर्ष, आयु 14–18 वर्ष):** कक्षा 9 से 12 (दो चरणों में—9-10 और 11-12; बहु-विषयक अध्ययन, कला-विज्ञान-वाणिज्य के कठोर विभाजन की समाप्ति और सेमेस्टर/मॉड्यूलर बोर्ड परीक्षाएँ)।

22.2 विस्तृत तुलनात्मक सारणियाँ

सारणी 22.1: बाल विकास एवं अधिगम के प्रमुख मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, प्रतिपादक एवं शैक्षिक निहितार्थ

स्रोत: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद बी.एड. पाठ्यपुस्तकें (ncert.nic.in)

मनोवैज्ञानिक सिद्धांत	प्रतिपादक (प्रमुख मनोवैज्ञानिक)	विकास / अधिगम की प्रमुख अवस्थाएँ एवं संप्रत्यय	कक्षा-कक्ष शिक्षण में व्यावहारिक निहितार्थ
संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत (Cognitive Constructivism)	जीन पियाजे (Jean Piaget - स्विट्जरलैंड)	4 अवस्थाएँ: (1) संवेदी-गामक (0-2 वर्ष: वस्तु स्थायित्व), (2) पूर्व-संक्रियात्मक (2-7 वर्ष: अहंकेंद्रितता, जीववाद, अपलटावी चिंतन), (3) मूर्त संक्रियात्मक (7-11 वर्ष: संरक्षण, वर्गीकरण, क्रमबद्धता), (4) अमूर्त/औपचारिक संक्रियात्मक (11+ वर्ष: परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्क)	बालक 'नन्हे वैज्ञानिक' हैं जो स्कीमा, आत्मसात्करण (Assimilation), समायोजन (Accommodation) और संतुलन (Equilibration) द्वारा सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण करते हैं
सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का सिद्धांत (Socio-Cultural Theory)	लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky - रूस)	समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD), पाड़/ढाँचा निर्माण (Scaffolding), अधिक जानकार अन्य (MKO) तथा निजी वाक् (Private Speech - स्व-नियमन हेतु)	सहयोगात्मक अधिगम (Cooperative Learning), पारस्परिक शिक्षण व वयस्क/समवयस्क मार्गदर्शन; वायगोत्स्की के अनुसार भाषा विचार से पहले आती है और चिंतन को निर्देशित करती है

मनोवैज्ञानिक सिद्धांत	प्रतिपादक (प्रमुख मनोवैज्ञानिक)	विकास / अधिगम की प्रमुख अवस्थाएँ एवं संप्रत्यय	कक्षा-कक्ष शिक्षण में व्यावहारिक निहितार्थ
नैतिक विकास का सिद्धांत (Moral Development Theory)	लॉरेंस कोहलबर्ग (Lawrence Kohlberg)	3 स्तर व 6 अवस्थाएँ: (1) पूर्व-परंपरागत (दंड व आज्ञापालन; साधनात्मक सापेक्षता), (2) परंपरागत (अच्छा लड़का-अच्छी लड़की; कानून व व्यवस्था), (3) उत्तर-परंपरागत (सामाजिक अनुबंध; सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत)	'हिंज की दुविधा' (Heinz Dilemma) के माध्यम से नैतिक तर्कणा का विकास; कैरोल गिलिगन ने इसमें महिलाओं के 'देखभाल की नैतिकता' (Ethics of Care) परिप्रेक्ष्य की अनदेखी की आलोचना की
मनोसामाजिक विकास का सिद्धांत (Psychosocial Theory)	एरिक एरिक्सन (Erik Erikson)	जीवन-पर्यंत 8 अवस्थाएँ: विश्वास बनाम अविश्वास (शैशवावस्था), स्वायत्तता बनाम शर्म, पहल बनाम अपराधबोध, परिश्रम बनाम हीनता (विद्यालयी आयु), पहचान बनाम भूमिका भ्रम (किशोरावस्था)	किशोरावस्था में 'पहचान संकट' (Identity Crisis) को समझकर विद्यार्थियों को सकारात्मक स्व-संकल्पना एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करना
बहु-बुद्धि का सिद्धांत (Theory of Multiple Intelligences)	हावर्ड गार्डन (Howard Gardner - 1983, 'Frames of Mind')	8 प्रकार की स्वतंत्र बुद्धियाँ: भाषाई, तार्किक-गणितीय, स्थानिक, संगीतात्मक, शारीरिक-गतिक, अंतर्वैयक्तिक (Interpersonal), अंतरावैयक्तिक (Intrapersonal) और प्रकृतिवादी (Naturalistic)	बुद्धि कोई एकल इकाई (g-कारक) नहीं है; अतः शिक्षक को विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction) व बहु-संवेदी शिक्षण विधियों का प्रयोग करना चाहिए
पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत (Ecological Systems Theory)	यूरी ब्रॉनफेनब्रेनर (Urie Bronfenbrenner)	5 पर्यावरणीय मंडल: लघुमंडल (Microsystem - परिवार/विद्यालय), मध्यमंडल (Mesosystem - माता-पिता व शिक्षक संबंध), बाह्यमंडल (Exosystem), वृहत्मंडल (Macrosystem - संस्कृति) और कालमंडल (Chronosystem)	बालक के विकास को उसके परिवार, समुदाय, सांस्कृतिक मूल्यों और ऐतिहासिक परिवर्तनों के समग्र अंतर्संबंधों में समझा जाना चाहिए
उद्दीपन-अनुक्रिया एवं क्रियाप्रसूत अनुबंधन (Behaviourism)	ई.एल. थॉर्नडाइक, इवान पावलॉव एवं बी.एफ. स्किनर	थॉर्नडाइक: तत्परता, अभ्यास व प्रभाव के नियम (त्रुटि एवं प्रयास); पावलॉव: शास्त्रीय अनुबंधन; स्किनर: क्रियाप्रसूत अनुबंधन (सकारात्मक/नकारात्मक पुनर्बलन व दंड)	अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction), तत्काल प्रतिपुष्टि (Feedback) तथा वांछित व्यवहार के सुदृढ़ीकरण हेतु सकारात्मक पुनर्बलन का प्रयोग
सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social Cognitive Theory)	अल्बर्ट बंडूरा (Albert Bandura - 'बोबो डॉल प्रयोग')	अवलोकनात्मक अधिगम (Observational Learning / Modelling) के 4 चरण: अवधान (Attention), धारण (Retention), पुनरुत्पादन (Reproduction) और अभिप्रेरणा (Motivation) तथा स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy)	शिक्षक का स्वयं का व्यवहार, नैतिक आचरण और सहानुभूति विद्यार्थियों के लिए आदर्श प्रतिमान (Role Model) का कार्य करता है

सारणी 22.2: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 एवं NCF-SE 2023 के प्रमुख सुधार, लक्ष्य एवं नवीन संस्थाएँ

स्रोत: **शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार — राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (education.gov.in)**

नीतिगत क्षेत्र / पहल	पूर्ववर्ती व्यवस्था (NEP 1986/1992)	नवीन व्यवस्था (NEP 2020 एवं NCF-SE 2023)	निर्धारित लक्ष्य वर्ष एवं प्रमुख संस्थागत प्रावधान
विद्यालयी पाठ्यक्रम संरचना	10 + 2 संरचना (आयु 6 से 18 वर्ष; 3-6 वर्ष का पूर्व-प्राथमिक औपचारिक ढाँचे से बाहर)	5 + 3 + 3 + 4 संरचना (आयु 3 से 18 वर्ष; ECCE को औपचारिक स्कूली शिक्षा में शामिल किया गया)	वर्ष 2030 तक प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक **100% सकल नामांकन अनुपात (GER)** प्राप्त करने का लक्ष्य
बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN)	पृथक राष्ट्रीय मिशन नहीं था	**निपुण भारत मिशन (NIPUN Bharat)** — 5 जुलाई 2021 को शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रारंभ	कक्षा 3 के अंत तक (आयु 9 वर्ष तक) प्रत्येक बच्चे द्वारा मूलभूत पठन, लेखन और अंकगणित (FLN) दक्षता प्राप्त करना
शिक्षण का माध्यम एवं त्रि-भाषा सूत्र	प्राथमिक स्तर पर भाषा लचीलापन कम था	कम से कम **कक्षा 5 तक** (और अधिमानतः कक्षा 8 व उससे आगे तक) मातृभाषा/स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण	लचीला त्रि-भाषा सूत्र (कम से कम दो भाषाएँ भारत की मूल भाषाएँ हों; किसी भी राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी)
आकलन एवं मूल्यांकन प्रणाली	योगात्मक (Summative) एवं रटंत स्मृति आधारित वार्षिक परीक्षाएँ	**'परख' (PARAKH)** राष्ट्रीय आकलन केंद्र (NCERT के अधीन); 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड (Holistic Progress Card - HPC)	योगात्मक से रचनात्मक (Formative) और योग्यता-आधारित आकलन की ओर बदलाव; स्व-आकलन, सहपाठी व शिक्षक आकलन का समावेश

नीतिगत क्षेत्र / पहल	पूर्ववर्ती व्यवस्था (NEP 1986/1992)	नवीन व्यवस्था (NEP 2020 एवं NCF-SE 2023)	निर्धारित लक्ष्य वर्ष एवं प्रमुख संस्थागत प्रावधान
उच्च शिक्षा स्नातक उपाधि एवं क्रेडिट बैंक	3-वर्षीय कठोर स्नातक डिग्री (बीच में छोड़ने पर कोई प्रमाणपत्र नहीं)	4-वर्षीय बहु-विषयक स्नातक कार्यक्रम (Multiple Entry & Exit) एवं **एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC)**	1 वर्ष पर सर्टिफिकेट, 2 वर्ष पर डिप्लोमा, 3 वर्ष पर बैचलर डिग्री और 4 वर्ष पर शोध सहित बैचलर डिग्री (M.Phil. को समाप्त किया गया)
उच्च शिक्षा विनियामक ढाँचा	UGC, AICTE, NCTE पृथक-पृथक निकाय	**भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (HECI)** — एकल छाता निकाय (चिकित्सा और विधिक शिक्षा को छोड़कर)	HECI के 4 स्वतंत्र वर्टिकल: NHERC (विनियमन), NAC (प्रत्यायन), HEGC (अनुदान) और GEC (सामान्य शिक्षा परिषद)
शिक्षक शिक्षा (Teacher Education)	2-वर्षीय B.Ed. एवं विविध D.El.Ed. पाठ्यक्रम	**4-वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP - B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed.)** एवं **NPST** (राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक)	वर्ष 2030 तक शिक्षण के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता 4-वर्षीय एकीकृत B.Ed. होगी; प्रतिवर्ष 50 घंटे का सतत व्यावसायिक विकास (CPD)
वंचित समूहों का समावेशन एवं शिक्षा बजट	विशेष क्षेत्र हस्तक्षेप सीमित	**लैंगिक समावेशन कोष (Gender Inclusion Fund)** एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों (SEDGs) हेतु **विशेष शिक्षा क्षेत्र (SEZs)**	केंद्र व राज्यों के सहयोग से शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 6% तक पहुँचाने का लक्ष्य

सारणी 22.3: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education), अधिगम अक्षमताएँ एवं वैधानिक प्रावधान (RTE 2009 व RPwD 2016)

स्रोत: शिक्षा मंत्रालय (education.gov.in) एवं इंडिया कोड पोर्टल (indiacode.nic.in)

अधिगम अक्षमता / वैधानिक प्रावधान	मुख्य लक्षण एवं प्रभावित क्षमता	कारण / तंत्रिका-विकासात्मक प्रकृति	समावेशी कक्षा में शैक्षणिक अनुकूलन एवं विधिक अधिकार
डिस्लेक्सिया (Dyslexia)	पठन विकार (Reading Disorder): अक्षरों/शब्दों को पहचानने, ध्वनि-प्रतीक संबंध जोड़ने व धाराप्रवाह पढ़ने में कठिनाई (जैसे 'b' को 'd', 'saw' को 'was' पढ़ना)	ध्वन्यात्मक प्रसंस्करण (Phonological Processing) में तंत्रिका-विकासात्मक भिन्नता	बहु-संवेदी शिक्षण (दृश्य-श्रव्य-स्पर्श), फोनीक्स अभ्यास, बड़े फॉन्ट की पाठ्य सामग्री और मौखिक आकलन की छूट
डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)	लेखन विकार (Writing Disorder): अशुद्ध वर्तनी, अस्पष्ट हस्तलेख, अक्षरों के आकार व रिक्ति में असंगति तथा सूक्ष्म गतिक कौशल में कठिनाई	सूक्ष्म पेशीय समन्वय (Fine Motor Coordination) एवं दृश्य-स्थानिक प्रसंस्करण में कठिनाई	परीक्षा में अतिरिक्त समय, लिपिक (Scribe) की सुविधा, मौखिक या टाइपिंग आधारित उत्तर और ग्रिप वाली पेंसिल का उपयोग
डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia)	गणितीय गणना विकार: संख्याबोध, स्थानीय मान, गणितीय चिह्नों और बुनियादी संक्रियाओं को समझने में कठिनाई	संख्यात्मक एवं स्थानिक तर्कणा से जुड़ी तंत्रिका प्रक्रियाओं में कठिनाई	मूर्त शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM - अबेकस, गिनतारा, डाइन्स ब्लॉक), वास्तविक जीवन के उदाहरण और चरणबद्ध दृश्य चार्ट
डिस्प्रैक्सिया (Dyspraxia)	विकासात्मक समन्वय विकार: शारीरिक संतुलन, हाथ-आँख समन्वय (Eye-Hand Coordination) एवं गतिक नियोजन में कठिनाई	मस्तिष्क से मांसपेशियों तक गतिक संकेतों के समन्वय में बाधा	लचीली शारीरिक गतिविधियाँ, सहयोगात्मक समूह कार्य और बाधा-मुक्त कक्षा वातावरण
अफेज्या / डिस्फेज्या (Aphasia / Dysphasia)	भाषा संप्रेषण विकार: मौखिक भाषा को समझने या अपने विचारों को शब्दों में अभिव्यक्त करने में गंभीर कठिनाई	मस्तिष्क के भाषा केंद्रों (ब्रोका क्षेत्र या वर्निक क्षेत्र) में क्षति या विकासात्मक विकार	चित्र संप्रेषण कार्ड (PECS), धैर्यपूर्ण श्रवण, वाक्-चिकित्सा (Speech Therapy) एवं दृश्य संकेतों का प्रयोग
ध्यानाभाव एवं अतिसक्रियता विकार (ADHD)	ध्यान केंद्रित न कर पाना (Inattention), अत्यधिक चंचलता (Hyperactivity) और बिना सोचे तुरंत प्रतिक्रिया देना (Impulsivity)	मस्तिष्क के अग्रपाली (Prefrontal Cortex) में कार्यकारी प्रकार्यों (Executive Functions) का असंतुलन	बड़े कार्यों को छोटे-छोटे खंडों में बाँटना, शिक्षक की मेज के पास बैठाना, गतिविधि-आधारित ब्रेक और स्पष्ट दिनचर्या
स्वलीनता स्पेक्ट्रम विकार (ASD - Autism)	सामाजिक अंत:क्रिया व संप्रेषण में कठिनाई, आँखें मिलाने से बचना, दोहरावपूर्ण व्यवहार (Repetitive Behaviour) और दिनचर्या परिवर्तन से असहजता	विकासात्मक तंत्रिका संबंधी स्थिति (RPwD अधिनियम 2016 में शामिल)	पूर्वानुमानित संरचित दिनचर्या, दृश्य समय-सारणी (Visual Schedule), संवेदी-अनुकूल (Sensory-friendly) शांत कोना व व्यक्तिगत शिक्षा योजना (IEP)

अधिगम अक्षमता / वैधानिक प्रावधान	मुख्य लक्षण एवं प्रभावित क्षमता	कारण / तंत्रिका-विकासात्मक प्रकृति	समावेशी कक्षा में शैक्षणिक अनुकूलन एवं विधिक अधिकार
दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (RPwD Act, 2016)	1995 के अधिनियम के 7 के स्थान पर **21 प्रकार की दिव्यांगताओं** को मान्यता (एसिड अटैक पीड़ित, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, सिकल सेल, बौनापन, SLD, ASD सहित)	संयुक्त राष्ट्र दिव्यांगजन अधिकार कन्वेंशन (UNCRPD) के अनुरूप अधिनियमित	**6 से 18 वर्ष** तक के बेंचमार्क दिव्यांग (≥40%) बच्चों को निःशुल्क शिक्षा; सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में **5% आरक्षण** व सरकारी नौकरियों में **4% आरक्षण**
निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act, 2009)	संविधान के 86वें संशोधन (2002) के अनुच्छेद 21A के तहत अधिनियमित; **1 अप्रैल 2010** से लागू (कुल 7 अध्याय, 38 धाराएँ, 1 अनुसूची)	**6 से 14 वर्ष** (दिव्यांग बच्चों हेतु 6 से 18 वर्ष) की आयु के प्रत्येक बालक का मौलिक अधिकार	धारा 12(1)(c): निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में कमजोर व वंचित वर्ग के बच्चों के लिए कक्षा 1 में **25% सीटें आरक्षित**; धारा 17: शारीरिक दंड व मानसिक उत्पीड़न पूर्णतः निषिद्ध

22.3 व्याख्या सहित उच्च-स्तरीय बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रश्न 126 से 150)

अभ्यास प्रश्न #1 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 126. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 (education.gov.in) द्वारा प्रस्तावित नए 5+3+3+4 शैक्षणिक ढाँचे में 'बुनियादी स्तर' (Foundational Stage) के 5 वर्षों में कौन-सी आयु सीमा और कक्षाएँ सम्मिलित हैं?

- (क) आयु 3 से 8 वर्ष — 3 वर्ष आँगनवाड़ी/बालवाटिका/प्री-स्कूल तथा 2 वर्ष प्राथमिक विद्यालय की कक्षा 1 और कक्षा 2
- (ख) आयु 6 से 11 वर्ष — कक्षा 1 से कक्षा 5 तक
- (ग) आयु 5 से 10 वर्ष — बालवाटिका से कक्षा 4 तक
- (घ) आयु 3 से 6 वर्ष — केवल आँगनवाड़ी के 3 वर्ष
- **सही उत्तर:** (क) आयु 3 से 8 वर्ष — 3 वर्ष आँगनवाड़ी/बालवाटिका/प्री-स्कूल तथा 2 वर्ष प्राथमिक विद्यालय की कक्षा 1 और कक्षा 2
- **विस्तृत व्याख्या:** NEP 2020 के अनुसार मानव मस्तिष्क का 85% से अधिक संचयी विकास 6 वर्ष की आयु से पूर्व हो जाता है। इसलिए 3 से 8 वर्ष की आयु को 'बुनियादी स्तर' (Foundational Stage - 5 वर्ष) में रखकर इसके लिए NCERT द्वारा अक्टूबर 2022 में भारत का पहला 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा - बुनियादी स्तर' (NCF-FS 2022, जो 'पंचकोश विकास' अवधारणा पर आधारित है) जारी किया गया (education.gov.in)।

अभ्यास प्रश्न #2 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 127. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश पर विद्यालयी आकलन में रटंत अधिगम के स्थान पर उच्च-स्तरीय दक्षताओं का मूल्यांकन करने और देश के सभी स्कूल बोर्डों के लिए मानक निर्धारित करने हेतु स्थापित राष्ट्रीय आकलन केंद्र 'परख' (PARAKH) का पूर्ण रूप क्या है?

- (क) Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन आकलन, समीक्षा और विश्लेषण)
- (ख) Primary Academic Research and Assessment for Kids in Bharat
- (ग) Pedagogical Analysis, Rating, and Accreditation of Knowledge Hubs
- (घ) Progressive Evaluation and Ranking of All Kendriya Highschools
- **सही उत्तर:** (क) Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन आकलन, समीक्षा और विश्लेषण)
- **विस्तृत व्याख्या:** शिक्षा मंत्रालय (education.gov.in) के अनुसार NCERT के एक स्वायत्त घटक के रूप में स्थापित 'परख' (PARAKH) का मुख्य कार्य भारत के सभी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्डों के लिए छात्र आकलन और मूल्यांकन के मानदंड, मानक व दिशा-निर्देश तय करना तथा राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (NAS) व राज्य उपलब्धि सर्वेक्षण (SAS) का संचालन करना है।

अभ्यास प्रश्न #3 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 128. जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार जब कोई बालक अपने पूर्ववर्ती 'स्कीमा' (मानसिक संरचना) में नए अनुभव या नई सूचना को फिट करने के लिए अपने मौजूदा स्कीमा में परिवर्तन या संशोधन करता है, तो इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?

- (क) आत्मसात्करण / समावेशन (Assimilation)
- (ख) समायोजन / समंजन (Accommodation)
- (ग) केंद्रीकरण (Centration)
- (घ) जीववाद (Animism)
- **सही उत्तर:** (ख) समायोजन / समंजन (Accommodation)
- **विस्तृत व्याख्या:** पियाजे के अनुकूलन (Adaptation) की दो उप-प्रक्रियाएँ हैं: जब बालक किसी नए अनुभव को अपने मौजूदा स्कीमा में बिना किसी बदलाव के जोड़ लेता है तो उसे 'आत्मसात्करण' (Assimilation) कहते हैं; किंतु जब नया अनुभव पुराने स्कीमा में फिट नहीं होता (संज्ञानात्मक असंतुलन उत्पन्न होता है) और बालक अपने पुराने स्कीमा में सुधार/संशोधन करता है या नया स्कीमा बनाता है, तो उसे 'समायोजन' (Accommodation) कहते हैं (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #4 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 129. लेव वायगोत्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत में 'समीपस्थ विकास का क्षेत्र' (Zone of Proximal Development - ZPD) किसे संदर्भित करता है?

- (क) बालक के वास्तविक विकास स्तर (जो वह स्वतंत्र रूप से बिना किसी सहायता के कर सकता है) और उसके संभाव्य विकास स्तर (जो वह किसी वयस्क या अधिक सक्षम साथी के मार्गदर्शन/पाड़ की सहायता से कर सकता है) के बीच का अंतर
- (ख) बालक की आनुवंशिक बुद्धि लब्धि (IQ) की अधिकतम सीमा
- (ग) विद्यालय के खेल के मैदान का भौगोलिक क्षेत्रफल
- (घ) बालक द्वारा बिना किसी की मदद के हल किए गए प्रश्नों की संख्या
- **सही उत्तर:** (क) बालक के वास्तविक विकास स्तर (जो वह स्वतंत्र रूप से बिना किसी सहायता के कर सकता है) और उसके संभाव्य विकास स्तर (जो वह किसी वयस्क या अधिक सक्षम साथी के मार्गदर्शन/पाड़ की सहायता से कर सकता है) के बीच का अंतर
- **विस्तृत व्याख्या:** वायगोत्स्की के अनुसार अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया है। ZPD वह क्षेत्र है जहाँ बालक अकेले तो समस्या हल नहीं कर पाता, किंतु 'अधिक जानकार अन्य' (More Knowledgeable Other - MKO) द्वारा अस्थायी सहायता अर्थात् 'पाड़/स्कैफोल्डिंग' (Scaffolding—जैसे संकेत देना, आधा हल करके दिखाना, प्रश्न पूछना) मिलने पर उस कार्य को सीख लेता है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #5 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 130. जीन पियाजे के अनुसार बालक में 'संरक्षण' (Conservation — आकार या बर्तन बदलने पर भी द्रव्यमान, आयतन या संख्या का समान रहना), 'प्रतिवर्त्यता / पलटावी गुण' (Reversibility) और 'वर्गीकरण' (Classification) की क्षमता किस अवस्था में विकसित होती है?

- (क) संवेदी-गामक अवस्था (0 से 2 वर्ष)
- (ख) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2 से 7 वर्ष)
- (ग) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage — 7 से 11 वर्ष)
- (घ) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था (11 वर्ष से ऊपर)
- **सही उत्तर:** (ग) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage — 7 से 11 वर्ष)
- **विस्तृत व्याख्या:** पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2–7 वर्ष) में बालक 'केंद्रीकरण' (Centration—एक समय में वस्तु के केवल एक ही आयाम जैसे ऊँचाई पर ध्यान देना) और अपलटावी चिंतन के कारण संरक्षण नहीं कर पाता। किंतु मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7–11 वर्ष) में विकेंद्रीकरण और पलटावी चिंतन आने से वह मूर्त वस्तुओं के संदर्भ में संरक्षण, श्रेणीकरण (Seriation) और वर्गीकरण कर लेता है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #6 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 131. लॉरेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत की किस अवस्था में व्यक्ति यह मानता है कि 'मानवाधिकार और न्याय से जुड़े सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत सामाजिक कानूनों से भी ऊपर हैं, और यदि कोई कानून मानवीय गरिमा व जीवन की रक्षा के विरुद्ध है तो अंतरात्मा की आवाज पर उसका विरोध किया जाना चाहिए'?

• (क) अवस्था 1: दंड और आज्ञापालन अभिविन्यास

• (ख) अवस्था 3: अच्छा लड़का-अच्छी लड़की (अंतर्वैयक्तिक सौहार्द) अभिविन्यास

• (ग) अवस्था 4: कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने का अभिविन्यास

• (घ) अवस्था 6: सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास (Universal Ethical Principles Orientation - उत्तर-परंपरागत स्तर)

• **सही उत्तर:** (घ) अवस्था 6: सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास (Universal Ethical Principles Orientation - उत्तर-परंपरागत स्तर)

• **विस्तृत व्याख्या:** कोहलबर्ग के तीसरे स्तर 'उत्तर-परंपरागत नैतिकता' (Post-Conventional Level) की छठी और सर्वोच्च अवस्था 'सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास' है। इसमें नैतिक निर्णय बाहरी पुरस्कार या सामाजिक प्रशंसा से नहीं, बल्कि स्व-चयनित सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों (न्याय, समानता, मानवाधिकार और अहिंसा) व अंतरात्मा के विवेक से निर्देशित होते हैं (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #7 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 132. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE Act, 2009) की अनुसूची के अनुसार प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के लिए एक शैक्षणिक वर्ष में न्यूनतम कार्यदिवस और शिक्षण घंटे कितने निर्धारित हैं?

• (क) प्राथमिक स्तर (कक्षा 1-5): न्यूनतम 200 कार्यदिवस एवं 800 शिक्षण घंटे; उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6-8): न्यूनतम 220 कार्यदिवस एवं 1000 शिक्षण घंटे (तथा शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह तैयारी सहित न्यूनतम 45 कार्य घंटे)

• (ख) प्राथमिक स्तर: 150 कार्यदिवस; उच्च प्राथमिक स्तर: 180 कार्यदिवस

• (ग) दोनों स्तरों के लिए समान रूप से 250 कार्यदिवस एवं 1200 शिक्षण घंटे

• (घ) प्राथमिक स्तर: 220 कार्यदिवस; उच्च प्राथमिक स्तर: 200 कार्यदिवस

• **सही उत्तर:** (क) प्राथमिक स्तर (कक्षा 1-5): न्यूनतम 200 कार्यदिवस एवं 800 शिक्षण घंटे; उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6-8): न्यूनतम 220 कार्यदिवस एवं 1000 शिक्षण घंटे (तथा शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह तैयारी सहित न्यूनतम 45 कार्य घंटे)

• **विस्तृत व्याख्या:** इंडिया कोड पोर्टल (indiacode.nic.in) पर उपलब्ध RTE अधिनियम, 2009 की अनुसूची के अनुसार कक्षा 1 से 5 में छात्र-शिक्षक अनुपात (PTR) सामान्यतः 30:1 (200 से अधिक छात्र होने पर अधिकतम 40:1) और कक्षा 6 से 8 में 35:1 निर्धारित है। प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम 200 कार्यदिवस (800 घंटे) और उच्च प्राथमिक पर 220 कार्यदिवस (1000 घंटे) तथा शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह न्यूनतम 45 शिक्षण व तैयारी घंटे अनिवार्य हैं।

अभ्यास प्रश्न #8 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 133. शिक्षा मंत्रालय द्वारा 5 जुलाई 2021 को प्रारंभ किए गए 'निपुण भारत मिशन' (NIPUN Bharat Mission) का पूर्ण रूप क्या है और इसके तहत किस कक्षा के अंत तक सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान (FLN) प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है?

• (क) National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy (समझ के साथ पढ़ने और संख्याज्ञान में निपुणता के लिए राष्ट्रीय पहल) — कक्षा 3 के अंत तक (आयु 3 से 9 वर्ष के बच्चों के लिए)

• (ख) National Institute for Primary Universal Education in Bharat — कक्षा 8 के अंत तक

• (ग) New India Programme for University and National Education — कक्षा 12 के अंत तक

• (घ) National Integration Plan for Urban and Rural Schools — कक्षा 5 के अंत तक

• **सही उत्तर:** (क) National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy (समझ के साथ पढ़ने और संख्याज्ञान में निपुणता के लिए राष्ट्रीय पहल) — कक्षा 3 के अंत तक (आयु 3 से 9 वर्ष के बच्चों के लिए)

• **विस्तृत व्याख्या:** शिक्षा मंत्रालय (education.gov.in) द्वारा समग्र शिक्षा योजना के तत्वावधान में प्रारंभ निपुण भारत मिशन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा कक्षा 3 के अंत तक (अर्थात् 9 वर्ष की आयु तक) अर्थ की समझ के साथ पठन, लेखन और बुनियादी संख्यात्मक संक्रियाओं में वांछित निपुणता हासिल कर ले। इसमें बालवाटिका से कक्षा 3 तक के सीखने के प्रतिफलों को 'लक्ष्य' (Lakshya) सूचियों में परिभाषित किया गया है।

अभ्यास प्रश्न #9 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 134. आकलन के प्रकारों में 'सीखने के लिए आकलन' (Assessment for Learning), 'सीखने का आकलन' (Assessment of Learning) और 'सीखने के रूप में आकलन' (Assessment as Learning) का सही मिलान क्या है?

• (क) सीखने के लिए आकलन: शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान किया जाने वाला रचनात्मक/निदानात्मक आकलन (Formative Assessment) जिसका उद्देश्य शिक्षण में सुधार करना है; सीखने का आकलन: सत्र के अंत में उपलब्धि प्रमाणित करने वाला योगात्मक आकलन (Summative Assessment); सीखने के रूप में आकलन: जब विद्यार्थी स्वयं अपने अधिगम का स्व-आकलन (Self-Assessment) और सहपाठी आकलन करते हुए परासंज्ञान (Metacognition) विकसित करता है

• (ख) तीनों आकलन केवल वार्षिक बोर्ड परीक्षा के ही अलग-अलग नाम हैं

• (ग) सीखने के लिए आकलन केवल सत्र के अंत में ग्रेड देने के लिए किया जाता है

• (घ) सीखने के रूप में आकलन केवल प्रधानाचार्य द्वारा किया जाता है

• **सही उत्तर:** (क) सीखने के लिए आकलन: शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान किया जाने वाला रचनात्मक/निदानात्मक आकलन (Formative Assessment) जिसका उद्देश्य शिक्षण में सुधार करना है; सीखने का आकलन: सत्र के अंत में उपलब्धि प्रमाणित करने वाला योगात्मक आकलन (Summative Assessment); सीखने के रूप में आकलन: जब विद्यार्थी स्वयं अपने अधिगम का स्व-आकलन (Self-Assessment) और सहपाठी आकलन करते हुए परासंज्ञान (Metacognition) विकसित करता है

• **विस्तृत व्याख्या:** राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF-SE 2023) और NEP 2020 के अनुसार आकलन का मुख्य बल 'सीखने के आकलन' (Summative) से हटाकर 'सीखने के लिए आकलन' (Formative) और 'सीखने के रूप में आकलन' (Self & Peer Assessment) पर होना चाहिए, ताकि अधिगम में आने वाली रिक्तियों (Learning Gaps) का समय रहते निदान और उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) किया जा सके (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #10 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 135. हावर्ड गार्डनर के 'बहु-बुद्धि सिद्धांत' (Theory of Multiple Intelligences) के अनुसार एक कुशल मनोचिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता या राजनेता जो दूसरे व्यक्तियों की भावनाओं, अभिप्रेरणाओं और मनोदशाओं को अत्यंत सूक्ष्मता से समझ लेता है, में किस प्रकार की बुद्धि की प्रबलता होती है?

• (क) अंतरावैयक्तिक बुद्धि (Intrapersonal Intelligence)

• (ख) अंतर्वैयक्तिक बुद्धि (Interpersonal Intelligence)

• (ग) स्थानिक बुद्धि (Spatial Intelligence)

• (घ) शारीरिक-गतिक बुद्धि (Bodily-Kinesthetic Intelligence)

• **सही उत्तर:** (ख) अंतर्वैयक्तिक बुद्धि (Interpersonal Intelligence)

• **विस्तृत व्याख्या:** गार्डनर के अनुसार **अंतर्वैयक्तिक बुद्धि** (Interpersonal Intelligence) का संबंध दूसरे व्यक्तियों के व्यवहार, इच्छाओं, संवेगों और दृष्टिकोणों को समझने तथा उनके साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने की क्षमता से है (जैसे शिक्षक, परामर्शदाता, सामाजिक कार्यकर्ता)। इसके विपरीत **अंतरावैयक्तिक बुद्धि** (Intrapersonal Intelligence) का संबंध स्वयं की भावनाओं, शक्तियों, कमजोरियों और जीवन के उद्देश्यों के आत्म-विश्लेषण से है (जैसे दार्शनिक, आध्यात्मिक चिंतक) (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #11 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 136. बेंजामिन ब्लूम के संशोधित संज्ञानात्मक उद्देश्यों के वर्गीकरण (Anderson & Krathwohl's Revised Bloom's Taxonomy, 2001) में निम्न-स्तरीय से उच्च-स्तरीय चिंतन कौशलों का सही आरोही पदानुक्रम कौन-सा है?

• (क) स्मरण करना (Remembering) → समझना (Understanding) → अनुप्रयोग करना (Applying) → विश्लेषण करना (Analyzing) → मूल्यांकन करना (Evaluating) → सृजन करना (Creating)

• (ख) ज्ञान → बोध → अनुप्रयोग → विश्लेषण → सृजन → मूल्यांकन

• (ग) सृजन करना → मूल्यांकन करना → समझना → स्मरण करना → अनुप्रयोग करना → विश्लेषण करना

• (घ) समझना → स्मरण करना → विश्लेषण करना → अनुप्रयोग करना → मूल्यांकन करना → सृजन करना

• **सही उत्तर:** (क) स्मरण करना (Remembering) → समझना (Understanding) → अनुप्रयोग करना (Applying) → विश्लेषण करना (Analyzing) → मूल्यांकन करना (Evaluating) → सृजन करना (Creating)

• **विस्तृत व्याख्या:** 1956 में बेंजामिन ब्लूम द्वारा दिए गए संज्ञानात्मक पदानुक्रम (संज्ञा रूप: ज्ञान, बोध, अनुप्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन) को वर्ष 2001 में लॉरिन एंडरसन और डेविड क्रथवोहल ने क्रिया रूप (Action Verbs) में संशोधित किया और सर्वोच्च स्तर पर मूल्यांकन के ऊपर **'सृजन करना' (Creating)** को रखा। इसमें अंतिम तीन स्तर (विश्लेषण, मूल्यांकन, सृजन) 'उच्च-स्तरीय चिंतन कौशल' (HOTS - Higher Order Thinking Skills) कहलाते हैं (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #12 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 137. सृजनात्मकता (Creativity) का मुख्य संबंध किस प्रकार के चिंतन से होता है और इस संप्रत्यय का प्रतिपादन किस मनोवैज्ञानिक ने किया था?

• (क) अभिसारी चिंतन (Convergent Thinking) — अल्फ्रेड बिने

• (ख) अपसारी चिंतन (Divergent Thinking) — जे.पी. गिलफोर्ड (1956) एवं ई. पॉल टॉरेंस

• (ग) निगमनात्मक चिंतन — चार्ल्स स्पीयरमैन

• (घ) यांत्रिक अनुकूलन — जॉन बी. वाटसन

• **सही उत्तर:** (ख) अपसारी चिंतन (Divergent Thinking) — जे.पी. गिलफोर्ड (1956) एवं ई. पॉल टॉरेंस

• **विस्तृत व्याख्या:** जे.पी. गिलफोर्ड ने बुद्धि संरचना मॉडल में चिंतन को दो भागों में बाँटा: 'अभिसारी चिंतन' (एक ही निश्चित सही उत्तर पर पहुँचना) और 'अपसारी चिंतन' (एक समस्या के अनेक मौलिक, लचीले व नवीन समाधान खोजना)। सृजनात्मकता के चार मुख्य तत्व हैं—प्रवाह (Fluency), लचीलापन (Flexibility), मौलिकता (Originality) और विस्तारण (Elaboration) (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #13 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 138. भाषा विकास के संदर्भ में किस मनोवैज्ञानिक ने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया कि प्रत्येक मानव शिशु में भाषा सीखने की एक जन्मजात क्षमता होती है जिसे 'भाषा अर्जन उपकरण' (Language Acquisition Device - LAD) और 'सार्वभौमिक व्याकरण' (Universal Grammar) कहा जाता है?

• (क) बी.एफ. स्किनर

• (ख) नोम चोम्स्की (Noam Chomsky)

• (ग) जीन पियाजे

• (घ) विल्हेम वुंट

• **सही उत्तर:** (ख) नोम चोम्स्की (Noam Chomsky)

• **विस्तृत व्याख्या:** अमेरिकी भाषाविद् नोम चोम्स्की ने व्यवहारवादी स्किनर (जिन्होंने कहा था कि भाषा केवल अनुकरण और पुनर्बलन से सीखी जाती है) का खंडन करते हुए 'जनरेटिव ग्रामर' और 'जन्मजात भाषा अर्जन उपकरण' (LAD) का सिद्धांत दिया। उनके अनुसार मानव मस्तिष्क में जन्मजात रूप से भाषा के नियमों को ग्रहण करने और नए वाक्य सृजित करने की जैविक क्षमता होती है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #14 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 139. बुद्धि लब्धि (Intelligence Quotient - IQ) की गणना का सूत्र किसने दिया था और इस सूत्र के अनुसार यदि किसी 10 वर्ष की कालानुक्रमिक (वास्तविक) आयु के बालक की मानसिक आयु 12 वर्ष है, तो उसकी बुद्धि लब्धि (IQ) कितनी होगी?

• (क) विलियम स्टर्न ने 1912 में विचार दिया और लुईस टर्मन ने 1916 में सूत्र [IQ = (मानसिक आयु / वास्तविक आयु) × 100] को पूर्ण रूप दिया; बालक की IQ = (12 / 10) × 100 = **120** होगी

• (ख) अल्फ्रेड बिने ने सूत्र दिया; बालक की IQ = 100 होगी

• (ग) डेविड वेक्सलर ने सूत्र दिया; बालक की IQ = 83.3 होगी

• (घ) थॉर्नडाइक ने सूत्र दिया; बालक की IQ = 140 होगी

• **सही उत्तर:** (क) विलियम स्टर्न ने 1912 में विचार दिया और लुईस टर्मन ने 1916 में सूत्र [IQ = (मानसिक आयु / वास्तविक आयु) × 100] को पूर्ण रूप दिया; बालक की IQ = (12 / 10) × 100 = **120** होगी

• **विस्तृत व्याख्या:** 1905 में अल्फ्रेड बिने और थियोडोर साइमन ने पहला बुद्धि परीक्षण बनाया और 1908 में 'मानसिक आयु' (Mental Age - MA) का संप्रत्यय दिया। 1912 में जर्मन मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने MA/CA का अनुपात दिया, जिसे 1916 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के लुईस टर्मन ने 100 से गुणा कर **IQ = (MA / CA) × 100** का मानक सूत्र बनाया। यहाँ **(12 / 10) × 100 = 120** (प्रखर बुद्धि) है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #15 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 140. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 (NCF 2005) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा - विद्यालयी शिक्षा 2023 (NCF-SE 2023) दोनों किस मनोवैज्ञानिक उपागम पर आधारित हैं और इनमें शिक्षक की भूमिका को किस रूप में परिभाषित किया गया है?

• (क) रचनावादी उपागम (Constructivist Approach) — शिक्षक तानाशाह या केवल सूचना प्रसारक नहीं, बल्कि अधिगम का एक **'सुगमकर्ता' (Facilitator)** और मार्गदर्शक है

• (ख) कठोर व्यवहारवादी उपागम — शिक्षक एकमात्र ज्ञान का स्रोत है और छात्र निष्क्रिय श्रोता हैं

• (ग) केवल परीक्षा-केंद्रित रटंत उपागम — शिक्षक का कार्य केवल पाठ्यपुस्तक को शब्दशः याद कराना है

• (घ) दंड-आधारित अनुशासन उपागम

• **सही उत्तर:** (क) रचनावादी उपागम (Constructivist Approach) — शिक्षक तानाशाह या केवल सूचना प्रसारक नहीं, बल्कि अधिगम का एक **'सुगमकर्ता' (Facilitator)** और मार्गदर्शक है

• **विस्तृत व्याख्या:** प्रो. यशपाल समिति की रिपोर्ट 'शिक्षा बिना बोझ के' (Learning Without Burden, 1993), NCF 2005 और NCF-SE 2023 सभी रचनावाद (Constructivism) पर बल देते हैं, जिसके अनुसार बालक अपने पूर्व ज्ञान और परिवेश के साथ सक्रिय अंतःक्रिया करके ज्ञान का सृजन स्वयं करता है, तथा शिक्षक एक सुगमकर्ता (Facilitator) के रूप में समृद्ध व भयमुक्त अधिगम वातावरण तैयार करता है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #16 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 141. समावेशी शिक्षा में 'अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिजाइन' (Universal Design for Learning - UDL) के तीन मुख्य सिद्धांत कौन-से हैं जो कक्षा के प्रत्येक विविध आवश्यकता वाले शिक्षार्थी की भागीदारी सुनिश्चित करते हैं?

• (क) (1) प्रस्तुतीकरण के बहुविध साधन (Multiple Means of Representation - 'क्या' सीखना है), (2) क्रिया और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action & Expression - 'कैसे' सीखना व व्यक्त करना है), तथा (3) संलग्नता/जुड़ाव के बहुविध साधन (Multiple Means of Engagement - 'क्यों' सीखना है)

• (ख) सभी छात्रों के लिए एक ही प्रकार की पाठ्यपुस्तक, एक ही व्याख्यान विधि और एक ही लिखित परीक्षा

• (ग) दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों से अलग कर केवल विशेष आवासीय विद्यालयों में भेजना

• (घ) केवल मेधावी छात्रों के लिए उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम बनाना

• **सही उत्तर:** (क) (1) प्रस्तुतीकरण के बहुविध साधन (Multiple Means of Representation - 'क्या' सीखना है), (2) क्रिया और अभिव्यक्ति के बहुविध साधन (Multiple Means of Action & Expression - 'कैसे' सीखना व व्यक्त करना है), तथा (3) संलग्नता/जुड़ाव के बहुविध साधन (Multiple Means of Engagement - 'क्यों' सीखना है)

• **विस्तृत व्याख्या:** UDL का ढाँचा इस विचार पर आधारित है कि कक्षा में 'औसत विद्यार्थी' जैसा कोई नहीं होता; प्रत्येक शिक्षार्थी की सीखने की शैली भिन्न होती है। अतः सामग्री को दृश्य, श्रव्य, स्पर्शनीय और डिजिटल रूपों में प्रस्तुत करना (Representation), छात्रों को अपने ज्ञान को मौखिक, लिखित, कला या प्रोजेक्ट से दर्शाने की छूट देना (Expression) और उनकी रुचि व अभिप्रेरणा को बनाए रखना (Engagement) सच्चे समावेशन का आधार है (education.gov.in)।

अभ्यास प्रश्न #17 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 142. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अंतर्गत स्थापित किए जाने वाले 'राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन' (National Research Foundation - NRF, जिसे 'अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन अधिनियम, 2023' द्वारा वैधानिक रूप दिया गया) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

• (क) देश के सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी सहित सभी विषयों में गुणवत्तापूर्ण, सहकर्मी-समीक्षित (Peer-reviewed) अनुसंधान एवं नवाचार की संस्कृति को वित्तपोषित और प्रोत्साहित करना

• (ख) केवल प्राथमिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन का वितरण करना

• (ग) केवल विदेशी विश्वविद्यालयों की परीक्षा आयोजित करना

• (घ) विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों की छपाई और वितरण करना

• **सही उत्तर:** (क) देश के सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी सहित सभी विषयों में गुणवत्तापूर्ण, सहकर्मी-समीक्षित (Peer-reviewed) अनुसंधान एवं नवाचार की संस्कृति को वित्तपोषित और प्रोत्साहित करना

• **विस्तृत व्याख्या:** शिक्षा मंत्रालय (education.gov.in) के अनुसार NEP 2020 ने उच्च शिक्षा में शोध और नवाचार को गति देने के लिए NRF की स्थापना की अनुशंसा की थी, जिसे संसद द्वारा पारित 'अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) अधिनियम, 2023' के माध्यम से लागू किया गया है।

अभ्यास प्रश्न #18 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 143. बाल विकास के सिद्धांतों में 'शीर्षाभिमुख विकास का सिद्धांत' (Cephalocaudal Principle) और 'समीप-दूराभिमुख विकास का सिद्धांत' (Proximodistal Principle) क्रमशः विकास की किस दिशा को दर्शाते हैं?

• (क) शीर्षाभिमुख (Cephalocaudal): विकास सिर से पैर (ऊपर से नीचे) की ओर होता है; समीप-दूराभिमुख (Proximodistal): विकास शरीर के केंद्र (रीढ़ की हड्डी/हृदय) से बाहरी अंगों (भुजाओं से उँगलियों) की ओर होता है

• (ख) शीर्षाभिमुख: पैर से सिर की ओर; समीप-दूराभिमुख: उँगलियों से कंधे की ओर

• (ग) दोनों सिद्धांत केवल वृद्धावस्था में स्मृति ह्रास को दर्शाते हैं

• (घ) विकास पूरी तरह से यादृच्छिक और दिशाहीन होता है

• **सही उत्तर:** (क) शीर्षाभिमुख (Cephalocaudal): विकास सिर से पैर (ऊपर से नीचे) की ओर होता है; समीप-दूराभिमुख (Proximodistal): विकास शरीर के केंद्र (रीढ़ की हड्डी/हृदय) से बाहरी अंगों (भुजाओं से उँगलियों) की ओर होता है

• **विस्तृत व्याख्या:** गामक विकास के दो सार्वभौमिक दिशात्मक नियम हैं: (1) शीर्षाभिमुख नियम के अनुसार शिशु सबसे पहले अपने सिर और गर्दन पर नियंत्रण पाता है, फिर धड़ (बैठने) पर और अंत में पैरों (खड़े होने व चलने) पर; (2) समीप-दूराभिमुख नियम के अनुसार शिशु पहले कंधों व संपूर्ण बांह का उपयोग करता है (Gross Motor Skills) और बाद में कलाई व उँगलियों की सूक्ष्म पकड़ (Fine Motor Skills / Pincer Grasp) विकसित करता है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #19 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 144. 'अभिप्रेरणा' (Motivation) के संदर्भ में अब्राहम मास्लो के 'आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत' (Hierarchy of Needs - 1943) का नीचे से ऊपर (निम्नतम से उच्चतम स्तर) की ओर सही क्रम क्या है?

• (क) शारीरिक आवश्यकताएँ (भोजन, जल, नींद) → सुरक्षा की आवश्यकताएँ → स्नेह एवं संबद्धता (सामाजिक) की आवश्यकता → सम्मान की आवश्यकता (Esteem Needs) → आत्म-सिद्धि / स्व-यथार्थीकरण की आवश्यकता (Self-Actualization)

• (ख) आत्म-सिद्धि → सम्मान → सुरक्षा → शारीरिक आवश्यकताएँ → स्नेह

• (ग) सम्मान → धन → सत्ता → प्रतिष्ठा → सुरक्षा

• (घ) सुरक्षा → शारीरिक आवश्यकताएँ → आत्म-सिद्धि → सामाजिक आवश्यकताएँ

• **सही उत्तर:** (क) शारीरिक आवश्यकताएँ (भोजन, जल, नींद) → सुरक्षा की आवश्यकताएँ → स्नेह एवं संबद्धता (सामाजिक) की आवश्यकता → सम्मान की आवश्यकता (Esteem Needs) → आत्म-सिद्धि / स्व-यथार्थीकरण की आवश्यकता (Self-Actualization)

• **विस्तृत व्याख्या:** मानवतावादी मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लो के पिरामिड में प्रथम चार आवश्यकताएँ (शारीरिक, सुरक्षा, स्नेह/संबद्धता और आत्म-सम्मान) 'अभावजन्य आवश्यकताएँ' (Deficiency Needs / D-Needs) कहलाती हैं, जबकि सर्वोच्च स्तर पर स्थित 'आत्म-सिद्धि' (Self-Actualization—अपनी पूर्ण अंतर्निहित क्षमता को प्राप्त करना) 'वृद्धि या अस्तित्व आवश्यकता' (Being Need / B-Need) कहलाती है। यही सिद्धांत विद्यालयों में 'पीएम पोषण' (मध्याह्न भोजन) और भयमुक्त वातावरण के महत्व को स्पष्ट करता है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #20 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 145. जब कोई विद्यार्थी किसी कार्य या विषय (जैसे गणित की पहेली हल करना या चित्रकारी करना) को किसी बाहरी पुरस्कार, नकद इनाम, अंक या दंड के डर से नहीं, बल्कि अपनी स्वयं की जिज्ञासा, आनंद और आत्म-संतुष्टि के लिए करता है, तो इसे किस प्रकार की अभिप्रेरणा कहा जाता है?

- (क) बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation)
- (ख) आंतरिक / स्वाभाविक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)
- (ग) नकारात्मक अनुबंधन
- (घ) कृत्रिम प्रोत्साहन
- **सही उत्तर:** (ख) आंतरिक / स्वाभाविक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)
- **विस्तृत व्याख्या:** शिक्षा मनोविज्ञान के अनुसार आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation) अधिगम के लिए सर्वाधिक स्थायी और प्रभावशाली होती है क्योंकि इसमें कार्य स्वयं अपने आप में पुरस्कार होता है (महारत उन्मुखीकरण / Mastery Orientation)। इसके विपरीत केवल ट्रॉफी, ग्रेड, प्रशंसा या दंड से बचने के लिए किया गया कार्य बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation) से संचालित होता है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #21 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 146. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE Act, 2009) की किस धारा के तहत प्रत्येक विद्यालय (निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को छोड़कर) में 'विद्यालय प्रबंधन समिति' (School Management Committee - SMC) का गठन अनिवार्य है और इसमें माता-पिता/अभिभावकों व महिलाओं का न्यूनतम प्रतिशत कितना होना चाहिए?

- (क) धारा 21 — समिति के कुल सदस्यों में से कम से कम **तीन-चौथाई (75%) सदस्य** बालकों के माता-पिता या अभिभावक होंगे, तथा कुल सदस्यों में से **50% महिलाएँ** होंगी
- (ख) धारा 12 — 25% अभिभावक और 10% महिलाएँ
- (ग) धारा 28 — 100% सदस्य केवल सरकारी अधिकारी होंगे
- (घ) धारा 5 — केवल ग्राम प्रधान और प्रधानाध्यापक इसके सदस्य होंगे
- **सही उत्तर:** (क) धारा 21 — समिति के कुल सदस्यों में से कम से कम **तीन-चौथाई (75%) सदस्य** बालकों के माता-पिता या अभिभावक होंगे, तथा कुल सदस्यों में से **50% महिलाएँ** होंगी
- **विस्तृत व्याख्या:** RTE अधिनियम, 2009 की **धारा 21** के तहत सामुदायिक भागीदारी और विद्यालय के कामकाज की निगरानी के लिए गठित SMC में कम से कम 75% सदस्य बच्चों के माता-पिता/अभिभावक होते हैं (जिनमें वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के अभिभावकों को आनुपातिक प्रतिनिधित्व दिया जाता है) और कुल सदस्यों में कम से कम 50% महिलाएँ होती हैं। धारा 22 के तहत यही समिति 'विद्यालय विकास योजना' (School Development Plan - SDP) तैयार करती है (indiacode.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #22 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 147. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में 'निदानात्मक परीक्षण' (Diagnostic Test) और 'उपचारात्मक शिक्षण' (Remedial Teaching) का सही संबंध क्या है?

- (क) निदानात्मक परीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी के अधिगम में आने वाली विशिष्ट कठिनाइयों, त्रुटियों और अधिगम रिक्तियों (Learning Gaps) के मूल कारणों की पहचान की जाती है, और उसके तुरंत बाद उन कमियों को दूर करने के लिए लक्षित 'उपचारात्मक शिक्षण' प्रदान किया जाता है
- (ख) निदानात्मक परीक्षण छात्रों को उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण घोषित करने के लिए लिया जाता है
- (ग) उपचारात्मक शिक्षण केवल मेधावी छात्रों को अतिरिक्त गृहकार्य देने की विधि है
- (घ) निदानात्मक परीक्षण हमेशा उपचारात्मक शिक्षण के बाद लिया जाता है
- **सही उत्तर:** (क) निदानात्मक परीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी के अधिगम में आने वाली विशिष्ट कठिनाइयों, त्रुटियों और अधिगम रिक्तियों (Learning Gaps) के मूल कारणों की पहचान की जाती है, और उसके तुरंत बाद उन कमियों को दूर करने के लिए लक्षित 'उपचारात्मक शिक्षण' प्रदान किया जाता है

• **विस्तृत व्याख्या:** जिस प्रकार एक चिकित्सक पहले रोग के कारण का पता लगाने के लिए नैदानिक जाँच (Diagnosis) करता है और फिर उपचार (Remedy) देता है, उसी प्रकार शिक्षक पहले निदानात्मक परीक्षण से यह पता लगाता है कि छात्र किस विशिष्ट प्रत्यय में और क्यों त्रुटि कर रहा है, और तत्पश्चात वैकल्पिक शिक्षण रणनीतियों द्वारा उपचारात्मक शिक्षण देता है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #23 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 148. 'सूक्ष्म-शिक्षण' (Micro-teaching), जिसका उपयोग शिक्षक-प्रशिक्षण में विशिष्ट शिक्षण कौशलों के अभ्यास हेतु किया जाता है, के जनक कौन हैं और भारतीय प्रतिमान (NCERT मॉडल) के अनुसार सूक्ष्म-शिक्षण चक्र की कुल समयावधि कितनी होती है?

• (क) ड्वाइट डब्ल्यू. एलन (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, 1963); तथा भारतीय (NCERT) मॉडल के अनुसार एक संपूर्ण सूक्ष्म-शिक्षण चक्र की अवधि **36 मिनट** होती है (शिक्षण: 6 मिनट → प्रतिपुष्टि: 6 मिनट → पुनः पाठ योजना: 12 मिनट → पुनः शिक्षण: 6 मिनट → पुनः प्रतिपुष्टि: 6 मिनट)

• (ख) बी.के. पासी; कुल अवधि 60 मिनट होती है

• (ग) हरबर्ट स्पेंसर; कुल अवधि 45 मिनट होती है

• (घ) जॉन डीवी; कुल अवधि 15 मिनट होती है

• **सही उत्तर:** (क) ड्वाइट डब्ल्यू. एलन (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, 1963); तथा भारतीय (NCERT) मॉडल के अनुसार एक संपूर्ण सूक्ष्म-शिक्षण चक्र की अवधि **36 मिनट** होती है (शिक्षण: 6 मिनट → प्रतिपुष्टि: 6 मिनट → पुनः पाठ योजना: 12 मिनट → पुनः शिक्षण: 6 मिनट → पुनः प्रतिपुष्टि: 6 मिनट)

• **विस्तृत व्याख्या:** सूक्ष्म-शिक्षण वास्तविक शिक्षण का एक लघुकृत रूप (Scaled-down teaching encounter) है जिसमें कक्षा के आकार (5–10 सहपाठी छात्र), समय (6 मिनट) और विषयवस्तु (एक समय में केवल एक शिक्षण कौशल—जैसे प्रस्तावना कौशल, प्रश्न पूछने का कौशल, श्यामपट्ट कौशल या उद्दीपन परिवर्तन कौशल) को छोटा कर अभ्यास किया जाता है। NCERT द्वारा निर्धारित भारतीय प्रतिमान में कुल समय 36 मिनट है (ncert.nic.in)।

अभ्यास प्रश्न #24 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 149. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अंतर्गत विद्यालयी विद्यार्थियों के रिपोर्ट कार्ड को किस नए रूप में पुनर्गठित करने की सिफारिश की गई है?

• (क) 360-डिग्री बहुआयामी 'समग्र प्रगति कार्ड' (Holistic Progress Card - HPC), जिसमें संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक क्षेत्रों की प्रगति के साथ-साथ विद्यार्थी का स्व-आकलन, सहपाठी आकलन, शिक्षक आकलन और अभिभावक प्रतिपुष्टि सम्मिलित होगी

• (ख) केवल वार्षिक परीक्षा के प्राप्तांकों और कक्षा में रैंक (1st, 2nd, 3rd) को दर्शाने वाली अंकतालिका

• (ग) केवल उपस्थिति और खेलकूद का प्रमाणपत्र

• (घ) केवल वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय परीक्षा का स्कोरकार्ड

• **सही उत्तर:** (क) 360-डिग्री बहुआयामी 'समग्र प्रगति कार्ड' (Holistic Progress Card - HPC), जिसमें संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक क्षेत्रों की प्रगति के साथ-साथ विद्यार्थी का स्व-आकलन, सहपाठी आकलन, शिक्षक आकलन और अभिभावक प्रतिपुष्टि सम्मिलित होगी

• **विस्तृत व्याख्या:** शिक्षा मंत्रालय (education.gov.in) एवं NCERT के 'परख' केंद्र द्वारा विकसित समग्र प्रगति कार्ड (HPC) प्रत्येक विद्यार्थी की अद्वितीय क्षमताओं, परियोजना कार्यों, जिज्ञासा, टीमवर्क और संज्ञानात्मक-भावात्मक-मनोगत्यात्मक प्रगति का सतत एवं व्यापक दस्तावेजीकरण करता है, जिससे घर और विद्यालय के बीच सार्थक कड़ी जुड़ती है।

अभ्यास प्रश्न #25 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 150. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित प्रमुख डिजिटल शिक्षा प्लेटफॉर्मों—'दीक्षा' (DIKSHA), 'स्वयं' (SWAYAM) और 'निष्ठा' (NISHTHA)—का सही उद्देश्य क्या है?

• (क) **दीक्षा (DIKSHA):** 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म' के रूप में स्कूली शिक्षकों व छात्रों के लिए ई-सामग्री व क्यूआर-कोडेड पाठ्यपुस्तकें; **स्वयं (SWAYAM):** कक्षा 9 से स्नातकोत्तर तक निःशुल्क ऑनलाइन मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOCs); **निष्ठा (NISHTHA):** स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण पहल

• (ख) तीनों प्लेटफॉर्म केवल बैंकिंग लेनदेन और कर भुगतान के लिए बनाए गए हैं

• (ग) दीक्षा केवल विश्वविद्यालय के कुलपतियों के लिए है और स्वयं केवल आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए है

• (घ) निष्ठा केवल विदेशी छात्रों को वीजा देने का पोर्टल है

• **सही उत्तर:** (क) **दीक्षा (DIKSHA):** 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म' के रूप में स्कूली शिक्षकों व छात्रों के लिए ई-सामग्री व क्यूआर-कोडेड पाठ्यपुस्तकें; **स्वयं (SWAYAM):** कक्षा 9 से स्नातकोत्तर तक निःशुल्क ऑनलाइन मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOCs); **निष्ठा (NISHTHA):** स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण पहल

• **विस्तृत व्याख्या:** शिक्षा मंत्रालय (education.gov.in) और NCERT (ncert.nic.in) के अंतर्गत DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing), SWAYAM (Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds - 4 चतुर्थांश उपागम) एवं स्वयं प्रभा डीटीएच चैनल तथा NISHTHA (National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement) डिजिटल एवं शिक्षक सशक्तिकरण के प्रमुख राष्ट्रीय स्तंभ हैं, जिनका विस्तृत अभ्यास IUC Academy (www.iucacademy.com) पर उपलब्ध है।

संदर्भ स्रोत: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 — आधिकारिक दस्तावेज (PIB/MoE), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT — NEP 2020 पोर्टल), केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET आधिकारिक पोर्टल), तथा CIET-NCERT निष्ठा (NISHTHA) एवं समावेशी शिक्षा पोर्टल।

भाग (क): 5 नए उन्नत गहन अध्ययन मॉड्यूल (5 Advanced Deep-Dive Modules)

अध्याय 1: संज्ञानात्मक, सामाजिक-सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास के स्तंभ — पियाजे, वाइगोत्स्की एवं कोहलबर्ग का तुलनात्मक विश्लेषण

सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक विवरण:

आधुनिक बाल विकास और रचनावादी शिक्षाशास्त्र (Constructivist Pedagogy) तीन महान मनोवैज्ञानिकों के सिद्धांतों पर आधारित है:

1. **जीन पियाजे (Jean Piaget — स्विट्जरलैंड, 'विकासात्मक मनोविज्ञान के जनक', संज्ञानात्मक रचनावाद / Radical Constructivism):** पियाजे ने बच्चों को **'नन्हे वैज्ञानिक' (Little Scientists — ज्ञान के सक्रिय निर्माता)** कहा। उनके सिद्धांत की 4 मुख्य प्रक्रियाएं हैं:

- **स्कीमा (Schema):** मस्तिष्क में सूचनाओं के संगठन की मानसिक संरचना/पॉकेट।
- **आत्मसात्करण (Assimilation):** पूर्व-मौजूदा स्कीमा में नई जानकारी को बिना बदले जोड़ लेना (जैसे 4 पैरों वाले कुत्ते को जानने वाले बच्चे द्वारा बिल्ली को देखकर उसे भी 'कुत्ता' कहना)।
- **समायोजन (Accommodation):** नई जानकारी के अनुसार अपने पुराने स्कीमा में संशोधन/परिवर्तन करना या नया स्कीमा बनाना (जब बच्चा सीखता है कि बिल्ली म्याऊं करती है और कुत्ते से अलग है)।
- **संतुलन (Equilibration):** आत्मसात्करण और समायोजन के बीच संज्ञानात्मक संतुलन स्थापित करने की प्रक्रिया।

पियाजे की **संज्ञानात्मक विकास की 4 अवस्थाएं (SPCF):** (i) संवेदी-गामक अवस्था (0–2 वर्ष: **वस्तु स्थायित्व / Object Permanence** एवं लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार), (ii) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2–7 वर्ष: प्रतीकात्मक खेल, **जीववाद / Animism**, अहंकेंद्रितवाद, **अपरिवर्तनीयता / Irreversibility** व केंद्रीकरण), (iii) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7–11 वर्ष: मूर्त वस्तुओं पर तार्किक चिंतन, **संरक्षण / Conservation**, **प्रतिवर्तीता / Reversibility**, वर्गीकरण व **क्रमबद्धता / Seriation**), और (iv) औपचारिक/अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था (11–15+ वर्ष: अमूर्त चिंतन एवं **परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्क / Hypothetico-Deductive Reasoning**)।

2. **लेव वाइगोत्स्की (Lev Vygotsky — रूस, सामाजिक-सांस्कृतिक रचनावाद / Socio-Cultural Constructivism):** वाइगोत्स्की के अनुसार संज्ञानात्मक विकास **समाज, संस्कृति और भाषा (Social Interaction, Culture & Language)** के अंतःक्रिया से होता है। उनके 3 मुख्य संप्रत्यय हैं — **ZPD (Zone of Proximal Development — समीपस्थ विकास का क्षेत्र:** बच्चा जो स्वयं बिना मदद के कर सकता है और जो वह किसी की सहायता से कर सकता है, उसके बीच का अंतर), **MKO (More Knowledgeable Other — अधिक जानकार अन्य)**, और **Scaffolding (पाड़/ढांचा — जिरोम ब्रूनर द्वारा प्रयुक्त शब्द:** समस्या समाधान के दौरान दी जाने वाली अस्थायी एवं जरूरत के अनुसार सहायता)।

3. **लॉरेंस कोहलबर्ग (Lawrence Kohlberg — नैतिक विकास का सिद्धांत):** 'हाइंज की दुविधा' (Heinz Dilemma) के माध्यम से उन्होंने **3 स्तर और 6 अवस्थाएं** दीं: (i) पूर्व-परंपरागत स्तर (4–10 वर्ष: आज्ञा व दंड अभिविन्यास; यांत्रिक सापेक्षता/Tit-for-Tat), (ii) परंपरागत स्तर (10–13 वर्ष: अच्छा लड़का-अच्छी लड़की; कानून एवं व्यवस्था अभिविन्यास), और (iii) उत्तर-परंपरागत स्तर (13+ वर्ष: सामाजिक अनुबंध; सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत)।

- **रोचक केस स्टडी (Case Study — जब 5 वर्ष की रिया अकेले पजल जोड़ते हुए खुद से जोर-जोर से बातें करती है: पियाजे बनाम वाइगोत्स्की!):**

CTET और KVS का सबसे लोकप्रिय केस प्रश्न है: "5 साल की रिया अपने खिलौने जोड़ते हुए खुद से कहती है — 'नीला टुकड़ा यहां नहीं लगेगा, पहले लाल वाला लगाती हूं...'।"

- **जीन पियाजे** ने इसे **'अहंकेंद्रित वाक्' (Egocentric Speech)** कहा और माना कि यह बच्चे की संज्ञानात्मक अपरिपक्वता है जो उम्र बढ़ने के साथ गायब हो जाती है, तथा पियाजे के अनुसार **"पहले विचार आता है, फिर भाषा"** (Thought precedes Language)।
- इसके ठीक विपरीत **लेव वाइगोत्स्की** ने इसे **'निजी वाक्' (Private Speech)** कहा और सिद्ध किया कि यह अपरिपक्वता नहीं, बल्कि बच्चे द्वारा **अपने स्वयं के व्यवहार, ध्यान और कार्य को निर्देशित व विनियमित (Self-Regulation) करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक उपकरण** है, जो बाद

में 'आंतरिक/मौन वाक्' (Inner/Silent Speech) में बदल जाता है! वाइगोत्स्की के अनुसार प्रारंभ में विचार और भाषा स्वतंत्र होते हैं और लगभग **3 वर्ष की आयु** के आसपास आपस में मिल जाते हैं।

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत की सबसे प्रसिद्ध आलोचना उनकी ही शिष्या **कैरोल गिलिगन (Carol Gilligan)** ने अपनी पुस्तक *In a Different Voice* (1982) में की थी। गिलिगन ने सिद्ध किया कि कोहलबर्ग का सिद्धांत **पुरुष-पक्षपाती (Gender-Biased)** है क्योंकि उन्होंने केवल लड़कों पर प्रयोग किया और 'न्याय की नैतिकता' (Ethics of Justice) को सर्वोच्च माना, जबकि महिलाएं रिश्तों, करुणा और **'देखभाल की नैतिकता' (Ethics of Care)** को प्राथमिकता देती हैं!

परीक्षा जाल (Exam Trap Alert):
• **जाल 1:** बच्चा यह नहीं समझ पाता कि चौड़े गिलास का पानी पतले लंबे गिलास में डालने पर पानी की मात्रा समान रहती है — यह किस अवस्था की कमी है? **पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2–7 वर्ष: संरक्षण का अभाव / Lack of Conservation, केंद्रीकरण / Centration और अपरिवर्तनीयता / Irreversibility)**! और जब वह यह समझ जाता है, तो वह **मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7–11 वर्ष)** में आ चुका है!
• **जाल 2:** वाइगोत्स्की के सिद्धांत में किस एक कारक की उपेक्षा (Neglect) की गई है? **जैविक/आनुवंशिक परिपक्वता (Biological Maturation)** की (जिस पर पियाजे ने सर्वाधिक बल दिया था)!
• **कहानी आधारित स्मृति ट्रिक (Story-Based Memory Trick — पियाजे की 4 अवस्थाएं और वाइगोत्स्की के 3 स्तंभ):**

• पियाजे की ट्रिक: **"Some People Can Fly"** — Sensorimotor (0–2), Pre-operational (2–7), Concrete Operational (7–11), Formal Operational (11–15+)!

• वाइगोत्स्की की ट्रिक: **"SCL (Social, Culture, Language) से ZPD में MKO ने Scaffolding दी!"**

अध्याय 2: अधिगम के सिद्धांत (Learning Theories), बुद्धि के प्रतिमान (Intelligence Models) एवं अभिप्रेरणा

सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक विवरण:

अधिगम (Learning — अभ्यास या अनुभव के कारण व्यवहार में होने वाला अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन) के दो प्रमुख संप्रदाय हैं:

1. **व्यवहारवाद (Behaviorism — उद्दीपक-अनुक्रिया एस-आर बंध):**

• **ई.एल. थॉर्नडाइक (प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धांत / संबंधवाद — बिल्ली पर प्रयोग, 'शिक्षा मनोविज्ञान के जनक'):** इन्होंने अधिगम के **3 मुख्य नियम** — (1) **तत्परता का नियम (Law of Readiness)**, (2) **अभ्यास का नियम (Law of Exercise — उपयोग व अनुपयोग)**, और (3) **प्रभाव/संतोष का नियम (Law of Effect)** — तथा 5 गौण नियम दिए।

• **इवान पावलोव (शास्त्रीय अनुबंधन / Classical Conditioning — कुत्ते की लार पर प्रयोग, 1904 नोबेल पुरस्कार):** अस्वाभाविक उद्दीपक (CS — घंटी) को स्वाभाविक उद्दीपक (UCS — भोजन) के साथ बार-बार जोड़ने पर केवल घंटी बजने से ही अनुबंधित अनुक्रिया (CR — लार आना) होने लगती है।

• **बी.एफ. स्किनर (क्रियाप्रसूत अनुबंधन / Operant or Instrumental Conditioning — चूहे व कबूतर पर 'स्किनर बॉक्स' प्रयोग):** यहां उद्दीपक के बजाय पहले प्राणी **अनुक्रिया (Response/R-S)** करता है और यदि उसे **पुनर्बलन (Reinforcement — सकारात्मक या नकारात्मक)** मिलता है, तो व्यवहार की आवृत्ति बढ़ जाती है!

2. **संज्ञानवाद, गेस्टाल्टवाद एवं सामाजिक अधिगम:**

• **गेस्टाल्टवाद (कोहलर, कोफ्का, वर्दीमर — 'अंतर्दृष्टि या सूझ का सिद्धांत' / Insight Learning):** कोहलर ने कैनरी द्वीप पर **'सुल्तान' नामक चिंपांजी** पर प्रयोग कर सिद्ध किया कि सीखना प्रयास और त्रुटि से धीरे-धीरे नहीं, बल्कि संपूर्ण परिस्थिति के प्रत्यक्षीकरण (Whole is greater than the sum of its parts) से **अचानक सूझ (Aha! Experience)** द्वारा होता है।

• **अल्बर्ट बंडुरा (सामाजिक अधिगम का सिद्धांत / Observational Learning — 'बोबो डॉल' प्रयोग):** बच्चे दूसरों के व्यवहार का **अवलोकन और अनुकरण (Modeling)** करके सीखते हैं। इसके **4 क्रमिक चरण (ARRM)** हैं: **1. Attention (अवधान/ध्यान) -> 2. Retention (धारण/स्मृति) -> 3. Reproduction (पुनरुत्पादन/क्रियान्वयन) -> 4. Motivation/Reinforcement (अभिप्रेरणा)**!

• **रोचक केस स्टडी (Case Study — हॉवर्ड गार्डनर का 'बहु-बुद्धि सिद्धांत' (Multiple Intelligences) और IQ के एकल पैमाने का अंत):**

1905 में अल्फ्रेड बिने और साइमन ने पहला बुद्धि परीक्षण बनाया, और 1912 में विलियम स्टर्न ने बुद्धिलब्धि (IQ) का सूत्र दिया जिसे **1916 में टर्मन ने 100 से गुणा कर अंतिम रूप दिया:**

$$IQ = ((Mental Age (मानसिक आयु — MA) / Chronological Age (वास्तविक आयु — CA))) × 100$$

परंतु 1983 में अपनी पुस्तक *Frames of Mind* में हार्वर्ड के मनोवैज्ञानिक **हॉवर्ड गार्डनर** ने कहा कि बुद्धि कोई एकल तत्व नहीं है जिसे केवल एक IQ नंबर से मापा जा सके, बल्कि मनुष्य में **8 स्वतंत्र प्रकार की बुद्धियां** होती हैं:

1. **भाषाई बुद्धि (Linguistic):** कवि, लेखक, पत्रकार (जैसे रवींद्रनाथ टैगोर);
2. **तार्किक-गणितीय बुद्धि (Logical-Mathematical):** वैज्ञानिक, गणितज्ञ (जैसे रामानुजन, आइंस्टीन);
3. **स्थानिक बुद्धि (Spatial):** मूर्तिकार, वास्तुकार, पायलट, नाविक, चित्रकार (जैसे एम.एफ. हुसैन);
4. **संगीतात्मक बुद्धि (Musical):** संगीतकार, गायक (जैसे ए.आर. रहमान);
5. **शारीरिक-गतिक बुद्धि (Bodily-Kinesthetic):** एथलीट, नर्तक, शल्य-चिकित्सक/सर्जन (जैसे नीरज चोपड़ा, बिरजू महाराज);
6. *अंतर-वैयक्तिक बुद्धि (*Interpersonal* — दूसरों की भावनाओं, इरादों और मनोदशा को समझने की क्षमता):* राजनेता, शिक्षक, चिकित्सक, परामर्शदाता, सामाजिक कार्यकर्ता (जैसे महात्मा गांधी, मदर टेरेसा);
7. *अंत:वैयक्तिक बुद्धि (*Intrapersonal* — स्वयं की भावनाओं, शक्तियों और कमियों को गहराई से जानने की क्षमता):* दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु (जैसे स्वामी विवेकानंद, गौतम बुद्ध);
8. **प्रकृतिवादी बुद्धि (Naturalistic — 1998 में जोड़ी गई):** किसान, वनस्पतिशास्त्री, पर्यावरणविद्, शिकारी!

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुबंधन में **'नकारात्मक पुनर्बलन' (Negative Reinforcement)** और **'दंड' (Punishment)** एक नहीं हैं! **नकारात्मक पुनर्बलन** किसी अप्रिय उद्दीपक को हटाकर **वांछित व्यवहार को बढ़ाता है** (जैसे सिरदर्द की दवा खाने से दर्द का हटना या सीट बेल्ट लगाने पर कार की तेज बीप आवाज का बंद हो जाना), जबकि **दंड** अवांछित व्यवहार को **घटाता या रोकता** है!

परीक्षा जाल (Exam Trap Alert):
• **जाल 1: Interpersonal (अंतर-वैयक्तिक = Inter अर्थात दो लोगों के बीच / दूसरों को समझना)** और **Intrapersonal (अंत:वैयक्तिक = Intra अर्थात अपने भीतर / स्वयं को समझना)** में 90% छात्र परीक्षा कक्ष में उलझ जाते हैं! याद रखें: *Inter-state bus* दो राज्यों के बीच चलती है, वैसे ही *Interpersonal* दूसरे लोगों को समझता है!
• **जाल 2:** यदि किसी 10 वर्ष के बच्चे (CA = 10) की मानसिक आयु 12 वर्ष (MA = 12) है, तो उसका IQ क्या होगा? IQ = (12 / 10) × 100 = 120! (90–109 सामान्य/औसत बुद्धि है, और **140 या अधिक प्रतिभाशाली/Gifted** है)।
• **कहानी आधारित स्मृति ट्रिक (Story-Based Memory Trick — बुद्धि के प्रमुख सिद्धांत और प्रतिपादक):**
• कहानी: **"बिने ने एक (एक-कारक) कहा, स्पीयरमैन ने दो-तीन (द्वि-कारक g व s), थर्स्टन ने सात समूह (समूह-कारक/PMA) बनाए, थॉर्नडाइक ने बहु-कारक रेत का ढेर बताया, गिलफोर्ड ने त्रि-आयामी (3D — संक्रिया, विषयवस्तु, उत्पाद) डिब्बा सजाया, कैटेल ने तरल-ठोस (Fluid & Crystallized) पिलाया, स्टर्नबर्ग ने त्रि-चापीय (Triarchic — विश्लेषणात्मक, सृजनात्मक, व्यावहारिक/CAP) चलाया, और गार्डनर ने आठ बुद्धियों का बाग लगाया!"**

अध्याय 3: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020), NCF-FS 2022, NCF-SE 2023 एवं निपुण भारत मिशन

सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक विवरण:

स्वतंत्र भारत की पहली शिक्षा नीति 1968 (कोठारी आयोग 1964-66 की सिफारिश पर) और दूसरी 1986 (1992 में संशोधित) में आई थी। 34 वर्षों के बाद ISRO के पूर्व अध्यक्ष **डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति** की रिपोर्ट के आधार पर 29 जुलाई 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020 — PIB NEP 2020 PDF)** को मंजूरी दी और मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) का नाम बदलकर पुनः **'शिक्षा मंत्रालय' (Ministry of Education)** कर दिया।

NEP 2020 का सबसे बड़ा संरचनात्मक बदलाव पुरानी **10+2 प्रणाली के स्थान पर नई** `5+3+3+4` **शैक्षणिक और पाठ्यचर्या संरचना** (आयु 3 से 18 वर्ष) है (**NCERT NEP Portal**):

1. **फाउंडेशनल स्टेज (Foundational Stage — 5 वर्ष: आयु 3 से 8 वर्ष):** 3 वर्ष आंगनवाड़ी/प्री-स्कूल/बालवाटिका (आयु 3–6) + 2 वर्ष कक्षा 1 व 2 (आयु 6–8)। इसके लिए अक्टूबर 2022 में भारत का पहला **NCF-FS 2022** और ई-जादुई पिटारा लॉन्च किया गया जो भारतीय दर्शन के **'पंचकोश विकास' (अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय कोश)** तथा खेल और गतिविधि आधारित शिक्षण पर केंद्रित है।

2. **प्रिपरेटरी स्टेज (Preparatory Stage — 3 वर्ष: आयु 8 से 11 वर्ष, कक्षा 3 से 5):** खोज, सक्रिय खेल और संवादात्मक कक्षा शिक्षण। कम से कम **कक्षा 5 तक (और बेहतर हो कि कक्षा 8 और उससे आगे तक) शिक्षा का माध्यम मातृभाषा / स्थानीय / क्षेत्रीय भाषा** होगी (तीन-भाषा सूत्र में पूर्ण लचीलापन, कोई भी भाषा थोपी नहीं जाएगी)।

3. **मिडिल स्टेज (Middle Stage — 3 वर्ष: आयु 11 से 14 वर्ष, कक्षा 6 से 8):** विषय-आधारित अमूर्त अवधारणाएं, तथा **कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education — स्थानीय कारीगरों के साथ 10 दिन का 'बैगलेस डेज' / Bagless Days इंटर्नशिप) और कोडिंग** की शुरुआत!

4. **सेकेंडरी स्टेज (Secondary Stage — 4 वर्ष: आयु 14 से 18 वर्ष, कक्षा 9 से 12):** बहु-विषयक अध्ययन (कला, विज्ञान और वाणिज्य के बीच कोई कठोर विभाजन/Hard Separation नहीं), आलोचनात्मक चिंतन और सेमेस्टर/मॉड्यूलर बोर्ड परीक्षाएं।

• रोचक केस स्टडी (Case Study — 'PARAKH', '360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड' (HPC) और उच्च शिक्षा का ABC बैंक):

NEP 2020 ने रटंत प्रणाली (Rote Memorization) और योगात्मक परीक्षा (Summative Exam) को बदलकर **'रचनात्मक, योग्यता-आधारित और सीखने के लिए आकलन' (Formative & Competency-based Assessment for Learning)** पर बल दिया है।

• रिपोर्ट कार्ड अब केवल अंकों की तालिका नहीं होगा, बल्कि एक **'360-डिग्री बहु-आयामी समग्र प्रगति कार्ड' (Holistic Progress Card — HPC)** होगा जिसमें तीन लोगों का मूल्यांकन शामिल होगा: **(1) स्वयं छात्र का स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment), (2) सहपाठियों का मूल्यांकन (Peer Assessment), और (3) शिक्षक का मूल्यांकन**, जो संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक तीनों पक्षों को दर्शाएगा!

• देश के सभी स्कूल बोर्डों के आकलन मानकों में समानता लाने के लिए NCERT के अधीन एक नया राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र *'परख' (*PARAKH* — Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development)* स्थापित किया गया है।

• उच्च शिक्षा में 4-वर्षीय बहु-विषयक स्नातक कार्यक्रम (Multiple Entry & Exit System) और **ABC (Academic Bank of Credits)** शुरू किया गया है: **1 वर्ष पूर्ण करने पर 'सर्टिफिकेट', 2 वर्ष पर 'डिप्लोमा', 3 वर्ष पर 'बैचलर डिग्री'**, और **4 वर्ष पर 'शोध के साथ बैचलर डिग्री' (Bachelor's with Research)**!

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
NEP 2020 की सर्वोच्च प्राथमिकता **FLN (Foundational Literacy and Numeracy — बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान)** है, जिसके लिए शिक्षा मंत्रालय ने *5 जुलाई 2021 को 'निपुण भारत मिशन' (*NIPUN* — National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy) **शुरू किया है। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा** कक्षा 3 के अंत तक (आयु 9 वर्ष तक)* समझ के साथ पढ़ने, लिखने और बुनियादी अंकगणित करने में निपुण हो जाए!

परीक्षा जाल (Exam Trap Alert):
• **जाल 1:** NEP 2020 के मुख्य संख्यात्मक लक्ष्य (Target Years):

• **100% GER (सकल नामांकन अनुपात — प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक):** वर्ष **2030** तक!

• **उच्च शिक्षा में 50% GER:** वर्ष **2035** तक!

• **शिक्षण के लिए न्यूनतम योग्यता 4-वर्षीय एकीकृत B.Ed. (ITEP):** वर्ष **2030** तक!

• **शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय का लक्ष्य:** देश की कुल **GDP का 6%** (कोठारी आयोग से चली आ रही सिफारिश)!

• **CPD (सतत व्यावसायिक विकास):** प्रत्येक शिक्षक और प्रधानाचार्य के लिए प्रतिवर्ष कम से कम **50 घंटे** का प्रशिक्षण अनिवार्य (CIET NCERT CPD)!

• **जाल 2:** उच्च शिक्षा के एकल सर्वोच्च नियामक **HECI (Higher Education Commission of India — भारतीय उच्च शिक्षा आयोग, जिसके 4 स्वतंत्र वर्टिकल हैं: NHERC-विनियमन, NAC-प्रत्यायन, HEGC-अनुदान, और GEC-शैक्षणिक मानक)** के दायरे से किन दो क्षेत्रों को **बाहर** रखा गया है? **चिकित्सा शिक्षा (Medical) और विधिक शिक्षा (Legal Education)** को!

> ★ **कहानी आधारित स्मृति ट्रिक (Story-Based Memory Trick — NEP 2020 के संस्थान और पूर्ण रूप):**
> • कहानी: **"5+3+3+4 के स्कूल में कक्षा 3 तक NIPUN बनकर कक्षा 6 में बैगलेस कोडिंग सीखी, फिर PARAKH ने 360-डिग्री कार्ड जांचा, DIKSHA व NISHTHA ने 50 घंटे शिक्षक को सिखाया, और कॉलेज में HECI के 4 स्तंभों (NHERC, NAC, HEGC, GEC) ने ABC में क्रेडिट जमा कराए!"**

अध्याय 4: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education), RPwD अधिनियम 2016 (21 दिव्यांगताएं), अधिगम अक्षमताएं एवं RTE 2009

सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक विवरण:

समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) का दर्शन यह है कि नियमित विद्यालय की प्रणाली में ही सभी बच्चों — चाहे उनकी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक या भाषाई स्थितियां कुछ भी हों — को एक साथ एक ही छत के नीचे बिना किसी भेदभाव के स्वीकार किया जाए और **बच्चे को व्यवस्था के अनुसार ढालने के बजाय व्यवस्था (पाठ्यचर्या, शिक्षण विधि व भौतिक वातावरण) को बच्चे की आवश्यकताओं के अनुसार बदला जाए** ("System adapts to the Child")।

1. **दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPwD Act, 2016 — जिसने 1995 के PwD अधिनियम का स्थान लिया):** इसमें दिव्यांगता की श्रेणियों को 7 **से बढ़ाकर 21** कर दिया गया है (जिसमें पहली बार **एसिड अटैक पीड़ित, पार्किंसंस रोग, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, सिकल सेल रोग, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक अक्षमता और विशिष्ट अधिगम अक्षमताएं** जोड़ी गईं)। सरकारी नौकरियों में बेंचमार्क दिव्यांगजनों (कम से कम 40% दिव्यांगता) के लिए आरक्षण 3% से बढ़ाकर **4%** और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश में **5%** कर दिया गया है, तथा 6 से 18 वर्ष के प्रत्येक बेंचमार्क दिव्यांग बालक को निःशुल्क शिक्षा का अधिकार है।

2. **विशिष्ट अधिगम अक्षमताएं (Specific Learning Disabilities — SLD, शब्द सर्वप्रथम 1963 में सैमुअल किर्क ने दिया):**

• **डिसलेक्सिया (Dyslexia):** पठन विकार (Reading Disorder — अक्षरों के उल्टे/दर्पण प्रतिबिंब में भ्रम, जैसे 'b' को 'd', 'saw' को 'was', 'nuclear' को 'unclear' पढ़ना — फिल्म तारे जमीन पर का ईशान अवस्थी)।

• **डिसग्राफिया (Dysgraphia):** लेखन विकार (Writing Disorder — अशुद्ध वर्तनी, खराब हस्तलेखन व उंगलियों के सूक्ष्म गतिक कौशल में कठिनाई)।

• **डिसकैलकुलिया (Dyscalculia):** गणितीय गणना एवं संख्याओं को समझने का विकार।

• **डिसप्रैक्सिया (Dyspraxia):** गतिक समन्वय विकार (Motor Coordination Disorder — चलने, कूदने, जूते के फीते बांधने या गेंद पकड़ने में नेत्र-हस्त समन्वय की कमी)।

• **अफेजिया / डिसफेजिया (Aphasia / Dysphasia):** मौखिक भाषा संप्रेषण एवं भाषा समझने का विकार।

• **ADHD (Attention Deficit Hyperactivity Disorder):** ध्यान की कमी एवं अति-सक्रियता विकार (बच्चा एक जगह शांत नहीं बैठ पाता, आवेगशील रहता है और ध्यान जल्दी भटकता है)।

• **ASD (Autism Spectrum Disorder — स्वलीनता):** सामाजिक अंतःक्रिया, नेत्र-संपर्क (Eye-contact) और संप्रेषण में कठिनाई तथा एक ही व्यवहार को बार-बार दोहराना (Repetitive Behavior)।

3. **निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE Act, 2009 — CTET RTE Context): 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002** द्वारा संविधान में **अनुच्छेद 21A** (मौलिक अधिकार), अनुच्छेद 45 (संशोधित नीति निदेशक तत्व — 0 से 6 वर्ष की ECCE) और अनुच्छेद 51A(k) (11वां मौलिक कर्तव्य) जोड़ा गया। RTE अधिनियम **1 अप्रैल 2010** से लागू हुआ, जो 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों (दिव्यांग बच्चों हेतु 6 से 18 वर्ष) को पड़ोस के विद्यालय में निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8) की गारंटी देता है।

• **रोचक केस स्टडी (Case Study — RTE 2009 की प्रमुख धाराएं जो हर शिक्षक भर्ती परीक्षा में सीधे पूछी जाती हैं):**

• **धारा 3:** 6 से 14 वर्ष के प्रत्येक बालक को निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा का अधिकार।

• **धारा 4:** आयु के अनुसार उपयुक्त कक्षा में प्रवेश (Age-appropriate Admission — यदि 10 वर्ष का बच्चा कभी स्कूल नहीं गया, तो उसे कक्षा 1 में नहीं बल्कि उसकी आयु के अनुसार कक्षा 4/5 में प्रवेश देकर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा!)।

• **धारा 12(1)(c):** सभी निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को अपनी प्रारंभिक कक्षा (कक्षा 1 या नर्सरी) में **कम से कम 25% सीटें** आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और वंचित समूह के बच्चों के लिए आरक्षित रखनी होंगी!

• **धारा 13:** प्रवेश के समय किसी भी प्रकार का **कैपिटेशन शुल्क (डोनेशन) लेने या बच्चे/माता-पिता का साक्षात्कार (Screening Procedure) लेने पर पूर्ण प्रतिबंध**!

• **धारा 16 एवं 2019 का संशोधन:** प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण होने तक किसी बच्चे को निष्कासित नहीं किया जाएगा (2019 के संशोधन द्वारा राज्यों को कक्षा 5 और कक्षा 8 में नियमित परीक्षा कराने और अनुत्तीर्ण होने पर 2 माह के भीतर विशेष शिक्षण के बाद पुनः परीक्षा का अवसर देने का अधिकार दिया गया है)।

• **धारा 17:** बच्चे को किसी भी प्रकार का **शारीरिक दंड (Corporal Punishment) या मानसिक प्रताड़ना देने पर पूर्ण प्रतिबंध**!

• **धारा 21:** प्रत्येक विद्यालय (गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूल को छोड़कर) में एक **विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)** का गठन होगा जिसमें **75% सदस्य बच्चों के माता-पिता/अभिभावक** होंगे और कुल सदस्यों में से **50% महिलाएं** होंगी!

• **धारा 25 (अनुसूची मानक):** प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5) पर छात्र-शिक्षक अनुपात (PTR) **30:1** (200 से अधिक छात्र होने पर 40:1), और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8) पर **35:1**; एक शिक्षक के लिए प्रति सप्ताह न्यूनतम **45 शिक्षण घंटे (तैयारी के घंटों सहित)**; तथा शैक्षणिक वर्ष में कार्यदिवस व घंटे: प्राथमिक स्तर पर **200 कार्यदिवस (800 शिक्षण घंटे)** और उच्च प्राथमिक स्तर पर **220 कार्यदिवस (1000 शिक्षण घंटे)**!

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
RTE अधिनियम, 2009 की **धारा 27** के अनुसार शिक्षकों को **दस वर्षीय जनगणना, आपदा राहत कर्तव्यों और संसद/विधानमंडल/स्थानीय निकायों के चुनाव संबंधी कर्तव्यों के अलावा किसी भी अन्य गैर-शैक्षणिक कार्य (Non-educational purposes) में तैनात नहीं किया जा सकता** — और **धारा 28** के तहत किसी भी सरकारी शिक्षक द्वारा **निजी ट्यूशन (Private Tuition)** पढ़ाने पर पूर्ण कानूनी प्रतिबंध है!

परीक्षा जाल (Exam Trap Alert):
• **जाल 1: एकीकृत शिक्षा (Integrated Education)** और **समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)** में अंतर: एकीकृत शिक्षा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को सामान्य स्कूल में प्रवेश तो मिल जाता है पर उसे स्वयं को स्कूल के पुराने ढांचे में ढालना पड़ता है; जबकि **समावेशी शिक्षा** में स्कूल अपनी इमारत (रैम्प/ब्रेल/ऑडियो), लचीली पाठ्यचर्या और शिक्षण विधियों (UDL — Universal Design for Learning) को हर बच्चे के अनुरूप ढालता है!
• **जाल 2:** दृष्टिबाधित छात्र के लिए कक्षा में क्या सर्वोत्तम है? **स्पर्शनीय (Tactile/उभरी हुई) सामग्री, ब्रेल लिपि (लुई ब्रेल — 6 उभरे बिंदुओं की प्रणाली) और श्रव्य (Audio) संसाधन**; जबकि श्रवणबाधित छात्र के लिए **दृश्य (Visual/चित्रात्मक) सामग्री, सांकेतिक भाषा और चेहरे के भाव** सर्वोत्तम हैं!
• **कहानी आधारित स्मृति ट्रिक (Story-Based Memory Trick — अधिगम अक्षमताएं):**
• कहानी: **"लेक्सिया (Dyslexia) से पढ़ा नहीं गया, ग्राफिया (Dysgraphia) से लिखा नहीं गया, कैलकुलिया (Dyscalculia) से गणित का हिसाब नहीं लगा, प्रैक्सिया (Dyspraxia) से हाथ-पैर का संतुलन नहीं बना, अफेजिया (Aphasia) से बोला नहीं गया, और मोरफिया (Dysmorphia) में आईने में खुद का शरीर अजीब दिखा!"**

अध्याय 5: शिक्षण अभिरुचि (Teaching Aptitude), ब्लूम का वर्गीकरण, NCF 2005, आकलन (CCE) एवं शैक्षिक अनुसंधान (UGC-NET / KVS)

सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक विवरण:

प्रभावी शिक्षण (Effective Teaching) और शिक्षण अभिरुचि के चार प्रमुख स्तंभ हैं:

1. **शिक्षण के 3 स्तर (Levels of Teaching):**

• **स्मृति स्तर (Memory Level — हरबर्ट / Herbart):** सबसे निचला और विचारहीन (Thoughtless) स्तर, जो तथ्यों के रटने, प्रत्यास्मरण (Recall) और हरबर्ट की पंचपदीय प्रणाली (प्रस्तावना, प्रस्तुतीकरण, तुलना, सामान्यीकरण, प्रयोग) पर आधारित है।

• **अवबोध / समझ स्तर (Understanding Level — मॉरिसन / H.C. Morrison):** विचारपूर्ण (Thoughtful) स्तर, जहां छात्र अवधारणाओं के अर्थ, सिद्धांतों के संबंध और उदाहरणों को समझता है।

• **चिंतनशील / विमर्शी स्तर (Reflective Level — हंट / Hunt):** सर्वोच्च और सर्वाधिक विचारपूर्ण (Upper Thoughtful) स्तर, जो पूर्णत: **समस्या-केंद्रित (Problem-Centric)**, आलोचनात्मक चिंतन और मौलिक शोध पर आधारित होता है।

2. *बेंजामिन ब्लूम का शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (*Bloom's Taxonomy* — 1956, 3 पक्ष: संज्ञानात्मक-ब्लूम, भावात्मक-क्रथवोहल, और मनोगत्यात्मक-सिम्पसन/डेव — 3H: Head, Heart, Hand):*

2001 में **एंडरसन और क्रथवोहल** ने ब्लूम के संज्ञानात्मक पक्ष को संज्ञा (Noun) से **क्रिया (Verb)** के रूप में संशोधित किया और सर्वोच्च स्तर पर 'मूल्यांकन' के स्थान पर **'सृजन करना' (Creating)** को रखा (नीचे से ऊपर क्रम — **R-U-Ap-An-E-C**):

1. Remembering (स्मरण करना) -> 2. Understanding (समझना) -> 3. Applying (अनुप्रयोग करना) -> 4. Analyzing (विश्लेषण करना) -> 5. Evaluating (मूल्यांकन करना) -> 6. Creating (सृजन/रचना करना — सर्वोच्च स्तर)!

3. *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (*NCF 2005* — अध्यक्ष: प्रो. यशपाल, टैगोर के निबंध 'सभ्यता और प्रगति' से प्रेरित, मूल सूत्र: 'शिक्षा बिना बोझ के' / Learning without Burden): **इसके 5 मार्गदर्शी सिद्धांत हैं — *(i)* ज्ञान को स्कूल के बाहरी जीवन से जोड़ना, *(ii)* पढ़ाई को रटंत प्रणाली से मुक्त करना, *(iii)* पाठ्यचर्या का इस तरह संवर्धन कि वह बच्चों को चौमुखी विकास के अवसर दे** (पाठ्यपुस्तक-केंद्रित न रहे*), (iv) परीक्षा को अधिक लचीला बनाना और कक्षा की गतिविधियों से जोड़ना, और (v) एक ऐसी अधिभावी पहचान का विकास जिसमें लोकतांत्रिक राज्यव्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय चिंताएं समाहित हों।

• **रोचक केस स्टडी (Case Study — आकलन के 4 प्रकार: Assessment OF, FOR, AS और IN Learning):**

हर परीक्षा (CTET, KVS, DSSSB, UGC-NET) में आकलन के इन चारों रूपों पर एक केस प्रश्न अवश्य आता है:

1. **अधिगम के लिए आकलन (Assessment FOR Learning — रचनात्मक आकलन / Formative Assessment):** शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के **दौरान** लगातार किया जाने वाला आकलन (जैसे कक्षा में प्रश्न पूछना, पोर्टफोलियो, निदानात्मक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण), जिसका उद्देश्य कमियों को पहचानकर शिक्षण और सीखने में तुरंत सुधार करना है! (जब कोई बावर्ची खाना बनाते समय नमक चखता है, तो वह *Assessment FOR Learning* है!)

2. **अधिगम का आकलन (Assessment OF Learning — योगात्मक आकलन / Summative Assessment):** सत्र या इकाई के **अंत में** (जैसे वार्षिक बोर्ड परीक्षा या टर्म-एंड परीक्षा) यह जांचने के लिए किया जाने वाला आकलन कि छात्र ने कितना सीखा, ताकि उसे ग्रेड या प्रमाणपत्र दिया जा सके। (जब मेहमान बनकर तैयार खाना चखकर नंबर देते हैं, तो वह *Assessment OF Learning* है!)

3. **अधिगम के रूप में आकलन (Assessment AS Learning):** जब छात्र **स्वयं अपने सीखने का स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment) या सहपाठी मूल्यांकन (Peer Assessment)** करता है और अधिसंज्ञान (Metacognition — अपनी सोच पर चिंतन) विकसित करता है!

क्या आप जानते हैं? (Did You Know?):
कक्षा में जब कोई छात्र किसी प्रश्न का **गलत उत्तर देता है या त्रुटि (Error) करता है**, तो आधुनिक शिक्षाशास्त्र के अनुसार त्रुटियां दंड देने का कारण नहीं हैं, बल्कि **"बच्चों की त्रुटियां उनके चिंतन की प्रक्रिया में झांकने की खिड़कियां (Windows into child's thinking) और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का एक स्वाभाविक एवं महत्वपूर्ण पड़ाव हैं"!**

परीक्षा जाल (Exam Trap Alert):
• **जाल 1:** CTET/KVS पेडागोजी में सकारात्मक (सही) बनाम नकारात्मक (गलत) टैग-वर्ड्स की पहचान:

• **नकारात्मक शब्द (जिन विकल्पों को तुरंत हटाना है):** केवल (*Only*), रटना/कंठस्थ करना (*Rote Memorization*), दंड/अनुशासन/डर, पाठ्यपुस्तक-केंद्रित, शिक्षक-केंद्रित, निष्क्रिय श्रोता, योग्यता के आधार पर स्थायी पृथक्करण/लेबलिंग (*Labeling/Segregation*), मानकीकृत परीक्षण (*Standardized Testing*), और पुरस्कार का लालच।

• **सकारात्मक शब्द (जो सदैव सही उत्तर होते हैं):** बाल-केंद्रित, सक्रिय अन्वेषण, वास्तविक जीवन से जोड़ना, बहुभाषिकता एक संसाधन के रूप में (*Multilingualism as a Resource*), समावेशी कक्षा, अपसारी/सृजनात्मक चिंतन (*Divergent Thinking*), करके सीखना (*Learning by Doing*), संवेदनशील चर्चा और व्यक्तिगत भिन्नताओं का सम्मान!

• **जाल 2: निदानात्मक परीक्षण (Diagnostic Test)** का काम केवल सीखने में रह गई रिक्तियों/कमियों और उनके कारणों का **पता लगाना** है; और उसके तुरंत बाद उन कमियों को दूर करने के लिए जो शिक्षण किया जाता है उसे **उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)** कहते हैं!

★ **कहानी आधारित स्मृति ट्रिक (Story-Based Memory Trick — एडगर डेल का 'अनुभव शंकु' व शिक्षण सूत्र):**
• कहानी: **"एडगर डेल के शंकु में पढ़ने से 10% और सुनने से 20% याद रहा, पर स्वयं प्रत्यक्ष अनुभव करने (Direct Purposeful Experience / करके सीखने) से 90% याद रहा — इसलिए शिक्षक सदैव 'ज्ञात से अज्ञात', 'मूर्त से अमूर्त', 'सरल से जटिल' और 'पूर्ण से अंश' की ओर पढ़ाता है!"**

भाग (ख): बुक 22 के 100 पूर्णतः हल किए गए विगत वर्षों के प्रश्न (100 Solved Chapter-wise PYQs)

अध्याय 1: वृद्धि एवं विकास, आनुवंशिकता-वातावरण, समाजीकरण एवं पियाजे-वाइगोत्स्की-कोहलबर्ग (प्रश्न 1–30)

1. **[CTET Jan 2024]** मानव विकास के दो प्रमुख दिशात्मक सिद्धांत — 'शीर्षगामी सिद्धांत' (Cephalocaudal Principle) और 'अधोगामी / समीपदूराभिमुख सिद्धांत' (Proximodistal Principle) — में क्या अंतर है?

• **उत्तर:** शीर्षगामी (Cephalocaudal): विकास **सिर से पैर (Head to Toe)** की ओर होता है (बच्चा पहले सिर पर, फिर धड़ पर और अंत में पैरों पर नियंत्रण पाता है); अधोगामी (Proximodistal): विकास **शरीर के केंद्र (रीढ़/हृदय) से बाहर की परिधि (कंधे -> बांह -> हथेली -> उंगलियां)** की ओर होता है।

• **व्याख्या:** इसी प्रकार गतिक विकास पहले 'स्थूल गतिक कौशल' (Gross Motor Skills — दौड़ना, कूदना) से 'सूक्ष्म गतिक कौशल' (Fine Motor Skills — पेंसिल पकड़ना, सुई में धागा पिरोना) की ओर होता है।

2. **[CTET Aug 2023]** 'वृद्धि' (Growth) और 'विकास' (Development) में मूलभूत अंतर क्या है?

• **उत्तर:** वृद्धि मुख्यतः शारीरिक पक्ष से संबंधित एक **मात्रात्मक (Quantitative)** परिवर्तन है जो परिपक्वता प्राप्त करने के बाद रुक जाती है; जबकि विकास एक व्यापक, एकीकृत और **गर्भधारण से मृत्यु पर्यंत (Womb to Tomb)** चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें **मात्रात्मक और गुणात्मक (Quantitative & Qualitative)** दोनों परिवर्तन (शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और संवेगात्मक) शामिल होते हैं।

• **व्याख्या:** विकास कभी भी एक सीधी रेखा (Linear) में नहीं होता, बल्कि **वर्तुलाकार / सर्पिलाकार (Spiral)** होता है।

3. **[KVS PRT 2023]** बच्चे के विकास में 'आनुवंशिकता' (Heredity / Nature) और 'वातावरण' (Environment / Nurture) की भूमिका कैसी होती है?

• **उत्तर:** विकास आनुवंशिकता और वातावरण दोनों की **जटिल अंतःक्रिया (Complex Interaction / गुणनफल — Development = Heredity × Environment, वुडवर्थ के अनुसार)** का परिणाम है (योगात्मक नहीं, बल्कि गुणात्मक संबंध)।

• **व्याख्या:** आनुवंशिकता विकास की अधिकतम संभावित सीमा निर्धारित करती है (स्थिर घटक), और वातावरण उस क्षमता को विकसित होने के अवसर प्रदान करता है (गतिशील घटक)।

4. **[CTET 2024]** समाजीकरण (Socialization) की 'प्राथमिक एजेंसी' और 'द्वितीयक एजेंसी' कौन-सी हैं?

• **उत्तर: प्राथमिक एजेंसी: परिवार (Family)** (और प्रारंभिक बाल्यावस्था में निकटतम पड़ोस); **द्वितीयक एजेंसी: विद्यालय (School)**, मीडिया, पुस्तकालय, धर्म और समवयस्क समूह।

• **व्याख्या:** परीक्षा में जब विकल्प में "परिवार (प्राथमिक) और विद्यालय व मीडिया (द्वितीयक)" दिया हो, तो वही 100% सटीक उत्तर होता है।

5. **[DSSSB TGT]** यूरी ब्रोनफेनब्रेनर (Urie Bronfenbrenner) के 'पारिस्थितिक तंत्र सिद्धांत' (Ecological Systems Theory) के 5 मंडल (Systems) क्रम से कौन-से हैं?

• **उत्तर:** 1. **लघुमंडल (Microsystem):** बच्चे का सबसे निकटतम प्रत्यक्ष वातावरण (परिवार, स्कूल, साथी); 2. **मध्यमंडल (Mesosystem):** लघुमंडल के घटकों के बीच आपसी संबंध (जैसे माता-पिता और शिक्षक की मीटिंग PTM); 3. **बाह्यमंडल (Exosystem):** जहां बच्चा स्वयं सक्रिय नहीं है पर उसका प्रभाव बच्चे पर पड़ता है (जैसे माता-पिता का कार्यस्थल या तबादला); 4. **वृहदमंडल (Macrosystem):** सांस्कृतिक मूल्य, कानून और रीति-रिवाज; और 5. **घटकमंडल (Chronosystem):** समय के साथ होने वाले ऐतिहासिक और जीवन-चक्र बदलाव।

• **व्याख्या:** यह सिद्धांत बाल विकास पर सामाजिक-पर्यावरणीय स्तरों के प्रभाव को सबसे सटीक रूप से समझाता है।

6. **[UPTET / Super TET]** किस अवस्था को स्टेनली हॉल ने अपनी पुस्तक *Adolescence* (1904) में **"तनाव और तूफान की अवस्था" (Period of Storm and Stress)** कहा है, और किस अवस्था को कोल तथा ब्रूस ने "संवेगात्मक विकास का अनोखा काल" एवं रॉस ने "छद्म परिपक्वता का काल" कहा है?

• **उत्तर:** तनाव और तूफान की अवस्था: **किशोरावस्था (Adolescence — 12 से 18 वर्ष)**; अनोखा काल / छद्म परिपक्वता का काल / वैचारिक क्रिया की अवस्था / टोली की आयु (Gang Age): **बाल्यावस्था (Childhood — 6 से 12 वर्ष)**।

• **व्याख्या:** प्रारंभिक बाल्यावस्था (2 से 6 वर्ष) को **'खिलौनों की आयु' (Toy Age)**, भाषा विकास का सबसे संवेदनशील काल और पूर्व-टोली आयु कहा जाता है।

7. **[CTET July 2024]** जीन पियाजे के अनुसार जब एक 10 महीने का शिशु कंबल के नीचे छिपाए गए अपने खिलौने को कंबल हटाकर ढूंढ लेता है, तो उसने कौन-सी संज्ञानात्मक क्षमता प्राप्त कर ली है?

• **उत्तर: वस्तु स्थायित्व (Object Permanence — यह समझ कि वस्तुएं नजर से ओझल होने पर भी अस्तित्व में रहती हैं)**, जो **संवेदी-गामक अवस्था (0–2 वर्ष)** की प्रमुख उपलब्धि है।

• **व्याख्या:** इसी अवस्था में शिशु इंद्रियों और गतिक क्रियाओं के माध्यम से दुनिया को समझता है और 'आस्थगित अनुकरण' (Deferred Imitation) करता है।

8. **[CTET Jan 2024]** एक 4 वर्षीय बच्ची कहती है कि "सूरज आज उदास है इसलिए बादलों के पीछे छिप गया है" या मेज से टकराने पर मेज को 'गंदी मेज' कहकर मारती है। पियाजे के अनुसार यह किस संज्ञानात्मक विशेषता को दर्शाता है?

• **उत्तर: जीववाद चिंतन (Animistic Thinking — निर्जीव वस्तुओं को सजीव मानकर उनमें मानवीय भावनाओं का आरोपण करना)**, जो **पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2–7 वर्ष)** का लक्षण है।

• **व्याख्या:** इसी अवस्था में बच्चे में 'अहंकेंद्रितवाद' (Egocentrism — यह सोचना कि जैसा मैं देख या सोच रहा हूं, दुनिया का हर व्यक्ति वैसा ही देख या सोच रहा है; पियाजे का प्रसिद्ध **'तीन पर्वत प्रयोग' / Three Mountains Task**) पाया जाता है।

9. **[KVS PGT 2023]** पियाजे की किस अवस्था में बच्चा मूर्त वस्तुओं के संबंध में 'संरक्षण' (Conservation), 'वर्गीकरण' (Classification), 'क्रमबद्धता' (Seriation) और 'सकर्मक अनुमान' (Transitive Inference — यदि A > B और B > C, तो A > C) करने में सक्षम हो जाता है?

• **उत्तर: मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (Concrete Operational Stage — 7 से 11 वर्ष)**।

• **व्याख्या:** परंतु इस अवस्था में बच्चा अमूर्त या काल्पनिक समस्याओं पर बिना मूर्त सहारे के तर्क नहीं कर पाता; अमूर्त और परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक चिंतन **औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (11–15+ वर्ष)** में आता है।

10. **[CTET 2024]** लेव वाइगोत्स्की के अनुसार जब एक शिक्षिका पहेली हल करते समय छात्र को सीधे उत्तर बताने के बजाय कुछ संकेत (Hints), सुराग (Cues) और आधा हल किया उदाहरण देती है और छात्र के सीखने के साथ-साथ अपनी मदद कम करती जाती है, तो इसे क्या कहते हैं?

• **उत्तर: पाड़ / मचान (Scaffolding)**।

• **व्याख्या:** यह सहायता बच्चे के **समीपस्थ विकास के क्षेत्र (ZPD)** के भीतर एक **अधिक जानकार अन्य (MKO)** द्वारा दी जाती है।

11. **[BPSC TRE 3.0]** वाइगोत्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत पर आधारित दो प्रमुख कक्षा शिक्षण विधियां कौन-सी हैं?

• **उत्तर: पारस्परिक शिक्षण (Reciprocal Teaching — जिसमें शिक्षक और छात्र छोटे समूह में प्रश्न पूछने, स्पष्ट करने, सारांशित करने और पूर्वानुमान लगाने की 4 रणनीतियों पर बारी-बारी से चर्चा करते हैं)** और **सहयोगात्मक अधिगम (Collaborative / Peer Learning)**।

• **व्याख्या:** वाइगोत्स्की कक्षा में सहपाठियों के बीच संवाद और समूह कार्य को संज्ञानात्मक विकास का इंजन मानते हैं।

12. **[CTET Jan 2024]** लॉरेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत में एक बच्चा कहता है — "मुझे चोरी नहीं करनी चाहिए क्योंकि यदि मैं पकड़ा गया तो मम्मी-पापा मुझे पीटेंगे" और दूसरा कहता है — "मैं तुम्हें अपना टिफिन तभी दूंगा जब तुम मुझे अपनी पेंसिल दोगे"। ये दोनों किस स्तर की कौन-सी अवस्था में हैं?

• **उत्तर: स्तर-1: पूर्व-परंपरागत नैतिकता (Pre-conventional Morality)** — पहला बच्चा **अवस्था-1 (दंड एवं आज्ञापालन अभिविन्यास)** में है, और दूसरा बच्चा **अवस्था-2 (यांत्रिक सापेक्षता / साधनात्मक विनिमय — 'Tit for Tat')** में है!

• **व्याख्या:** इस स्तर पर नैतिकता बाहरी परिणामों (दंड से बचने या व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति) से नियंत्रित होती है।

13. **[CTET July 2024]** कोहलबर्ग के अनुसार जब कोई व्यक्ति दूसरों की नजर में 'अच्छा' दिखने और सामाजिक स्वीकृति पाने के लिए नैतिक व्यवहार करता है, तो वह किस अवस्था में है; और जब वह कहता है कि "ट्रैफिक सिग्नल रात में खाली सड़क पर भी नहीं तोड़ना चाहिए क्योंकि कानून का पालन करना समाज व्यवस्था के लिए सबका कर्तव्य है", तो वह किस अवस्था में है?

• **उत्तर:** दोनों **स्तर-2: परंपरागत नैतिकता (Conventional Morality)** में हैं — पहला व्यक्ति **अवस्था-3 (अच्छा लड़का-अच्छी लड़की अभिविन्यास / Good Boy-Nice Girl Orientation)** में है, और दूसरा व्यक्ति **अवस्था-4 (कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने का अभिविन्यास / Law and Order Orientation)** में है!

• **व्याख्या:** स्तर-3 (उत्तर-परंपरागत) की अवस्था-5 'सामाजिक अनुबंध' (मानव जीवन की रक्षा के लिए कानून बदला जा सकता है) और अवस्था-6 'सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत' (अंतरात्मा की आवाज, चाहे उसके लिए स्वयं जोखिम उठाना पड़े — जैसे महात्मा गांधी का सत्याग्रह) है।

14. **[DSSSB PRT]** एरिक एरिक्सन (Erik Erikson) के 'मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत' (Psychosocial Development) में पूरे जीवनकाल को कितनी अवस्थाओं में बांटा गया है, और किशोरावस्था (12–18 वर्ष) का मुख्य मनोसामाजिक संकट क्या है?

• **उत्तर: 8 अवस्थाओं** में; किशोरावस्था (5वीं अवस्था) का मुख्य संकट **'पहचान बनाम भूमिका भ्रम' (Identity vs. Role Confusion)** है!

• **व्याख्या:** शैशवावस्था (0–1.5 वर्ष) में 'विश्वास बनाम अविश्वास' (Trust vs. Mistrust) और विद्यालयी आयु (6–12 वर्ष) में 'परिश्रम बनाम हीनता' (Industry vs. Inferiority — सक्षमता का गुण) होता है।

15. **[UGC-NET / PGT]** सिगमंड फ्रायड (मनोविश्लेषणवाद के जनक) के अनुसार व्यक्तित्व की 3 संरचनाएं — **इदम् (Id), अहम् (Ego) और पराअहम् (Superego)** — किन सिद्धांतों पर काम करती हैं?

• **उत्तर: इदम् (Id):** सुखवादी सिद्धांत (Pleasure Principle — अचेतन मन, तात्कालिक इच्छा पूर्ति); **अहम् (Ego):** वास्तविकता का सिद्धांत (Reality Principle — इदम् और बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने वाला पुलिसकर्मी); और **पराअहम् (Superego):** नैतिकता/आदर्शवादी सिद्धांत (Morality Principle — अंतरात्मा)।

• **व्याख्या:** फ्रायड ने मनो-लैंगिक विकास की 5 अवस्थाएं (मुखावस्था, गुदावस्था, लैंगिक अवस्था — जहां लड़कों में **ओडिपस ग्रंथि/Oedipus Complex** और लड़कियों में **इलेक्ट्रा ग्रंथि/Electra Complex** विकसित होती है, सुप्तावस्था और जननेंद्रिय अवस्था) दीं।

16. **[CTET 2024]** प्रसिद्ध भाषाविद् **नोम चोम्स्की (Noam Chomsky)** के भाषा विकास सिद्धांत की मुख्य अवधारणा क्या है?

• **उत्तर:** प्रत्येक मानव शिशु भाषा सीखने की एक **जन्मजात क्षमता (Innate Ability)** के साथ पैदा होता है और उसके मस्तिष्क में एक काल्पनिक **'भाषा अर्जन यंत्र' (LAD — Language Acquisition Device)** तथा **'सार्वभौमिक व्याकरण' (Universal Grammar)** होता है!

• **व्याख्या:** प्रारंभिक बाल्यावस्था (2 से 6 वर्ष) भाषा अर्जन के लिए सबसे संवेदनशील (Critical/Sensitive Period) होती है।

17. **[CTET Jan 2024]** भाषा विज्ञान में 'स्वनविज्ञान' (Phonology), 'रूपग्राम' (Morpheme), 'वाक्य-विन्यास' (Syntax) और 'अर्थविज्ञान' (Semantics) में क्या अंतर है?

• **उत्तर:**

• **स्वन / स्वनिम (Phoneme):** भाषा की **सबसे छोटी ध्वनि इकाई** (जैसे 'क', 'च', 'थ' — जिसका अपना कोई स्वतंत्र अर्थ नहीं होता);

• **रूपिम / रूपग्राम (Morpheme):** भाषा की **सबसे छोटी अर्थपूर्ण इकाई**;

• **वाक्य-विन्यास (Syntax):** शब्दों को व्याकरणिक क्रम (कर्ता + कर्म + क्रिया) में जोड़ने का नियम;

• **अर्थविज्ञान (Semantics):** वाक्य के अर्थ की शुद्धता।

• **व्याख्या:** प्रसिद्ध CTET उदाहरण — "मैडम चाय खाती हैं": यह वाक्य **वाक्य-विन्यास (Syntax) की दृष्टि से सही** है (क्योंकि कर्ता+कर्म+क्रिया क्रम में हैं), किंतु **अर्थविज्ञान (Semantics) की दृष्टि से गलत** है क्योंकि चाय खाई नहीं जाती, पी जाती है!

18. **[KVS PRT]** 'जेंडर' (Gender) और 'सेक्स' (Sex / लिंग) में क्या अंतर है?

• **उत्तर: सेक्स (Sex):** एक **जैविक (Biological/Physiological)** निर्धारण है; जबकि **जेंडर (Gender):** एक **सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना (Social Construct)** है जो समाज द्वारा पुरुषों और महिलाओं के लिए निर्धारित भूमिकाओं, अपेक्षाओं और व्यवहारों को दर्शाती है!

• **व्याख्या:** "लड़कियां गणित में कमजोर होती हैं और उन्हें गृहविज्ञान लेना चाहिए" या "लड़के रोते नहीं हैं" — यह **जेंडर रूढ़िबद्धता (Gender Stereotyping)** और जेंडर पक्षपात का सीधा उदाहरण है जिसे शिक्षक को कक्षा में चुनौती देकर समाप्त करना चाहिए।

19. **[CTET 2024]** जॉन डीवी (John Dewey — प्रयोजनवाद के समर्थक, जिन्होंने 1896 में शिकागो में 'लैब स्कूल' खोला) द्वारा प्रतिपादित **'प्रगतिशील शिक्षा' (Progressive Education)** के मूल तत्व क्या हैं?

• **उत्तर: करके सीखना (Learning by Doing)**, अनुभवजन्य अधिगम, लोकतांत्रिक कक्षा वातावरण, समस्या-समाधान एवं परियोजना विधि (Project Method — जिसे डीवी के शिष्य **डब्ल्यू.एच. किलपैट्रिक** ने विकसित किया), और विद्यालय को समाज का लघु रूप (Miniature Society) मानना।

• **व्याख्या:** प्रगतिशील कक्षा में समय-सारणी, बैठने की व्यवस्था और समूह निर्माण पूर्णतः **लचीला (Flexible)** होता है।

20. **[UPTET]** बाल-केंद्रित शिक्षा (Child-Centered Education) का भारत में प्रबल समर्थन करने वाले शिक्षाविद् कौन थे जिन्होंने बच्चों के लिए नन्हे-मुन्नों की कहानियां लिखीं और 'बाल मंदिर' की स्थापना की?

• **उत्तर: गिजुभाई बधेका** (गुजरात — जिन्हें 'मूंछों वाली मां' कहा जाता है; प्रसिद्ध पुस्तक: 'दिवास्वप्न'!)।

• **व्याख्या:** यूरोप में फ्रेडरिक फ्रोबेल ने **'किंडरगार्टन' (बालोद्यान — जहां शिक्षक माली और बच्चे पौधे हैं)** और मारिया मोंटेसरी ने ज्ञानेंद्रिय प्रशिक्षण आधारित मोंटेसरी पद्धति की शुरुआत की।

21. **[CTET July 2024]** 'वैयक्तिक भिन्नता' (Individual Differences — कोई भी दो व्यक्ति, यहां तक कि एकसमान जुड़वां बच्चे भी शत-प्रतिशत समान नहीं होते; फ्रांसिस गाल्टन की पुस्तक *Hereditary Genius*) को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को कक्षा में क्या करना चाहिए?

• **उत्तर: विभेदित अनुदेशन (Differentiated Instruction)** और विविध शिक्षण-अधिगम सामग्री (बहु-संवेदी उपागम) का प्रयोग करना चाहिए तथा मूल्यांकन के भी विविध तरीके अपनाने चाहिए।

• **व्याख्या:** सभी बच्चों के लिए एक ही रफ्तार और एक ही मानकीकृत परीक्षा थोपना वैयक्तिक भिन्नता के सिद्धांत के विरुद्ध है।

22. **[DSSSB TGT]** पियाजे के अनुसार 'अपरिवर्तनीयता' (Irreversibility) और 'केंद्रीकरण' (Centration) क्या हैं?

• **उत्तर: केंद्रीकरण (Centration):** किसी वस्तु या स्थिति के अन्य सभी आयामों को नजरअंदाज करके केवल **एक ही प्रमुख विशेषता (जैसे केवल गिलास की ऊंचाई)** पर ध्यान केंद्रित करना; **अपरिवर्तनीयता (Irreversibility):** मानसिक रूप से किसी प्रक्रिया में पीछे की ओर (प्रारंभिक बिंदु तक) न लौट पाना।

• **व्याख्या:** 7 वर्ष के बाद मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में बच्चे में **'विकेंद्रीकरण' (Decentration)** और **'प्रतिवर्तीता' (Reversibility)** विकसित हो जाती है।

23. **[CTET 2024]** चार्ल्स स्पीयरमैन के 'द्वि-कारक सिद्धांत' (Two-Factor Theory of Intelligence, 1904) में **'g' कारक** और **'s' कारक** क्या हैं?

• **उत्तर: 'g' कारक (General Factor — सामान्य मानसिक योग्यता):** यह जन्मजात, अपरिवर्तनीय और सभी मानसिक कार्यों में समान रूप से आवश्यक होती है; **'s' कारक (Specific Factor — विशिष्ट योग्यता):** यह अर्जित होती है, प्रशिक्षण से बढ़ाई जा सकती है और प्रत्येक विशिष्ट क्षेत्र (जैसे संगीत, चित्रकला) के लिए अलग-अलग होती है।

• **व्याख्या:** एल.एल. थर्स्टन ने स्पीयरमैन के 'g' कारक का खंडन कर 7 **प्राथमिक मानसिक योग्यताओं (7 Primary Mental Abilities — PMA)** का सिद्धांत दिया।

24. **[KVS PGT]** रॉबर्ट स्टर्नबर्ग के 'बुद्धि के त्रि-चापीय सिद्धांत' (Triarchic Theory of Intelligence) के तीन घटक कौन-से हैं?

• **उत्तर:** 1. **विश्लेषणात्मक / घटकीय बुद्धि (Analytical / Componential):** अकादमिक समस्या समाधान व अमूर्त तर्क; 2. **सृजनात्मक / आनुभविक बुद्धि (Creative / Experiential):** नवीन परिस्थितियों से निपटने और नए विचार खोजने की क्षमता; और 3. **व्यावहारिक / संदर्भात्मक बुद्धि (Practical / Contextual — 'Street Smartness'):** दैनिक जीवन के पर्यावरण में अनुकूलन करने और काम निकालने की व्यावहारिक सूझबूझ!

• **व्याख्या:** इसे संक्षेप में **CAP (Creative, Analytical, Practical)** या **CCE (Componential, Contextual, Experiential)** से याद रखा जाता है।

25. **[CTET Jan 2024]** रेमंड कैटेल और हॉर्न द्वारा प्रतिपादित 'तरल बुद्धि' (Fluid Intelligence — G_f) और 'ठोस/क्रिस्टलीकृत बुद्धि' (Crystallized Intelligence — G_c) में क्या अंतर है?

• **उत्तर: तरल बुद्धि (G_f):** वंशानुगत एवं तंत्रिका-जैविक विकास पर आधारित अमूर्त तर्क करने और नई समस्याओं को सुलझाने की क्षमता (जो किशोरावस्था के अंत तक बढ़ती है और वृद्धावस्था में घटने लगती है); **ठोस बुद्धि (G_c):** जीवन भर के **अनुभव, शिक्षा, संस्कृति और संचित ज्ञान/शब्दावली** पर आधारित बुद्धि (जो आयु और अनुभव के साथ जीवन भर बढ़ती रहती है)!

• **व्याख्या:** यह जीवन-अवधि संज्ञानात्मक मनोविज्ञान का अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांत है।

26. **[UPTET]** भारत में प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला की स्थापना कब और किसने की थी, तथा 'भाटिया बैटरी परीक्षण' किसका मापन करता है?

• **उत्तर:** प्रथम भारतीय मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला: **1916 में कलकत्ता विश्वविद्यालय में डॉ. एन.एन. सेनगुप्त** द्वारा (जबकि विश्व की प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला **1879 में जर्मनी के लिपजिग में विलियम वुंट** ने स्थापित की थी); और **चंद्रमोहन भाटिया (1955) का 'भाटिया बैटरी परीक्षण'** बुद्धि का एक प्रसिद्ध **अशाब्दिक निष्पादन परीक्षण (Non-verbal Performance Intelligence Test — जिसमें 5 उप-परीक्षण हैं: कोह्स ब्लॉक डिजाइन, अलेक्जेंडर पास-अलोंग, पैटर्न ड्राइंग, तात्कालिक स्मृति और चित्र निर्माण)** है!

• **व्याख्या:** अशिक्षित व्यक्तियों और छोटे बच्चों की बुद्धि मापने के लिए अशाब्दिक/निष्पादन परीक्षण सर्वोत्तम होते हैं।

27. **[CTET 2024]** 'अभिप्रेरणा' (Motivation — लैटिन शब्द *Motum* से निर्मित) के दो प्रकारों — **आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)** और **बाह्य अभिप्रेरणा (Extrinsic Motivation)** — में से अधिगम के लिए कौन-सा श्रेष्ठ है?

• **उत्तर: आंतरिक अभिप्रेरणा (Intrinsic Motivation)** सदैव श्रेष्ठ और स्थायी होती है, जिसमें छात्र किसी बाहरी पुरस्कार, नकद इनाम, अंक या दंड के डर से नहीं, बल्कि **अपनी स्वयं की जिज्ञासा, रुचि, आनंद और आत्म-संतुष्टि (Mastery Orientation)** के लिए सीखता है!

• **व्याख्या:** अब्राहम मास्लो (मानवतावादी मनोविज्ञान के जनक) ने **'आवश्यकता पदानुक्रम का सिद्धांत' (Hierarchy of Needs — नीचे से ऊपर 5 स्तर: 1. शारीरिक आवश्यकताएं -> 2. सुरक्षा -> 3. प्रेम व संबद्धता -> 4. आत्म-सम्मान -> 5. आत्म-सिद्धि / Self-Actualization)** दिया।

28. **[DSSSB PRT]** 'सृजनात्मकता' (Creativity) का संबंध जे.पी. गिलफोर्ड द्वारा बताए गए किस प्रकार के चिंतन से है, और सृजनात्मकता के 4 मुख्य तत्व (**FFOE**) कौन-से हैं?

• **उत्तर: अपसारी चिंतन (Divergent Thinking — एक ही समस्या के अनेक दिशाओं में मौलिक और विविध समाधान सोचना; 'Out-of-the-box thinking')** से! सृजनात्मकता के 4 तत्व (टोरेंस व गिलफोर्ड): **1. Fluency (प्रवाह — विचारों की संख्या), 2. Flexibility (लचीलापन — विचारों में विविधता), 3. Originality (मौलिकता — अनूठापन),** और **4. Elaboration (विस्तार — विचारों को गहराई से सजाना)**!

• **व्याख्या:** इसके विपरीत 'अभिसारी चिंतन' (Convergent Thinking — एक ही निश्चित सही उत्तर खोजना, जैसे बहुविकल्पीय प्रश्न) का संबंध सामान्य बुद्धिलब्धि (IQ) से होता है।

29. **[CTET July 2024]** अधिगम के स्थानांतरण (Transfer of Learning) के तीन प्रकार — धनात्मक, ऋणात्मक और शून्य स्थानांतरण — क्या हैं?

• **उत्तर: धनात्मक स्थानांतरण (Positive Transfer):** जब पूर्व में सीखा गया ज्ञान या कौशल नए कार्य को सीखने में **सहायता** करता है (जैसे साइकिल चलाना जानने वाले को स्कूटी सीखने में मदद मिलना या संस्कृत जानने वाले को हिंदी सीखने में मदद मिलना); **ऋणात्मक स्थानांतरण (Negative Transfer):** जब पूर्व ज्ञान नए ज्ञान में **बाधा** उत्पन्न करता है (जैसे भारत में बाएं हाथ की ड्राइविंग करने वाले को अमेरिका में दाएं हाथ की ड्राइविंग में दिक्कत होना); **शून्य स्थानांतरण (Zero Transfer):** जब पूर्व ज्ञान का नए कार्य पर कोई प्रभाव न पड़े (जैसे कबीर के दोहे याद करने का क्रिकेट खेलने पर कोई असर न होना)।

• **व्याख्या:** जब शरीर के एक अंग (दाएं हाथ) से सीखा गया कौशल दूसरे अंग (बाएं हाथ) में स्वतः स्थानांतरित हो जाता है, तो उसे **'द्विपार्श्विक स्थानांतरण' (Bilateral Transfer)** कहते हैं!

30. **[KVS PRT]** हरमन एबिंगहॉस (Hermann Ebbinghaus — 1885) का 'विस्मरण वक्र' (Forgetting Curve) और 'अधिगम पठार' (Learning Plateau) क्या दर्शाते हैं?

• **उत्तर:** एबिंगहॉस का विस्मरण वक्र दर्शाता है कि बिना दोहराव के सीखी गई निरर्थक सामग्री का अधिकांश भाग (लगभग 50% से अधिक) **सीखने के तुरंत बाद के पहले कुछ घंटों और पहले दिन** में ही सबसे तेजी से भूल जाता है और बाद में भूलने की दर धीमी हो जाती है; जबकि **अधिगम पठार** सीखने के वक्र की वह सपाट अवस्था है जहां थकान, रुचि की कमी या गलत विधि के कारण सीखने की गति अस्थायी रूप से रुक जाती है (शून्य उन्नति)।

• **व्याख्या:** समयबद्ध दोहराव (Spaced Repetition) और अर्थपूर्ण सह-संबंध से विस्मरण वक्र को समतल किया जा सकता है।

अध्याय 2: NEP *2020*, NCF *2005*, NCF-SE *2023*, RTE *2009 एवं समावेशी शिक्षा (प्रश्न 31–65)*

31. **[CTET Jan 2024]** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुसार नई **5+3+3+4** शैक्षणिक संरचना में प्रथम 5 वर्षों (Foundational Stage) का विभाजन किस प्रकार है?

• **उत्तर: 3 वर्ष (आंगनवाड़ी / बालवाटिका / प्री-स्कूल: आयु 3 से 6 वर्ष) + 2 वर्ष (कक्षा 1 और कक्षा 2: आयु 6 से 8 वर्ष)** (PIB NEP 2020)।

• **व्याख्या:** पहली बार 3 से 6 वर्ष की प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE) को औपचारिक स्कूली पाठ्यचर्या के ढांचे में शामिल किया गया है।

32. **[KVS TGT 2023]** NEP 2020 के तहत कक्षा 1 में प्रवेश के लिए बच्चे की न्यूनतम आयु क्या निर्धारित की गई है, और 'बालवाटिका' (प्रारंभिक कक्षा) किस आयु वर्ग के लिए है?

• **उत्तर:** कक्षा 1 में प्रवेश की न्यूनतम आयु: **6 वर्ष (6+ वर्ष)**; और 'बालवाटिका' कक्षा 1 से ठीक पहले **5 से 6 वर्ष** की आयु के बच्चों के लिए 1-वर्षीय प्रारंभिक कक्षा है।

• **व्याख्या:** कक्षा 1 में जाने वाले बच्चों के लिए NCERT द्वारा **3 माह (12 सप्ताह) का खेल-आधारित 'विद्या प्रवेश' (Vidya Pravesh) स्कूल तैयारी मॉड्यूल** विकसित किया गया है!

33. **[CTET July 2024]** NEP 2020 के अनुसार स्कूली शिक्षा के दौरान सभी छात्रों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए किन कक्षाओं में 'सेंसस/स्कूल परीक्षाएं' (बोर्ड परीक्षाओं के अलावा) आयोजित की जाएंगी?

• **उत्तर: कक्षा 3, कक्षा 5 और कक्षा 8** में (जो रटने के बजाय केवल बुनियादी दक्षताओं और वास्तविक जीवन में ज्ञान के अनुप्रयोग की जांच करेंगी)।

• **व्याख्या:** कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं जारी रहेंगी, किंतु उन्हें 'आसान' (Low-stakes) बनाया जाएगा और छात्रों को एक शैक्षणिक वर्ष में **दो बार (सर्वश्रेष्ठ स्कोर रखने के विकल्प के साथ)** बोर्ड परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा!

34. **[BPSC TRE 3.0]** NEP 2020 में स्थापित किए जाने वाले प्रमुख नए निकायों — **PARAKH, NHERC, NAC, HEGC, GEC, NRF** और **NETF** — के कार्य क्या हैं?

• **उत्तर:**

• **PARAKH:** राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र (स्कूल बोर्डों के मानक निर्धारण हेतु);

• **HECI के 4 वर्टिकल:** 1. **NHERC** (National Higher Education Regulatory Council — एकल नियामक), 2. **NAC** (National Accreditation Council — प्रत्यायन/NAAC का नया रूप), 3. **HEGC** (Higher Education Grants Council — वित्तपोषण/UGC का स्थान), और 4. **GEC** (General Education Council — शैक्षणिक मानक व NHEQF);

• **NRF (National Research Foundation — अब ANRF 2023 अधिनियम):** देश के सभी विश्वविद्यालयों में शोध और नवाचार की संस्कृति को वित्तपोषित करने हेतु;

• **NETF (National Educational Technology Forum):** शिक्षा में प्रौद्योगिकी और AI के एकीकरण हेतु स्वायत्त मंच।

• **व्याख्या:** इसके अतिरिक्त पाली, प्राकृत और फारसी के संरक्षण के लिए 3 नए राष्ट्रीय संस्थान और **IITI (Indian Institute of Translation and Interpretation)** स्थापित करने की घोषणा की गई है।

35. **[CTET 2024]** NEP 2020 में सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के लिए प्रयुक्त संक्षिप्त नाम **'SEDGs'** का पूर्ण रूप क्या है, और उनके लिए किन क्षेत्रों की स्थापना का प्रस्ताव है?

• **उत्तर: Socio-Economically Disadvantaged Groups** (CIET NCERT SEDGs) (जिन्हें 5 श्रेणियों में बांटा गया है — लैंगिक पहचान: महिलाएं व ट्रांसजेंडर; सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान: SC, ST, OBC, अल्पसंख्यक; भौगोलिक पहचान: ग्रामीण/आकांक्षी जिले; दिव्यांगता; और प्रवासी/अनाथ बच्चे); इनके लिए **'विशेष शिक्षा क्षेत्र' (SEZs — Special Education Zones)** और **'जेंडर समावेशन कोष' (Gender-Inclusion Fund)** स्थापित करने का प्रावधान है!

• **व्याख्या:** यह प्रश्न हर शिक्षक परीक्षा में SEDGs के पूर्ण रूप के साथ पूछा जाता है।

36. **[DSSSB PRT]** स्कूली प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए NCERT द्वारा शुरू किए गए विश्व के सबसे बड़े शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम **'निष्ठा' (NISHTHA)** और राष्ट्रीय डिजिटल पोर्टल **'दीक्षा' (DIKSHA)** का पूर्ण रूप क्या है?

• **उत्तर:**

• **NISHTHA:** *National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement* (CIET NISHTHA);

• **DIKSHA:** *Digital Infrastructure for Knowledge Sharing* ('एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म', जहां QR-कोडेड ऊर्जावान पाठ्यपुस्तकें और ई-कंटेंट उपलब्ध हैं)।

• **व्याख्या:** निष्ठा के चार चरण हैं — NISHTHA 1.0 (प्रारंभिक स्तर), NISHTHA 2.0 (माध्यमिक स्तर), NISHTHA 3.0 (निपुण भारत / FLN — ECCE से कक्षा 5 तक), और NISHTHA 4.0 (ECCE)।

37. **[KVS PGT 2023]** अगस्त 2023 में जारी **NCF-SE 2023 (राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा — स्कूली शिक्षा)** के अनुसार सेकेंडरी स्टेज (कक्षा 9 व 10 तथा 11 व 12) में भाषा अध्ययन के संबंध में क्या बड़ा बदलाव किया गया है?

• **उत्तर:**

• **कक्षा 9 और 10** में छात्रों को **3 भाषाएं (R1, R2, R3)** पढ़नी होंगी, जिनमें से **कम से कम 2 भाषाएं भारत की मूल (Native Indian Languages)** होनी अनिवार्य हैं;

• **कक्षा 11 और 12** में छात्रों को **2 भाषाएं** पढ़नी होंगी, जिनमें से **कम से कम 1 भाषा भारतीय** होनी अनिवार्य है!

• **व्याख्या:** NCF-SE 2023 की संचालन समिति के अध्यक्ष भी डॉ. के. कस्तूरीरंगन थे।

38. **[CTET Jan 2024]** NCF 2005 के अनुसार गणित शिक्षण का 'संकीर्ण उद्देश्य' (Narrow Aim) और 'उच्च उद्देश्य' (Higher Aim) क्या है?

• **उत्तर: संकीर्ण उद्देश्य:** संख्या संबंधी कौशल (संख्यात्मकता, जोड़-घटाव, प्रतिशत, मापन) का विकास करना; **उच्च उद्देश्य:** बच्चे की **सोच और तर्क प्रक्रिया का गणितीयकरण करना (Mathematization of the Child's Thought Process)** — अर्थात अमूर्त चिंतन, समस्या समाधान और तार्किक निष्कर्ष निकालने की क्षमता विकसित करना!

• **व्याख्या:** यह डेविड व्हीलर के प्रसिद्ध कथन ("बहुत सारा गणित जानने के बजाय यह जानना अधिक उपयोगी है कि गणितीयकरण कैसे किया जाए") पर आधारित है।

39. **[CTET July 2024]** प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 और 2) पर पर्यावरण अध्ययन (EVS) की कोई अलग पाठ्यपुस्तक क्यों नहीं होती, और कक्षा 3 से 5 तक EVS को किन 6 मुख्य थीमों (Themes) में बांटा गया है?

• **उत्तर:** कक्षा 1 और 2 में बच्चे अपने परिवेश को समग्र रूप (Holistic) में देखते हैं, इसलिए वहां EVS को **भाषा और गणित** के माध्यम से ही एकीकृत (Integrated) रूप में पढ़ाया जाता है! कक्षा 3 से 5 में EVS (जिसमें विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा एकीकृत हैं) की **6 मुख्य थीमें** हैं:

1. परिवार और मित्र (Family and Friends) [जिसकी 4 उप-थीमें हैं: संबंध, कार्य और खेल, जानवर, और पौधे], **2. भोजन (Food)**, **3. पानी (Water)**, **4. आवास/आश्रय (Shelter)**, **5. यात्रा (Travel)**, और **6. हम चीजें कैसे बनाते हैं और करते हैं (Things We Make and Do)**!

• **व्याख्या:** ध्यान दें — 'जानवर' और 'पौधे' मुख्य थीम नहीं हैं, बल्कि वे 'परिवार और मित्र' की **उप-थीम (Sub-themes)** हैं!

40. **[CTET 2024]** ज्योमेट्री (ज्यामिति) सीखने के **वैन हीले के ज्यामितीय चिंतन के 5 स्तर (Van Hiele Levels — स्तर 0 से स्तर 4)** क्रम से कौन-से हैं?

• **उत्तर:**

• **स्तर 0 — चाक्षुषीकरण / मानसिक चित्रण (Visualization):** बच्चा आकृतियों को केवल उनकी बाहरी बनावट से पहचानता है (जैसे वर्ग को देखकर कहता है "यह बिस्कुट या समोसे जैसा है");

• **स्तर 1 — विश्लेषण (Analysis):** बच्चा आकृतियों को उनके गुणों (भुजाओं और कोणों) के आधार पर पहचानता है पर आकृतियों के बीच आपसी संबंध नहीं समझता;

• **स्तर 2 — अनौपचारिक निगमन / संबंध (Informal Deduction / Abstraction):** बच्चा आकृतियों के गुणों के बीच संबंध समझने लगता है (जैसे "प्रत्येक वर्ग एक आयत भी है, पर प्रत्येक आयत वर्ग नहीं है");

• **स्तर 3 — औपचारिक निगमन (Formal Deduction):** प्रमेयों (Theorems), अभिगृहीतों और औपचारिक सिद्ध करने की क्षमता (माध्यमिक स्तर);

• **स्तर 4 — दृढ़ता (Rigor):** गैर-यूक्लिडियन ज्यामितीय प्रणालियों की तुलना (उच्च गणित स्तर)।

• **व्याख्या:** गणित पेडागोजी में वैन हीले के स्तर 0, 1 और 2 से हर बार प्रश्न पूछा जाता है।

41. **[UPTET / Super TET]** भाषा शिक्षण के 4 आधारभूत कौशलों का मनोवैज्ञानिक क्रम (**LSRW / सुबोपली**) क्या है, और इनमें से कौन-से दो 'ग्रहणात्मक कौशल' तथा कौन-से दो 'अभिव्यक्तात्मक कौशल' हैं?

• **उत्तर:** क्रम: **सुनना (Listening) -> बोलना (Speaking) -> पढ़ना (Reading) -> लिखना (Writing)** [सु-बो-प-ली];

• **ग्रहणात्मक कौशल (Receptive Skills — अर्थ ग्रहण करना): सुनना और पढ़ना;**

• **अभिव्यक्तात्मक / उत्पादक कौशल (Productive / Expressive Skills — विचार प्रकट करना): बोलना और लिखना!**

• **व्याख्या:** ये चारों कौशल आपस में अंत:संबंधित (Interrelated) होते हैं और इनका विकास एकीकृत रूप से होता है (यद्यपि मारिया मोंटेसरी ने पढ़ने से पहले लिखना सिखाने का सुझाव दिया था)।

42. **[CTET Jan 2024]** 'भाषा अर्जन' (Language Acquisition) और 'भाषा अधिगम' (Language Learning — स्टीफन क्रैशन की परिकल्पना) में क्या अंतर है?

• **उत्तर: भाषा अर्जन:** एक **सहज, स्वाभाविक, अनौपचारिक और अचेतन (Subconscious)** प्रक्रिया है जिसमें बच्चा अपने परिवार और समाज के परिवेश से बिना किसी व्याकरण की किताब या विद्यालय के अपनी **मातृभाषा (First Language)** सीख लेता है; जबकि **भाषा अधिगम:** एक **प्रयासपूर्ण, औपचारिक, सचेतन (Conscious) और नियम-बद्ध** प्रक्रिया है जिसमें विद्यालय, शिक्षक और पाठ्यपुस्तकों की सहायता से **द्वितीय/लक्ष्य भाषा (Second Language)** सीखी जाती है!

• **व्याख्या:** स्टीफन क्रैशन के 'बोध्य निवेश परिकल्पना' (i+1 — Comprehensible Input Hypothesis) के अनुसार बच्चों को उनके वर्तमान भाषा स्तर (i) से थोड़ा ऊंचा (+1) अर्थपूर्ण भाषाई परिवेश देने पर वे भाषा सर्वोत्तम सीखते हैं।

43. **[KVS PRT 2023]** एक बहुभाषी कक्षा (Multilingual Classroom — जहां अलग-अलग मातृभाषा बोलने वाले बच्चे पढ़ते हैं) में शिक्षक को बच्चों की मातृभाषाओं को किस रूप में देखना चाहिए?

• **उत्तर:** एक **अमूल्य संसाधन और संपत्ति (Asset & Resource)** के रूप में (न कि बाधा या समस्या के रूप में)!

• **व्याख्या:** शिक्षक को सभी बच्चों को अपनी मातृभाषा में अभिव्यक्ति करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए ताकि वे स्कूल में सुरक्षित, स्वीकृत और सम्मानित महसूस करें और मातृभाषा से लक्ष्य भाषा की ओर सहज पुल (Bridge) बन सके।

44. **[CTET July 2024]** पढ़ने (Reading) का सबसे महत्वपूर्ण घटक क्या है — केवल अक्षरों की डिकोडिंग/तेज उच्चारण करना या पाठ का अर्थ समझना?

• **उत्तर: संदर्भ के अनुसार पाठ का अर्थ ग्रहण करना / समझना (Reading with Comprehension / Meaning-making)!**

• **व्याख्या:** बिना अर्थ समझे केवल तेजी से शब्दों को बोल देना या हिज्जे करना वास्तविक पठन नहीं है; और पूर्व-ज्ञान के आधार पर अनुमान लगाकर पढ़ने को 'टॉप-डाउन उपागम' (Top-down Approach) तथा अक्षर->शब्द->वाक्य के क्रम को 'बॉटम-अप उपागम' (Bottom-up Approach) कहते हैं।

45. **[DSSSB Special Educator]** RPwD अधिनियम, 2016 में शामिल की गई 21 दिव्यांगताओं में रक्त से संबंधित तीन आनुवंशिक विकार कौन-से हैं, और 'बेंचमार्क दिव्यांगता' किसे कहते हैं?

• **उत्तर:** 3 रक्त विकार: **1. थैलेसीमिया (Thalassemia), 2. हीमोफीलिया (Hemophilia — रक्त का थक्का न जमना),** और **3. सिकल सेल रोग (Sickle Cell Disease — लाल रक्त कणिकाओं का हंसिए के आकार का हो जाना);** और **बेंचमार्क दिव्यांगता** का अर्थ है प्रमाणित चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा **कम से कम 40% या उससे अधिक** निर्दिष्ट दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्ति!

• **व्याख्या:** 21 दिव्यांगताओं में प्रमस्तिष्क पक्षाघात (Cerebral Palsy), बौनापन (Dwarfism), कुष्ठ रोग से मुक्त व्यक्ति, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियां भी शामिल हैं।

46. **[CTET 2024]** समावेशी शिक्षा में प्रयुक्त होने वाले **'UDL' (Universal Design for Learning — अधिगम के लिए सार्वभौमिक डिजाइन)** के तीन मूल सिद्धांत क्या हैं?

• **उत्तर:** सभी विविध शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लचीलापन प्रदान करना:

1. **प्रस्तुतीकरण के विविध साधन (Multiple Means of Representation — 'क्या' सीखना है):** विषयवस्तु को दृश्य, श्रव्य, स्पर्शनीय और डिजिटल अनेक रूपों में प्रस्तुत करना;

2. **क्रिया और अभिव्यक्ति के विविध साधन (Multiple Means of Action & Expression — 'कैसे' दिखाना है):** छात्रों को अपना ज्ञान लिखकर, बोलकर, चित्र बनाकर या प्रोजेक्ट द्वारा व्यक्त करने की छूट देना;

3. **जुड़ाव/सहभागिता के विविध साधन (Multiple Means of Engagement — 'क्यों' सीखना है):** छात्रों की रुचि और आंतरिक अभिप्रेरणा को बनाए रखने के विविध तरीके अपनाना!

• **व्याख्या:** UDL समावेशी कक्षा की सबसे आधुनिक और वैज्ञानिक रीढ़ है।

47. **[CTET Jan 2024]** 'प्रतिभाशाली बालक' (Gifted Child — IQ ≥ 140) के तीन मुख्य लक्षण (रेन्जुली का 'थ्री-रिंग मॉडल' / Renzulli's Three-Ring Model) कौन-से हैं, और कक्षा में उनके लिए क्या करना चाहिए?

• **उत्तर:** जोसेफ रेन्जुली के थ्री-रिंग मॉडल के अनुसार प्रतिभाशाली व्यवहार तीन चक्रों के प्रतिच्छेदन से बनता है: **1. औसत से उच्च योग्यता (Above Average Ability)**, **2. उच्च सृजनात्मकता (High Creativity)**, और **3. उच्च कार्य प्रतिबद्धता (High Task Commitment)**! कक्षा में ऐसे बच्चों के लिए **'संवर्धन कार्यक्रम' (Enrichment Programs)** और **'त्वरण' (Acceleration — उच्च स्तरीय चुनौतीपूर्ण कार्य)** प्रदान करने चाहिए ताकि वे कक्षा में ऊब (Boredom) महसूस न करें।

• **व्याख्या:** प्रतिभाशाली बच्चों को केवल दूसरे कमजोर बच्चों को पढ़ाने में लगा देना या उन्हें समान प्रश्न बार-बार हल करने को देना गलत शिक्षाशास्त्र है।

48. **[KVS TGT]** RTE अधिनियम, 2009 के अनुसार यदि किसी प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 5) में कुल 135 छात्र नामांकित हैं, तो वहां कितने शिक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य है?

• **उत्तर: 5 शिक्षक**!

• **व्याख्या:** RTE की अनुसूची के अनुसार कक्षा 1–5 में: 60 छात्रों तक = 2 शिक्षक; 61 से 90 छात्र = 3 शिक्षक; 91 से 120 छात्र = 4 शिक्षक; **121 से 200 छात्र = 5 शिक्षक** (और 150 से अधिक छात्र होने पर 5 शिक्षक + 1 प्रधानाध्यापक)!

49. **[UPTET]** भारत में 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड' (प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु), 'मध्याह्न भोजन योजना' (Mid-Day Meal — अब **पीएम पोषण योजना / PM POSHAN**) और 'सर्व शिक्षा अभियान' (SSA) किस वर्ष शुरू हुए थे?

• **उत्तर:**

• **ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड:** 1987 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के तहत);

• **मध्याह्न भोजन योजना (MDM): 15 अगस्त 1995** (सितंबर 2021 में इसका नाम बदलकर **'PM POSHAN' — प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण** कर दिया गया और इसमें प्री-प्राइमरी 'बालवाटिका' के बच्चों को भी जोड़ लिया गया!);

• **सर्व शिक्षा अभियान (SSA):** 2001 (जिसे 2018 में RMSA और शिक्षक शिक्षा TE के साथ मिलाकर एकीकृत **'समग्र शिक्षा अभियान' — प्री-स्कूल से कक्षा 12 तक** बना दिया गया!)।

• **व्याख्या:** कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) योजना 2004 में वंचित वर्ग की बालिकाओं के आवासीय शिक्षण हेतु शुरू की गई थी।

50. **[CTET 2024]** एक छात्र परीक्षा में फेल हो जाने पर कहता है कि "शिक्षक ने मुझसे दुश्मनी के कारण जानबूझकर कठिन पेपर बनाया और मेरे नंबर काट लिए" (या अंगूर खट्टे हैं)। सिगमंड फ्रायड और एना फ्रायड की 'रक्षा युक्तियों' (Defense Mechanisms) के अनुसार वह किस युक्ति का प्रयोग कर रहा है?

• **उत्तर:** जब वह अपनी असफलता का दोष किसी दूसरे व्यक्ति या वस्तु पर मढ़ता है (जैसे "नाच न जाने आंगन टेढ़ा" या शिक्षक पर दोष लगाना), तो उसे **'प्रक्षेपण' (Projection)** कहते हैं; और जब वह अपनी असफलता को सही ठहराने के लिए तार्किक बहाने बनाता है (जैसे "अंगूर खट्टे हैं, मुझे यह नौकरी वैसे भी नहीं चाहिए थी"), तो उसे **'युक्तिकरण / औचित्य स्थापना' (Rationalization)** कहते हैं!

• **व्याख्या:** अन्य प्रमुख रक्षा युक्तियां हैं — **दमन (Repression):** कष्टप्रद इच्छाओं को अनजाने में अचेतन मन में धकेल देना; **विस्थापन (Displacement):** बॉस का गुस्सा घर आकर पत्नी या बच्चे पर निकालना; **प्रतिक्रिया निर्माण (Reaction Formation):** मन के ठीक विपरीत

व्यवहार करना; और **उदात्तीकरण / मार्गान्तरीकरण (Sublimation):** आक्रामक या काम-प्रवृत्ति को उच्च सामाजिक-कलात्मक कार्य में बदल देना (जैसे तुलसीदास जी द्वारा पत्नी के प्रति आसक्ति को रामभक्ति और 'रामचरितमानस' की रचना में बदल देना)!

51. **[UGC-NET Paper-1 2024]** पॉल फ्रेरे (Paulo Freire — ब्राजील के महान शिक्षाशास्त्री, प्रसिद्ध पुस्तक: *Pedagogy of the Oppressed*) ने पारंपरिक रटंत शिक्षा को किस नाम से संबोधित किया और इसके स्थान पर कौन-सी अवधारणा दी?

• **उत्तर:** पारंपरिक शिक्षा को **'शिक्षा की बैंकिंग अवधारणा' (Banking Concept of Education — जहां शिक्षक जमाकर्ता है और छात्र खाली बैंक खाते हैं जिनमें बिना सोचे-समझे तथ्य जमा किए जाते हैं)** कहा, और इसके स्थान पर **'समस्या-प्रस्तुतकर्ता शिक्षा' (Problem-Posing Education)** तथा आलोचनात्मक चेतना (Conscientization) का सिद्धांत दिया!

• **व्याख्या:** NCF 2005 और NEP 2020 दोनों ही इस 'बैंकिंग मॉडल' को अस्वीकार कर रचनावादी मॉडल को अपनाते हैं।

52. **[CTET Jan 2024]** जब एक बच्ची साइकिल चलाना सीखते समय शुरुआत में अपने पिता का सहारा लेती है, फिर पिता पीछे से कैरियर छोड़ देते हैं और बच्ची स्वयं संतुलन बनाकर साइकिल चलाने लगती है, तो यहां 'स्वायत्त अधिगम' की ओर संक्रमण किस मनोवैज्ञानिक संप्रत्यय को दर्शाता है?

• **उत्तर: पाड़ (Scaffolding) का क्रमिक अपसरण (Fading)** और **समीपस्थ विकास के क्षेत्र (ZPD)** की सफलता!

• **व्याख्या:** Scaffolding का मुख्य गुण ही यह है कि जैसे-जैसे शिक्षार्थी की दक्षता बढ़ती है, सहायता को धीरे-धीरे हटाया (Fade out) जाता है ताकि शिक्षार्थी आत्मनिर्भर बन सके।

53. **[KVS PGT]** 'अधिसंज्ञान' (Metacognition — जॉन फ्लेवेल द्वारा प्रयुक्त शब्द) का क्या अर्थ है?

• **उत्तर:** *"अपने स्वयं के चिंतन और सीखने की प्रक्रियाओं के बारे में सोचना और उनका नियमन करना" (Thinking about one's own thinking / Cognition about Cognition)*!

• **व्याख्या:** जब एक छात्र यह जांचता है कि "मुझे यह अध्याय किस विधि से पढ़ने पर सबसे अच्छा समझ आ रहा है और मुझे कहां अपनी रणनीति बदलने की जरूरत है", तो वह अधिसंज्ञानात्मक कौशल का उपयोग कर रहा है।

54. **[CTET July 2024]** एक शिक्षिका अपनी कक्षा में बच्चों को समूहों में बांटकर कहती है कि वे अपने मुहल्ले के बुजुर्गों से बात करके पता लगाएं कि 50 साल पहले घरों और खेलों का स्वरूप कैसा था। वह किस प्रकार के अधिगम को बढ़ावा दे रही है?

• **उत्तर: समुदाय को एक प्राथमिक अधिगम संसाधन के रूप में उपयोग करना, अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) और सामाजिक रचनावाद (Social Constructivism)**!

• **व्याख्या:** EVS और सामाजिक विज्ञान में परिवार व समुदाय के बुजुर्ग मौखिक इतिहास के सबसे जीवंत प्राथमिक स्रोत (Primary Sources) होते हैं।

55. **[DSSSB TGT]** पियाजे के नैतिक विकास सिद्धांत (पुस्तक: *The Moral Judgment of the Child*, 1932) के दो मुख्य चरण कौन-से हैं?

• **उत्तर:** 1. **परायत नैतिकता / बाह्य नैतिकता (Heteronomous Morality / Moral Realism — 5 से 9 वर्ष):** बच्चा मानता है कि नियम ईश्वर या बड़ों द्वारा बनाए गए अटल और अपरिवर्तनीय हैं तथा किसी कार्य की गंभीरता कर्ता के इरादे (Intention) से नहीं बल्कि नुकसान की मात्रा (जैसे गलती से 15 कप टूटना जानबूझकर 1 कप तोड़ने से बड़ा अपराध है!) से तय होती है; और 2. **स्वायत्त नैतिकता (Autonomous Morality / Moral Relativism — 9-10 वर्ष के बाद):** बच्चा समझ जाता है कि नियम लोगों की आपसी सहमति से बनते हैं, उन्हें बदला जा सकता है और दंड तय करते समय कर्ता के **पीछे के इरादे (Intention)** को देखा जाना चाहिए!

• **व्याख्या:** पियाजे के इसी कार्य को आगे बढ़ाकर कोहलबर्ग ने अपने 3 स्तर और 6 चरण विकसित किए थे।

56. **[CTET 2024]** बर्नार्ड वीनर (Bernard Weiner) के 'आरोपण सिद्धांत' (Attribution Theory) के अनुसार एक छात्र जो अपनी सफलता या असफलता का कारण **'अपने प्रयास' (Effort — आंतरिक, अस्थिर व नियंत्रणीय कारक)** को मानता है, वह भविष्य में कैसा प्रदर्शन करेगा; और जो बार-बार की असफलता से यह मान बैठता है कि "मैं चाहे कितनी भी मेहनत कर लूं, मैं कभी पास नहीं हो सकता", वह किस मनोवैज्ञानिक स्थिति का शिकार हो गया है?

• **उत्तर:** प्रयास को कारण मानने वाला छात्र भविष्य में और अधिक मेहनत कर सफल होगा **(Growth Mindset — कैरोल ड्वेक)**; जबकि हार मान लेने वाला छात्र **मार्टिन सेलिगमैन** द्वारा वर्णित **'अर्जित निस्सहायता' (Learned Helplessness)** और 'महारत परिहार' (Failure-accepting) का शिकार हो गया है!

• **व्याख्या:** शिक्षक को छात्रों में सदैव 'क्षमता वृद्धिशील है' (Incremental/Growth View of Ability) और 'महारत उन्मुखीकरण' (Mastery Orientation) का विकास करना चाहिए।

57. **[UPTET]** 'सूक्ष्म शिक्षण' (Micro-Teaching — 1963 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में **ड्वाइट एलन / D.W. Allen** द्वारा विकसित, जो शिक्षण कौशलों के प्रशिक्षण की एक कम की गई/Scaled-down तकनीक है) में **NCERT का भारतीय मानक समय-चक्र (Indian Model of Micro-Teaching Cycle)** कितने मिनट का होता है?

• **उत्तर:** कुल **36 मिनट** का!

• **व्याख्या:** इसके 6 चरणों का समय विभाजन है: **1. पाठ योजना (Plan — कक्षा से पूर्व) -> 2. शिक्षण (Teach): 6 मिनट -> 3. प्रतिपुष्टि (Feedback): 6 मिनट -> 4. पुनः योजना (Re-plan): 12 मिनट -> 5. पुनः शिक्षण (Re-teach): 6 मिनट -> 6. पुनः प्रतिपुष्टि (Re-feedback): 6 मिनट** (कुल = 6 + 6 + 12 + 6 + 6 = 36 मिनट)!

58. **[KVS PRT 2023]** विद्यालय विकास योजना (SDP), नेतृत्व के प्रकार और NEP 2020 के अनुसार 'स्कूल कॉम्प्लेक्स / क्लस्टर' (School Complex / Cluster) की अवधारणा किस आयोग की सिफारिश से ली गई है?

• **उत्तर: कोठारी आयोग (1964–66)** की सिफारिश से!

• **व्याख्या:** NEP 2020 के अध्याय 7 के अनुसार 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में एक माध्यमिक विद्यालय और उसके आसपास के सभी प्राथमिक विद्यालयों व आंगनवाड़ियों को मिलाकर एक **'स्कूल कॉम्प्लेक्स'** बनाया जाएगा ताकि वे प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, खेल मैदानों, कला/संगीत शिक्षकों और विशेष शिक्षकों के संसाधनों को आपस में साझा कर सकें।

59. **[CTET Jan 2024]** बच्चों में 'वैकल्पिक अवधारणाएं' या 'भ्रांत धारणाएं' (Alternative Conceptions / Naive Theories — जैसे बच्चे का यह सोचना कि "जब हम चलते हैं तो चांद भी हमारे साथ चलता है" या "पौधे मिट्टी से अपना तैयार भोजन खाते हैं") के बारे में कौन-सा कथन सही है?

• **उत्तर:** बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाएं यह दर्शाती हैं कि बच्चे कोरी स्लेट (*Tabula Rasa*) नहीं हैं, बल्कि वे अपने दैनिक अनुभवों के आधार पर दुनिया की घटनाओं के बारे में **अपने स्वयं के सहज सिद्धांत (Naive Theories) बनाते हैं**। शिक्षक को उन्हें डांटने या अनदेखा करने के बजाय **प्रत्यक्ष प्रयोगों और संज्ञानात्मक द्वंद्व (Cognitive Conflict)** के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं तक पहुंचने में मदद करनी चाहिए!

• **व्याख्या:** यह विज्ञान और पर्यावरण शिक्षाशास्त्र का सबसे महत्वपूर्ण रचनावादी सिद्धांत है।

60. **[DSSSB PGT]** कर्ट लेविन (Kurt Lewin — क्षेत्र सिद्धांत / Field Theory: B = f(P, E)) द्वारा बताए गए 'अंतर्द्वंद्व' (Conflict) के 3 मुख्य प्रकार कौन-से हैं?

• **उत्तर:**

1. **उपागम-उपागम द्वंद्व (Approach-Approach Conflict):** जब दो समान रूप से आकर्षक सकारात्मक लक्ष्यों में से किसी एक को चुनना हो (जैसे एक ही समय पर दो मनपसंद नौकरियों में चयन होना या रसगुल्ला और गुलाबजामुन में से एक चुनना);

2. **परिहार-परिहार द्वंद्व (Avoidance-Avoidance Conflict — 'आगे कुआं पीछे खाई'):** जब दो अप्रिय स्थितियों के बीच फंस जाना हो (जैसे न तो कठिन होमवर्क करने का मन हो और न ही शिक्षक की डांट खाने का);

3. **उपागम-परिहार द्वंद्व (Approach-Avoidance Conflict):** जब एक ही लक्ष्य में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू जुड़े हों (जैसे आइसक्रीम खाना बहुत पसंद है पर वजन बढ़ने या गला खराब होने का डर भी है)!

• **व्याख्या:** चौथा प्रकार 'द्वि-उपागम-परिहार द्वंद्व' (Double Approach-Avoidance) है।

61. **[CTET July 2024]** एक अच्छी उपलब्धि या मानकीकृत परीक्षण (Good Test) की 4 मुख्य तकनीकी विशेषताएं — **वैधता (Validity), विश्वसनीयता (Reliability), वस्तुनिष्ठता (Objectivity) और विभेदकता (Usability/Discrimination)** — का क्या अर्थ है?

• **उत्तर:**

• **वैधता (Validity):** परीक्षण ठीक **उसी गुण या उद्देश्य का मापन करता है जिसके मापन के लिए उसे बनाया गया है** (जैसे यदि गणित के प्रश्न की भाषा इतनी कठिन हो कि छात्र भाषा न समझ पाने के कारण सवाल हल न कर पाए, तो वह परीक्षण गणित मापन के लिए 'वैध' नहीं है!);

• **विश्वसनीयता (Reliability):** परीक्षण को समान परिस्थितियों में बार-बार प्रशासित करने पर **प्राप्तांकों में निरंतरता / समानता (Consistency of Scores)** बनी रहती है;

• **वस्तुनिष्ठता (Objectivity):** उत्तरपुस्तिका की जांच चाहे कोई भी परीक्षक करे, परीक्षक की व्यक्तिगत पसंद-नापसंद या मूड का अंकों पर कोई प्रभाव न पड़े (जैसे MCQ प्रश्नों में 100% वस्तुनिष्ठता होती है)!

• **व्याख्या:** नियम याद रखें: "प्रत्येक वैध परीक्षण अनिवार्य रूप से विश्वसनीय होता है, किंतु प्रत्येक विश्वसनीय परीक्षण का वैध होना आवश्यक नहीं है!" (जैसे एक तराजू जो हर बार 5 किलो की जगह ठीक 6 किलो वजन दिखाती है, वह 'विश्वसनीय/Consistent' तो है पर 'वैध/Accurate' नहीं है!)

62. **[KVS PRT]** 'पोर्टफोलियो' (Portfolio), 'उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड' (Anecdotal Record), 'रूब्रिक' (Rubric) और 'संचयी रिकॉर्ड' (Cumulative Record) में क्या अंतर है?

• **उत्तर:**

• **पोर्टफोलियो (Portfolio):** एक निश्चित समयावधि में छात्र द्वारा किए गए **कार्यों के चयनित सर्वोत्तम नमूनों (पेंटिंग, लेख, वर्कशीट, प्रोजेक्ट) का उद्देश्यपूर्ण और क्रमिक संग्रह**, जो उसकी क्रमिक प्रगति और विकास को दर्शाता है;

• **उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड (Anecdotal Record):** छात्र के जीवन की किसी विशिष्ट महत्वपूर्ण घटना या व्यवहार का शिक्षक द्वारा लिखा गया संक्षिप्त, वस्तुनिष्ठ एवं तथ्यात्मक विवरण (बिना किसी पूर्वग्रह या निर्णय के);

• **रूब्रिक (Rubric):** किसी प्रदर्शन या प्रोजेक्ट के मूल्यांकन के लिए पूर्व-निर्धारित मानदंडों और स्तरों की स्पष्ट मार्गदर्शिका;

• **संचयी रिकॉर्ड (Cumulative Record):** विद्यालय में प्रवेश से लेकर छोड़ने तक छात्र की उपस्थिति, स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि और सह-शैक्षिक रिकॉर्ड का समग्र रजिस्टर।

• **व्याख्या:** पोर्टफोलियो और उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड CCE (सतत और व्यापक मूल्यांकन) के सबसे प्रभावी उपकरण हैं।

63. **[CTET 2024]** जिरोम ब्रूनर (Jerome Bruner — 'अन्वेषण अधिगम / Discovery Learning' और 'सर्पिल पाठ्यचर्या / Spiral Curriculum' के प्रतिपादक) के अनुसार संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व की 3 अवस्थाएं कौन-सी हैं?

• **उत्तर:**

1. **क्रियात्मक अवस्था (Enactive Stage — 0 से 1 वर्ष):** शारीरिक क्रियाओं और वस्तुओं को छूकर/हिलाकर सीखना;

2. **प्रतिबिंबात्मक / चित्रात्मक अवस्था (Iconic Stage — 1 से 6 वर्ष):** दृश्य चित्रों, मॉडल और मानसिक प्रतिमाओं (Images) के माध्यम से सीखना;

3. **प्रतीकात्मक अवस्था (Symbolic Stage — 7 वर्ष और उससे ऊपर):** भाषा, शब्दों, गणितीय चिह्नों और अमूर्त प्रतीकों के माध्यम से सीखना!

• **व्याख्या:** ब्रूनर की **'सर्पिल पाठ्यचर्या' (Spiral Curriculum)** का अर्थ है कि एक ही मूल विषय या अवधारणा को अगली कक्षाओं में बार-बार दोहराया जाए, लेकिन हर अगली कक्षा में उसकी **गहराई और जटिलता का स्तर बढ़ता जाए**!

64. **[BPSC TRE 3.0]** भारतीय शिक्षा के इतिहास में प्रमुख आयोगों का कालानुक्रम क्या है — वुड का घोषणापत्र, हंटर आयोग, सैडलर आयोग, सार्जेंट रिपोर्ट, राधाकृष्णन आयोग, मुदालियर आयोग और कोठारी आयोग?

• **उत्तर:**

• **1854:** चार्ल्स वुड का डिस्पैच ('भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा');

• **1882:** हंटर आयोग (प्राथमिक शिक्षा पर बल);

• **1917:** सैडलर आयोग (कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग);

• **1944:** सार्जेंट योजना;

• **1948–49: राधाकृष्णन आयोग (विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग — स्वतंत्र भारत का प्रथम शिक्षा आयोग, जिसकी सिफारिश पर UGC की स्थापना हुई);**

• **1952–53: मुदालियर आयोग (लक्ष्मणस्वामी मुदालियर — माध्यमिक शिक्षा आयोग);**

• **1964–66:** *कोठारी आयोग (डॉ. दौलत सिंह कोठारी — राष्ट्रीय शिक्षा आयोग, रिपोर्ट का शीर्षक: 'Education and National Development', प्रथम पंक्ति: "भारत के भाग्य का निर्माण उसकी कक्षाओं में हो रहा है"!)*।

• **व्याख्या:** 1937 में महात्मा गांधी ने वर्धा सम्मेलन में **'नई तालीम / बुनियादी शिक्षा' (Basic Education — डॉ. जाकिर हुसैन समिति)** का प्रतिपादन किया था जो हस्तशिल्प और मातृभाषा पर आधारित थी।

65. **[CTET Jan 2024]** एक समावेशी कक्षा में 'अधिगम में कठिनाई' महसूस करने वाले छात्रों की मदद के लिए एक शिक्षक को क्या **नहीं** करना चाहिए?

• **उत्तर:** उन्हें कम क्षमता वाले अलग सेक्शन में बैठाना (Ability Grouping / Segregation), उन पर 'कमजोर या मंदबुद्धि' का ठप्पा (Labeling) लगाना, या उन्हें बार-बार यांत्रिक ड्रिल और दंड देना — यह कदापि नहीं करना चाहिए!

• **व्याख्या:** इसके बजाय शिक्षक को **मिश्रित योग्यता समूह (Heterogeneous Grouping)** बनाना चाहिए, सहपाठी ट्यूटरिंग (Peer Tutoring) करानी चाहिए और शिक्षण सामग्री को बच्चे के स्तर के अनुकूल बनाना चाहिए।

अध्याय 3: शिक्षण अभिरुचि (Teaching Aptitude), संप्रेषण, शोध एवं उच्च शिक्षा (UGC-NET Paper-1 / KVS / NVS) (प्रश्न 66–100)

66. **[UGC-NET Paper-1 2024]** भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित **'SWAYAM'** (Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds — स्वदेशी MOOC प्लेटफॉर्म) के **4 चतुर्थांश (4 Quadrants)** कौन-से हैं और इसके **9 राष्ट्रीय समन्वयक (National Coordinators)** कौन हैं?

• **उत्तर:**

• **4 चतुर्थांश (Quadrants): 1. वीडियो व्याख्यान (Video Lecture), 2. विशेष रूप से तैयार पठन सामग्री (e-Text जिसे डाउनलोड/प्रिंट किया जा सके), 3. स्व-मूल्यांकन परीक्षण (Tests & Quizzes)**, और **4. शंका समाधान हेतु ऑनलाइन चर्चा मंच (Online Discussion Forum)**!

• **9 राष्ट्रीय समन्वयक: AICTE** (स्व-गति व अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम), **NPTEL** (इंजीनियरिंग), **UGC** (गैर-तकनीकी स्नातकोत्तर शिक्षा), **CEC** (स्नातक शिक्षा), **NCERT** (स्कूली शिक्षा: कक्षा 9–12), **NIOS** (आउट-ऑफ-स्कूल छात्र: कक्षा 9–12), **IGNOU** (सर्टिफिकेट व डिप्लोमा छात्र), **IIMB** (प्रबंधन अध्ययन), और **NITTTR** (शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम)!

• **व्याख्या:** SWAYAM पर किए गए पाठ्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्र प्रति सेमेस्टर अपने कुल क्रेडिट का **40% तक क्रेडिट ट्रांसफर** करा सकते हैं!

67. **[UGC-NET 2024] 'SWAYAM PRABHA'** (स्वयं प्रभा — 24x7 शैक्षिक टीवी चैनलों का समूह) किस उपग्रह का उपयोग करता है और इसके कंटेंट किन एजेंसियों द्वारा प्रदान किए जाते हैं?

• **उत्तर:** यह **GSAT-15 उपग्रह** के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण (40+ DTH चैनलों के समूह द्वारा, जहां प्रतिदिन कम से कम 4 घंटे की नई सामग्री होती है जिसे दिन में 5 बार दोहराया जाता है) करता है, और इसके वेब पोर्टल का रखरखाव **INFLIBNET केंद्र (गांधीनगर, गुजरात)** द्वारा किया जाता है!

• **व्याख्या:** स्कूली बच्चों के लिए 'पीएम ई-विद्या' (PM e-VIDYA — 'एक कक्षा, एक टीवी चैनल' के तहत अब 200 टीवी चैनलों तक विस्तारित) संचालित है।

68. **[UGC-NET Paper-1 2024]** शिक्षण के दो प्रमुख प्रतिमानों — **'पेडागोजी' (Pedagogy), 'एंड्रागोजी' (Andragogy — मैल्कम नोल्स द्वारा प्रयुक्त)** और **'ह्यूटागोजी' (Heutagogy — हसे और केन्यन)** — में मुख्य अंतर क्या है?

• **उत्तर:**

• **पेडागोजी (Pedagogy — बाल शिक्षण विज्ञान):** बच्चों के शिक्षण की कला व विज्ञान, जहां शिक्षार्थी दिशा और सामग्री के लिए शिक्षक पर निर्भर रहता है;

• **एंड्रागोजी (Andragogy — प्रौढ़ शिक्षण विज्ञान):** वयस्क शिक्षार्थियों की सीखने की पद्धति, जो **स्व-निर्देशित (Self-Directed Learning)** और पूर्व जीवन-अनुभवों व तात्कालिक समस्या-समाधान पर आधारित होती है;

• **ह्यूटागोजी (Heutagogy): स्व-निर्धारित अधिगम (Self-Determined Learning)** का सर्वोच्च स्तर, जहां शिक्षार्थी स्वयं तय करता है कि उसे क्या और कैसे सीखना है (Double-loop learning)!

• **व्याख्या:** UGC-NET के शिक्षण अभिरुचि खंड में पेडागोजी बनाम एंड्रागोजी बनाम ह्यूटागोजी का अंतर प्रत्येक सत्र में पूछा जाता है।

69. **[KVS PGT 2023]** 'निर्माणात्मक मूल्यांकन' (Formative Evaluation), 'योगात्मक मूल्यांकन' (Summative Evaluation), 'मानक-संदर्भित परीक्षण' (Norm-Referenced Test — NRT) और 'निकष-संदर्भित परीक्षण' (Criterion-Referenced Test — CRT) में क्या अंतर है?

• **उत्तर:**

• **NRT (मानक-संदर्भित परीक्षण):** इसमें एक छात्र के प्रदर्शन की तुलना **समूह के अन्य छात्रों के प्रदर्शन (रैंक/पर्सेंटाइल)** से की जाती है (जैसे **JEE, NEET, CAT या SSC मेरिट परीक्षा** में यह बताना कि "रमेश 99वें पर्सेंटाइल पर आया है या कक्षा में प्रथम आया है");

• **CRT (निकष-संदर्भित परीक्षण):** इसमें छात्र की तुलना किसी दूसरे छात्र से नहीं, बल्कि एक **पूर्व-निर्धारित निपुणता मानक (Fixed Criterion / Cut-off)** से की जाती है कि उसने वह कौशल सीखा या नहीं (जैसे **CTET में 60% / 90 अंक लाना** या ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट पास करना — चाहे सभी छात्र पास हो जाएं)!

• **व्याख्या:** रॉबर्ट ग्लेसर ने 1963 में CRT और NRT का यह विभेद प्रस्तुत किया था।

70. **[UGC-NET 2024]** पियाजे के संज्ञानात्मक विकास की भांति डेविड क्रथवोहल (Krathwohl, 1964) के **'भावात्मक पक्ष' (Affective Domain — भावनाओं, मूल्यों और अभिवृत्तियों से संबंधित)** के 5 क्रमिक स्तर नीचे से ऊपर कौन-से हैं?

• **उत्तर: 1. आग्रहण / प्राप्त करना (Receiving — ध्यान देना) -> 2. अनुक्रिया करना (Responding — सक्रिय भागीदारी) -> 3. अनमूल्यन / मूल्य आंकना (Valuing — किसी मूल्य को महत्व देना) -> 4. संगठन (Organization — मूल्यों की प्रणाली बनाना) -> 5. चरित्रीकरण (Characterization by a Value Complex — जब मूल्य व्यक्ति के स्थायी जीवन-चरित्र का हिस्सा बन जाएं)!**

• **व्याख्या:** ट्रिक: **R-R-V-O-C** (*Receiving -> Responding -> Valuing -> Organization -> Characterization*)!
और सिम्पसन/डेव के **मनोगत्यात्मक पक्ष (Psychomotor Domain — IM-P-A-N)** के 5 स्तर हैं: **1. Imitation (अनुकरण) -> 2. Manipulation (हस्तकौशल) -> 3. Precision (परिशुद्धता) -> 4. Articulation (स्पष्टीकरण/समन्वय) -> 5. Naturalization (प्रकृतीकरण/सहजीकरण — सर्वोच्च स्तर)!**

71. **[UGC-NET Paper-1]** रॉबर्ट गैग्ने (Robert Gagne — पुस्तक: *The Conditions of Learning*) की **'अधिगम की 8 क्रमिक पदानुक्रमित अवस्थाएं' (8 Hierarchy of Learning — सरल से जटिल की ओर)** कौन-सी हैं?

• **उत्तर:** (नीचे से ऊपर क्रम): **1. संकेत अधिगम (Signal Learning — पावलोव का शास्त्रीय अनुबंधन) -> 2. उद्दीपक-अनुक्रिया अधिगम (S-R Learning — स्किनर/थॉर्नडाइक) -> 3. श्रृंखला अधिगम (Chaining) -> 4. शाब्दिक साहचर्य (Verbal Association) -> 5. विभेदीकरण अधिगम (Multiple Discrimination) -> 6. प्रत्यय अधिगम (Concept Learning) -> 7. नियम/सिद्धांत अधिगम (Rule/Principle Learning) -> 8. समस्या-समाधान अधिगम (Problem-Solving Learning — सर्वोच्च स्तर)!**

• **व्याख्या:** गैग्ने के पदानुक्रम में सबसे निचला स्तर 'संकेत अधिगम' और सबसे ऊंचा स्तर 'समस्या-समाधान अधिगम' है।

72. **[DSSSB TGT]** डेविड कोल्ब (David Kolb, 1984) के **'अनुभवात्मक अधिगम चक्र' (Experiential Learning Cycle)** के 4 क्रमिक चरण कौन-से हैं?

• **उत्तर: 1. मूर्त अनुभव (Concrete Experience — Feeling / नया अनुभव करना) -> 2. चिंतनशील अवलोकन (Reflective Observation — Watching / अनुभव पर विचार करना) -> 3. अमूर्त संप्रत्ययीकरण (Abstract Conceptualization — Thinking / सिद्धांत या निष्कर्ष बनाना) -> 4. सक्रिय प्रयोग (Active Experimentation — Doing / नए सिद्धांत को नई स्थिति में परखना)!**

• **व्याख्या:** ट्रिक: **CE -> RO -> AC -> AE!**

73. **[UGC-NET 2024]** शिक्षण विधियों में 'आगमन विधि' (Inductive Method — अरस्तू/बेकन) और 'निगमन विधि' (Deductive Method — अरस्तू) में क्या अंतर है, तथा प्राथमिक कक्षाओं में व्याकरण या गणित पढ़ाने के लिए कौन-सी विधि सर्वोत्तम है?

• **उत्तर:**

• **आगमन विधि (Inductive Method): उदाहरण से नियम की ओर, विशिष्ट से सामान्य की ओर, मूर्त से अमूर्त की ओर,** और **ज्ञात से अज्ञात की ओर** चलती है (यह मनोवैज्ञानिक और खोज-आधारित विधि है जो **प्राथमिक कक्षाओं के लिए सर्वोत्तम** है, यद्यपि इसमें समय अधिक लगता है);

• **निगमन विधि (Deductive Method): नियम/सूत्र से उदाहरण की ओर, सामान्य से विशिष्ट की ओर,** और **अमूर्त से मूर्त की ओर** चलती है (यह समय की बचत करती है और उच्च कक्षाओं में अभ्यास के लिए उपयोगी है)।

• **व्याख्या:** जब शिक्षक पहले अनेक उदाहरण देकर नियम निकलवाता है और फिर नियम का अभ्यास कराता है, तो इस संयुक्त विधि को **'आगमन-निगमन विधि'** कहते हैं जो सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है।

74. **[KVS PRT]** आर्मस्ट्रांग (H.E. Armstrong) द्वारा प्रतिपादित **'ह्यूरिस्टिक विधि' (Heuristic Method — अन्वेषण/खोज विधि)** में ग्रीक शब्द '*Heurisco*' का अर्थ क्या है?

• **उत्तर:** *"मैं स्वयं खोजता हूं" (I find out / I discover)*!

• **व्याख्या:** इस विधि में छात्र को एक स्वतंत्र अन्वेषक (Discoverer) की स्थिति में रखा जाता है और वह स्वयं प्रयोग करके वैज्ञानिक सत्य की खोज करता है।

75. **[CTET 2024]** एक शिक्षक कक्षा में प्रश्न पूछते समय "भारत की राजधानी क्या है?" के बजाय यह पूछता है कि "यदि पृथ्वी पर सभी पेड़ अचानक समाप्त हो जाएं तो हमारे जीवन पर क्या-क्या प्रभाव पड़ेंगे?" या "24 प्राप्त करने के लिए किन दो संख्याओं को जोड़ा या गुणा किया जा सकता है?"। ये दूसरे प्रकार के प्रश्न कैसे प्रश्न हैं?

• **उत्तर: मुक्त-अंत वाले / अपसारी प्रश्न (Open-Ended / Divergent Questions)**!

• **व्याख्या:** बंद-अंत वाले (Close-ended / Convergent) प्रश्नों का केवल एक ही निश्चित उत्तर होता है जो केवल रटने की जांच करते हैं; जबकि मुक्त-अंत वाले प्रश्न बच्चों में **अपसारी चिंतन, कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता और आलोचनात्मक सोच** का विकास करते हैं!

76. **[UGC-NET Paper-1 2024]** शैक्षिक अनुसंधान (Educational Research) में **'क्रियात्मक अनुसंधान' (Action Research — शब्द सर्वप्रथम कर्ट लेविन ने दिया और शिक्षा में स्टीफन एम. कोरे ने लोकप्रिय बनाया)** मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान से किस प्रकार भिन्न है?

• **उत्तर:** क्रियात्मक अनुसंधान का उद्देश्य कोई सार्वभौमिक सिद्धांत बनाना नहीं होता, बल्कि **विद्यालय या कक्षा की किसी तात्कालिक, स्थानीय एवं व्यावहारिक समस्या (Immediate Local Problem — जैसे कक्षा 7 के छात्रों की वर्तनी सुधारना या उपस्थिति बढ़ाना) का स्वयं शिक्षक या प्राचार्य द्वारा त्वरित सुधार और समाधान करना** होता है!

• **व्याख्या:** क्रियात्मक अनुसंधान का चक्रीय क्रम (PAOR) है: **Plan (योजना बनाना) -> Act (कार्य करना) -> Observe (अवलोकन करना) -> Reflect (चिंतन/विमर्श करना)**!

77. **[UGC-NET 2024]** अनुसंधान में 'स्वतंत्र चर' (Independent Variable), 'आश्रित चर' (Dependent Variable) और 'हस्तक्षेपकारी / बाह्य चर' (Extraneous Variable) का संबंध एक शिक्षक के शिक्षण प्रयोग में क्या होता है?

• **उत्तर: स्वतंत्र चर (कारण / Cause — जिसमें शोधकर्ता हेरफेर या परिवर्तन करता है): शिक्षक या शिक्षण विधि; आश्रित चर (प्रभाव / Effect — जिस पर स्वतंत्र चर के प्रभाव को मापा जाता है): छात्र या छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि**; और **मध्यस्थ चर:** पाठ्यक्रम/सामग्री!

• **व्याख्या:** जॉन डीवी ने शिक्षण को एक **त्रि-ध्रुवीय प्रक्रिया (Tripolar Process: शिक्षक, शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम/सामाजिक वातावरण)** कहा, जबकि जॉन एडम्स ने इसे द्वि-ध्रुवीय प्रक्रिया कहा था।

78. **[DSSSB PRT]** सिगमंड फ्रायड, कार्ल रोजर्स, आलपोर्ट और कैटेल के व्यक्तित्व सिद्धांतों व प्रक्षेपी परीक्षणों (Projective Tests — जो अचेतन मन का मापन करते हैं) का सही मिलान क्या है?

• **उत्तर:**

• **हरमन रोर्शा (1921): स्याही-धब्बा परीक्षण (Inkblot Test — कुल 10 कार्ड: 5 काले-सफेद, 2 काले-सफेद-लाल, और 3 बहुरंगी)**;

• **मॉर्गन और मरे (1935): प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण (TAT — Thematic Apperception Test: 30 चित्र कार्ड + 1 खाली कार्ड = कुल 31 कार्ड, 14 वर्ष से ऊपर हेतु)**;

• **लियोपोल्ड बैलक (1948): बाल अंतर्बोध परीक्षण (CAT — Children's Apperception Test: 3 से 10 वर्ष के बच्चों हेतु 10 जानवरों के चित्र वाले कार्ड)**!

• **व्याख्या:** कैटेल ने कारक विश्लेषण द्वारा व्यक्तित्व के **16 शीलगुण (16 PF — Personality Factors)** दिए और आईजेंक ने अंतर्मुखी-बहिर्मुखी व मनोविक्षुब्धता का वर्गीकरण दिया।

79. **[CTET Jan 2024]** लेव वाइगोत्स्की और जीन पियाजे दोनों के रचनावादी दृष्टिकोण में कौन-सी एक बात **समान** है?

• **उत्तर:** दोनों ही मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि **बच्चे ज्ञान के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि वे सक्रिय रूप से अपने ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं (Children are Active Constructors of Knowledge)**!

• **व्याख्या:** अंतर केवल यह है कि पियाजे भौतिक वातावरण के साथ बच्चे की व्यक्तिगत खोज (Individual Cognitive Constructivism) पर बल देते हैं, जबकि वाइगोत्स्की सामाजिक अंत:क्रिया और सांस्कृतिक उपकरणों (Social Constructivism) पर बल देते हैं।

80. **[KVS TGT 2023]** मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम और विद्यालय परामर्श (Counseling) में 'निर्देशात्मक परामर्श' (Directive Counseling — विलियमसन), 'अनिर्देशात्मक परामर्श' (Non-Directive / Client-Centered Counseling — **कार्ल रोजर्स**) और 'समन्वयात्मक परामर्श' (Eclective Counseling — एफ.सी. थॉर्न) में क्या अंतर है?

• **उत्तर:** निर्देशात्मक परामर्श में परामर्शदाता (Counselor) केंद्र में होता है; **अनिर्देशात्मक परामर्श (कार्ल रोजर्स)** में **परामर्शार्थी/छात्र (Client) केंद्र में** होता है और परामर्शदाता सहानुभूतिपूर्ण व बिना शर्त सकारात्मक सम्मान (Unconditional Positive Regard) का वातावरण देता है जिससे छात्र स्वयं अपनी समस्या का समाधान खोज लेता है; तथा समन्वयात्मक परामर्श (थॉर्न) इन दोनों का आवश्यकतानुसार संतुलित मिश्रण है!

• **व्याख्या:** विद्यालयी मार्गदर्शन और परामर्श में कार्ल रोजर्स और थॉर्न के मॉडल सर्वाधिक उपयोगी हैं।

81. **[UGC-NET Paper-1 2024]** उच्च शिक्षा और डिजिटल पहलों में — **SHODHGANGA**, **SHODHGANGOTRI**, **e-ShodhSindhu**, **VIDWAN**, **SAMARTH** और **APAAR ID** — क्या हैं?

• **उत्तर:**

• **Shodhganga:** INFLIBNET द्वारा संचालित भारतीय विश्वविद्यालयों के पूर्ण **Ph.D. शोध प्रबंधों (Theses) का डिजिटल कोष**;

• **Shodhgangotri:** स्वीकृत **शोध सार / सिनॉप्सिस (Research Synopses)** का डिजिटल कोष;

• **e-ShodhSindhu:** उच्च शिक्षा संस्थानों को हजारों अंतरराष्ट्रीय ई-जर्नल्स और ई-पुस्तकें उपलब्ध कराने वाला कंसोर्टियम;

• **VIDWAN:** भारत के प्रमुख वैज्ञानिकों और संकाय सदस्यों के प्रोफाइल का राष्ट्रीय डेटाबेस;

• **APAAR ID (Automated Permanent Academic Account Registry — 'One Nation, One Student ID'):** NEP 2020 के तहत प्रत्येक स्कूली व कॉलेज छात्र की **12 अंकों की आजीवन शैक्षणिक पहचान संख्या**, जो डिजिलॉकर और ABC (Academic Bank of Credits) से जुड़ी है!

• **व्याख्या:** APAAR ID (12 अंक) वर्तमान समकालीन परीक्षाओं का सबसे नया और महत्वपूर्ण तथ्य है।

82. **[CTET July 2024]** जब एक प्राथमिक शिक्षक बच्चों को 'भिन्न' (Fractions — जैसे 1/2 और 1/4) पढ़ाने से पहले कागज की गोल रोटी के टुकड़े मोड़कर बराबर भागों में बांटकर दिखाता है और फिर श्यामपट्ट पर (1 / 2) लिखता है, तो वह गणित शिक्षण के किस अनुक्रम का पालन कर रहा है?

• **उत्तर: ELPS अनुक्रम (पामेला लिबेक द्वारा प्रतिपादित):** **E**xperience with physical objects (ठोस वस्तुओं के साथ अनुभव) -> **L**anguage that describes the experience (मौखिक भाषा) -> **P**ictures that represent the experience (चित्र) -> **S**ymbols that generalize the experience (गणितीय प्रतीक) — तथा **CPA उपागम (Concrete -> Pictorial -> Abstract / मूर्त -> चित्रात्मक -> अमूर्त)**!

• **व्याख्या:** निपुण भारत और NCF-FS 2022 में प्रारंभिक गणित शिक्षण के लिए यही चार-चरणीय ELPS/CPA मॉडल अनिवार्य किया गया है।

83. **[DSSSB PRT]** कर्ट लेविन, रॉन लिपिट और राल्फ व्हाइट द्वारा बताए गए 'नेतृत्व की 3 शैलियों' (Leadership Styles — निरंकुश, लोकतांत्रिक और अहस्तक्षेप/Laissez-faire) में से एक कक्षा शिक्षक और प्रधानाचार्य के लिए कौन-सी शैली सर्वश्रेष्ठ है?

• **उत्तर: लोकतांत्रिक / सहभागी नेतृत्व शैली (Democratic / Participative Style)**!

• **व्याख्या:** लोकतांत्रिक कक्षा में छात्र बिना डर के प्रश्न पूछते हैं, निर्णय प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं और उनमें स्व-अनुशासन विकसित होता है।

84. **[CTET 2024]** 'समावेशन' (Inclusion) के दर्शन के अनुसार यदि किसी कक्षा में एक बच्चा बार-बार अपनी सीट से उठकर घूमता है, बात बीच में काटता है और एक कार्य पर लंबी देर तक ध्यान नहीं लगा पाता, तो वह किस स्थिति से जूझ रहा है और शिक्षक को उसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

• **उत्तर:** वह **ADHD (Attention Deficit Hyperactivity Disorder — अवधान न्यूनता अतिसक्रियता विकार)** से जूझ रहा है। शिक्षक को उसे लंबे कार्यों को **छोटे-छोटे हिस्सों (Chunking) में बांटकर** देना चाहिए, कक्षा में शारीरिक गतिविधि आधारित कार्य सौंपने चाहिए और विकर्षण (Distraction) कम करने के लिए उसे आगे की पंक्ति में अपने पास बैठाना चाहिए!

• **व्याख्या:** ADHD वाले बच्चे को कोने में खड़ा करना या लंच ब्रेक में बाहर खेलने से रोक देना उसके अतिसक्रिय तनाव को और बढ़ा देता है।

85. **[UGC-NET Paper-1]** कक्षा संप्रेषण (Classroom Communication — लैटिन शब्द *Communis* अर्थात 'साझा करना') की प्रक्रिया के क्रमिक घटक (**SMCR मॉडल — डेविड बर्लो**) कौन-से हैं, और संप्रेषण कब पूर्ण माना जाता है?

• **उत्तर:** घटक: **प्रेषक/स्रोत (Sender/Source) -> संकेतीकरण (Encoding) -> संदेश एवं माध्यम (Message & Channel) -> विसंकेतीकरण (Decoding) -> प्राप्तकर्ता (Receiver) -> प्रतिपुष्टि (Feedback)**! कक्षा संप्रेषण तभी पूर्ण और द्वि-मार्गी (Two-way) माना जाता है जब छात्रों की ओर से **प्रतिपुष्टि (Feedback)** प्राप्त होती है!

• **व्याख्या:** कक्षा में शोर, अस्पष्ट उच्चारण, पूर्वग्रह या कठिन भाषा संप्रेषण की प्रमुख बाधाएं (Barriers/Noise) हैं।

86. **[KVS PGT]** 'अभिक्रमित अनुदेशन' (Programmed Instruction — स्व-गति से छोटे-छोटे फ्रेमों में सीखने और तुरंत प्रतिपुष्टि पाने की विधि) के दो मुख्य प्रकारों — **रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन (Linear)** और **शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन (Branching)** — के जनक कौन हैं?

• **उत्तर:**

• **रेखीय / बाह्य अभिक्रमित अनुदेशन (Linear Programmed Instruction): बी.एफ. स्किनर** (1954 — क्रियाप्रसूत अनुबंधन पर आधारित);

• **शाखीय / आंतरिक अभिक्रमित अनुदेशन (Branching Programmed Instruction): नॉर्मन ए. क्राउडर** (जिसमें गलत उत्तर चुनने पर छात्र को निदानात्मक उप-शाखा फ्रेम पर ले जाकर अवधारणा समझाई जाती है);

• **मैथेटिक्स (Mathetics — अवरोही श्रृंखला): थॉमस एफ. गिल्बर्ट**!

• **व्याख्या:** यह शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology) का सबसे प्रसिद्ध प्रश्न है।

87. **[CTET Jan 2024]** लॉरेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत में 'हाइंज की दुविधा' (Heinz Dilemma) के संदर्भ में एक व्यक्ति तर्क देता है कि "भले ही दवा चुराना कानून के खिलाफ है, लेकिन किसी इंसान की जान बचाना किसी भी संपत्ति के कानून से कहीं ऊपर का मानवीय और सार्वभौमिक मूल्य है, और मैं जान बचाकर जेल जाने को भी तैयार हूं"। वह किस अवस्था में है?

• **उत्तर: उत्तर-परंपरागत स्तर की छठी (सर्वोच्च) अवस्था — सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास (Universal Ethical Principles Orientation)**!

• **व्याख्या:** यहां व्यक्ति की नैतिकता बाहरी कानूनों के बजाय मानवाधिकार, न्याय, समानता और स्व-चयनित अंतरात्मा के सिद्धांतों से निर्देशित होती है।

88. **[UPTET]** ब्रेल लिपि (Braille Script — दृष्टिबाधितों के पढ़ने-लिखने की स्पर्शनीय लिपि, जिसके जनक फ्रांस के **लुई ब्रेल** थे और प्रतिवर्ष **4 जनवरी को 'विश्व ब्रेल दिवस'** मनाया जाता है) कितने उभरे हुए बिंदुओं (Raised Dots) पर आधारित होती है?

• **उत्तर: 6 उभरे हुए बिंदुओं** (3 पंक्तियों और 2 स्तंभों के मैट्रिक्स में व्यवस्थित, जिनसे कुल 2^6 = 64 संयोजन बनते हैं)!

• **व्याख्या:** 12 बिंदुओं की पुरानी चार्ल्स बार्बियर की 'नाइट राइटिंग' प्रणाली को सरल बनाकर लुई ब्रेल ने 6 बिंदुओं की प्रणाली बनाई थी।

89. **[CTET July 2024]** बच्चों में 'संवेग' (Emotion — लैटिन शब्द *Emovere* अर्थात 'उत्तेजित होना') और 'संज्ञान' (Cognition — सोचना, समझना, स्मरण करना) के बीच कैसा संबंध होता है?

• **उत्तर:** संवेग और संज्ञान एक-दूसरे से **अभिन्न रूप से गुंथे हुए और परस्पर अंतःसंबंधित (Intertwined & Bidirectional)** होते हैं! (भय, चिंता या तनाव संज्ञानात्मक क्षमता और ध्यान को घटा देते हैं, जबकि उत्साह और जिज्ञासा सीखने को तीव्र कर देते हैं।)

• **व्याख्या:** केवल **रॉबर्ट ज़ाजोंक (Robert Zajonc)** ही ऐसे अपवाद मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने माना कि संवेग और संज्ञान एक-दूसरे से स्वतंत्र (Independent) हैं; अन्य सभी मनोवैज्ञानिक दोनों को सन्नद्ध (Interwoven) मानते हैं!

90. **[DSSSB TGT]** विलियम मैकडूगल (William McDougall) ने अपनी पुस्तक *An Outline of Psychology* में कितनी **मूल प्रवृत्तियां (Instincts)** और उनसे जुड़े संवेग बताए हैं?

• **उत्तर: 14 मूल प्रवृत्तियां और 14 संवेग** (जैसे: पलायन/Escape -> भय/Fear; युयुत्सा/Combat -> क्रोध/Anger; जिज्ञासा/Curiosity -> आश्चर्य/Wonder; वात्सल्य -> करुणा; हास्य -> आमोद आदि)!

• **व्याख्या:** डेनियल गोलमैन (Daniel Goleman — 1995 की प्रसिद्ध पुस्तक *Emotional Intelligence: Why It Can Matter More Than IQ*) ने **'संवेगात्मक बुद्धि' (EQ)** को लोकप्रिय बनाया (यद्यपि इस संप्रत्यय का सर्वप्रथम प्रयोग 1990 में पीटर सलोवे और जॉन मेयर ने किया था)।

91. **[UGC-NET Paper-1 2024]** प्राचीन भारत के प्रमुख शिक्षा केंद्रों — **तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी** और **ओदंतपुरी** — की मुख्य विशेषताएं क्या थीं?

• **उत्तर:**

• **तक्षशिला (प्राचीन गांधार, वर्तमान पाकिस्तान — विश्व का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय, यूनेस्को धरोहर 1980):** उच्च शिक्षा एवं चिकित्सा, अर्थशास्त्र व व्याकरण का केंद्र; इसके प्रसिद्ध आचार्य/छात्र **चाणक्य (कौटिल्य), पाणिनि, चरक, जीवक और चंद्रगुप्त मौर्य** थे;

• **नालंदा महाविहार (बिहार — 5वीं सदी में गुप्त शासक कुमारगुप्त प्रथम द्वारा स्थापित, यूनेस्को धरोहर 2016):** महायान बौद्ध दर्शन, तर्कशास्त्र और खगोल विज्ञान का केंद्र; चीनी यात्री **ह्वेनसांग (Xuanzang)** और इत्सिंग ने यहां अध्ययन किया (उस समय कुलपति **शीलभद्र** थे); इसका पुस्तकालय **'धर्मगंज'** तीन विशाल नौ-मंजिला भवनों — **रत्नसागर, रत्नोदधि और रत्नरंजक** — में बंटा था, जिसे 1193 ई. में बख्तियार खिलजी ने नष्ट किया;

• **विक्रमशिला (भागलपुर, बिहार):** पाल वंश के शासक **धर्मपाल** (8वीं सदी) द्वारा स्थापित वज्रयान बौद्ध केंद्र (प्रसिद्ध विद्वान: अतीश दीपंकर);

• **वल्लभी (सौराष्ट्र, गुजरात):** मैत्रक राजवंश द्वारा स्थापित हीनयान बौद्ध एवं धर्मनिरपेक्ष विषयों (अर्थशास्त्र, कानून, प्रशासन) का केंद्र;

• **ओदंतपुरी (बिहार शरीफ):** पाल वंश के संस्थापक **गोपाल** द्वारा स्थापित!

• **व्याख्या:** UGC-NET के उच्च शिक्षा प्रणाली (Higher Education System) खंड में तक्षशिला, नालंदा (रत्नसागर, रत्नोदधि, रत्नरंजक) और विक्रमशिला से प्रत्येक वर्ष प्रश्न पूछे जाते हैं।

92. **[CTET 2024]** जब एक शिक्षिका बच्चों को 'बीजों के अंकुरण' (Seed Germination) का पाठ पढ़ाने के लिए उन्हें घर से चने और मूंग के बीज लाकर गीली रुई, सूखी कटोरी और अंधेरे डिब्बे में रखकर 4 दिनों तक प्रतिदिन होने वाले परिवर्तनों का अवलोकन कर अपनी कॉपी में चित्र व तालिका बनाने को कहती है, तो वह किस उपागम का प्रयोग कर रही है?

• **उत्तर: प्रक्रिया कौशल आधारित रचनावादी उपागम (Process-Skills & Inquiry-based Constructivist Approach — अवलोकन, वर्गीकरण, प्रयोग, अनुमान और निष्कर्ष निकालना)!**

• **व्याख्या:** श्यामपट्ट पर केवल अंकुरण की परिभाषा लिखवा देना या चार्ट दिखा देना प्रत्यक्ष प्रयोग का विकल्प नहीं हो सकता।

93. **[KVS PRT 2023]** केंद्र सरकार की *'पीएम श्री स्कूल' (*PM SHRI* — PM ScHools for Rising India, 5 सितंबर 2022 को घोषित)* योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?

• **उत्तर:** पूरे भारत में **14,500 से अधिक** मौजूदा सरकारी स्कूलों (केंद्रीय विद्यालय व नवोदय विद्यालय सहित) को अपग्रेड कर ऐसे आदर्श **'ग्रीन और मॉडल स्कूल'** के रूप में विकसित करना जो **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के सभी घटकों की जीवंत प्रयोगशाला (Exemplar Schools)** के रूप में कार्य करें और अपने आसपास के अन्य स्कूलों को मार्गदर्शन प्रदान करें!

• **व्याख्या:** KVS और NVS के सभी विद्यालय पीएम श्री योजना के प्रमुख स्तंभ हैं।

94. **[CTET Jan 2024]** एक बच्चा जो अपनी मातृभाषा में बहुत प्रभावशाली ढंग से कहानी सुनाता है, पर स्कूल की मानक भाषा में लिखते समय कुछ वर्तनी की गलतियां करता है — उसके बारे में एक भाषा शिक्षक का क्या दृष्टिकोण होना चाहिए?

• **उत्तर:** शिक्षक को उसकी मौखिक अभिव्यक्ति की सराहना करनी चाहिए और उसकी वर्तनी की गलतियों को **सीखने के विकासात्मक संकेतक (Developmental Indicators of Learning)** के रूप में देखते हुए समृद्ध प्रिंट वातावरण और अर्थपूर्ण लेखन के अवसर प्रदान करने चाहिए (न कि लाल पेन से गोले लगाकर उसे हतोत्साहित करना चाहिए)।

• **व्याख्या:** प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों द्वारा अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से कागज पर उतारने ('आविष्कृत वर्तनी' / Invented Spelling) को प्रोत्साहित करना चाहिए।

95. **[DSSSB TGT]** कुर्त कोफ्का, मैक्स वर्दीमर और वोल्फगैंग कोहलर के 'गेस्टाल्ट मनोविज्ञान' में 'गेस्टाल्ट' (जर्मन शब्द) का शाब्दिक अर्थ क्या है?

• **उत्तर: 'समग्र आकृति' या 'संपूर्ण रूप/विन्यास' (Whole Form / Configuration)!**

• **व्याख्या:** गेस्टाल्टवादियों का केंद्रीय सूत्र है कि मानव मस्तिष्क किसी वस्तु को टुकड़ों में नहीं, बल्कि पहले **'संपूर्ण' (Whole)** के रूप में देखता है — इसलिए शिक्षण का सूत्र **'पूर्ण से अंश की ओर' (From Whole to Part)** गेस्टाल्ट मनोविज्ञान की ही देन है!

96. **[UGC-NET Paper-1 2024]** ब्लूम के संज्ञानात्मक वर्गीकरण और मेरिल के 'कॉम्पोनेंट डिस्प्ले थ्योरी' के अतिरिक्त, ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षा (Blended Learning) में **'फ्लिप्ड क्लासरूम' (Flipped Classroom — पलटी हुई कक्षा)** का क्या अर्थ है?

• **उत्तर:** पारंपरिक कक्षा के ठीक विपरीत, फ्लिप्ड क्लासरूम में छात्र **घर पर कक्षा से पहले** वीडियो व्याख्यान या पठन सामग्री देखकर बुनियादी सैद्धांतिक ज्ञान (Remembering & Understanding) प्राप्त कर आते हैं, और **कक्षा के समय (Class Time)** का उपयोग शिक्षक के मार्गदर्शन में **समूह चर्चा, व्यावहारिक समस्या-समाधान, केस स्टडी और प्रोजेक्ट (Applying, Analyzing & Creating)** करने के लिए किया जाता है!

• **व्याख्या:** यह सक्रिय अधिगम (Active Learning) का सबसे आधुनिक मॉडल है।

97. **[CTET July 2024]** अल्बर्ट बंडुरा के अनुसार किसी व्यक्ति का **'अपने स्वयं के सामर्थ्य में यह विश्वास कि वह किसी विशिष्ट कार्य या परिस्थिति को सफलतापूर्वक निष्पादित कर सकता है'** क्या कहलाता है?

• **उत्तर: स्व-प्रभावकारिता (Self-Efficacy)**!

• **व्याख्या:** उच्च स्व-प्रभावकारिता वाले छात्र कठिन लक्ष्यों को चुनते हैं और बाधा आने पर भी आसानी से हार नहीं मानते।

98. **[KVS PGT]** भारत में शिक्षक शिक्षा (Teacher Education — B.Ed., D.El.Ed., ITEP) का वैधानिक नियामक निकाय कौन-सा है और यह किस अधिनियम के तहत स्थापित हुआ?

• **उत्तर: NCTE (National Council for Teacher Education — राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, मुख्यालय: नई दिल्ली)**; इसकी स्थापना 1973 में सलाहकार निकाय के रूप में हुई और **NCTE अधिनियम, 1993** द्वारा **17 अगस्त 1995** को इसे वैधानिक दर्जा मिला (**CTET Introduction**)!

• **व्याख्या:** इसी प्रकार दिव्यांगजनों के पुनर्वास और विशेष शिक्षा (Special B.Ed. / D.Ed.) के पाठ्यक्रमों व पेशेवरों का वैधानिक नियामक **RCI (Rehabilitation Council of India — भारतीय पुनर्वास परिषद, RCI अधिनियम 1992)** है!

99. **[CTET 2024]** एक शिक्षक कक्षा 5 के छात्रों को 'जल संरक्षण' का विषय पढ़ाते समय उन्हें अपने घर और पड़ोस में 1 सप्ताह का 'जल ऑडिट' (Water Audit) करने और यह चार्ट बनाने का प्रोजेक्ट देता है कि कहां-कहां पानी बर्बाद हो रहा है और उसे कैसे रोका जा सकता है। ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण के अनुसार यह कार्य किन उच्च-स्तरीय चिंतन कौशलों (HOTS — Higher Order Thinking Skills) को विकसित करता है?

• **उत्तर: अनुप्रयोग (Applying), विश्लेषण (Analyzing), मूल्यांकन (Evaluating) और सृजन (Creating)** के साथ वास्तविक जीवन के प्रति पर्यावरणीय संवेदनशीलता!

• **व्याख्या:** रटने और याद करने को निम्न-स्तरीय चिंतन कौशल (LOTS — Lower Order Thinking Skills) कहते हैं, जबकि विश्लेषण, मूल्यांकन और सृजन को **HOTS (Higher Order Thinking Skills)** कहते हैं।

100. **[UGC-NET / CTET / KVS Master Question]** NCF-FS 2022 और NEP 2020 में वर्णित भारतीय शैक्षिक दर्शन के **'पंचकोश विकास' (तैत्तिरीय उपनिषद से प्रेरित)** के 5 स्तर कौन-से हैं और वे बच्चे के किस विकास से जुड़े हैं?

• **उत्तर:**

1. **अन्नमय कोश (Physical Layer):** शारीरिक विकास, पोषण, स्वच्छता और स्थूल/सूक्ष्म गतिक कौशल;
2. **प्राणमय कोश (Life Force Energy Layer):** जीवन शक्ति, श्वसन, प्राणायाम और इंद्रिय संतुलन;
3. **मनोमय कोश (Emotional & Mental Layer):** भावनात्मक विकास, नैतिक मूल्य, सहानुभूति और मानसिक शांति;
4. **विज्ञानमय कोश (Intellectual Layer):** संज्ञानात्मक विकास, तार्किक चिंतन, विवेक और जिज्ञासा;
5. **आनंदमय कोश (Spiritual / Inner Bliss Layer):** सौंदर्यबोध, कला, संगीत, प्रकृति से जुड़ाव और आंतरिक आनंद!

• **व्याख्या:** इसी पंचकोश ढांचे पर आधारित होकर NCERT ने प्री-स्कूल से कक्षा 2 तक की नई पाठ्यपुस्तकें ('जादुई पिटारा', 'सारंगी', 'मृदंग', 'आनंदमय') तैयार की हैं।

भाग (ग): बुक 22 का मास्टर एनसाइक्लोपीडिया टेबल (Master Encyclopedia Reference Table)

क्र.	श्रेणी / डोमेन	सिद्धांत / नीति / अधिनियम / आयोग	प्रतिपादक / अध्यक्ष / वर्ष	मुख्य अवस्थाएं / प्रावधान / परीक्षा-उन्मुख कीवर्ड	आधिकारिक संदर्भ लिंक
1	संज्ञानात्मक विकास	संज्ञानात्मक रचनावाद (4 अवस्थाएं)	जीन पियाजे (स्विट्ज़रलैंड)	स्कीमा, आत्मसात्करण, समायोजन; SPCF: संवेदी-गामक (0-2 वस्तु स्थायित्व), पूर्व (2-7 जीववाद), मूर्त (7-11 संरक्षण), अमूर्त (11+)	NCERT Portal
2	सामाजिक-सांस्कृतिक	सामाजिक रचनावाद (Socio-Cultural Theory)	लेव वाइगोत्स्की (रूस)	समाज, संस्कृति व भाषा (SCL); **ZPD** (समीपस्थ विकास का क्षेत्र), **MKO**, **Scaffolding** (पाड़), निजी वाक् (स्व-नियमन)	NCERT Portal
3	नैतिक विकास	नैतिक विकास के 3 स्तर व 6 अवस्थाएं	लॉरेंस कोहलबर्ग (आलोचक: कैरोल गिलिगन)	पूर्व-परंपरागत (दंड, यांत्रिक विनिमय), परंपरागत (अच्छा लड़का-लड़की, कानून-व्यवस्था), उत्तर-परंपरागत (सामाजिक अनुबंध, सार्वभौमिक नीति)	NCERT Portal
4	अधिगम सिद्धांत (S-R)	प्रयास व त्रुटि, शास्त्रीय एवं क्रियाप्रसूत अनुबंधन	थॉर्नडाइक, पावलोव, बी.एफ. स्किनर	थॉर्नडाइक (बिल्ली - तत्परता, अभ्यास, प्रभाव के 3 नियम); पावलोव (कुत्ता - CS/UCS); स्किनर (चूहा/कबूतर - पुनर्बलन R-S)	NCERT Portal
5	संज्ञान व प्रेक्षणात्मक	अंतर्दृष्टि (Insight) एवं सामाजिक अधिगम	कोहलर (गेस्टाल्ट) एवं अल्बर्ट बंडुरा	कोहलर ('सुल्तान' चिंपांजी - अचानक सूझ/पूर्ण से अंश); बंडुरा (बोबो डॉल - अनुकरण के 4 चरण: **Attention, Retention, Reproduction, Motivation**)	NCERT Portal
6	बुद्धि के सिद्धांत	एक-कारक से बहु-बुद्धि और त्रि-चापीय सिद्धांत	बिने, स्पीयरमैन, गार्डनर, स्टर्नबर्ग	IQ = (MA/CA) × 100; स्पीयरमैन (g व s); गार्डनर (**8 बहु-बुद्धि**: Interpersonal बनाम Intrapersonal); स्टर्नबर्ग (CAP)	NCERT Portal
7	राष्ट्रीय शिक्षा नीति	**NEP 2020** (34 वर्ष बाद तीसरी शिक्षा नीति)	डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति (29 जुलाई 2020)	नई **5+3+3+4** संरचना (आयु 3–18); कक्षा 5/8 तक मातृभाषा; कक्षा 6 से वोकेशनल/कोडिंग; GDP का 6% लक्ष्य; 100% GER (2030)	PIB NEP 2020 PDF
8	NEP 2020 संस्थान	PARAKH, NIPUN, HECI (4 स्तंभ), ABC, APAAR	शिक्षा मंत्रालय एवं NCERT (2020–2026)	**NIPUN भारत:** कक्षा 3 तक FLN; **PARAKH:** 360° समग्र प्रगति कार्ड; **HECI:** NHERC, NAC, HEGC, GEC; **APAAR:** 12-अंक छात्र ID	NCERT NEP 2020
9	पाठ्यचर्या रूपरेखाएं	NCF 2005, NCF-FS 2022, NCF-SE 2023	प्रो. यशपाल (2005) व के. कस्तूरीरंगन (2022-23)	NCF 2005: 'शिक्षा बिना बोझ के' व 5 मार्गदर्शी सिद्धांत; NCF-FS 2022: पंचकोश विकास व जादुई पिटारा; NCF-SE 2023: कक्षा 9-10 में 3 भाषाएं	NCERT Guidelines
10	शिक्षा का अधिकार	**RTE अधिनियम, 2009** (86वां संशोधन, अनुच्छेद 21A)	1 अप्रैल 2010 से लागू (आयु 6–14, दिव्यांग 6–18)	धारा 12(1)(c): निजी स्कूलों में **25% EWS आरक्षण**; धारा 13: नो डोनेशन/इंटरव्यू; धारा 17: नो दंड; सप्ताह में 45 घंटे; PTR 30:1 व 35:1	CTET Official
11	दिव्यांगजन अधिकार	**RPwD अधिनियम, 2016** (PwD 1995 का स्थान)	दिसंबर 2016 (बेंचमार्क दिव्यांगता ≥ 40%)	दिव्यांगता श्रेणियां 7 **से बढ़ाकर 21** (एसिड अटैक, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, सिकल सेल, ऑटिज्म, SLD); नौकरी में 4% व उच्च शिक्षा में 5% आरक्षण	CIET SEDGs
12	अधिगम अक्षमताएं	विशिष्ट अधिगम विकार (SLD — सैमुअल किर्क)	तंत्रिका-विकासात्मक भिन्नताएं	**Dyslexia** (पठन), **Dysgraphia** (लेखन), **Dyscalculia** (गणित), **Dyspraxia** (गतिक समन्वय), **Aphasia** (भाषा), **ADHD** (ध्यान/अतिसक्रियता)	CIET NCERT
13	शिक्षण स्तर व ब्लूम	हरबर्ट (स्मृति), मॉरिसन (समझ), हंट (चिंतनशील)	बेंजामिन ब्लूम (1956) व एंडरसन (2001)	संशोधित ब्लूम (संज्ञानात्मक — नीचे से ऊपर): **Remembering -> Understanding -> Applying -> Analyzing -> Evaluating -> Creating**	CIET Online
14	डिजिटल व शिक्षक प्रशिक्षण	**NISHTHA, DIKSHA, SWAYAM, SWAYAM PRABHA**	शिक्षा मंत्रालय, NCERT एवं INFLIBNET	NISHTHA: शिक्षक समग्र उन्नति (50 घंटे CPD); SWAYAM: 4 चतुर्थांश व 9 राष्ट्रीय समन्वयक; SWAYAM PRABHA: GSAT-15 (24x7 DTH)	CIET NISHTHA

क्र.	श्रेणी / डोमेन	सिद्धांत / नीति / अधिनियम / आयोग	प्रतिपादक / अध्यक्ष / वर्ष	मुख्य अवस्थाएं / प्रावधान / परीक्षा-उन्मुख कीवर्ड	आधिकारिक संदर्भ लिंक
15	आकलन एवं अनुसंधान	Assessment FOR / OF / AS Learning एवं Action Research	कर्ट लेविन व स्टीफन कोरे (Action Research)	**FOR** (रचनात्मक/दौरान), **OF** (योगात्मक/अंत में), **AS** (स्व-मूल्यांकन); सूक्ष्म शिक्षण चक्र: **36 मिनट**; क्रियात्मक शोध चक्र: **Plan-Act-Observe-Reflect**	**NCERT Portal**

क्वालिटी ऑडिट, सिद्धांत सत्यापन एवं बाल विकास/शिक्षाशास्त्र (CDP & NEP 2020) महत्वपूर्ण परीक्षा तथ्य पैक

(क) 10 सबसे अधिक भ्रमित करने वाले मनोवैज्ञानिक सिद्धांत, NEP 2020 नियम व परीक्षा गलतियाँ

• **1. जीन पियाजे बनाम लेव वायगोत्स्की में विचार और भाषा का क्रम:** जीन पियाजे के अनुसार बच्चे में **विचार पहले आता है और भाषा बाद में** (अहं-केंद्रित वाक्), जबकि लेव वायगोत्स्की के अनुसार **शुरुआत में विचार और भाषा दोनों स्वतंत्र होते हैं** और लगभग 3 वर्ष की आयु में मिल जाते हैं तथा बच्चा **निज वाक् (Private Speech)** से अपने व्यवहार को नियंत्रित करता है।

• **2. आत्मसातीकरण (Assimilation) बनाम समायोजन (Accommodation):** पूर्व ज्ञान/स्कीमा में बिना बदलाव के नई जानकारी जोड़ना **आत्मसातीकरण** है, जबकि नई जानकारी के अनुसार पुराने स्कीमा में संशोधन या परिवर्तन करना **समायोजन** कहलाता है।

• **3. नकारात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement) बनाम दंड (Punishment):** बी.एफ. स्किनर के अनुसार नकारात्मक पुनर्बलन किसी अप्रिय उद्दीपक को हटाकर वांछित व्यवहार की संभावना को **बढ़ाता** है, जबकि दंड अवांछित व्यवहार को **घटाता** है।

• **4. सीखने का आकलन (of) बनाम सीखने के लिए आकलन (for) बनाम सीखने के रूप में आकलन (as):** अंत में ग्रेड देना = **सीखने का आकलन (Summative)**; शिक्षण के दौरान सुधार हेतु = **सीखने के लिए आकलन (Formative)**; छात्र द्वारा स्व-आकलन = **सीखने के रूप में आकलन**।

• **5. लॉरेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास के 3 स्तर और 6 चरण:** स्तर **3** हैं (पूर्व-परंपरागत, परंपरागत, उत्तर-परंपरागत) और चरण **6** हैं। कैरल गिलिगन ने इसे पुरुष-प्रधान मानकर **'देखभाल की नैतिकता (Ethics of Care)'** प्रस्तुत की।

• **6. NEP 2020 की 5 + 3 + 3 + 4 संरचना में आयु और कक्षा विभाजन:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (डॉ. के. कस्तूरीरंगन समिति) में: (1) **बुनियादी स्तर (Foundational — 5 वर्ष, आयु 3–8 वर्ष):** 3 वर्ष आंगनवाड़ी/बालवाटिका + 2 वर्ष कक्षा 1 व 2; (2) **प्रारंभिक स्तर (Preparatory — 3 वर्ष):** कक्षा 3–5 (आयु 8–11); (3) **मध्य स्तर (Middle — 3 वर्ष):** कक्षा 6–8 (आयु 11–14, व्यावसायिक इंटर्नशिप प्रारंभ); (4) **माध्यमिक स्तर (Secondary — 4 वर्ष):** कक्षा 9–12 (आयु 14–18)।

• **7. समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD) बनाम पाड़/मचान (Scaffolding):** संभावित विकास और वास्तविक विकास के बीच का क्षेत्र **ZPD** है, जबकि अधिक जानकार व्यक्ति (MKO) द्वारा दी जाने वाली अस्थायी सहायता **Scaffolding (पाड़)** है।

• **8. RTE अधिनियम 2009 के कार्यदिवस और शिक्षण घंटे:** प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5) हेतु **200 कार्यदिवस व 800 शिक्षण घंटे** (छात्र-शिक्षक अनुपात 30:1), उच्च प्राथमिक (कक्षा 6–8) हेतु **220 कार्यदिवस व 1000 शिक्षण घंटे** (35:1), और शिक्षक हेतु प्रति सप्ताह न्यूनतम **45 कार्य-घंटे**।

• **9. RPwD अधिनियम 2016 की 21 दिव्यांगताएँ एवं RTE आयु सीमा:** दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में दिव्यांगता की श्रेणियाँ 7 से बढ़ाकर **21** कर दी गई हैं और दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा की आयु **6 से 18 वर्ष** है।

• **10. विशिष्ट अधिगम अक्षमताएँ (Learning Disabilities):** **डिसलेक्सिया** = पठन विकार; **डिसग्राफिया** = लेखन विकार; **डिसकैलकुलिया** = गणितीय गणना विकार; **डिसप्रैक्सिया** = गतिक/मोटर कौशल समन्वय विकार; **अफेजिया/डिसफेजिया** = भाषा संप्रेषण विकार।

(ख) नवीनतम शिक्षण परीक्षाओं (CTET, KVS, DSSSB, UGC-NET) पर आधारित मास्टर चीट-शीट सारणी

मनोवैज्ञानिक / नीति / आयोग	सिद्धांत / दस्तावेज का नाम	मुख्य अवस्थाएँ / संरचना / मानक	परीक्षा हेतु अचूक मुख्य बिंदु
जीन पियाजे (स्विट्ज़रलैंड)	संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत (4 अवस्थाएँ)	1. संवेदी-गामक (0–2: वस्तु स्थायित्व), 2. पूर्व-संक्रियात्मक (2–7: जीववाद, अपलटावी), 3. मूर्त (7–11: संरक्षण, वर्गीकरण), 4. औपचारिक (11+: अमूर्त चिंतन)	बच्चों को **'नन्हे वैज्ञानिक'** कहा; रेडिकल रचनावाद के जनक
लेव वायगोत्स्की (रूस)	सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का सिद्धांत	**SCL (Social, Cultural, Language)** — ZPD, Scaffolding, MKO, Private Speech	सहयोगात्मक अधिगम (Collaborative Learning) और पारस्परिक शिक्षण पर बल
थॉर्नडाइक, पावलॉव, स्किनर, कोहलर	व्यवहारवाद एवं गेस्टाल्टवाद	**थॉर्नडाइक:** प्रयास व त्रुटि (बिल्ली — तत्परता, अभ्यास, प्रभाव के 3 नियम); **पावलॉव:** शास्त्रीय अनुबंधन (कुत्ता); **स्किनर:** क्रिया-प्रसूत (चूहा/कबूतर); **कोहलर:** अंतर्दृष्टि/सूझ (सुल्तान चिंपांजी)	**बंडूरा:** सामाजिक/अवलोकनात्मक अधिगम (बोबो डॉल प्रयोग)

मनोवैज्ञानिक / नीति / आयोग	सिद्धांत / दस्तावेज का नाम	मुख्य अवस्थाएँ / संरचना / मानक	परीक्षा हेतु अचूक मुख्य बिंदु
बुद्धि के प्रमुख सिद्धांत	एक-कारक से बहु-बुद्धि तक	**बिने:** एक-कारक (MA/CA × 100 — स्टर्न व टरमन); **स्पीयरमैन:** द्वि-कारक (g व s); **थर्स्टन:** समूह कारक (7 PMA); **गिलफोर्ड:** त्रि-आयामी (3D); **हावर्ड गार्डनर: बहु-बुद्धि सिद्धांत (8 प्रकार)**	**डेनियल गोलमैन:** भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI के 5 घटक)
NEP 2020 एवं NCF-SE 2023	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं NCF 2023	**5+3+3+4** संरचना; **PARAKH** (राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र); **NIPUN भारत** (कक्षा 3 तक FLN); GDP का **6%** शिक्षा पर लक्ष्य	उच्च शिक्षा में GER को 2035 तक 50% और विद्यालयी शिक्षा में 2030 तक 100% करने का लक्ष्य
सूक्ष्म शिक्षण एवं शिक्षण के स्तर	NCERT भारतीय प्रतिमान एवं ब्लूम टैक्सोनॉमी	**सूक्ष्म शिक्षण चक्र = 36 मिनट** (शिक्षण 6 + प्रतिपुष्टि 6 + पुनः योजना 12 + पुनः शिक्षण 6 + पुनः प्रतिपुष्टि 6 मि.); शिक्षण स्तर: **स्मृति (हरबर्ट), बोध (मॉरिसन), चिंतन (हंट)**	**संशोधित ब्लूम टैक्सोनॉमी (2001):** स्मरण → समझ → अनुप्रयोग → विश्लेषण → मूल्यांकन → **सृजन (Creating)**